الجمهورية الجزائرية الديمقراطية الشعبية

**وزارة التعليم العالي والبحث العلمي**

**جامعة محمد لمين دباغين. سطيف2**

كلية العلوم الإنسانية والاجتماعية قسم علم الاجتماع

الرقم التسلسلي: .....

رقم التسجيل: socio/008/02/12

أطروحة مقدمة ضمن متطلبات نيل شهادة دكتوراه علوم في فرع علم الاجتماع

تخصص: ديموغرافيا حضرية

بعنوان:

# النساء المطلقات حديثات الزواج بين الوسط الريفي والحضري

-دراسة مقارنة-


إعداد الطالبة:

فوداد كريمة


لجنة المناقشة:

| اسم ولقب الأستاذ | الرتبة | مؤسسة الانتساب | الصفة |
|---|---|---|---|
| أ. د نويصر بلقاسم | أستـــــــاذ | سطيف 2 | رئيسا |
| أ.د ميلود سفـــاري | أستـــــــاذ | سطيف 2 | مشرفا ومقررا |
| أ.د رشيد زرواتـــي | أستـــــــاذ | برج بوعريريج | ممتحنا |
| د. السعيد رشيدي | استاذ محاضر أ | سطيف 2 | ممتحنا |
| أ. د. قجة رضـــا | أستـــــــاذ | مسيلـــة | ممتحنا |
| د. عمارة بوجمعة | استاذ محاضر أ | برج بوعريريج | ممتحنا |

**السنـــة الجامعية: 2018 / 2019 م**

# الشكـــــــــــر

الحمد و الشكر لله رب العالمين

و الصلاة و السلام على أشرف المرسلين

الحمد لله الذي و فقنا لإنجاز هذا العمل المتواضع

عرفانا مني بالجميل و الاحترام و التقدير أتوجه بالشكر و الامتنان

إلى الأستاذ الفاضل **سفاري ميلود**

الذي لم يبخل علينا بتوجيهاته

و نصائحه القيمة التي كانت لنا عونا في إتمام هذا العمل

كما أتقدم بالشكر إلى أساتذة تخصص علم الاجتماع و الديمغرافيا

# الإهـــــــداء

إلى روح أبي الزكية الطاهرة

إلى أمي الغالية أطال الله في عمرها

إلى شريك حياتي و سندي زوجي "العمري دودو"

إلى قرة عيني ابنتي "ليان "

إلى كل أفراد العائلة و الإخوة و الأخوات

إلى كل أفراد أسرة زوجي

إلى صديقتي العزيزة و رفيقة دربي" مريم بودوخة "

إلى كل الزملاء و الأصدقاء

و إلى طلبة تخصص علم السكان.

## فهرس المحتويات


| العنوان | الصفحة |
|---|---|
| مقدمة | 14 |
| **الفصل الأول : الإطار العام للدراسة** | |
| أولا- الدراسات السابقة | 19 |
| 1- دراسات في الجزائر | 19 |
| 2- دراسات في الوطن العربي | 29 |
| 3-الدراسات الأجنبية | 50 |
| ثانيا- تحديد مشكلة الدراسة | 56 |
| ثالثا- فرضيات الدراسة | 59 |
| رابعا- أهمية الدراسة وأسباب اختيار الموضوع | 60 |
| 1- أهمية الدراسة | 60 |
| 2- أسباب اختيار الموضوع | 61 |
| خامسا- أهداف الدراسة | 61 |
| سادسا - تحديد المفاهيم | 62 |
| 1- مفهوم الطلاق | 63 |
| 2- مفهوم الوسط الريفي | 70 |
| 3- مفهوم الوسط الحضري | 73 |
| **الفصل الثاني : تجليات التغير في مكانة المرأة بين الماضي و الحاضر** | |
| تمهيد | 81 |
| أولا – المرأة في التاريخ القديم | 81 |
| 1 – مكانة المرأة عند اليونان | 81 |
| 2 – مكانة المرأة عند الرومان | 85 |
| 3 – مكانة المرأة في الحضارة المصرية | 86 |

| | |
|---|---|
| 4- مكانة المرأة في الصين | 87 |
| 5- مكانة المرأة في الهند | 89 |
| 6- مكانة المرأة عند عرب الجاهلية | 90 |
| ثانيا – المرأة في الديانات السماوية | 93 |
| 1- مكانة المرأة عند اليهود | 93 |
| 2- مكانة المرأة في المسيحية | 95 |
| 3- مكانة المرأة في الإسلام | 96 |
| ثالثا- المرأة و حملة التحرر | 100 |
| رابعا – التطور التاريخي لقضية المرأة في الوطن العربي | 102 |
| 1- تعليم المرأة في الوطن العربي | 104 |
| 2 – عمل المرأة في الوطن العربي | 106 |
| 3- المشاركة السياسية للمرأة | 109 |
| خامسا المرأة الجزائرية الحاضر و التاريخ | 110 |
| خلاصة | 119 |
| **الفصل الثالث : مقاربة سوسيولوجية لظاهرة الطلاق** | |
| تمهيد | 122 |
| أولا – الاتجاهات النظرية المفسرة للطلاق | 122 |
| 1- النظرية البنائية الوظيفية | 122 |
| 2- النظرية التفاعلية الرمزية | 125 |
| 3- نظرية الصراع | 128 |
| ثانيا – تاريخ الطلاق | 129 |
| 1- الطلاق في الحضارات القديمة | 129 |
| 2- الطلاق عند العرب قبل الإسلام | 132 |
| ثالثا – الطلاق في الديانات السماوية | 133 |

| | |
|---|---|
| 1- الطلاق عند اليهود | 133 |
| 2- الطلاق في المسيحية | 135 |
| 3- الطلاق في الإسلام | 136 |
| رابعا – الطلاق و الزواج في الإحصائيات الرسمية | 141 |
| 1- إحصائيات الطلاق في بعض دول العالم | 141 |
| 2- إحصائيات الطلاق في الجزائر | 143 |
| خامسا – أسباب الطلاق و آثاره | 148 |
| 1- أسباب الطلاق | 148 |
| 2- آثار الطلاق | 156 |
| خلاصة | 167 |
| **الفصل الرابع : الريفية و الحضرية ما بين النموذج النظري و التغير الاجتماعي** | |
| تمهيد | 170 |
| أولا – الاتجاهات النظرية للمجتمعات الريفية و الحضرية | 170 |
| 1- نظرية الثنائية الريفية –الحضرية | 171 |
| 2 – مدخل استخدام المحك الواحد (فكرة التركز السكاني) | 176 |
| 3- استخدام مدخل تعدد السمات | 177 |
| 4- المتصل الريفي – الحضري | 178 |
| 5- نظريات الاتجاه الحتمي | 180 |
| ثانيا – معايير التمييز بين الريف و الحضر | 184 |
| ثالثا – مشكلات الوسط الريفي و الحضري | 188 |
| 1- مشكلات الوسط الريفي | 189 |
| 2- مشكلات الوسط الحضري | 195 |
| رابعا- مظاهر التغير الاجتماعي في ظل التحضر السريع | 201 |
| 1- التغير الاجتماعي في المجتمع العربي | 201 |

| | |
|---|---|
| 2- التغير الاجتماعي بين الريف و الحضر في المجتمع الجزائري | 205 |
| خلاصة | 209 |
| **الفصل الخامس : الإجراءات المنهجية** | |
| أولا المجال الجغرافي و الزمني للدراسة | 212 |
| 1- المجال الجغرافي | 212 |
| 2- المجال الزمني | 216 |
| ثانيا – مجتمع البحث و العينة | 217 |
| 1- مجتمع البحث | 217 |
| 2- العينة | 217 |
| ثالثا – المنهج المستخدم في الدراسة | 219 |
| 1- منهج دراسة الحالة | 219 |
| 2- المنهج التاريخي | 220 |
| 3-المنهج الاثنوجرافي | 221 |
| 4- المنهج المقارن | 222 |
| رابعا – أدوات جمع البيانات | 223 |
| 1- المقابلة الحرة المعمقة | 224 |
| 2- الملاحظة | 224 |
| 3- الاستمارة | 225 |
| 4- البرامج والأساليب والمقاييس الاحصائية المستخدمة | 227 |
| **الفصل السادس : عرض و تحليل النتائج** | |
| أولا – تحليل بيانات الاستمارة | 233 |
| ثانيا – عرض نتائج دراسة الحالة | 307 |
| ثالثا – التأكد من صحة الفرضيات | 351 |
| خاتمة | 360 |

## فهرس الجداول


| الرقم | العنوان | الصفحة |
|---|---|---|
| 01 | توزيع التلاميذ في المراحل التعليمية بحسب الجنس في البلدان العربية لسنوات1970، 1975 ، 1980. | 105 |
| 02 | تطور عدد السكان النشطين حسب الجنسين 1966-1998 | 109 |
| 03 | نسب البنات في الأعداد الشاملة للتلاميذ 1967-2003 | 114 |
| 04 | توزيع نسبة التلميذات من مجموع التلاميذ في جميع مراحل التعليم الحكومي حسب المرحلة و السنة الدراسية في الجزائر 2001-2006 | 114 |
| 05 | نسب المتحصلين على شهادة البكالوريا إناثا وذكورا 1999-2003 | 144 |
| 06 | توزيع نتائج امتحان البكالوريا حسب السنة الدراسية في الجزائر 1999-2006 | 115 |
| 07 | توزيع النسب لمجالات عمل المرأة في الجزائر من 1977-1990 | 116 |
| 08 | تطور معدلات النشاط عند النساء حسب فئات الأعمار و منطقة الإقامة (31 مارس 1996) | 117 |
| 09 | نسبة الشغل حسب السن سنة 2013 | 117 |
| 10 | عدد حالات الطلاق و عدد حالات الزواج و النسب المئوية للطلاق لكل من السعودية و الكويت و مصر و فرنسا و كندا من سنة 2002 إلى غاية 2007 | 142 |
| 11 | يبين إحصائيات عن الطلاق خلال الفترة الممتدة من سنة 2000-2008 | 144 |
| 12 | إحصائيات حول فك الرابطة الزوجية لسنة 2015 لمحاكم ولاية سطيف | 145 |
| 13 | **خاص بمتابعة القضايا المتعلقة بشؤون الأسرة لسنة 2014 (سطيف)** | 145 |
| 14 | تطور الزواج و الطلاق بالجزائر 2005-2016 | 146 |
| 15 | العلاقات الأولية | 147 |

| | | |
|---|---|---|
| 16 | العلاقات الثانوية | 147 |
| 17 | التمييز بين الريف و الحضر من خلال مقارنة عدد من المتغيرات في كلا البيئتين | 187 |
| 18 | تطور عدد السكان في الجزائر و تراجع نسبة سكان الريف خلال الفترة 1960-2010 | 189 |
| 19 | النسبة المئوية للسكان المقيمين في مناطق حضرية في العالم ،الأقاليم المتقدمة و النامية 1950-2030 | 190 |
| 20 | سكان الريف ، معدل النمو في العالم 1960-2030 | 191 |
| 21 | الوجه المتغير للفقر الريفي في العالم | 193 |
| 22 | انخفاض العمالة الريفية في القطاع الفلاحي مقارنة بالقطاعات الأخرى في الفترة 2007-2013،الوحدة : ألف عامل | 195 |
| 23 | نسب التمدرس لفئات 6-14 سنة | 207 |
| 24 | توزيع المشتغلون و البطالون حسب الجنس و الطبقة –سبتمبر 2011- | 207 |
| 25 | نسبة الفئة النسوية النشيطة حسب الإقامة 2007-2013 | 208 |
| 26 | نسبة نشاط شغل و بطالة الشابات الحاملات للشهادات سنة 2013 | 209 |
| 27 | توزيع السكان حسب المناطق لولاية سطيف 2016 | 215 |
| 28 | السن الحالي للمبحوثات | 233 |
| 29 | الأصل الجغرافي للمبحوثات | 234 |
| 30 | المستوى التعليمي للمبحوثات | 234 |
| 31 | السن عند الزواج | 235 |
| 32 | السن عند الطلاق | 236 |
| 33 | مدة الزواج( في فئات حسب السنوات) | 237 |
| 34 | مدة الزواج و مدة الطلاق | 238 |
| 35 | نوع الطلاق | 239 |

| | | |
|---|---|---|
| 36 | عدد الأبناء (ذكور و إناث ) | 240 |
| 37 | عدد الإخوة إناث و ذكور | 241 |
| 38 | حالة الوالدين | 234 |
| 39 | طبيعة الأسرة | 244 |
| 40 | وصف المطلقة لشخصيتها | 244 |
| 41 | الشعور بتجاوز أزمة الطلاق | 245 |
| 42 | مشاعر المطلقة اتجاه وضعها | 246 |
| 43 | الطلاق أحسن بالنسبة لأبناء المطلقة | 246 |
| 44 | مخاوف المطلقة على أبنائها | 247 |
| 45 | الشعور بالشفقة اتجاه الأبناء | 248 |
| 46 | طبيعة الضغوطات التي تتعرض لها المطلقة أكثر | 249 |
| 47 | النقاط التي شكلت ضغطا للمطلقة | 250 |
| 48 | الوسيلة المتبعة للتخفيف من الضغوطات النفسية | 250 |
| 49 | المخاوف التي تنتاب المطلقة | 251 |
| 50 | مشاعر المرأة بعد الطلاق | 253 |
| 51 | الشعور بإلغاء الذات | 254 |
| 52 | مشاعر سببها الطلاق | 255 |
| 53 | الشعور بعد الطلاق بالمهانة و الذل | 256 |
| 54 | سبب الشعور بالمهانة و الذل | 257 |
| 55 | الإصابة بالأمراض بعد الطلاق | 258 |
| 56 | المعالجة في حالة الإصابة بأمراض نفسية أو عصبية بعد الطلاق | 258 |
| 57 | لجوء المطلقة إلى أحد الاقتراحات | 259 |
| 58 | سبب الطلاق | 260 |
| 59 | تقبل حدث الطلاق | 262 |

| | | |
|---|---|---|
| 60 | سبب عدم تقبل الطلاق | 263 |
| 61 | النظرة إلى الزواج بعد الطلاق | 265 |
| 62 | ردة فعل الأهل بعد طلاقك | 266 |
| 63 | طريقة المعاملة بعد الطلاق من طرف المحيطين | 268 |
| 64 | علاقاتك بعد الطلاق مع المحيطين | 269 |
| 65 | علاقتك بالمحيطين في الغالب | 270 |
| 66 | وصف المطلقة لنوع معاملتها مع الغير | 271 |
| 67 | وجود تأثير عائلتك على علاقتك الخارجية | 272 |
| 68 | طريقة تأثير العائلة على المطلقة في علاقتها الخارجية | 272 |
| 69 | وصف المطلقة لعلاقتها بأفراد أسرتها | 274 |
| 70 | الأشخاص الأكثر قربا من المرأة المطلقة | 274 |
| 71 | التعرض لخيبة أمل بعد الطلاق من بعض الأطراف | 275 |
| 72 | طبيعة الخيبة التي تعرضت لها المطلقة | 276 |
| 73 | وجود صعوبات في ربط علاقات جديدة بعد الطلاق | 277 |
| 74 | وجود عروض زواج جديد | 277 |
| 75 | نظرة المطلقة لزواج جديد | 278 |
| 76 | الغاية من الزواج الثاني بالنسبة للمطلقة | 278 |
| 77 | في حالة وجود أبناء من الزواج الأول و الرغبة في إعادة الزواج أين يبقى الأبناء | 279 |
| 78 | الشعور بالراحة في حالة التخلي عن حضانة الأبناء للأهل | 280 |
| 79 | الشعور بالراحة في حالة التخلي عن حضانة الأبناء لوالدهم | 281 |
| 80 | طريقة معاملة أفراد الأسرة لك | 282 |
| 81 | الشعور بدعم الأسرة | 282 |
| 82 | طبيعة دعم الأسرة للمطلقة | 283 |

| | | |
|---|---|---|
| 83 | التمتع بنوع من الحرية مع أفراد الأسرة | 284 |
| 84 | رأي المطلقة داخل الأسرة | 284 |
| 85 | الشعور بتهميش الأقارب بعد الطلاق | 285 |
| 86 | مهام المطلقة في المنزل | 285 |
| 87 | شعور المطلقة باستغلال بإسناد الأعمال الشاقة لها | 286 |
| 88 | الطلاق سببا لاستغلال المرأة من طرف المحيطين | 287 |
| 89 | موقف المطلقة في حالة ما تكون طرفا في مشكلة أسرية | 287 |
| 90 | المسؤول المادي في الأسرة | 288 |
| 91 | المستوى الاقتصادي للأسرة | 289 |
| 92 | كيفية المساهمة المادية | 289 |
| 93 | طبيعة سكن الأسرة | 290 |
| 94 | طبيعة الوظيفة | 291 |
| 95 | الوظيفة قبل أو بعد الطلاق | 291 |
| 96 | الإساءات التي تتعرض لها المطلقة الموظفة | 292 |
| 97 | أسباب عمل المطلقة خارج المنزل | 293 |
| 98 | الكفاية المادية لمرتب المطلقة الموظفة | 294 |
| 99 | وجود عمل منزلي مربح للمطلقة غير الموظفة | 294 |
| 100 | الحصول على دعم مادي من أجل مشروع العمل المنزلي المربح | 295 |
| 101 | الدعم المادي المتاح للمطلقة | 295 |
| 102 | الصعوبات التي تواجه المطلقة التي تعمل في المنزل | 296 |
| 103 | وجود مداخيل مادية أخرى للمطلقة | 298 |
| 104 | تحديد طبيعة المداخيل المادية | 298 |
| 105 | الاكتفاء بالمداخيل المادية | 299 |
| 106 | اقتراح على المطلقة عروض مشروع ربحي من قبل المحيطين | 300 |

| | | |
|---|---|---|
| 107 | الغرض من تقديم هذه المشاريع للمطلقة | 301 |
| 108 | وجود مؤهلات مختلفة | 301 |
| 109 | امتلاك مسكن خاص | 302 |
| 110 | الإستفادة من صيغ السكن المختلفة | 303 |
| 111 | السكن في الوقت الحاضر مع الأهل | 304 |
| 112 | ما يخصص للمطلقة في حالة السكن مع الأهل | 305 |
| 113 | أنواع الممتلكات المكتسبة | 306 |
| 114 | امتلاك وسائل كمالية | 307 |


**فهرس الأشكال**


| الرقم | العنوان | الصفحة |
|---|---|---|
| 01 | الطلاق و المؤسسة الأسرية في المجتمع الفرنسي | 68 |
| 02 | الطلاق و الزواج في المجتمع الجزائري | 69 |
| 03 | مجتمعات الفولك الحضرية | 76 |
| 04 | نسبة الشغل حسب السن سنة 2013 | 118 |
| 05 | نسبة الطلاق و الانفصال بالجزائر سنة 2012 | 145 |
| 06 | تطور المعدل الخام للطلاقية 2005-2015 | 147 |
| 07 | مراحل تحول النفسي بعد الطلاق | 162 |
| 08 | علاقة الإنسان بالبيئة الحضرية | 186 |
| 09 | علاقة البيئة بالإنسان الريفي | 186 |
| 10 | حدود ولاية سطيف و التقسيم الإداري | 213 |
| 11 | موقع ولاية سطيف | 214 |
| 12 | توزيع السكان حسب المناطق لولاية سطيف | 216 |
| 13 | المعالجة الأولية للبيانات | 224 |

## قائمة بالمختصرات الواردة في الدراسة

| المختصرات | المعنى باللغة الأجنبية | المعنى باللغة العربية |
|---|---|---|
| **ONS** | L'*Office National des Statistiques* | الديوان الوطني للإحصاء |
| **MICS** | *Multiple Indicator Cluster Surveys* | المسوحات العنقودية متعددة المؤشرات |
| **RGPH** | le Recensement Général de la Population et de l'Habitat | التعداد العام للسكان والمساكن |
| **ESPSF** | enquête nationale sur la population et la santé familiale | المسح الوطني حول صحة والأسرة |
| **ENET** | L'*Enquête Nationale sur l'Emploi* du Temps | المسح الوطني حول استخدام الوقت |
| **MADR** | Ministère de l'agriculture et du développement rural | وزارة الزراعة والتنمية الريفية |
| **CNDR** | Comité nationale de Défense de la Révolution | لجنة الدفاع الوطني للثورة |
| **ONU** | United Nations | هيئة الأمم المتحدة |
| **UNICEF** | United Nations Children's Emergency Fund | منظمة الأمم المتحدة للطفولة |
| **SPSS** | Statistical Package for Social Sciences | الحزمة الإحصائية للعلوم الاجتماعية |
| **CSPRO** | The Census and Survey Processing System | الحزمة الإحصائية لمعالجة بيانات المسوح و التعدادات |

# مقدمـــة

يعتبر الطلاق من الظواهر التي لفتت انتباه الباحثين على مر الأزمان لما له من أثر سلبي على الأسرة ومن ثم المجتمع ، و إن كانت في كثير من الأحيان حلا أخيرا للمشكلات الأسرية ، تجنبا لمزيد من العنف والمشاحنات والاختلاف مابين الزوجين ، وهو ما جعل الإسلام يحلل اللجوء إليه ولو على كره حفاظا على مقاصد أخرى ، واستقامة للمجتمع السليم متين الأركان .

ومن الملفت أن ظاهرة الطلاق لم تعد كما سبق استثنائية وسائرة في أطر مقبولة وجزءا من عملية الشفاء و العلاج التي تقع في أسر قليلة ، بل إنها لا تزال في تنام مستمر داع إلى دق ناقوس الخطر ، ومن ثم تكثيف البحث والدراسة ومنه كان تناولنا للموضوع ، من باب الإحساس بعظم المشكلة ومحاولة سبر أغوارها ، على الأقل من جانب المرأة حصرا لمجال البحث والتعمق فيه .

وليس الطلاق فقط ما يلفت في الموضوع بل كذلك ما نراه في الطلاق المبكر وليس كأي وقت سبق ما يعقد في الصيف لا يلبث للشتاء ، وهو بحد ذاته ما يعد أمرا مثيرا للتساؤل والبحث ، بالرغم من أن الزواج قد يظل حلما غير متناول بسهولة نظرا للأعباء المادية الكثيرة المترتبة عنه ، ومنه فإن الموضوع المتناول يثير كثيرا من الجدل العلمي على أكثر من مستوى، يضاف إليه تلك الجزئية المتعلقة بالمقارنة بين وسطين ، وحيث يبدو للوهلة الأولى أنه من الصعب حتى أن نصنفهما ومن ثم نصب الظاهرة في أطرهما ، ونعيد عقد المقارنة بين امرأتين أولاهما طلقت في الريف ، ولدت ونشأت فيه ، وامرأة طلقت في الحضر وولدت ونشأت فيه كذلك و أي وضعية تكون عليها في الوسطين .

ومن الواضح أن الظروف الاجتماعية اليوم قد تغيرت كثيرا عما كانت عليه بالنسبة للمرأة في أمور عديدة –أيا كانت وضعيتها– ، إذ أصبحت قادرة على الخروج للعمل والترفيه عن نفسها ، مما جعلها تشعر بالقوة والقدرة على تحمل مسؤولية ذاتها، فيما كانت قبل هذا مقيدة أكثر بتقاليد المجتمع وأعرافه،خاصة في المجتمعات المحافظة ومنها المجتمعات العربية والإسلامية، بالرغم من أن حركات تحرير المرأة هنا، قد وجدت سندا ومرجعا قويا في المنهج الإسلامي الذي ساوى

بينها وبين الرجل، وسرعان ما دخلت المرأة ميداينا لم يسبق أن كانت فيه وأثبتت وجودها وجدارتها .

إن واقع المرأة المطلقة في الوسط الحضري ، له أيضا اعتبارات خاصة تتمثل في كونه مجالا خصبا لملاحظة هذه الظاهرة حيث تتوفر فيه أكثر، خصائص مجتمع متميز بسطحية العلاقات وضعف سلطان التقاليد وكذا بالفردية والعزلة والحرية ، وهذه العوامل وغيرها تؤثر بشكل كبير في ارتفاع معدلات الطلاق ، والمرأة باعتبارها جزء من هذا المجتمع الحر لن تجد قيودا تمنعها من اختيار حياتها بالشكل الذي ترغب فيه حتى وإن كان اختيارها الطلاق، بل إن الوسط الحضري يوفر للمرأة فرصا للاندماج والتواصل وتحقيق الذات يجعلها تفكر في قدرتها على الاستمرار بالعيش دون الحاجة إلى الرجل، وهذا ما يمكنه أن يفسر ظاهرة الطلاق المبكر وظاهرة الخلع المستمر في التصاعد .

ومن زاوية أخرى فإن المجتمع الجزائري قد عرف نموا حضريا كبيرا في ظرف قياسي ، مما شكل خللا على مستوى البناء الاجتماعي والأسري واختلطت المفاهيم التي تقسم الريفي والحضري وأصبحنا لا نتصور أين يوجد ذلك المجتمع الريفي التقليدي ، الذي قرأنا عنه في الكتب ومن ثم معرفة تلك المرأة المطلقة في إطاره ، وهل لا يزال الرجل أبا و أخا السند الدائم لدعم ابنته وأخته ويحميها ويوفر لها حاجتها فلا تعاني نكبات الدهر وتقلب الزمان .

ومن هذا حاولنا استقصاء الموضوع من خلال جانبيه النظري والميداني بناءا على معرفة علمية، وبالتالي فقد تم في الفصل الأول المعنون بالإطار المنهجي للدراسة ، عرض دراسات سابقة لنفس موضوع بحثنا وقد أفادتنا في عقد المقارنة بين مجالات البحث خاصة الزمنية منها ، كما تم طرح الاشكالية وتوضيح أهمية الموضوع والأسباب التي دفعتنا إلى إختيار البحث فيه والأهداف التي نرجو الوصول إليها ، ولأنه يحتوي على بعض المفاهيم التي قد نحتاج الى تحديدها، قمنا بتعريفها من خلال العديد من وجهات النظر. وفي الفصل الثاني تطرقنا إلى موضوع المرأة وتغير وضعيتها ومكانتها بين الماضي والحاضر وأثر الحركات التحررية في ذلك ، ومنه أن أصبحت لها مشاركات في مجال العمل والابداع والسياسة الخ، وكان الفصل الثالث مدخلا لفهم ظاهرة الطلاق من خلال التراث النظري والمتمثل في النظريات السيوسيولوجية

الكبرى التي تطرقت إليه و ثم تاريخ الطلاق في الحضارات القديمة وفي الديانات السّماوية ولجناه من خلال معرفة رأي الإسلام بما أن موضوع الدراسة يتعلق بمجتمع مسلم ، وانتقلنا في نفس الفصل وقبل أن نعرف آثار الطلاق بشكل فعلي إرتاينا أن نفهم ماهي الأسباب التي تؤدي إلى وقوعه.

ثم أدرجنا فصلا رابعا تطرقنا من خلاله إلى مميزات الوسط الريفي و الوسط الحضري وأهم النظريات المفسرة لذلك ،و من خلال هذا الفصل تطرقنا إلى مشكلات الوسطين الريفي والحضري و في المجتمع الجزائري بشكل خاص و تطرقنا إلى التغير الاجتماعي بين الريف والحضر .

أما بالنسبة للفصلين الأخيرين تم في الفصل الخامس توضيح الخطوات المنهجية المتبعة في الدراسة الميدانية من المنهج المستعمل إلى العينة والأدوات، واحتوى الفصل السادس على عرض نتائج الاستمارة و عرض نتائج دراسة الحالة التي تمثل أفراد العينة المختارة في البحث، ومن ثم التأكد من صحة الفرضيات أو بطلانها وختمنا دراستنا بخاتمة عامة .

# الفصل الأول

# الإطار العام للدراسة

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

الفصل الأول ـــــــ

# الفصل الثاني

# تجليات التغير في مكانة المرأة بين الماضي و الحاضر

# تمهيد

## أولا : المرأة في التاريخ القديم

## ثانيا : المرأة في الديانات السماوية

## ثالثا – المرأة وحملة التحرر الغربية

## رابعا – التطور التاريخي لقضية المرأة في الوطن العربي

## خامسا – المرأة الجزائرية الحاضر والتاريخ

## خلاصة

**تمهيد :**

مرت المرأة عبر التاريخ بتغير رديكالي من حيث مكانتها ووضعيتها والنظرة إليها ، في رحلة شاقة للوصول إلى مكانها المناسب شقيقة ، للرجل ومعينة له وممثلة لنصف مجتمعه ، ولا يذكر التاريخ محطات كثيرة تغير فيها وضع الرجل ومعنى الرجولة ، ولم يتساءل المحدثون ولا القدامى ولا العلماء إلا فيما ندر عن الرجل ، بينما شغلت هي شغل الجميع وكتبوا عنها وسنوا من أجلها القوانين ، و ميزوها تارة تمييزا إيجابيا رفع من مكانتها ، وتارة تمييزا محطا لشأنها مقلل لدورها في الحياة ككل .

## أولا – المرأة في التاريخ القديم :

### 1– مكانة المرأة عند اليونان :

يعتبر اليونان مصدر الفكر والفسلفة والأخلاق التي أسست لعصر النهضة ثم الحداثة وما بعدها ، و لا يكاد يخلو منهج ولا فكرة من الايديولوجية الافلاطونية أو الأرسطية ، ولعل موضوع المراة كان من أخصب المواضيع تناولا لدى الفلاسفة اليونان والفكر اليوناني على العموم، خاصة أنهم اشتغلوا على التقسيم الطبقي ، وتقسيم الأدوار بين الأفراد وما يميزهم ، بالإضافة إلى أنهم أخذوا عمن سبقوهم وجاوروهم من الحضارات ، وعلى العموم فقد " كانت المرأة في المجتمع اليوناني، تعيش حالة تغييب واستعباد ، فنظر إليها الفلاسفة نظرة دونية فقد حاربها ديموقريطس و اعتبرها معطلة للفلسفة والتفلسف " [1] وقد أثرت النظرة المحتقرة للمرأة على الحياة العامة وليس فقد على مستوى الأفكار ، وحينما أرادوا تبرير تلك النظرة إستندوا إلى التفسيرات الدينية السائدة ، وعلى التركيب الجسمي والعاطفي والذي بدا لهم أنه يشوبه الضعف ويتميز بالدونية و " حيث كان دور الفيلسوف لحقبة طويلة من الزمن تقنين هذا الوضع المتدني للمرأة ، وتقديم المبررات العقلية أو الطبيعية أو البيولوجية أو السياسية ، التي تبرهن على تلك هي طبيعة الأشياء و أن هذا

---

[1] مصطفى النشار : **مكانة المراة في فلسفة أفلاطون –قراءة في محاورتي الجمهورية والقوانين** ، دار قباء ، مصر، 1998 ، ص 11

الوضع الأمثل الذي فرضته السماء ، أو هما معا : ان يكون الرجل هو السيد الآمر الناهي ، والمراة هي الخاضع التابع المطيع "[1]

ولقد كان تمييز المرأة على أنها كائن أقل شأنا من الرجل تمهيدا لتشييئها واعتبارها متاعا يمتلك وبالتالي فقد " كانت المرأة ملكية خاصة للرجل ومتاعا له ، فلم تكن المرأة المتزوجة ترث ما لديه من تظهر لجميع الرجال بل ترتدي حجابا و نقابا يفرقها عن الجواري ، وما هذا إلا محاولة لتعقيمها لتكون وعاءا نقيا لإنتاج سلالة مضمونة من صلب الرجل ترث ما لديه من ممتلكات وامتيازات مادية او معنوية أو هما معا " [2]

وبالرغم من أهمية التوالد والإخصاب النقي الذي حرص عليه اليونانيون ، ومع أن المرأة هي مصدر ذلك إلا أن تشيئها كما قلنا حصر وجودها في إطار المتعة والجسد الخالي من الروح والمشاعر " واعتبرت شيئا ممتعا للرجل يستخدمه للذته ومتعته وهي رجس من عمل الشيطان، وكانت فاقدة الأهلية كالطفل وغير العاقل "[3] .

وقد يكون غريبا جدا كما نرى اليوم ، أو كما لو فكرنا بعقلية الواقع الحاضر أن المجتمع اليوناني الذي يستمد منه ومن فلسفته ، لا يعطي شأنا يسيرا للمرأة و" يبدي **ول ديورانت** دهشة بالغة من إزدهار الحضارة اليونانية ، دون ان يكون للمرأة فيها نصيب ، فقد اختفت النساء المتزوجات من تاريخ اليونان بين يوم وليلة ، وكأن الأقدار قد أرادت أن تدحض حجة القائلين بأن ثمة ارتباطا بين المستوى الحضارة في بلد ما ، و مركز المرأة فيه ، فقد كانت النساء في المجتمع اليوناني ، ومعهن العبيد ، من أهم الفئات التي انحصرت داخل القطاعات الخاصة ، فأماكن الخطاب السياسي العام كانت مقتصرة على المواطنين الذكور وحدهم ، وليس للنساء ولا للعبيد دخل بها ، إذ لابد ان يصمت لسانهم أمام مسائل الحياة اليومية العامة "[4]

---

[1] حمزواي خضرة : **المرأة في المخيال الافلطوني** ، الملتقى الوطني حول المراة والفلاسفة ، جامعة العقيد أكلي محند ولحاج ، ص ص 2-3

[2] إمام عبد الفتاح إمام : **أفلاطون والمرأة** ، مكتبة مدبولي ، مصر ، طبعة مزيدة ومنقحة ، 1995 ، ص 11

[3] زينب منصور حبيب : **الإعلام وقضايا المرأة** ، دار أسامة ، الأردن ، الطبعة الأولى ، 2011 ص 19

[4] إمام عبد الفتاح إمام ، مرجع سابق ، ص 17

وعلى العموم فقد تميز المجتمع اليوناني في سواد نظرة مختلفة للمرأة من خلال ما طرحه الفلاسفة اليونان حيث " يميز الدارسون بين وضع المرأة في أثينا وأسبرطة ففي الأولى كانت موجودة جسديا لا غير ، منعزلة عن المجتمع ، كما يفرض على المرأة الاثينية دون غيرها من الأجنبيات أو الجواري ارتداء الخمار الذي هو إعلان على أنها مملوكة للرجل ، ولا يجب المساس بها ، في حين تكون الجواري والأجنبيات ملكا عاما ، ولا تحظى المرأة بالتعليم ولا بالمشاركة السياسية ، فلم تكن للمرأة أي قيمة تذكر حيث كان اليونانيون القدماء يبيعون النساء في الأسواق كما يباع المتاع " [1]

**أ- افلاطون والمرأة :**

قد يكون أفلاطون أكثر الفلاسفة اليونان الذين نظروا للمرأة من جهة وأثروا في وضعيتها في الحياة اليونانية من خلال محاوراته أو ما يجب أن تكون عليه جمهوريته المثالية ، وحيث قسم الأدوار وحدد الطبقات ، وسن القوانين التي تتعلق بالمرأة خصوصا ، و" ما يلفت النظر أن **افلاطون** عند قيامه بتقسيم الفكر الانساني إلى ثنائية وفق ترتيب هرمي ، بحيث يجعل في المرتبة الفوقية فكر الرجل ، أما في الدونية (السفلية) فجعلها خاصة بالنساء ، وهذا إلى تعزيز فكرة إدانة الأنثى " [2] وقبل أن تكون الأنثى بالنسبة **لأفلاطون** كائنا دونيا فقد حملتها النصوص الدينية كل المسؤولية عن ماهو منحط ، مما أكد على باقي الحجج الطبيعية التي أدت إلى تصنيفها " فالمرأة عند **أفلاطون** مقرونة بكل ماهو سلبي في المعرفة ، ولذلك فهي لا تحتل مكانة إجتماعية هامة ليطعن في أهليتها العقلية ، ومن خلال ماعبرت عليه نصوص **أفلاطون** ووفق تحليلاته فإن إقصاء النساء من المدينة فيه خير وصلاح لها ، لأن هذه الأخيرة أشد ما تكون بحاجة إلى العقول ، وليس إلى العواطف والمشاعر التي تصرف النظر عن الحقائق الكبرى فالأنوثة تتعارض مع العقل والتفكير ، والسياسة والفلسفة مع الإبداع بشكل عام وهي تعد وضعية سلبية " [3] .

---

[1] نور الدين عتة : **ماذا عن المرأة** ، دار اليمامة لبنان ، الطبعة الأولى ،2003 ، ص 23

[2] خديجة زتيلي : **أفلاطون السياسة، المعرفة، المرأة** ، دار الامان ، الرباط ، الطبعة الأولى ، 2011 ، ص 110

[3] خديجة زتيلي المرجع السابق ، ص 125

**ب- أرسطو والمرأة :**

بالإضافة إلى الحجج الاجتماعية والفلسفية والدينية والطبيعية التي قدمها أفلاطون لتبرير المكانة التي يجب أن تكون عليها المرأة ، استند **أرسطو** كذلك الحال بالأدلة الفيزيقية أو البيولوجية " ولعل أوضح ميدان تظهر فيه الفكرة بالنسبة لنظريته عن المرأة ، هو ميدان البيولوجيا ، الذي يدخله وهو مسلح بخلفية ميتافيزيقية ، ترشده وتوجه تفكيره ، فهو يبحث فيه عن الصورة والهيولى ، ولما كانت الصورة أرقى ، فلابد أن تكون هي الرجل ، بما تترتب عن ذلك من تداعيات ، حيث نجد الرجل أرجح عقلا فهو الذي يحكم ، والمرأة ناقصة عقل ودين ، تسمع وتطيع فحسب ، كما نجد **أرسطو** يبحث هنا في الميدان البيلوجيا عن الهيراركية أو مراتب الكائنات الحية ، حيث الأدنى موجود أساسا لخدمة الأعلى "[1].

وتكلم **أرسطو** عن العلة أو سبب الحدوث والتي أسندها للرجل وعلى أساس ذلك كان هو الأعلى بينما يبقى دور المرأة ثانويا فهي لا يمكن أن تقدم الولد إلا بالاعتماد على السبب " **الرجل**" " فنجد أن أرسطو يذهب إلى أن الدور الحاسم هو دور الذكر الذي يقدم لنا الصورة أو العلة ومبدأ الحياة ، أو الروح والنفس في الجنين في حين أن الأنثى لا تقدم سوى " **المادة** " أو " **الهيولى** " على نحو ما تتمثل دماء الطمث ، وهكذا نتبين بوضوح أن المساهمة التي تقدمها المراة في عملية التوالد هي المادة المستخدمة في هذه العملية وهب المادة التي تشكل منها الجنين "[2] .

ما نظر له الفلاسفة اليونان استمر مع الزمن حتى القرون الوسطى بل وحتى القرون الماضية القليلة ، مع أن واقع الحياة العامة في ذلك الوقت ومن خلال الكتابات التريخية ، أثبت تمايزا في وضعية المرأة و أكد على موقع مركزي لها ، وبعبارة أخرى مهما كانت مكانة المرأة منحطة آنذاك ، إلا أنها لها بصمة في الأسرة ، في الحياة الاقتصادية والإنتاج ، في إعداد الفرسان وتنشئتهم ، بل يمكن أن نقول أنها قوبلت بنكران للجميل وما حاول الفلاسفة اليونان أن يأسسوا له " لا يعني أن المرأة لم تسهم بنصيب قط في الحياة اليونانية ، فقد قمات في أثينا

---

[1] إمام عبد الفتاح إمام : المرجع السابق ، ص 64-47

[2] نفس المرجع ، ص ص 50-51

بدور كبير في المنزل ، في ذلك الركن المنعزل في الدار التي تسمى بالحريم **la Gynecee**، من تربية للاطفال إلى نسج للصوف وتمشيطه ، وصناعة للملابس لها ولاطفالها وربما لزوجها أيضا ... مما مكن الرجل من أن يحيا حياة عقيلة وثقافية رفيعة ، فقد أتاحت له من الفراغ ما جعله قادرا على الانتاج الأدبي والفلسفي والعمل السياسي بصفة عامة ، فقد كان المنزل الذي يرى فيه الرجل اليوناني أنه " **مجال خاص** " وهو مجال الحرية ، وإذا كان هذا المنزل نفسه هو مجال الانتاج والتناسل معا"[1] وقد ألغت حتى المرأة خاصة الاسبرطية أنوثتها ونفسها تفضيلا للرجل ، من أجل مبادئ أسمى " فالمرأة الأسبرطية على نحو ما شاركت الرجل في تشكيل الأطفال ، وصبهم في قالب الفرسان استعدادا لإرسالهم إلى ميدان القتال ، بل لقد دربت بناتها على الخشونة والرجولة ، وقسوة العيش كي تكون أما شجاعة تلد الشجعان"[2] .

## 2- مكانة المرأة عند الرومان :

لم تكن المرأة اليونانية أحسن حالا من مثيلتيها اليونانية ، خاصة أن روما عرفت بأنها دولة حرب وفرسان حتي غالت في تقدير الرجل وبطولاته ، فيما كنت المرأة مجرد وعاءا تصب فيه الشهوة ، ومنه إن شاع وجود العشيقات في المجتمع الروماني ،" ففي عهد **اوغست أمست** المعاشرة غير الشرعية والتي تستمر طويلا علاقة غير محرمة ، ولكنها علاقة مباحة أي مرضي عنها في الأخلاقيات العامة ، ويطلق عليها الزواج الأدنى وفي ذلك العصر ، لم يكن لهذه العلاقة أية أثار تفرض بين المتعاشرين ، فلا ضغوط ولا واجبات ، فمثلا إخلاص المرأة، ليس له أهمية إلا إذا كان المعاشر لها سيدها الذي اعتقها، فتدين له بالطاعة وخيانتها خرق لهذا الواجب "[3] ، وبالتالي كان إستغلال المرأة " العشيقة" جنسيا لا ينظر إليه بعين السلبية ، حتى من قبل المرأة نفسها .

---

[1] مرجع سابق ، ص 18

[2] مرجع سابق ، ص19

[3] ملكة يوسف زرار : **موسوعة الزواج والعلاقة الزوجية في الإسلام والشرائع الأخرى المقارنة** ، القاهرة الجزء الأول، دار الفتح للإعلام العربي ، الطبعة الأولى، 2000 ، ص 41

ومما لاشك فيه أن الرومان كذلك قد وصلوا مصاف عالية من الحضارة ،لكن دون وجود فعلي أو دور ملموس للمرأة " فرغم استمرار التقدم والتطور الروماني فلم يصيب المرأة من هذا التقدم أي شيء يستحق الذكر ، بل ظلت خاضعة لرب الاسرة ، أو الزوج في أن يختار وصي عليها من بعده ، فإن لم يتوفر الوصي عين القاضي وصيا عليها ، وكانت الوصاية متأتية من الاعتقاد الروماني بعدم أهليتها أو عجزها عن القايم بواجباتها ، وقد طبق هذا التشريع لدى أكثر الأسر الرمانية التي ترتبط بالماضي المتزمت ، رغم التطور والتقدم الذي طرأ على المجتمعات الرومانية ، وعلى الرغم من تطور و تقدم البلدان الرومانية ، فقد بقيت المرأة ينظر إليها كما ينظر بصورة عامة إلى الرقيق والجواري والقيان بل كانت أقل من كل هؤلاء احتراما وتقديرا ، من قبل الأزواج والأقرباء ، وقد ظهر الفرق بين الحرائر من النساء و بين الجواري والقيان من نسوة الأندية، ودور الملاهي في معاملات كافة البلدان الرومانية لهن "[1]

## 3-مكانة المرأة في الحضارة المصرية :

كل العالم القديم أهان المرأة وحط من مكانتها ، أما في مصر فقد كان الوضع مختلفا ، وقد دلت الكتابات التاريخية على دهشة حتى مؤرخي ذلك العصر من الحضارات الأخرى "وقد ظلت المرأة المصرية تتمتع بكامل حريتها في الغدو والرواح ، طيلة العصر الفرعوني ، فعندما قدم هيرودوث إلى مصر في القرن الخامس قبل الميلاد ، أدهشته حياة التحرر والاختلاط التي تحياها المرأة المصرية وهو رجل قد أعتاد في بلده على رؤية النساء يقعدن في البيوت ويتحجبن من الرجال ، فكتب في كتابه عن تاريخ العالم يقول " المصريون نظرا غلى مناخ بلادهم الخاص ، و أن نهرهم له طبيعة خاصة مغايرة لطبيعة سائر الانهار، قد اتخذوا لأنفسهم عادات وسننا مخالفة من كل الوجوه تقريبا لما يتخذه سائر الشعوب ، فالنساء عند المصريين يذهبن للأسواق ويمارسن التجارة ، أما الرجال فيبقون في البيت وينسجون " [2]

بل إن المرأة المصرية قد ألهت وأحتلت المناصب العالية ولقبت بألقاب فخرية " فنالت المرأة المصرية في العصر الفرعوني حقوقها كاملة بأنوعها المختلفة ، وتمتعت بمكانة مرموقة

---

[1] باسمة كيال :**تطور المرأة عبر التاريخ** ، مؤسسة عز الدين للطباعة والنشر، بيروت ، 1981 ، ص39-40

[2] نفس المرجع السابق ، ص 40-41

حتوصلت إلى رتبة الالهة ، فتاريخ مصر القديمة حافل بالآلهات اللائي كن يقدمن إليهن القرابين ، وتقام لأعيادهن حفلات رائعة ، ومنهن آلهة العدل والحقول و السماء والكفاية والحصاد والحب والجمال والخصب وآلهة السرور والولادة "[1] وهناك من قد يرى أن تأليه الأنثى، يماثل تسمية بعض عناصر الطبيعة بالتأنيث كالشمس ، الأرض ، الرياح والأنهار فلا قداسة ولا مكانة مميزة للمرأة ، لكننا حين ننظر إلى المرأة الحاكمة فإن ذلك يدل بشكل قطعي على الريادة والتميز، مع أن " تولي المرأة حكم مصر أمرا لم يعتده المصريون القدماء، فهو بالنسبة لهم وضع غير طبيعي ، وعلى الرغم من ذلك فقد تهيأت الظروف لبعض الملكات ليحكمن البلاد " [2]

وقد أحترمت الأم كما الأب في إطار التعاليم الدينية المصرية الداعية إلى تبجيل الوالدين ، بل وخصت الأم بمزيد عناية ، " فيوصي الحكيم **آني** الحكيم المصري إبنه بالتقوى والتدين وعبادة الله ، ثم ينتقل به إلى كيفية معاملة الأم ومالها من أفضال عليه أثناء حمله وتربيته فيقول له : ضاعف مقدار الخبز الذي تعطيه لوالدتك ، وأحملها كما حملتك ثم بعد ولادتك حملتك حول رقبتها ، وقد أعطتك ثديها ثلاث سنوات ، ولم تنفر من فضلاتك .. ثم ألحقتك بالمدرسة للتعلم الكتابة ... وحينما تصبح شابا وتتخذ لنفسك زوجة وتستقر في بيتك ضع نصب عينيك ، كيف وضعتك أمك وكيف ربتك ... فليتها لاتغضب عليك ، ولا ترفع أكف الضراعة إلى الإله، وليته لا يسمع عويلها ، وينتقل من الأم إلى الزوجة فيقـــول الحكيـم لابنه : لا تمثل دور السيـــد

[1] حسين عبد الحميد رشوان : **علم إجتماع المرأة** ، المكتب الجامعي الحديث ، مصر ، 1998 ، ص 52

[2] عبد الحليم نور الدين : **دور المرأة في المجتمع المصري القديم** ، مطابع المجلس الأعلى للآثار ، 1995 ، ص18

مع زوجك في بيتها طالما أنها ماهرة في عملها ... لا تنهرها ... و ابذل جهدا لتجعلها سعيدة ، وتجنب الشجار معها "[1]

**4- مكانة المرأة في الصين :**

في الصين عانت المرأة وحتى وقت قريب ، من إستبداد الرجل والأنظمة الحاكمة والعرف السائد فتعاملوا معها بالصرامة الشديدة ، وقابلوا ولادتها بالتشاؤم وفيما نالت النساء في العالم حريات كبيرة في العصر الحديث ، بقيت هي في أسوء الحالات ، ونتيجة للنمو الديمغرافي الكبير الذي تعرفه الصين وباقي دول جنوب شرق اسيا وتفضيل إنجاب الذكر فقد زاد ذلك من رفض "البنت" وتدهور وضعيتها .

ويعتبر إحتقار المرأة عادة ضاربة في القدم " ولقد عرفت المرأة في الأدب الصيني بأنها مزلة من الرجل دائما ، وليس لها حق من الحقوق وبإمكان الرجل دائما متى شاء أن يسلب شخصية زوجته ويبيعها كالجارية ، أما المرأة الترملة كانت تصبح كجزء من الثروة المتعلقة بعائلة زوجها ولم يكن لها أي حق في التزوج مرة ثانية ، ومع هذا كله كانت تعامل كالرقيق ، وليس لها حق في الحياة من نفسها ، وكان للزوج حق بدفنها وهي حية بدون أي إعتراض من أي جهة كانت ، وحتى سنة 1937 كان يوجد في الصين حوالي 3 ملايين جارية " [2] .

ولعل الكنفوشيوسية قد أثرت بشكل واضح في تناقل تلك العادة عبر العصور، في تحديد ملامح السنن العامة المنظمة للممجتع ككل ومنها قضية المرأة ، وقد" ذهب كونفوشيوس الحكيم إلى ضرورة الطاعة العمياء من المرأة للرجل ومن المحكوم للحاكم عن رضا تام ، وهذا اللون من الطاعة عبادة ، وقد سميت المرأة في كتاب الصين القديمة " بالحياة المؤلمة " التي تغسل السعادة بالمال ، فهي شر يستبقيه الرجل بمحض إرادته ، ويتخلص منه بالطريقة التي يرتضيها ، ولو بيعا كبيع الرقيق والمتاع " [3]

---

[1] عبد الحليم نور الدين : المرجع السابق ص

[2] باسمة كيال ، المرجع السابق ، ص 42

[3] حسين عبد الحميد رشوان ، **المرأة والمجتمع – دراسة في علم إجتماع المرأة** –، دار الوفاء لدنيا الطباعة والنشر ، الطبعة الثانية ، 2011 ، ص 16

## 5- مكانة المرأة في الهند :

عرفت الحضارة في الهند أشكالا من المذاهب والديانات أكثر مما عرفت باقي الحضارات المجاورة ، ولكنها كلها اشتركت في إعطاء المرأة مكانة دنيا "ومما يذكر أن شريعة " **مانو**" في الهند لم تكن تعرف للمرأة حقا مستقلا عن حق أبيها أو زوجها أو ولدها ، فإذا مات هؤولاء جميعا ، وجب عليها أن تنتمي إلى رجل من أقارب زوجها وتخضع لحكمه كما خضعت سابقا في حياة زوجها الميت ، وتعد المرأة الهندية قاصرة في معاملة الآخرين لها طيلة حياتها"[1]

ومن الصور المهينة للمرأة في الهند القديمة ، هو ما تعلق بعدد الزوجات غير المحدود ، وبنظام التضحية بالزوجات بقتلهن ، على أساس امتلاك الرجل للمرأة " وهذه الملكية المطلقة من الزوج لزوجته اتخذت في راجستان صورة ما يسمونه جوهور ، وهي عادة تقضي على الرجل من أهل راجيوت ، إذا ما أصابه نوع معين من الهزيمة ، أن يضحى بزوجاته قبل أن يتقدم هو إلى الموت في ساحة القتال " [2] " وفي **قيجاباناجار** ، كان قتل الزوجة هذا يتخذ صورة جمعية فلا يكتفي فيه بقتل زوجة واحدة أو عدد قليل من زوجات الأمير أو القائد بعد موته ، بل كان لابد لكل زوجاته أن يتبعنه إلى الموت ، ويروي لنا **كونتي** أن الرايا أو الملك قد اختار ثلاثة آلاف من زوجاته البالغ عددهن اثني عشر ألفا، ليكن مقربات له على شرط أن يحرقن أنفسهن مختارات عند موته ، و أن ذلك ليعد شرفا عظيما لهن "[3]

ومن الملاحظ في الهند –كما رأينا في حضارات قديمة أخرى– فإن المرأة ذاتها ، تنظر إلى نفسها بعين الدونية ، بل وتتقبل النظم الجائرة بخضوع تام ، خاصة أن تلك القوانين كانت أغلبها مستمدة من قداسة النصوص الدينية ناهيك عن العادات والتقاليد .

---

[1] باسمة الكيال ، مرجع سابق ، ص 43

[2] ويل ديورانت: **قصة الحضارة** ، ترجمة زكي نجيب محمود ومحمد بدران ، الجزء الثالث من المجلد الأول ، دار الجيل بيروت ، 1998 ، 182.

[3] المرجع السابق ، ص 183.

## 6-مكانة المرأة عند عرب الجاهلية :

و أما العرب أيام الجاهلية فقد استغلوا المرأة جسدا وروحا ، ونكلوا بها ووأدوها طفلة بريئة في أشنع صورة ، وكان إنجابها عارا وحملا ثقيلا على والدها يستدعي التستر والاختباء، عن القوم لسوء ما بُشِّر به ، وقد حكمت الظروف الطبيعية والاقتصادية ومن ثم العادات والتقاليد في ذلك السلوك " فمعلوم أن العرب في جاهليتهم كانوا أكثرهم أهل بادية ، معاشهم من القيام بالإبل يتغذون بألبانها ، ويقتاتون بلحومها ، ويكتسون بأوبارها ، ويتخذونها ركائب يقطعون عليها مجاهل القفار ، فكانت لذلك مخصصة عندهم بمزيد العناية ، يتخيرون لها أطيب الأرض بقعة، وأكثرها عشبا ، ويتتبعون لأجلها ، مواقع الغيث على حسب اختلاف الفصول ، فلا يزالون دهرهم في حل وترحال ، يطوفون الآفاق طلبا للمرعى ، وارتيادا للماء ، غير أنهم كثيرا ما يصابون بالقحط ويحبس عنهم المطر ، فيهلكون هم وماشيتهم جوعا أو تدفعهم الحاجة أو الطمع إلى الإغارة على من جاورهم ، فيقطعون السابلة ، ويغزو بعضهم بعضا فينهبون ويسلبون ، وربما أصاب أحدهم الفتاة العذراء أو المتزوجة أم البنين ، فيحسبها غنيمة باردة ، كسبها برمحه ، ويختصها لنفسه دون تحرج أو تورع ، وربما سبيت منه فيغتصبها غيره، فلا تزال تنتقل من مالك إلى آخر، إلى أن يتيسر لأهلها استرجاعها ، فتعود إلى منزلها الأول وقد لزمها من العار ما يبقى سبة لذويها طوال الدهر "[1] ويؤكد المؤرخون أن العرب قديما لم تكن لهم حضارة شبية بحضارات الأمم المجاورة ، ولم تكن لهم أماكن عيش ثابتة ومستقرة ، فلم يعيشوا الأمن ولا الرخاء الاقتصادي وبالتالـــــي فإن حماية النســـــاء ورعايتهم غير واردة ولا متوفرة " ولهذين السببين –أي خوف العار و خوف الفقـــر – كان بعض العرب يئدون بناتهم ، لا يفعل ذلك منهم عـــابد الوثن فقــط ، بل المنتصر أحيانا ، كما نقل **عن عدي بن ربيعة** ، المعروف بالمهلهل ، زير النساء أنه لما ولدت لهــ بنته **ليـــــلى** أمـــــر بدفنها ، ثم بدا له فاستحيـــاها ، وذكر **قيس بن عاصم** أنه وأد بيده بضع عشـــرة إبنة له وقال : وما رحمت منـــهن إلا واحدة ، ولدتها أمهـــــــا و أنا في سفر ، ودفعتا إلى أخوالـــــها ، فلما قدمـــت وسألت في الحمل

---

[1] حبيب الزيات : **المرأة في الجاهلية** ، مؤسسة هنداوي للتعليم والثقافة ، مدينة نصر، مصر، 2014 ، ص 9

أخبرت أنها ولدت بنتا ، ومضت سنون حتى ترعرت فزارت أمها ذات يوم ، فدخلت فرأيتها قد ظفرت لها شعرها وزينتها و ألبستها الحلي ، فقلت : من هذه الصبية فقد أعجبني حسنها ، فبكت وقالت هذه ابنتك ، فأمسكت عنها حتى اشتغلت أمها فأخرجتها ، وحفرت حفرة وجعلتها فيها ، وهي تقول: يا آبت اتغطيني بالتراب ؟ حتى واريتها و انقطع صوتها "[1]

تلك الحالة " الحتمية" صارت عادة يقتدي بها عرب الجاهلية كلهم ، حتى تلك القبائل الكبرى التي عرفت نوعا من الإستقرار والأمن ، وهو ما جعل عادة كراهية الأنثى تستمر حتى بعد ظهور الإسلام ومحاربته الشديدة لوأد البنات واحتقارهن " وقد توراث هذه الكراهة الخلف عن السلف ، حتى لما أراد بعض الإسلاميين أن يهنئ بعض الوزراء قديما ولدت له بنت ، احتاج أن يذكر –تسلية له– ما في السماء والأرض وما بينهما من الإناث ، وهذا نص كتابه أورده تفكهة، ليعلم منه كم كانت الأنثى مبغضة إلى والديها قال : أهلا وسهلا بعقيلة النساء ، وأم الأبناء ، وجالبة الأصهار والأولاد الأطهار ، المبشرة بإخوة يتسابقون ، ونجباء يتلاحقون

ولو كان النـــــــساء كثل هذي لفضلت النساء على الرجال

فما التأنيث لإسم الشمس عيب ولا التذكيـــــــر فخر للهلال "[2]

تجلت دونية المرأة في مظاهر عديدة منها ما تعلق بالميراث وسلبها حقها هنا ، وكان لا حق للبنت على أبيها أو أخيها أو أي من أقاربها ، وكذلك الشأن بالنسبة للزواج والطلاق " فقد كان العرب في الجاهلية قبل الإسلام ، ينظرون إلى المرأة على أنها متاع من الأمتعة التي يمتلكونها ، مثل الأموال والبهائم ويتصرفون فيها كيفما شاؤوا ، وكانوا لا يورثون المرأة ويرون أنها ليس لها الحق في الإرث وكانوا يقولون: لا يرثنا إلا من يحمل السيف ويحمي البيضة ، وكذلك لم يكن للمرأة على زوجها أي حق ، وليس للطـــلاق عدد محـــدود ، وليـــس لتعدد الزوجـــات عدد معين"[3]

---

[1] حبيب الزيات ، المرجع السابق ، ص 10

[2] حبيب الزيات ، المرجع السابق ، ص 11

[3] بابكر رحمة الله أحمد علي : **مكانة المرأة وواقعها قبل الإسلام مقارنة بواقعها ومكانتها في الإسلام** ، أعمال المؤتمر الدولي للسيرة النبوية ، جامعة أفريقيا العالمية ، السودان ، الكتاب السادس ، جانفي 2013 ،ص 141

أما عن الزواج فقد عرف العرب نظمًا غريبة فيه ،حطت من شأن المرأة وخلطت الأنساب ولا غرابة في أن الإسلام حارب تلك العادات بضرواوة ومنها أن حدد عدد الزوجات بأربع ، وحيث كان العرب لا يعرفون لهذا النظام حدا ، ومنها أن قضى على أشكال زواج أخرى غير سوية " وقد عرف العرب ما قبل الإسلام المضامدة ، وهي شكل من أشكال النكاح كانت عن دوافع إقتصادية صرفة ، فالمضامدة من الضمد وهو اللف والعصب ، وكانت في الجاهلية تطلق على معاشرة المرأة لغير زوجها ، وكانت تلجأ إليها نساء القبائل والأسر الفقيرة زمن القحط ، ويضطرها الجوع إلى دفع نسائها في المواسم التي تعقد فيها الأسواق لمضاجعة رجل غني ، تحبس المرأة نفسها عليه ، حتى إذا اغتنت بالمال والطعام عادت إلى زوجها "[1] ومنها " زواج الرهط يحدث في القبائل التي تقتل فيها البنات لقلة مواردها فيتقلص عددهن ، وينمو عدد الذكور ، فتصبح المرأة زوجة لعدد منهم ، فالعامل في نشوء هذا النكاح هو عامل إقتصادي ، يدل على ذلك أن أحد الازواج إذا ما أيسر اشترى زوجة ، واستقل بها دون الآخرين "[2]

لكن مجتمع الجاهلية – إن صح لنا التعبير كونه مجتمعا– قد حافظ على وجوده بسبب صمود المرأة ، ولولا ذاك لكان إختفى بلا أثر " فبالنسبة للمرأة العربية في الجاهلية ، فقد كانت تقوم بتصنيع و إصلاح الخيم ، وخياطة الثياب وصناعة بعض الحلي ، والأدوات للاستعمال البيتي، كما قامت المرأة العربية بأعمال أخرى مثل الرعي وسقي الحيوانات وحلبها وجمع الحطب للطبخ ، والتدفئة ، و الإعداد والتهيئة للرحيل ، بالاضافة إلى واجباتها في خدمة البيت من طهي وكنس وخياطة الملابس وتنظيفها ، وكذلك شاركت في الغزوات والحروب حيث قامت بأعمال الإسعاف والتمريض والتشجيع "[3]

---

[1] نجمان ياسين : **الزواج في الإسلام في القرن الأول الهجري** ، الدار العربية للموسوعات ، 2011 ، ص24

[2] المرجع السابق ، ص 24

[3] زهير حطب : **تطور بنى الأسرة العربية** ، معهد الإنماء العربي بيروت 1985 ، نقلا عن الوحيشي أحمد بيري ، **الأسرة والزواج** ، منشورات الجامعة المفتوحة ، طرابلس الجماهيرية العظمى ، 1998 ، ص 176 .

## ثانيا- المرأة في الديانات السماوية

### 1-مكانة المرأة عند اليهود :

جاءت الديانات السماوية لتحرر الإنسان عموما من نير الاستبداد وتسلط القوي على الضعيف، ومنه الرجل على المرأة ، وهو أساس الأحكام التي جاءت بها التوارة التي أنزلت على نبينا موسى عليه السلام ، وكما هو معروفا تاريخيا ، فقد حرفت الديانة اليهودية وخضعت لأهواء الحاخامات " الرجال" الذين كيفوا النصوص الدينية كما شاءوا وباختلاف الأزمنة و الحقب ، ولعل شأن المرأة من المواضيع التي عملوا على تحريف النصوص فيها ، تحريفا حاقدا عليها ومقللا من شأنها " ففي اليهودية تقوم المرأة بدور أساسي في البيت كزوجة و كأم ، وعليها أن توقف نفسها على خدمة عائلتها وعلى الحياة المنزلية ، وينتظر منها أن تنجب العديد من الأطفال ، وخاصة الذكور ، يبارك اليهودي الله في صلاة الصباح قائلا : مبارك أنت أيها الرب لأنك لم تخلقني ..(امرأة ) ، وحسب سفر الأرض تكون المرأة نجسة حين تكون حائضا " و إذا كانت امرأة لها سيل وكان سيلها دما في لحمها ، فسبعة تكون في طمثها كل من مسها يكون نجسا إلى المساء " [1] ، ويعتبر التكليف الديني والتشريف للرجل دون المرأة ، بسبب نجاستها المستمرة ، " فهي تمثل الرجس والإثم والنجاسة ، و أورد **ابن كثير** في تفسيره أن اليهود كانوا إذا ما حاضت المرأة منهم لا يؤاكلونها ولا يجتمعون بها معا في البيوت ، ويعتبرون كافة الامتعة التي تجلس عليها نجسة " [2] .

بل و أكثر من ذلك فقد حرفت النصوص اليهودية محملة المرأة وزر الآثام التي قام بها الإنسان، والتي تستوجب في نظرهم أقصى العقوبة " فاعتبرت الديانة اليهودية المعرفة المرأة مصدر الإثم ،وحملتها التوراة غواية آدم ، و إخراجه من الجنة، وجعلته يتملص من المسؤولية، فيقول على لسانه : "**هذه المرأة التي جعلتها معي ،هي التي أعطتني من الشجرة فأكلت** "

---

[1] إليزابيث كريميو : **وضعية المرأة في العالم** ، ترجمة حنان قصيبي ومحمد الهلالي ، دار توبقال للنشر ، الدار البيضاء ، المغرب ،2015 ، ص18

[2] نوال بورحلة : **مكانة المرأة في الحضارات** ، مجلة العلوم الإنسانية والاجتماعية ،الجزائر، العدد 31 ديسمبر 2017 .

وقد هول المعادون للمسيح هذا الأمر حتى أباحوا العدوان عليها بدعوى التضحية لتخليص البشرية من إثم الخطيئة الأولى ... وما قصة آدم وحواء و الضلع الأعوج ، إلا أسطورة تاريخية ، سخرت لتأكيد هذا الإرث الثقافي بالاستخفاف بالمرأة والتسلط عليها " [1]

وفي الإسرائليات قصص شنيعة عن عقاب الرب لنساء بأن جعلهن منها عقاربا وحيات ، و أن الحيض والحمل والنفاس شكل من أشكال ذلك العقاب حيث أن" اعتبار اليهود المرأة أصل الخطيئة و أصل الشرور التي تعرض لها الإنسان ، جعل الله يعاقبها بالحمل و الولادة ، وقد حرمت من كل حق "وقد ورد في كتاب الأحكام العبرية في المادة 414 متى خرجت المرأة من بيت أبيها و دخلت بيت زوجها ، صار له عليها حق الطاعة التامة و الامتثال الكلي في جميع ما يأمرها به ، فعليها ألا تخالفه في شيء مما يطلبه منها ، بل تمتثل له كما تمتثل الجارية لسيدها " [2] حتى أنها لم يكن لها حق الطلاق وهذا ما توضحه المادة 433 من كتاب الأحكام العبرية " ليس للمرأة حق أن تطلب الطلاق مهما كانت عيوب زوجها حتى ولو ثبت عليه الزنا " [3] وفي المادة 419 من نفس الكتاب "كل ما دخلت به من مال على ذمة الزوجية و كل ما تلتقطه ، وكل ما تكتسبه من سعي و عمل ، و كل ما يهدى إليها في عرسها ملك حلال لزوجها يتصرف فيه كيف يشاء ، بدون معارض ولا منازع ."[4] .

وفي باب أحكام الطلاق وحيث أن لا مبرر مقبولا لطلب المرأة للطلاق فإن أي سبب ولا سبب يطبق من أجله الرجل دون لوم و لا إثم " فيبقى للزوج الحق الكامل في التطليق متى لم يعد يرغب في زوجته ، أو وجد فيها عيبا ما ، حسب سفر التثنية الإصحاح 24، الفقرات 1-4 وقد اختلف حاخامات المشناة حول تحديد معنى "عيب ما " فمدرسة شماي تفسره بالخيانة الزوجية،

---

[1] نعيمة شومان : **المرأة منذ العصر الحجري والمرأة في الإسلام** ، دار الفرابي ، بيروت ، 2011 ، ص 20

[2] عبد الوهاب أحمد : **تعدد النساء و مكانة المرأة في اليهودية وبالمسيحية و الإسلام** ،مكتبة وهبة ، القاهرة ، مصر ، الطبعة الأولى ، سنة 1989 ، ص، ص 195 ،212

[3] المرجع السابق ، ص،212

[5] عباس عبد الهادي : **المرأة و الأسرة في حضارات الشعوب و أنظمتها** ، طلاس للدراسات و الترجمة و النشر ، دمشق ، سوريا ، الجزء الأول ، ص 337

ومدرسة هليل تقول ولو أحرقت الطعام يطلقها ، والراب عقيبا يرى بأن معنى ذلك أن الزوج قد يطلق زوجته إن وجد أخرى أجمل منها "[1]

وفي أحكام الإرث " ، فإن الأرملة لا ترث عن زوجها التوفي شيئا ، لأن إرثه كله يعود إلى أولاده ، فقرر الأحبار والحاخامات تعويضها عن ذلك بصيغة قانونية ، تضمن لها بعض الحقوق المادية ، وهي عقد الزواج "الكتوباه" الذي بموجبه تسترد المرأة قدر مهرها الأول " [2] وهذا –وإن فيه إكرام للمرأة هنا– يدل على أن النصوص اليهودية قد خضت للتغير والتبديل على حسب الحاجة والزمن .

**2–مكانة المرأة في المسيحية :**

ذكرت الكتب التاريخية أن المسيح عليه السلام ، قد كان رحيما بالنساء و أوصى بالإحسان إليهن " و تصور الأناجيل المسيح محترما للنساء ، بما في ذلك النساء العاهرات مثل **ماري مادلين** أو المرأة الزانية ، وتبين الأناجيل أيضا أن النساء هن اللواتي اتبعن المسيح ، وصاحبنه في ألامه أو أنهن الشاهدات الأوائل على بعثه وتعتبر عبادة **مريم** " ملكة مسيحية القرون الوسطى " التي نجدها في العالم المسيحي بأسره ، والتي أدت إلى النزعة المريمية أي تمجيد الأم ، حدثا فريدا في الديانات الكتابية الثلاث ، تؤكد الكنيسة على المساواة الروحية بين الرجال والنساء ، كما أن مجمع **ماكون** المنعقد 1585 لم يتساءل هل المرأة روح ، وما قيل في هذا الصدد ما هو إلا أسطورة حكيت في القرن الخامس عشر، ومع ذلك فالكنيسة الكاثوليكية نظرت دوما للمرأة إقتداءا بالقديس **بولس** ، الذي كان ينشر معاداة المرأة في عصره ، باعتبارها كائنا دونيا وخطيرا ، وللرجال السلطة والمقدس ، وللنساء الصلاة والدير والقداسة ، وللنساء المتزوجات الأعمال الخيرية " [3]

---

[1] رشيدة فؤاد : **الحياة الأسرية والاجتماعية للمرأة اليهودية في نصوص اليهود الدينية المقدسة** ، كلية الاداب والعلوم الانسانية بنمسيك، دار البيضاء ، المغرب ، 2013 ص ، 145.

[2] المرجع السابق : ص ص 154–155

[3] إليزابيث كريميو ، مرجع سابق ، ص ص ،18–19

وفي الحقيقة فإن الديانة المسيحية كما اليهودية قد نظمتا كثيرا من الخلط في الأنظمة العامة مثل نظم الزواج ، إلا أن التحريف قد شوه حقيقة الدين وعاث فيها فسادا لا ينصلح بسهولة ،" و قد قال **وستر مارك Wester Mark** في بحوثه عن تاريخ الزواج في العالم أن تعدد الزوجات باعتراف الكنيسة بقي إلى القرن السابع عشر ميلادي و كان كثيرا ما يتكرر في الحالات التي لا تحصيها الكنيسة و الدولة ." [1]، وهذا مثال واضح على أن أهم ما حورب به الإسلام فيما بعد، على أساس أنه إهانة بالغة للمرأة كان ينظر إليه بالقبول في عصور قليلة سابقة .

والأدهى أن القساوسة ومن بعدهم المفكرون والأدباء، وكل من نظر للمجتمع أباح إهانة المرأة والحط من شأنها وحتى ضربها "ويقول **جيوفري وندري Geoffrey Windery** الذي عاش في الفترة المتأخرة من العصور الوسطى في القرن الرابع عشر ، مدافعا على القانون الذي أباح الضرب "لتصحيح مسارهن و سلوكهن" ،"إن ضرب المرأة ذا فائدة كبرى لتقويم أخلاق النساء ، لذلك يجب على الأب أن يمارس هذا العقاب البدني عمليا على نطاق واسع ، مع بناته قبل زواجهن حتى يتعودن عليه "[2].

## 3- مكانة المرأة في الإسلام :

قد أحدث الإسلام ثورة في العالم القديم ، على ما ساد من همجية في شبه الجزيرة العربية ، ومما شاب الديانات السماوية من تحريف ، فحرم الوأد ، وأشكال الزواج الفاسدة التي تفضي في الحقيقة إلى الزنا وإنقاص كرامة المرأة ، وحدد تعدد الزوجات و أمر بالعدل بينهن ، وأوجب على الرجل النفقة عليها ، ومنحها نصف مايرث الذكر، وقيم عملها الحسن وأثابها عليه بل وزادها فضلا بأن أنقص عليه مشقة بعض التكاليف كالجهاد والصوم مع الطمث ، بل وحتى استشارها

---

[1] عباس عبد الهادي : مرجع سابق، ص337.

[2] غنيم أسمت : **المرأة في الغرب الأوربي في العصور الوسطى** ،دار المعارف ، الإسكندرية ، مصر ، سنة 1983 ، ص ص 47.46 .

النبي صلى الله عليه وسلم في أمور الحرب والسياسة ، وقد حاول **إحسان محمد الحسن** تبيان وجوه التكريم الذي خصه الإسلام للمرأة من خلال المحاور التالية [1]

مساواة المرأة مع الرجل في الأعمال والنوايا والذنوب والحساب

إحترام المرأة في الإسلام وحسن معاشرتها

حث الإسلام على زواج المرأة

ونهي المرأة عن التبرج والمنكرات

كراهية الإسلام للطلاق

حق المراة في التملك والميراث

حق المرأة في طلب العلم .

ويقول في هذا الصدد " إن دفاع الإسلام عن حقوق المرأة قد تجسد في عدة مجالات وصور أهماها الإعلان عن مساواة المرأة مع الرجل في الأعمال والممارسات التي تقوم بها واليت يقيمها الله سبحانه وتعالى ويحاسب عليها في الحياتين الأولى والثانية ، والدعوة إلى إحترام المرأة وحسن معاشرتها ، والحث على زواجها و أخذ رأيها في الزواج ، كما أكد الإسلام على حق الزوجة على زوجها وحق الزوج على زوجته " [2]

وقد حاول أعداء الإسلام أن يطعنوا فيه ويظهروا أنه دين زاد من عذاب المرأة والقسوة عليها من خلال بعض التأويلات الخاطئة للأحاديث والسور القرآنية ، مثل النقصان في العقل والدين " فنقصان العقل مقصور على أمر واحد ، وهو أن شهادة المرأة نصف شهادة الرجل ، والسبب في ذلك –كما وضحه القران الكريم – ﴿**أَن تَضِلَّ إِحْدَاهُمَا فَتُذَكِّرَ إِحْدَاهُمَا الْأُخْرَىٰ**﴾ البقرة (282) ، وذلك لأن العاطفة لها تأثير كبير في الحياة النفسية والعقلية للمرأة ، وهذا لا يعني بأي حال أفضلية الرجل ، و أنه أكمل عقلا ، ولا يعني بأي إهانة للمرأة ، أو اتهامها بنقص عقلها ، ولكن لما كانت المسائل المالية بعيـــــدة عن اهتمامات المـــرأة ، وخوفا من غلبة العاطفـــــة

---

[1] إحسان محمد الحسن : **علم إجتماع المرأة** ،دار وائل للنشر ، الطبعة الثانية ، 2014 ، ص 210

[2] إحسان محمد الحسن : **نقد ماكس فيبر عن الدين الإسلامي** ، مجلة الرسالة الإسلامية العراقية ، العدد 180،بغداد ، العراق، 1985 ، ص 173.

والنسيان ، كان اشتراط شهادة امرأتين في مثل هذه الأمور أحكم ومثل ذلك يقال في باب الدماء ، وكل ذلك محمول على باب زيادة الاحتياط ، وحتى ولا يكون هناك أدنى قدر من الشك في مثل هذه الأمور "[1].

ومن الأمور التي أثارت الجدل ودعت للطعن وانتقاد ديننا الحنيف هي مسألة القوامة حيث يقول الله تعالى في منزل حكمه ﴿**الرِّجَالُ قَوَّامُونَ عَلَى النِّسَاءِ بِمَا فَضَّلَ اللَّهُ بَعْضَهُمْ عَلَىٰ بَعْضٍ وَبِمَا أَنفَقُوا مِنْ أَمْوَالِهِمْ**﴾ النساء 34 " فحين نطبع الآية المذكورة في سياقها ونعيد قراءتها في ضوء الآيات الأخرى ، ولا سيما تلك المفاهيم المتعلقة بالزواج كما وصفت في القرآن ، نلاحظ أن القوامة ليست ميزة أعطاها الخالق جل وعلا للرجال ، ولكنها تكليف للزوج على المستوى المادي والمعنوي لتحمل مسؤولية تتمثل في الإستجابة لمتطلبات زوجته وأسرته" [2] وفي هذا السياق وبشكل أعمق عبر **السيد قطب** " فقد وضع هذا المفهوم في إطار المؤسسة الزوجية المحدود ، ليعزز بذلك مفهوم القوامة الخاصة، كما أوحى بضرورة قراءة هذه الآية على ضوء هذه المؤسسة الزوجية ، وأكد على هذا الفضل الذي أعطي للزوج يرجع للمسؤولية المادية التي تقع على عاتقه ، مع التذكير بأن الأمر لا يتعلق بخضوع الزوجة و إنما باحترام الشريكين للعلاقة التي تجمعهما في مؤسسة الزواج "[3]

ولعله من الجدير بالذكر أن بعضا من التفاسير ، قد عملت فعلا على إعطاء صورة سلبية عن المرأة في الإسلام ، لكنها في نفس الوقت قد قوبلت بتفاسير منصفة ، واجتهادات موضوعية وقد تساءلت الباحثة في الإسلاميات ورئيسة مركز الدراسات والبحوث في القضايا النسائية في الإسلام **أسماء المرابط** قائلة " من الغريب أن بعض الآيات القرآنية التي تحث بوضوح على المساواة بين الرجال والنساء ، قد تعرضت للتهميش في الفكر الإسلامي ، من خلال عدم الإشارة

---

[1] عبد الحميد إسماعيل الأنصاري : **قضايا المرأة بين تعاليم الإسلام وتقاليد المجتمع** ، دار الفكر العربي ، القاهرة ، الطبعة الأولى 2000 ، ص 34 .

[2] أسماء المرابط : **الإسلام والمرأة الطريق الثالث** ، دار أبي رقراق للطباعة والنشر ، منشورات مرسم ، الرباط 2014، ص 51

[3] المرجع السابق ، ص 51

إليها تماما ، وتسليط الضوء في المقابل على آيات أخرى ، يصعب تفسيرها أكثر من غيرها أو يكون تطبيقها مرتبطا بفترة الوحي ، وهو ما تعرضت له هذه الاية وهي آية صريحة ومحورية لإرساء الأسس المشتركة للمساواة بين النساء والرجال ، حيث يقول الله تعالى ﴿**وَالْمُؤْمِنُونَ وَالْمُؤْمِنَاتُ بَعْضُهُمْ أَوْلِيَاءُ بَعْضٍ ۚ يَأْمُرُونَ بِالْمَعْرُوفِ وَيَنْهَوْنَ عَنِ الْمُنكَرِ وَيُقِيمُونَ الصَّلَاةَ وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَيُطِيعُونَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ ۚ** ﴾الآية 71 من سورة التوبة [1] .

وكذلك ما أثير عن مصطلح الحرث، والذي رأى أعداء الإسلام أنه دليل قاطع على إهانة الإسلام للمرأة وحطها مكان التراب، ومداس الأقدام بالنسبة للرجل لكن الحقيقة " أن العرب القدامى يستعملون مصطلح " حرث" للإحالة على الثراء والخصوبة ، والوفرة والغنى وبالتالي فإن دلالة إيجابية ورمزية اللغوية لا تحتمل أي معنى قدحى ، وصيغة أخرى يعني مصطلح الحرث في الآية نساؤكم حرث لكم فأتوا حرثكم أنى شئتم " التي تتطرق إلى الحرية الجنسية بين الأزواج، الثراء، والحياة، كما تطلق النساء مجموعة الصفات كنبع الحياة، وواهبة الحياة، و مصدر الحياة"[2]

وفي مسألة الطلاق" فلم يبحه الإسلام إلا عند الضرورات ، ففي حالة وقوعه فإن الإسلام حث على انصاف المطلقة ، وحسن معاملتها وعدم الإساءة إلى سمعتها "[3]

وفي العموم لم يتوقف المستشرقون والمنتقدون للإسلام عند هذه النقاط المختارة ، لكنهم لم يستطيعوا أن يشوهوا منه قدرا يسيرا ، فالمتأمل للنصوص التاريخية وكما عرضنا بشيء من الليسر عن مكانة المرأة في الأمم السابقة ، يرى حجم التغير الثوري في مكانة المرأة ، ولا عجب إذا أن نجد الإسلام قد ازدهر بعد ظهوره ، بعد أن نظمت الحياة الاجتماعية والأسرية ، ولاقت فيه المرأة ملاذا خصبا لتربية أبنائها تربية صالحة ، وما لحقنا اليوم من تقهقر ، ما يعود في حقيقة الأمر إلا لاحتقار جاهلي للمرأة ، فتركها أهل الإسلام فريسة سهلة في يد أعدائه أنشاؤوها على قيمهم وأشبعوها من غذاء حضارتهم المتحللة .

---

[1] المرجع السابق ، ص 37

[2] المرجع السابق ، ص 66 .

[3] غندور أحمد : **الطلاق في الشريعة الإسلامية والقانون** ، مصر 1967 ص ص 29-31 نقلا عن محمد أحمد الحسن 2010

**ثالثا – المرأة وحملة التحرر الغربية :**

ثارت المرأة في الغرب على الحالة المهينة التي وصلت إليها والتي كانت تدعمها الأفكار الدينية المتطرفة، " فكانت الدعوة الغربية إلى تحرير المرأة منذ القرن التاسع عشر أثر من آثار الحداثة الغربية ، التي أرادت تجاوز التراث الفلسفي والاجتماعي والقانوني الغربي ، المعادي للمرأة والمحقر لشأنها مع التأويل للتراث الديني الغربي ، اليهودي والنصراني المعادي للمرأة... وذلك دون إعلان الحرب على الدين ذاته ولا على الفطرة التي فطر الله الناس عليها عندما خلقهم ذكرانا وإناثا" [1]

وفي إطار البراءة –إن صح التعبير– بدأ الحركات النسائية تشق طريقها ، وبعد جهد متواصل بدأت تشعر أنها جنت ثمارها " فبدأ التعبير في الغرب ، أي في أوربا وامريكا الشمالية ، وهناك أيضا احتجت النساء ضد استعبادهن ، وولجن الحداثة ، وذلك هو السياق الذي كتبت فيه **سيمون دي بوفوار** الجملة التالية ، يمكن القول بشكل عام أننا انتصرنا ، أنها جملة محيرة لأنها كتبت سنة 1949 "[2] فالتغيير أو المطالبة بالحرية في ذلك الوقت ، لم يجن منه الكثير مقارنة بما هو موجود اليوم ، سواء بالمسلك الطبيعي المحمود ، أو المسلك الشاذ الداعي إلى تحرر المرأة من كل قيمة نبيلة ، كحرية التعري واستغلال الجسد ، والمثلية وغيرها .

ولنا أن نقول أن ثورة النساء في القرن الماضي قد ركب موجتها كثير من المغاليين ، ومن الممكن أن تكون **سمون ديبفوار** واحدة من أولئك البادئين –كما يراها البعض – وإن أظهر التاريخ فيما بعد أن هناك مطالب أكثر جرأة ، حملتها نساء أخريات وتقول هي " يختلف وضعنا اختلافا تاما عن وضع المناضلات السابقات الأكبر مناسبا ، يمكن القول أننا بشكل مجمل انتصرنا ، لم تكف منظمة الأمم المتحدة ، في النقاشات الأخيرة المتعلقة بوضع المرأة ، من الإلحاح عن إستكمال تحقيق المساواة بين الجنسين ، ولم تكن العديدات منا ، قبل ذلك الحين ، مجبرات على أن تعشـــــن أنوثتهن كحرج أو كعائق ، كما أن العديد من المشاكـــل تبـــــدو

---

[1] محمد عمارة: **تحرير المرأة بين الغرب والاسلام** ، مكتبة الإمام البخاري للنشر ولتوزيع ، مصر الطبعة الأولى ،2009 ، ص 38

[2] إليزابيث كريميو ، المرجع السابق ، ص 51

لنا أكثر أهمية من المشاكل التي تعنينا بشكل خاص " [1] فتعبير المرأة عن أنوثتها ليس عيبا ، بل إن تشبهها بغير جنسها هو العيب فعلا ، ومن ثم فإن مطلبا كهذا لا يخرج في الحقيقة عن المنطق والذوق السليم ، لكننا حين نستكمل قراءة بعض تلك الأفكار فإننا سنفاجئ حتما " ففيلسوفة هذه النزعة الأنثوية الكاتبة الوجودية **سيمون دي بوفوار Simon de Beauvoir** ، فقد اعتبرت الزواج السجن الأبدي للمرأة ، يقطع آمالها وأحلامها ، واعتبرت مؤسسة الزواج مؤسسة لقهر المرأة ، يجب هدمها وإلغاؤها "[2]

وبالتالي بدأت تتحور الحركة التحررية الأنثوية وتتخذ مسارا غير طبيعي ولا متوقع " فالنزعة الأنثوية المتطرفة التي تبلورت في ستينيات القرن العشرين ، فهي أثر من آثار ما بعد الحداثة الغربية ، تحمل كل معالم تطرفها الذي بلغ حد الفوضوية والعدمية واللاإرادية والعبثية والتفكيك لكل الأنساق الفكرية الحدثية " [3]

وقد بدأ المفكرون الغربيون أنفسهم يستشعرون خطورة مثل تلك الأفكار على تحطيم بنى الأسرة وبالتالي المجتمع ككل ، ومنهم المفكر الأمريكي **فوكوياما Fukuyama** " الذي خرج إلى الناس بعد مقولته الأولى ، بمقولة جديدة حول دور المرأة في إزدهار الحضارة أو إضمحلالها ، وقد نشرت جريدة التايم اللندنية مقالة بقلم **منيت مارين Minette Merin** جاء فيها أن فوكوياما* يضع اللوم كله على النساء ، بأن الثلاثين سنة الماضية التي انتشر فيها تحرر المرأة قادت إلى كل الأمراض الاجتماعية التي يعاني منها الغرب "[4] .

---

[1] Simon de Beauvoir : **La Deusiéme Sexe .Les Faits et Les Mythes** ;Gallimard NRF .Paris ,France,1949 ,P400 .

[2] محمد عمارة ، مرجع سابق ، ص 40

[3] المرجع نفسه ، ص 38

[4] مازن مطبقاني : **صور من حياة المرأة في الغرب** ، مركز المدينة المنورة لدراسات و بحوث الاستشراق ، العربية السعود الطبعة الأولى ، 2005 ، ص 20 .

* بدأت شهرة الباحث الامريكي الجنسية الياباني الأصل ميشال فوكوياما منذ أن نشر مقالته المعروفة (نهاية التاريخ) التي تحدث فيها أن الديمقراطية الغربية قد حققت النصر على المذاهب الأخرى و أن هذا إيذان بنهاية التاريخ

**رابعا – التطور التاريخي لقضية المرأة في الوطن العربي :**

في المجتمعات الإسلامية والعربية نشطت الموجة التحررية الأنثوية ، تحت تأثير التيارات العلمانية والحدثية ، متماشية كذلك مع حركة التحرر العامة للخروج من الإستعمار ، وقد دعا المفكرون النهضويون إلى تحسين أوضاع المرأة العربية ورأوا بأن حال التخلف الذي طبع العالم العربي آنذاك مرده ، دور المرأة المتراجع ، إلا أن تلك الحملة في نفس الوقت قد حملت السم في العسل كما يقال ، إذ أنها كما نادت بحقوق مشروعة تمثلت في التعليم والتنوير ومشاركة المرأة في الحياة العامة ، كذلك فقد حملت طابعا معاديا للدين الإسلامي ، قادته التيارات الغربية قبل العربية " وقد تجلى الاهتمام الغربي بقضية المرأة المسلمة في الهجمة الشرسة المباشرة و غير المباشرة ، من قبل الغربيين على الشريعة الإسلامية وتشجيعهم للمرأة للخروج عن تعاليم دينها " [1]

لكن أحدا لا ينكر أن المرأة العربية في ظل ذلك ، قد عرفت بفضل الغيورين على الدين أولا، و المرأة العربية ثانيا ، وضعية أحسن وحضورا أقوى مما كانت عليه في سنوات مضت" ومن المفكرين في قضية المرأة وتحريرها **رفاعة الطهطاوي** (1801-1873) "فقد اتصفت دعوته بالجرأة ، خاصة في قضايا تعليم الفتاة ، وتعدد الزوجات ، وتحديد الطلاق ، واختلاط الجنسين، كما دعا المرأة إلى التعلم حتى تتمكن من تعاطي الأشغال و الأعمال التي يتعاطاها الرجل "[2]، وفي كتابه "**المرشد الأمين في تعليم البنات والبنين**" طرح أفكاره المتعلقة بالإختلاط بين الجنسين في التعليم ، وهو في رأيه ينظم عملية الزواج ، حيث أن تعلم المرأة الكتابة والحساب والقواعد ترفع من مستواها الثقافي ، وتتمكن من طرح أرائها و تبادلها مع الرجال .

---

[3]– نهى القطارجي : **المرأة في منظومة الأمم المتحدة** . رؤية إسلامية ، المؤسسة الجامعية للدراسات والنشر والتوزيع، الطبعة الأولى ، سنة 2006 ،بيروت ،لبنان ، ص 123.

[2]– المقدم محمد احمد إسماعيل : **عودة الحجاب** ، دار طيبة للنشر و التوزيع ، الرياض ، المملكة العربية السعودية ، الطبعة الحادية عشر ، سنة 1417هج ، نقلا عن المرأة في منظومة الأمم المتحدة لنهى القطارجي ص ص 27.25

وكذلك **جمال الدين الأفغاني** (1838-1897) والذي عرف بمعارضته لأفكار من عاصره من الداعين إلى تحرر المرأة المطلق ، و المساواة بين الرجل والمرأة ، لكنه كذلك اعتبر أن تخلف المرأة وجمودها في عصره نتيجة لحكر الرجل عليها .

كما يجب التنويه إلى الدور القوي للمؤتمرات الكثيفة المتعلقة بمطالب انثوية تحريرية، بل وأنها هدفت إلى نفس الأهداف خاصة ما تعلق بتعليم، فقد رفعت باحثة البادية **ملك حنفي ناصف** إلى المؤتمر المصري 1911 ، أيدتها الجمعية النسائية اللبنانية في بعض المطالب نذكر منها: [1]

. تعليم البنات الدين الصحيح، أي تعليم القرآن و السنة الصحيحة.

. تعليم البنات الابتدائي و الثانوي، و إلزامية التعليم الثانوي.

. تعليم التدبير المنزلي، وقوانين الصحة ، و تربية الأطفال .

. تخصيص عدد من البنات لتعلم الطب وفن التعليم، حتى يقمن بكفاية النساء في مصر.

. إطلاق الحرية في تعليم العلوم العالية .

. تقوية روح الفضيلة في البنات منذ صغرهن .

. إتباع الطرق الشرعية في الخطبة و الزواج ، فلا يتزوج اثنان قبل تعارفهما .

أما على الصعيد الرسمي أو الحكومي ، فقد تعرضت الحكومات العربية إلى ضغوطات سياسية و إقتصادية " وكانت الحكومات العربية قد بدأت في السبعينيات بالتحدث عن الحاجة إلى إدخال المرأة في قطاع الإنماء ، فأنشأت لذلك الدوائر المختصة ، و ناقشت الخطط وتمخضت الثمانينات عن اهتمام حقيقي على الصعيد الشعبي العام ، انعكس في العديد من المؤتمرات و الحلقات الدراسية التي عقدت في المنطقة و خارجها حول المرأة العربية و دورها في المجتمع "[2]

---

[1]– نهى القطارجي ، مرجع سابق ، ص 30

[1] مريم سليم : **أوضاع المرأة العربية في المرأة العربية بين ثقل الواقع و تطلعات التحرر**،مركز دراسات الوحدة العربية، الطبعة الثانية ،سنة 2004 ، بيروت لبنان ،ص 14.13.

وبعد سنوات من اشتغال الحركات النسوية ، تمخضت عن تجارب رائدة في مجال التحرر المأمول " ولقد كانت هذه الظواهر الثلاث وهي تعلمها وتحريرها واشتغالها ، هي المسؤولة عما صار يعرف بالانقلاب النسوي الذي امتاز به القرن العشرون ، والذي ظهرت أثاره واضحة للعيان في كل مكان ، ومما لاشك فيه أن تعليم المرأة في جميع مراحل التعليم ، بما في ذلك مرحلة التعليم العالي في المعاهد والجامعات ، هو الذي دفع عجلة التغيير النسوي دفعة قوية ، ذلك لأنه أوجد عند المرأة وعيا واضحا بذاتها ومركزها ومكانتها ، ودورها في المجتمع بعامة وفي الأسرة بخاصة "[1] .

وإذا أردنا أن نتتبع أثر أو مظاهر تحرر المرأة العربية ووصولها إلى تحقيق المأمول و أكثر علينا أن نركز على نسب تطور تعليمها ، ومراحل تقدمه ونوعيته وما إذا كان قد أصبح أكثر تخصصا ، ثم نلاحظ كذلك فرص التدريب المتوفرة للمرأة العربية وهل ستتمكن من خوض مجال العمل بنفس الكفاءة التي قد نجدها عند الرجل ، وما هي مؤهلاتها لذلك ، وأيضا نستطيع تتبع أثر ذلك في قدرتها على العمل بشكل سلس ، دون أن يشعر الرجل إلى جانبها بدخول شكلي وغير فعلي وغير مجد ، ومن ثم أيضا نستطيع أن نلاحظ ذلك ، من خلال العمل السياسي للمرأة العربية ، وهو ما يشكل بوابة التحرر الكبرى للنساء في العالم ، وحيث أن مشاركتهم الفعلية تعني بحق أنهن انتصرن في تلك المسيرة التحررية .

## 1 – تعليم المرأة في الوطن العربي :

يعد التعليم أهم مفصل ينظر إليه لتقييم جهود النهوض بالمرأة ليس من أجل دخولها سوق العمل خارج المنزل ، بل من أجل الرقي بفكرها للتعبير عن كيانها أكثر من أي وقت سبق، إن هذه النقاط الأساسية بحد ذاتها تعد تعبيرا عميقا عن واقع المرأة العربية، ونستطيع أن نقول أنه نعم هناك نتائج مبهرة على هذا الصعيد، ولكن في نفس الوقت ، هناك معوقات ومشكلات كبيرة لم نزل لم نتجاوزها بعد ، خاصة ما بين المرأة في الوسط الحضري و الأخرى في الوسط الريفي حيث أن " فرص التعليم بين المناطق الحضرية هو الشائع في المنطقة ككـــــل ، وعـــدم

---

[1] سامية حسن الساعاتي : **علم إجتماع المرأة، رؤية معاصرة لأهم قضاياها** ، دار الفكر العربي ، القاهرة ، الطبعة الأولى ، 1999 ، ص 44

فاعلية التعليم الابتدائي حتى حين يكون إلزاميا يظهر بشكل خاص بالنسبة للفتيات في المنطقة الريفية ، ومع ذلك فإن التسجيل في المدارس الابتدائية قد ازداد بشكل ملموس في كثير من بلدان المنطقة العربية "[1] وفي هذه النقطة تظهر فجوة معتبرة بين الوسطين وقد أدى ذلك إلى " أن المرأة ، لا تزال تتزوج في سن مبكرة مما يجعلها تنقطع عن الدراسة في هذه المرحلة ، ولكننا في الحقيقة ترجع السبب وراء هذه الظاهرة إلى اعتبار التعليم الابتدائي كافيا هذا ما يبرر التزايد النسبي من سنة إلى أخرى "[2]

**جدول رقم1 : توزيع التلاميذ في المراحل التعليمية بحسب الجنس في البلدان العربية لسنوات1970، 1975 ، 1980.**

| المرحلة التعليمية | سنة 1970 | | سنة 1975 | | سنة 1980 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| الابتدائية | 64 | 36 | 62 | 38 | 59 | 41 |
| الثانوية | 70 | 30 | 76 | 33 | 63 | 37 |
| الجامعية | 76 | 24 | 72 | 28 | 68 | 32 |

**المصدر** : مريم سليم ، المرجع السابق ، ص 65

لكن ليس هناك أي سبب للتشاؤم بسبب نقص تعليم الريفيات، مع الأرقام التي تعتبر مبشرة إلى حد بعيد " ويقدم التقرير السنوي للتنمية البشرية لعام 1955 أن المنطقة العربية ، قد حققت قفزة هامة في مجال تعليم الإناث ، وسد الفجوة بين الجنسين في المرحلة الثانوية من 32% إلى 54% ،هذا ما يجعلنا نعتقد أن المستوى العلمي و التحصيلي للمرأة في تزايد مستمر، مما يساعدها على مواجهة ظروف الحياة بشكل أحسن، إذ يؤهلها التعليم العالي ،على الحصول على العمل و المشاركة الفعلية في عملية التنمية هذا من جهة ، ومن جهة فإن التعليم بالنسبة للمرأة قد يحقق لها قدرا كبيرا من الثقة في النفس ، و القدرة على تحمل المسؤولية ناهيك عن تحسين

---

[1] عبد القادر عرابي :**المرأة العربية بين التقليد و التجديد** ، في المرأة بين ثقل الواقع و تطلعات التحرر، سلسلة كتب المستقبل العربي ، مركز الدراسات الوحدة العربية ، بيروت ، لبنان ، الطبعة الثانية ، سنة 2004 ، ص 64.

[2] المرجع السابق ، ص ص64، 65

دورها في الأسرة وبالتالي في المجتمع ، و المشاركة في النسق الاجتماعي بفاعلية ، إن وجود المرأة كشخص مستقل عن ذات الرجل في ظل التعليم العالي اللائق يمكنه أن يحقق ذلك ، وتتحول العلاقة بين الرجل والمرأة إلى علاقة تعاون بدل علاقة اتكال ، و لا يقتصر التعليم في حقيقة الأمر على التعليم النظري بل يتجاوزه إلى التدريب و التأهيل في حالة الإخفاق و التسرب المدرسي ، إن تحقيق التدريب بالنسبة للفتاة يمكن أن يفتح لها أفاقا أكثر من ناحية العمل وتحقيق الذات بغض النظر عن نوعيته وكيفيته ، و يبقى التدريب في المجالات السابقة الذكر نابعا من نظرة المجتمع و يعد فرصة ثانية بالنسبة للفتاة لإعدادها للحياة و لكن هذا الأخير كما هو متوقع لا يزال غير متطور ففي أحسن الحالات يصل من 4إلى 15%من الفتيات في الوطن العربي " وكان التدريب بالنسبة لهؤلاء الفتيات محصورا على مهن الخياطة و التعليم ، والتمريض و الطبع على الآلة الكاتبة ."[1]

## 2- عمل المرأة في الوطن العربي :

عمل المرأة إحصائيا يخفي كثيرا من الحقائق الواضحة التي نلسمها في الميدان ، فلطالما كانت المرأة العربية عاملة خارج المنزل في الحقل إلى جانب الرجل ، إلا أن ذلك لا يظهر في الإحصاء " بحيث تعمل المرأة داخل المنزل أو بجواره و يعمل الرجل خارج المنزل وأحيانا بعيدا عنه "[2] و تميل بعض الدراسات التي تهتم بعمل المرأة الريفية إلى إبراز جانب واحد من خلال هذا العمل ، ونعني به ذلك الجانب الذي لا يمكن حسبانه في شكل نقدي في السجلات الإحصائية ، و بناءا على المدخل الذي تتبناه هذه الدراسات فإذا ما اتجه باحث إلى دراسة عمل المرأة فسوف لا يهتم إلا بتلك الأعمال التي يمكن حصرها وتسجيلها إحصائيا ، وأنه سوف يهتم بالعاملات في الوظائف الحكومية و المصانع ، من ذوي العائد الشهري الدائم "[3] بالإضافة إلى ذلك فإن تقسيم العمل كما نعرفه اليوم ، قد تغير هو نفسه وأصبح مميزا بعمل مأجور وغير مأجور " لأن

---

[1]- مريم سليم : مرجع سابق ، ص 65

[2] علياء شكري و آخرون :**المرأة و المجتمع من وجهة نظر علم الاجتماع** ، دار المعرفة الجامعية ، سنة 1998 ، ص ص 9، 10.

[1] علياء شكري : مرجع سابق ، ص 153 .

كل من إنتاج الرجل و إنتاج المرأة كان يخصص للأسرة ، و لم يكن هناك تبادل أو تسويق أوبيع قوة العمل لسيد أو لصاحب أراضي زراعية أو لصاحب رأس المال ، فكان الإنتاج من أجل الاستهلاك المباشر ، و لم تظهر الثنائية عمل مأجور/ عمل غير مأجور وبالتالي لم يعط للمرأة قيمة أقل من عمل الرجل ."[1]

وعلى العموم فإن تقسيم العمل كما نعرفه الآن قد بدا في التشكل منذ الحرب العاليمية الثانية ، وفيما يتعلق بعمل المرأة العربية قد نلاحظ ذلك بداية من عهود الاستقلال في كل البلدان العربية "فكانت الحرب العالمية الثانية أحد أهم أسباب دخول المرأة مجال العمل ، حيث وظفت في مناصب الرجال الذين تفرغوا للحرب ، فعملت في المكاتب ، و الأسواق ، و المدارس ، المستشفيات ، و البنوك ، و شركات التأمين و غيرها من المؤسسات التي لجأت إلى البحث عن القوى العاملة التي تعوض النقص الذي حدث في تلك الفترة ، و بالفعل توصل المسؤولون في تلك الفترة إلى حل تمثل في إدماج المرأة في القوى البشرية ، خاصة بعد ما تمت تجربتها وأثبتت كفاءتها في العمل لتصل مشاركتها سنة 1950 بين 35% إلى 60% في السويد ، فرنسا و الدنمارك ، و من خلال 32%إلى 40% في الولايات المتحدة ، و ايطاليا ، والنرويج."[2]

وقد تميز عمل المرأة العربية خارج المنزل و أخذ صورة مختلفة تماما عن النموذج الذي ساد في باقي أنحاء العالم ، وحيث كانت المرأة في أمريكا وفرنسا وألمانيا و أنجلترا وغيرها ، تعيش دورا جديدا واضحا وغير مرهق ، صارت المرأة العربية مثقلة بأوزار أخرى ، خاصة بعد خروجها للعمل " وفي الدراسات التي أجريت في المجتمعات العربية ، تشير إلى أن ظاهرة خروج المرأة للعمل تظهر بنسبة أكبر في المدن والمناطق الحضرية أكثر منها في الريف ..... أما فيما يخص التركيز على مهن معينة، تشبه المهن التقليدية للمرأة كربة بيت ، فإن أغلب الأبحاث ، تشير إلى أن النساء العاملات في الوطن العربي يتركزن في مهن معينة محددة تتفق إلى درجة كبيرة مع الدور التقليدي للمرأة كربة بيت ، و أن أهم هذه المهن هي التدريس والتمريض

---

[1] علياء شكري و آخرون ، المرجع السابق ،ص 10.

[2] مريم سليم : مرجع سابق، ص 151

والسكريتارية ، ففي الأردن مثلا تشير الإحصاءات إلى أن النساء يشكلن 88.9 % من العاملين في حقل التمريض و 53.6 % من العاملين في حقل التدريس ، ولكنهن لا يشكلن إلا 2.8 % من الأطباء "[1]

إن ظاهرة عمل المرأة العربية خارج المنزل ، يتميز بميزات رئيسية أربع يوجزها د مجد الدين عمر خيري في الأتي :[2]

-أنها ظاهرة حضرية إلى حد كبير

-التركيز على مهن معينة تشبه إلى حد كبير المهن التقليدية للمرأة كربة بيت

-ان نسبة مساهمة النساءفي القوى العاملة منخفضة

-الدور الثنائي للمرأة ، أي عمل البيت بالإضافة إلى العمل الوظيفي .

لكن على العموم نستطيع القول أن المرأة العربية قد قطعت شوطا هاما في سبيل تحقيق المكانة الاجتماعية التي طمحت إليها " فعالم المرأة اليوم غير عالم الأمس ، فبفضل التربية والتعليم و العمل تبدلت أحوالها ، فتزايد عدد المتعلمات والعاملات ، وصارت المرأة العربية تشارك إلى حد ما في الحياة العامة ، كما تراجع جزئيا سلطان العادات و التقاليد الذي كان يكبلها ويحدد دورها و مركزها الاجتماعيين ، فقد دخلت ميادين جديدة كانت وقفا على الرجال دون النساء ، وتغيرت معها صورتها الاجتماعية و إلى حد ما ،الاتجاهات و الأنساق القيمية المورثة "[3]

---

[1] الوحيشي أحمد بيري ، مرجع سابق ، ص 138

[2] المرجع السابق ، ص 137

[3] عبد القادر عرابي : مرجع سابق ، ص ص 35. 36.

**الجدول رقم 2: تطور عدد السكان النشطين حسب الجنسين 1966-1987**

| السنوات | عدد السكان النشطين بالملايين | | | نسبة عدد السكان النشطين % | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | رجال | نساء | إجمالي | رجال | نساء | إجمالي |
| 1966 | 2.45 | 0.109 | 2.67 | 40.43 | 1.82 | 21.20 |
| 1977 | II | II | 3.5 | II | II | 20.05 |
| 1987 | 4.23 | 1.11 | 5.34 | 36.75 | 9.97 | 32.53 |
| 1998 | 6.67 | 1.41 | 8.17 | 45.68 | 9.72 | 27.9 |

**المصدر** :التعدادات العامة للسكان و السكن لسنوات 1966، 1977، 1987، 1998.الجزائر

## 3-المشاركة السياسة للمرأة :

وكذلك الأمر ينطبق عن مشاركة المراة في المجال السياسي وبما " أن الساحة السياسية ملك لكل المواطنين ، فالسياسة تشغل كل فرد وتؤثر على حياة كل منا ، وكلما شاركت المرأة بإعداد تتناسب مع نسبتها من السكان في عملية اتخاذ القرار السياسي و في الأحزاب ، وفي المجالس الحكومية المنتخبة ، و في الهيئات الدولية ، كلما زادت مشاركتها في القيادة و كلما أمكنها تغيير أشكال ومحصلات العمليات السياسية ، و عندئذ فقط يكون مفهوم الديمقراطية قد عبر عن نفسه تعبيرا جادا و ملموسا ."[1]

ونعتقد أن عمل المرأة بالمجال السياسي قد يجعلنا محتارين فعلا من تقديم إجابة وافية ، فوجودها داخل الاحزاب والجمعيات في الفترة التي تلت الإستقلال من نير الاستعمار الانجليزي والفرنسي والايطالي ، قد عبرت عن مشاركة كيثيفة ومتطورة للنساء ، ولكن بعد ذلك وفي إطار تحدي التطوير والتنمية وفي ظل الحرية ، نلاحظا تراجعا من حيث الفعالية وليس من حيث الرقم لأن هذا الاخير قد استمر في الصعود ، خاصة مع قوانين الكوطة والتي عملت بها أغلب البلدان العربية .

[1] مريم سليم ، مرجع سابق ، ص 59

"و قد أشارت دراسة عن المرأة في الحياة العامة أجراها قسم تحسين أوضاع المرأة بالأمم المتحدة United nations division of the advacement of women أنه بتغير القيم المختلفة للحياة العامة ، يتعين مشاركة المرأة في الحياة السياسية بأعداد كبيرة محسوسة ، فكلما قل عدد السيدات في الحياة العامة قلت قدرتهن على تأكيد القيم و الأولويات الخاصة بالمرأة ."[1]

وفي الحقيقة فإن المشاركة العددية لابد لها من أن تفرض نوعا من منطق القوة والتواجد وإثبات الحضور، لكن إذا بقيت المرأة العربية تعبر عن حالة الفئة أو مطالب الفئة ، فإن تلك المشاركة لا تعني إلى حد ما ، المشاركة المعول عليها والتي تعبر عن تساوي الإحساس بمشكلات المجتمع ومطالبه وليس جزء منه فقط .

**خامسا – المرأة الجزائرية الحاضر والتاريخ :**

إن المتفحص لتاريخ الجرائر الحديث ، يلمس آثارا عميقة لتحول دور المرأة الجزائرية في الحقب الزمنية المختلفة ، بداية بالعهد العثماني مرورا بالعهد الاستعماري ، ثم فترة ما بعد الاستقلال ، ونستطيع أن نلمس كذلك بعضا من أوجه التشابه بين مسيرة التحرر الأنثوية العالمية ومن ثم العربية ، لكن رغم ذلك تبقى المرأة الجزائرية شاهدة مميزة على ذلك التحول وبداية بالعهد العثماني الذي "يعتبر أسوء عهد بالنسبة للمرأة الجزائرية ، ففي هذا العصر غابت وبشكل كلي على الساحة الرسمية ، ولم يعط لها أدنى اهتمام حيث لا نجد في المجتمع أميرات ، أو سيدات مجتمع ، أو كاتبات يسهمن في الحياة الاجتماعية ." [2]، وفي هذه النقطة يذكر أن فرصة ظهور الجزائريين باعتبارهم السكان الأصليين ، لم يكن بالشكل المطلوب أو المأمول ، سواء تعلق الأمر بالرجال أو النساء، لكن إهمال تعليم النساء قد كان خاصا بهن " حيث نجد في العهد العثماني، بعض العائلات ميسورة الحال فقط كانت تهتم بتعليم بناتها وتأديبهن بواسطة معلم خاص ، أما بقية الفتيات فلم تحضين بفرص تعليم أبدا ."[3]

---

[1] علياء شكري . مرجع سابق . ص ص 114،109

[2] أبو القاسم سعد الله: **تاريخ الجزائر الثقافي** ، دار غريب الإسلامية ، بيروت ، لبنان ، الجزء الأول ، 1998، ص 336

[3] المرجع السابق ، ص 441 .

أما في العهد الإستعماري فقد كان تجهيل الشعب عموما مهمة واجبة التنفيذ ، من أجل طمس معالم الهوية من جهة ، ومن أجل القضاء التام على الوعي السياسي ، وبث الفرقة بين أطياف المجتمع المختلفة و أيضا في الأسرة الواحدة بين أفرادها ، ولا نبالغ حين نقول أن المرأة كانت مستهدفة بشكل واضح "وقد بدأ المخطط الفرنسي في محاولة نزع الهوية الثقافية للعائلة الجزائرية منذ بداية الاحتلال،حيث فتحت المدارس غير الرسمية تحت إشراف بعض المغامرات، التي لم تكن لهن أهمية كبيرة بالنسبة للإدارة الفرنسية لكن بعد تحقيقهن لبعض النتائج، تم الاعتراف بهن و بجهودهن و دعمهن في ذلك ، من أجل محاولة اقتلاع المرأة الجزائرية من جذورها ،و التأثير عليها لإخراجها من مجتمعها الأصلي إلى عالم الحرية والحقوق الكاملة ، كما تصفه تلك اللواتي نصبن أنفسهن للدفاع عن الحقوق الاجتماعية والاقتصادية للمرأة الجزائرية" [1]

ومن الآثار الواضحة لسياسة التجهيل التي قامت بها فرنسا اتجاه المرأة الجزائرية ، هو ذلك الإختفاء المبين من الساحة الاجتماعية ، خاصة أن المجتمع الجزائري قد حاول حماية المرأة والمحافظة عليها من تيار التحرر الداعي للخروج من أصوله وتقاليده حميدة ، وهو ما يبرر عدم خروج المرأة للعمل كما كان ملاحظا في نفس الفترة في باقي دول العالم وبعض الدول العربية ومنها مصر ،حيث أن" عدم خروج المرأة إلى العمل ،لا يرجع إلى الجبر والتسلط عليها من قبل الرجل والتقاليد ،كما يريد أن يفسر ذلك البعض ، وإنما يرجع بالدرجة الأولى إلى وضعية سياسية مفروضة من قبل الاستعمار الفرنسي ، و التي كان أثرها سيئا على الشعب الجزائري كله ، فقد كانت سياسة فرنسا محاربة للتعليم كخطوة أولى للانحلال، و جعل الشعب بكل فئاته يتعرض للحرمان بهدف خلق تخلف اجتماعي" [2].

ولعل صور المقاومة التي ظهرت فيها المرأة مشاركة بإعداد الطعام للمجاهدين وتضميد جراحهم ، أكثر من التحاقها بالمقاومة المسلحة بشكل بارز كما هو معروف في فترة لاحقة ، طبعا إذا

---

[1]–رابح التركي: **أصول التربية و التعليم** ،ديوان المطبوعات الجامعية و المؤسسة الوطنية للكتاب ،الجزائر ،الطبعة الأولى،1990 ، ص 385.

[2] حميد بن سالم : **الثقافة الإسلامية و مكانة اللغة العربية في الجزائر قبل الاستقلال** ، مجلة اللسان العربي ، المكتب الدائم للتنسيق و التعريب التابع لجامعة الدول العربية ، الرباط ، المغرب 1964، العدد الأول ، ص 36.

استثنينا بعض النساء القائدات من أمثال **لالة فاطمة نسومر** وغيرها ، تظهر تمسك الجزائرين بحرمة المرأة –كقيمة إجتماعية – وعدم دفعها للمواجهة المباشرة مع المحتل ، بل والمحافضة على دور ووظيفة المرأة الطبيعية خاصة تلك المرأة الريفية ، فتمسك العائلة الجزائرية بعاداتها و تقاليدها، و عملها على تلقين الفتاة الجزائرية أصول التربية ، و دعمها بخلاصة تجربتها في الحياة ، لجل أن تكونا فتاة صالحة و زوجة ناجحة في المستقبل و أما مثالية ، بالإضافة إلى تدريبهاعلى القيام بالأعمال المنزلية ، والتي تختلف من منطقة إلى أخرى ريفية أو مدنية لأن الأعمال التي تقوم بها المرأة الريفية ، ليست هي التي تقوم بها المرأة المدنية ، حيث يقتصر عمل الأولى على الأعمال الفلاحية جنبا إلى جنب مع أخيها الرجل .

وهذا لا يعني أن الجزائريين من الرجال ، قد احتكروا العمل الثوري البطولي لأنفسهم ، بل أنهم فضلوا التضحية بأنفسهم لحماية شرفهم وعرضهم ، مراعين الضعف الجسدي للمرأة ، وجعلوها تشارك من موقع كونها ربة منزل ، ولكن في نفس الوقت كانت هناك نساء لم يكتفين بتلك المشاركة ، بل كن شجاعات وصامدات ، وقاتلن إلى جانب الرجال في مواجهة العدو الفرنسي " و لقد ذكرت الكثير من الوثائق التاريخية ، و تكلمت عن دور المرأة أثناء الثورة و عدد المناضلات اللاتي ذكرت انخرطن في صفوف الجيش والجبهة ، ومن أمثال الباحثة **جميلة عمران** التي ذكرت أنه يوجد ما يقارب الألفي مناضلة (2000) التحقن بصفوف الثورة التحررية ما بين1955-1958، و النسبة ارتفعت إلى 65% وهي أضخم نسبة طوال مرحلة الكفاح المسلح ، ونسبة المعتقلات إلى 2% و الشهيدات إلى 7% سنة 1955 ، أما في سنة 1956 ،فقد ارتفعت نسبة المعتقلات إلى 16% ، و نسبة الشهيدات إلى 10% و كان عنصر الشباب يشكل العدد الكبير ." [1]

ولعل مرحلة حرب التحرير وقبيلها بقليل ، قد شهدت أعظم فترة لمشاركة المرأة الجزائرية في الكفاح المسلح وبشكل مباشر أكثر ، نتيجة طول فترة الإضطهاد "و من ثمة فقد برز نضال المرأة من أجل التحرر من واقعهن المضني ، في عهد الاستعمار الذي عمل على تجهيلهن

---

[1] أنيسة بركات : **نضال المرأة الجزائرية خلال الثورة التحررية** ،المؤسسة الوطنية للكتاب ، الجزائر ، 1985، ص ص 45،46.

وتهميش دورهن الريادي ، وأسسن في شهر جوان 1947 جمعية النساء الجزائريات برئاسة "**مامية شنتوف** ، التي كانت تهدف إلى المساهمة في التكوين السياسي و مساعدة الفتاة الجزائرية و تعبئتها من أجل فكرة الاستقلال بالتعاون مع جمعية العلماء المسلمين، و التي كان لها دور كبير في فتح مجال التعليم و الترقية الاجتماعية للفتاة الجزائرية ."[1]

وقد حاول المفكرون الجزائريون أن تكون مسيرة تحرر المرأة الجزائرية في طريق صحيح ومتشبعة بروح الوطنية وبتعاليم الدين الإسلامي ، مثل جهود المنضمين لجمعية العلماء المسلمين وغيرهم أيضا ، كأمثال **مالك نبي** ويقول هذا الأخير" و نحن نرى لزاما علينا أن يكون تناولنا للموضوع، بعيدا عن تلك الأناشيد الشعرية التي تدعو إلى تحرير المرأة ، فالمسألة لا تتوقف في الجنس اللطيف فحسب أو بنات المدن ، أو بنات المدن الراقية ، بل هي فوق ذلك تتعلق بتقدم المجتمع وتحديد مستقبله و حضارته [2]

ويظهر من خلال الجدولين المواليين أعداد الملتحقات من الفتيات بالتعليم ، وفي المراحل التعليمية المختلفة بعد الإستقلال ، كنتيجة لحملات التوعية وجهود الدول الحثيثة لإدخال المرأة في ركب التطور والتنمية ، ورغبة من المرأة الجزائرية ذاتها بأن تكون جنبا إلى جنب مع الرجل، في جني ثمار الاستقلال والتعاون على البناء .

---

[1] صالح عوض : **معركة الإسلام في الجزائر** ، الزيتونة للنشر والإعلام ، الجزائر ، سنة 1989 ، ص 267

[2] مالك بن نبي : **شروط النهضة** ، ترجمة عمر كامل مسقاوي و عبد الصبور شاهين، دار الفكر ، الطبعة الرابعة ، دمشق ، سنة 1987 ، ص 165 .

**جدول رقم 3 : يوضح نسب البنات في الأعداد الشاملة للتلاميذ 1967-2003**

| السنوات / المراحل | 1967 | 1977 | 1987 | 1995 | 1999 | 2003 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| الابتدائي | 37.4 | 45 | 44 | 45.9 | 46.6 | 48 |
| المتوسط | 29.1 | 35.2 | 40.7 | 44.1 | 47.6 | 48.2 |
| الثانوي | 25.6 | 40.7 | 43.5 | 49.7 | 54.9 | 55 |
| التعليم العالي | غير محدد | 23.3 | 35 | 42 | 54 | 55 |

المصدر : عبد اللطيف بن اشنهو: عصرنة الجزائر حصيلة وأفاق 1999-2009 ، الجزائر، ص 72

**جدول رقم 4 : توزيع نسبة التلميذات من مجموع التلاميذ في جميع مراحل التعليم الحكومي حسب المرحلة و السنة الدراسية في الجزائر 2001-2006**

| السنة الدراسية | التعليم الاساسي | | | | | | المرحلة الثانوية | | | | | دور المعلمين | التعليم العالي |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | الابتدائية | المرحلة المتوسطة | | | | الجملة | العامة | الفنية | المهنية | الجملة | التعليم الديني | | |
| | | العامة | الفنية | المهنية | الجملة | | | | | | | | |
| 06-05 | 47 | 49 | - | - | 49 | 47.7 | 60.3 | 28.2 | 35.1 | 58.4 | - | - | - |
| 05-04 | 47 | 49 | - | - | 49 | 47.7 | 59.7 | 28.7 | 36.1 | 57.7 | - | - | 55.9 |
| 04-03 | 47 | 48.7 | 29.4 | - | 47.4 | 47.2 | 61.2 | 28.4 | 31.4 | 57.5 | - | - | 51.2 |
| 03-02 | 47 | 48.4 | 34.3 | - | 47.4 | 47.1 | 58.9 | 45.2 | - | 56.7 | - | - | - |
| 02-01 | 47 | 48 | 34.3 | - | 47.1 | 47 | 57.5 | 35.5 | - | 56.2 | - | 15.4 | - |

**المصدر** : الكتاب العربي للاحصاءات التربوية في الوطن العربي 2005-2006 WWW.ALESCO.NET

ويوضح الجدولين المواليين تعليما نوعيا للبنات ، ناهيك عن الكم المميز والمتواصل في الصعود كل سنة ، بل ونلاحظ نسبة متفوقة للإناث عن الذكور في السنوات القليلة الماضية .

**جدول رقم5 : يوضح نسب المتحصلين على شهادة البكالوريا إناثا وذكورا 1999-2003**

| السنوات | المجموع % | نسبة الذكور % | نسبة الإناث% |
|---|---|---|---|
| 1999 | 42 | 22 | 20 |
| 2000 | 54 | 27 | 27 |
| 2001 | 94 | 53 | 41 |
| 2002 | 51 | 25 | 26 |
| 2003 | 45 | 29 | 16 |

المصدر : عبد اللطيف بن اشنهو: عصرنة الجزائر حصيلة وأفاق 1999-2009 ، الجزائر، ص 72

**جدول رقم 6 : توزيع نتائج امتحان البكالوريا حسب السنة الدراسية في الجزائر 1999-2006**

| السنة الدراسية | المتقدمون | | الناجحون | | نسبة النجاح |
|---|---|---|---|---|---|
| | الاناث | الجملة | الذكور | الجملة | |
| 06-05 | 236667 | 396045 | 75446 | 127852 | ٪32.3 |
| 05-04 | 236667 | 396045 | 75446 | 127852 | ٪32.3 |
| 02-01 | 206262 | 356687 | 78436 | 134377 | ٪37.7 |
| 00-99 | 191284 | 333558 | 46875 | 83698 | ٪26.1 |
| 99-98 | 83249 | 326299 | 45541 | 77830 | ٪23.9 |

**المصدر**: الكتاب العربي للاحصاءات التربوية في الوطن العربي 2005-2006 WWW.ALESCO.NET

ويوضح الجدول السابق بشكل بارز عدد الإناث ، الذي يمكن اعتباره تحديا حقيقيا من حيث المتقدمات لإجتياز امتحان البكالوريا ، مقارنة بالمتقدمين لذلك من الذكور ، حيث أبنت عن عن فرق كبير وميل لصالح المتقدمات من البنات .

أما عن عمل المرأة فقد عرفت الجزائر ثورة في هذا المجال ، وكنتيجة مباشرة على التعليم والتكوين النوعي ، للبنات واللواتي رفعن التحدي ليكن الرائدات في مجالات كانت لوقت قريب حكرا على الرجل ، كما نلاحظ أن تلك النسب قد تطورت سنة بعد أخرى ، موزاة مع التطور في نسب التعليم والتدريب كما سنلاحظ أيضا ، مع ملاحظة هامة وهي تشبه ما رأيناه في عمل المراة العربية على العموم وهو الإقتراب بين عمل المرأة في الخاج وعملها الأساسي كربة منزل، ومنه سنلاحظ من خلال الجدول نسب مرتفعة للعمل الخدماتي الجتماعي ، وهو يشمل التربية والتعليم والصحة .

**جدول رقم7 : يبين توزيع النسب لمجالات عمل المرأة في الجزائر من 1977-2003**

| السنة / مجال العمل | 1977 | 1982 | 1983 | 1984 | 1987 | 1989 | 1996 | 2003 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| الفلاحة | 5.6 | 3.4 | 4.8 | 2.3 | 2.7 | 3.5 | 1.8 | 11 |
| الصناعة | 17.4 | 14.3 | 15.0 | 13.3 | 12.4 | 11.5 | 7.4 | 24.2 |
| البناء و الأشغال العمومية | 2.1 | 1.5 | 2.3 | 3.5 | 3.4 | 3.0 | 1.9 | 1 |
| التجارة | 3.3 | 2.5 | 3.8 | 5.3 | 3.4 | 2.8 | 4.6 | 2.9 |
| الخدمات | 13.4 | 12.1 | 11.4 | 7.9 | 7.9 | 2.4 | 23 | 12.5 |
| الادارة | 53.8 | 64.4 | 64.2 | 64.3 | 64.3 | 70.6 | 61.3 | 48.4 |
| المجموع | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 |

**المصدر** : الديوان الوطني للاحصائيات – التحقيق حول التشغيل و المداخيل 2003.

إن تطور الشغل عند النساء في ازدهار تام ، إذ انتقلت نسبة النساء النشطات من 1.82 % سنة 1966 إلى 9.72% سنة 1997 ، و هذا دليل على تحسن لوضعية المرأة من الناحية الاقتصادية في الآونة الأخيرة ، بدخولها القوي في سوق العمل و لكنه من جهة ثانية ، قد يؤثر على انخفاض الخصوبة ، كما أنه يجب الإشارة أن نسبة النساء الناشطات في المدن، تزيد بكثير عن ما هي في الريف ، فحسب التقرير الوطني للسكان و التنمية لسنة 1998 ، قدر معدل النشاط عند النساء الريفيات بـ 8.20% بينما قدر هذا المعدل 15.58% عند النساء الحضريات .

و هذا ما يبنه الجدول التالي و اختلاف معدلات النشاط بين النساء بين مختلف الفئات العمرية من جهة و اختلافها بين الريف و الحضر من جهة أخرى .

**الجدول رقم 8: تطور معدلات النشاط عند النساء حسب فئات الأعمار و منطقة الإقامة (31 مارس 1996) مقدرة بـ100**

| فئات الأعمار | الحضر | الريف | الإجمالي |
|---|---|---|---|
| 24-16 | 18.93 | 11.46 | 15.17 |
| 34-25 | 23.20 | 9.14 | 17.22 |
| 39-35 | 11.35 | 4.08 | 7.92 |
| المجموع | 17.58 | 8.20 | 13.17 |

المصدر : التقرير الوطني للسكان و التنمية الجزائر سنة 1998

**جدول رقم 9: يمثل نسبة الشغل حسب السن سنة 2013**

| السن | أنثى | ذكر |
|---|---|---|
| 24-15 سنة | 6.0 | 35.5 |
| 34-25 سنة | 24.1 | 83.1 |
| 44-35 سنة | 20.1 | 90.7 |
| 54-45 سنة | 14.6 | 87.5 |
| +&55 | 3.4 | 32.1 |
| المجموع | 13.9 | 63.7 |

المصدر : الديوان الوطني للإحصائيات ، تحقيق الشغل 2013

نلاحظ ارتفاع واضح لنسب الشغل عند الذكور عنه عند الإناث و ذلك في مختلف الفئات العمرية ، كما أن اكبر نسبة للإناث للفئة العمرية 25-34 سنة حيث ربع النساء لديهن عمل، لتبدأ هذه النسبة في الانخفاض مع التقدم في مختلف الفئات العمرية ، بينما تبلغ نسبة الشغل أعلاها عند الذكور بالنسبة للفئة 35-44 سنة بـ 90.7%و تليها الفئة العمرية 45-54 سنة بنسبة 87.5%

**شكل رقم 4: نسبة الشغل حسب السن سنة 2013**

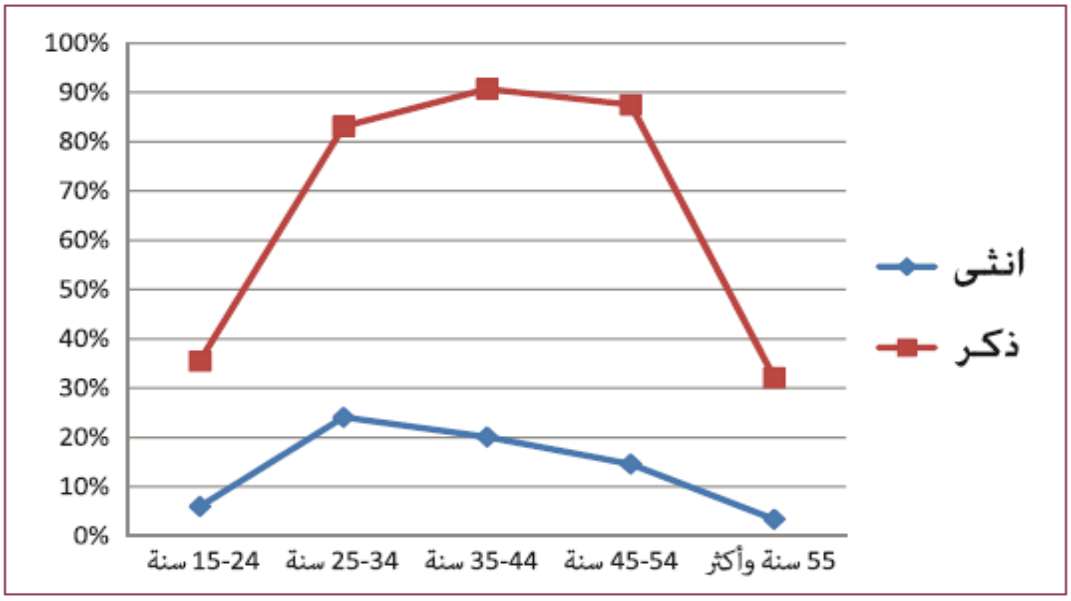


وعلى كل حال تعتبر حركة النضال للمرأة الجزائرية في سبيل النهوض بها أحسن بكثير من حال التجارب الأخرى في الأقطار العربية " فقد أخذت الحركة النسوية في الجزائر تستعيد بريقها و قد برزت في السنوات الأخيرة ، بعض الأعمال الأدبية التي تحاول التأكيد على حضور حركة النسوية في الجزائر و الدفاع عن قيمها بشكل محدود ولكن جاد و واع ، حيث تشترك مختلف الأعمال المندرجة تحت هذه المظلة في مسعى نقل معيقات عيش المرأة اجتماعيا و نفسانيا مع التطلع إلى حلول آنية "[1] ، و قد كانت الأعمال الفنية أصدق تعبير عن واقع النساء و صوت قوي آخر يضاف إلى صوت السياسة والقانون "و الملاحظ أن الحركة النسوية في الجزائر صارت تعرف انتعاشا مستفيدة من التغيرات التي طرأت على النضال النسوي على الصعيد العالمي و متأججة من خلال ملاحظة تواصل دائرة التعسف في التعامل مع قضايا المرأة خصوصا على الصعيد الاجتماعي حيث تحرمها القوانين المطبقة من الكثير من الحقوق الشخصية "[2]

---

[1] جريدة الخبر اليومي :**الحركة النسوية في الجزائر** ، تستعيد بريقها ،السنة العشرون ، العدد 5920، 27 فيفري 2010 ، ص 21.

[2] المرجع السابق ، ص 21.

**خلاصة :**

أن المحطات التي رأينا فيها مكانة المرأة لمتغيرة ، تجعلنا نستخلص عددا من الملاحظات الهامة ، أولاها أن المرأة قديما عانت وضعية تهميش وانحطاط كبيرين ، حتى في تلك الحضارات التي عرفت نوعا من التقدم والرقي ، بيد أنها لاقت إحتراما وتبجيلا في الديانات السماوية والتي أرادت أن تنتصر لكل ضعيف ومنها المرأة ، لكن التحريف الذي نالها أعاد المرأة إلى ماكنت عليه في سابق العهود ، ليأتي الإسلام ويبجلها ويكرمها ، ويعطيها المكانة التي تستحق في المجتمع ، ويجعلها مشاركة في بنائه مكلفة بالايجادة والعطاء ، ثم لاحظنا أن المرأة قد دخلت مرحلة جديدة من الإستعباد جعلتها تثور لوضعها ، ثم لتنتقل المطالبة في العالم العربي ولها من الخصوصية ما لها .

محطة أخرى هامة وهي تاريخ النضال والتحرر للمرأة الجزائرية والتي ضربت مثلا في الريادة أثناء المقاومة وفي حرب التحرير ثم ما تحققه اليوم من انجازات متتالية في مجال التعليم والعمل مما جعلها تكون مثال خاصا خالصا يمزج ما بين الأصالة والمعاصرة .

# الفصل الثالث

# مقاربة سوسيولوجية

# لظاهرة الطلاق

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

**شكل رقم "07" : يحدد مراحل التحول النفسي بعد الطلاق**

**مشاعر تصحب الخسارة الانتقال من القديم إلى الجديد**

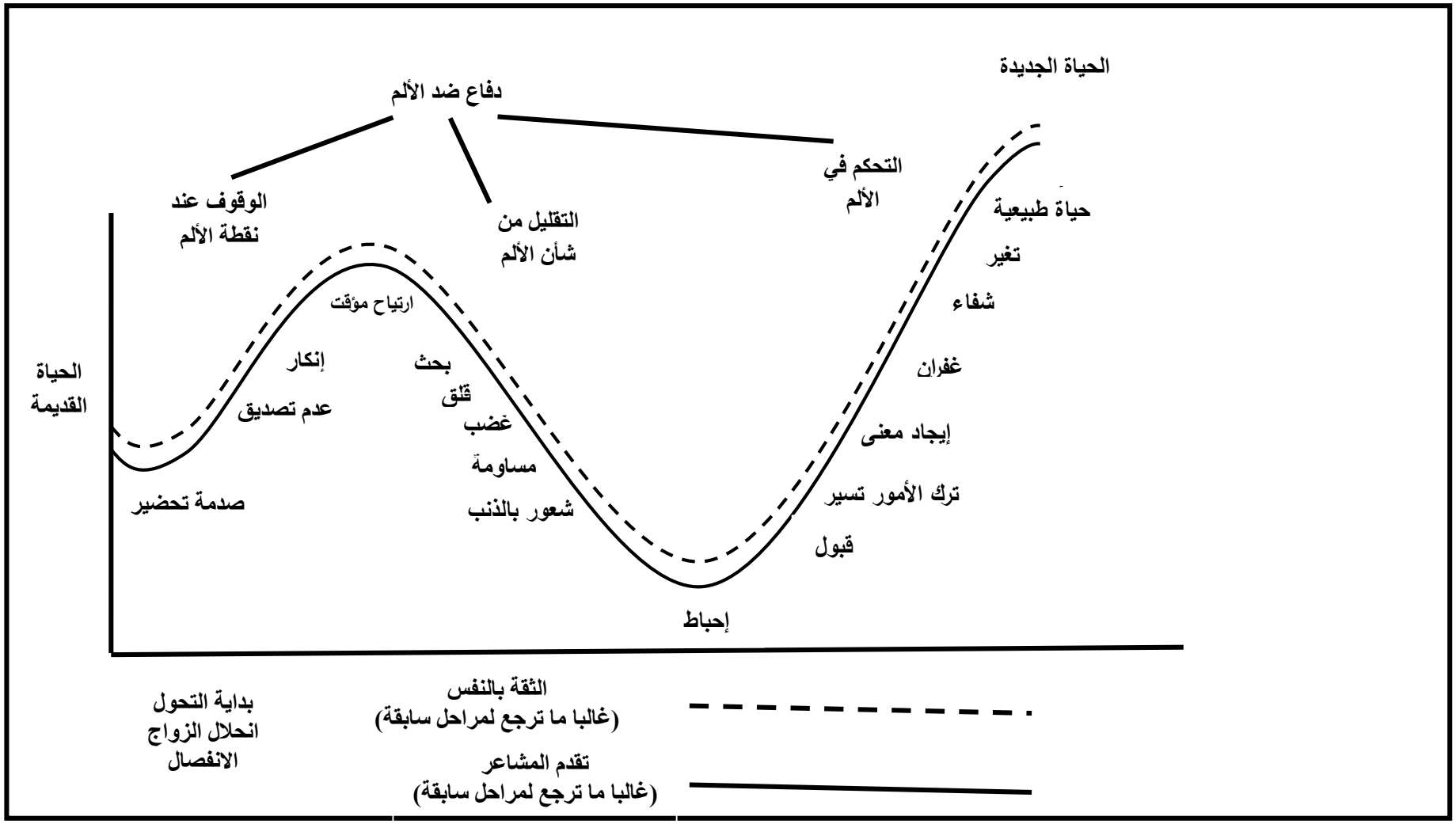


**المصدر : ندى ذبيان : مرجع سابق ،ص 85.**

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

الفصل الثالث ـــــــ

# الفصل الرابع

# الريفية و الحضرية ما بين النموذج النظري و التغير الاجتماعي

# تمهيد

## أولا – الاتجاهات النظرية للمجتمعات الريفية و الحضرية

## ثانيا – معايير التمييز بين الريف و الحضر

## ثالثا – مشكلات الوسط الريفي و الحضري

## رابعا – مظاهر التغير الاجتماعي في ظل التحضر السريع

## خلاصة

**تمهيد :**

كانت ولا زالت الفروق مابين الريف والحضر مثار تساؤل الباحثين منذ وقت مبكر وحتى اليوم ، و إن كانت اليوم أميل إلى التحليل الميداني و الاحتكام إلى الأرقام منها إلى التنظير والفهم الكلي لظاهرة التريف والتحضر ، خاصة بعد مجموعة التغيرات الكبيرة الحاصلة على مستوى الحجم والزمن والتي لم تواكب حتى الاستيعاب الواضح للظاهرتين بالشكل المعروف سابقا ، والذي أوجد عددا من النظريات الكبرى المفسرة " وتكاد تجمع المحاولات القليلة التي تصدرت للحديث عن الموقف النظري في علم الاجتماع الحضري–والريفي– ، على حقيقة ذلك "الفتور" و"الوهن" النظري الذي أصيبت به ولا تزال معظم الدراسات والبحوث التي تجري في هذا الحقل وعلى تأكيد تلك الحاجة المتزايدة إلى نظريات أكثر شمولية وكفاءة إذا ما أريد لهذا الفرع من المعرفة أن ينمو وأن يتطور.[1]

وفي الفصل محاولة للاقتراب من التفسيرات النظرية الكبرى لمعرفة حدود كل من الريف والحضر أو التداخل والتشابه بينهما ، كما يتم تناول المشكلات الريفية والحضرية بشكل عام وفي إطار التغير السريع من الريفية إلى الحضرية ، ثم يتم رصد ذلك في الإطار العربي والجزائري كذلك .

**أولا – الاتجاهات النظرية للمجتمعات الريفية و الحضرية :**

قد اختلفت النظرة بين العلماء إلى هذين المجتمعين –الريفي، الحضري– فمنهم من يرى أنهما ضدان قد يختلفان في البناء و الوظيفة و الثقافة و نمط الحياة ككل و البعض يرى أنهما متكاملان يرتبطان و يتكاملان في أمور و قواسم مشتركة و منهم من يرى أن الحضر – المدينة – امتداد للريف و لقد كان هذا المجال اهتمام كثير من المفكرين و الفلاسفة و العلماء منذ القدم وأدى هذا الاهتمام إلى ظهور علم الاجتماع الريفي و علم الاجتماع الحضري.

إن فهم الظاهرة الاجتماعية و تفسيرها لا بد له من إطار زماني و مكاني. إذ أنها تتغير بتغير هذا الأخير و يعد الوسط الحضري و الآخر الريفي من أهم المجالات التي تتحكم في تغير الظاهرة الاجتماعية ، ونحن إذ نتناول ظاهرة الطلاق بين الوسطين الريفي و الحضري ، لا

---

[1]– السيد عبد العاطي السيد: **علم الاجتماع الحضري مدخل نظري**، الجزء الأول، دار المعرفة الجامعية، مصر، 2001، ص. ص: 291. 292.

بد لنا من معرفة خصائص هذا المجال و كيف يمكنه أن يعطي دلالات هامة في تفسير الظاهرة من هذا المنطلق . و سواء كانت مميزات الوسط الحضري مقارنة بالوسط الريفي تعتمد عن نظريات الثنائية والمحك الواحد أو بالاعتماد عن نظرية تعدد السمات فهي بلا شك ستحدد أبعاد الظاهرة خاصة بإسقاطها على الوسطين الريفي و الحضري في الجزائر.

**1- نظرية الثنائية الريفية –الحضرية :**

من المفكرين العرب يعد **عبد الرحمن بن خلدون** أول من تطرق إلى التفرقة بين المجتمعات الريفية و الحضرية وكان ذلك في القرن الرابع عشر حيث عرض فصولا منظمة و ذلك في الباب الثاني من مقدمته الشهيرة للتفرقة بين البدو و الحضر و يقول " فمنهم من يستعمل الفلح من الغراسة و الزراعة ، و منهم من ينتحل القيام على الحيوان من الغنم و البقر و المعز والنحل و الدود لنتاجها ، واستخراج فضلاتها و هؤلاء القائمون على الفلح و الحيوان ندعوهم بالضرورة و لابد إلى البدو ، لأنهم متسع لما لا تتسع به الحواضر من المزارع و الفدن والمسارح للحيوان وغير ذلك ، فكان اختصاص هؤلاء بالبدو أمرا ضروريا لهم ، و كان حينئذ اجتماعهم و تعاونهم في حاجاتهم و معاشهم و عمرانهم من القوت والكلأ و الدفء، إنما هو بالمقدار الذي يحفظ الحياة ويحصل بلغة العيش من غير مزيد عليه للعجز عما وراء ذلك ، ثم إذا اتسعت أحوال هؤلاء المنتحلين للمعاش وحصل لهم ما فوق الحاجة من الغنى و الرفه ، دعاهم ذلك إلى السكون والدعاة و تعاونوا في الزائد على الضرورة واستكثروا من الأقوات والملابس و التأنق فيها ، و توسعة البيوت و اختطاط المدن و الأمصار للتحضر" [1] هنا ميز **ابن خلدون** بين البدو و الحضر بالفروق في مصادر الإنتاج و طرق الكسب (الاقتصاد)، ويرى أن الحضر مهنتهم تعتمد على العمل الذهني في مجال الحرف و الخدمات و أنشطتهم الاقتصادية بينما البدو مهنتهم الرئيسية الرعي و الزراعة، كما فرق بين الصفات التي تميز أهل البدو من أهل الحضر حيث يرى ابن خلدون " أن البدو أكثر جدية من أهل الحضر في سد احتياجات الحياة الأساسية و هم أكثر عملا و اقوي صحة و أكثر ولاء و انتماء لذوي قرباهم ، كما أنهم يتمسكون بتقاليدهم و

[1] ابن خلدون: **المقدمة** ، الدار التونسية للنشر ، تونس ، 1984، ص 165.

معتقداتهم المكتسبة عن أهلهم ، و على عكس ذلك فان أهل المدن يؤثرون في أهل البدو تأثيرا سيئا "[1] فحسب رأي **ابن خلدون** أن أهل الحضر يحبون الترف و الإقبال على الدنيا و الشهوات ، و الأحسن أهل البدو فهم يهتمون بتحصيل حاجياتهم و المحافظة على بقائهم و الأحسن في طباعهم ، و قد قارن ابن خلدون بين هذين النوعين من المجتمعات في مجالات اجتماعية و ثقافية مختلفة و متعددة .

وقد أتى **هاربرت سبنسر Herbert Spencer** يرى أن المجتمع الريفي هو مجتمع زراعي يتميز بالبساطة و عدم التعقيد، و لا يتأثر بالتأثيرات الخارجية فدرجة التأثير ضعيفة [2] بآراء حول المجتمع و مراحل تطوره و في رأيه فإن المجتمع ينتقل من حالة التجانس إلى حالة اللاتجانس و بالتالي من حالة المجتمعات البسيطة إلى المجتمعات المركبة في حركة التغيير "فالمجتمع المركب انبثق عن المجتمع البسيط و مركب المركب عن المركب ، و مركب مركب المركب عن مركب المركب، و يتكون المجتمع البسيط من الأسر أما المركب من أسر تتحد في عشائر و يتكون مركب المركب من عشائر تتحدد في قبائل بينما يتكون مركب مركب المركب كمجتمعاتنا من قبائل تتحدد في أمم أو دول، وكلما تعاظم الحجم تعاظم البناء وتطورت كذلك الفروق في القوة والمهن" [3]

كما اشتهرت ثنائية **إميل دوركايم Emil Durkheim** الشهيرة التي تقابل بين نوعين من المجتمعات وفقا لشكل التضامن الاجتماعي أولهما يقوم على التضامن الآلي بينما يقوم الثاني على التضامن العضوي " إن الأفراد في المجتمع البدائي متجانسون ...لذلك يرتبط الأفراد مما سماه بالتضامن الآلي الذي يتميز بخضوع الأفراد ، لما يمليه الرأي العام و التقاليد ، وتكون المسؤولية في هذا المجتمع جمعية و يكون المركز الاجتماعي موروثا ، أما المجتمعات المتحضرة

---

[1] حسن على حسن : **المجتمع الريفي و الحضري** ، المكتب الجامعي الحديث ، الإسكندرية ، مصر ، 1991، ص 33.

[2] عبد الحميد بوقصاص : **النماذج الريفية الحضرية لمجتمعات العالم الثالث في ضوء المتصل الريفي –الحضري** ، مخبر التنمية و التحولات الكبرى في المجتمع الجزائري –جامعة عنابة – ديوان المطبوعات الجامعية ، قسنطينة، دون تاريخ ،ص21.

[3] محمد الجوهري ، علياء شكري : **علم الاجتماع الريفي و الحضري** – سلسلة علم الاجتماع المعاصر ،الكتاب الرابع عشر ، الطبعة الثانية ،دار المعارف القاهرة ،مصر، 1983، ص246

فتكون شخصية الأفراد متعددة و يرتبط الأفراد في مثل هذه المجتمعات بتضامن آخر هو التضامن العضوي " [1]

أما **دوركايم Durkheim** فير انه "حين يسود في المجتمع تضامن آلي يتميز الضمير الجمعي إلى المجموع الكلي للمعتقدات و العواطف العامة بين معظم أعضاء المجتمع و التي تشكل نسقا له طابع متميز و يكتسب هذا الضمير العام، واقعا ملموسا، فهو يدوم خلال الزمن، ويدعم الروابط بين الأجيال ، ويؤكد **دوركايم Durkheim** أن الضمير الجمعي يعيش بين الأفراد و يتخلل حياتهم إلا أنه يكتسب مزيدا من القوة و التأثير والاستقلال حينما يتحقق نوع من التماثل الإنساني ، ولعل هذا هو الموقف السائد في المجتمعات التقليدية التي تتميز بالتضامن الآلي حيث يسيطر هذا الضمير العام على عقول الأفراد وأخلاقياتهم "[2]

ويميز **تشارلز كولي Charles Cooley** أيضا بين الوسط الحضري و الريفي بتمييز العلاقات الاجتماعية وتصنيفها إلى علاقات أولية و علاقات ثانوية ، و هو يرى أنه حيث تسود العلاقات الأولية في المجتمع الريفي تسيطر عليها الارتباط و التعاون المباشر بين أفرادها ويصبحون بفضلها منصهرين في كيان واحد والعكس بالنسبة للوسط الحضري .

و قد وضعت مجموعة من العناصر و المتغيرات للتمييز بالاعتماد عليها في هذا المدخل ما بين كل من الريفية و الحضرية و منها العناصر الكمية و التي تتمثل في عدد الأشخاص وتركزهم أو انتشارهم في منطقة جغرافية و درجة تفاعلهم بالتالي ، و بين العناصر الكيفية في هذا التفاعل حيث أنه في هذه النقطة تتعقد الأمور شيئا ما و قد حاول **كمجزلي دافيز Davies** وضع خمس سمات تميز العلاقات الأولية عن العلاقات الثانوية و التي تمثل الأولى المجتمع الحضري والثانية المجتمع الريفي ونلخصها في الجدول التالي :

---

[1] عاطف غيث : **دراسات في تاريخ التفكير و اتجاهات النظرية في علم الاجتماع** ،دار النهضة العربية ، بيروت ، لبنان، 1975 ، ص 49.

[2] محمد الجوهري ، علياء شكري : مرجع سابق ، ص246 .

**جدول رقم 15: العلاقات الأولية**

| الظروف المادية | السمات الاجتماعية | نماذج العلاقات | نماذج الجماعات |
|---|---|---|---|
| التجاوز المكاني | تماثل الغايات | الصديق- بالصديق | جماعة اللعب |
| العدد الصغير | التقويم الداخلي للعلاقة | الزوج- بالزوجة | الأسرة |
| الاستمرار الطويل | - التقويم الداخلي للأشخاص الآخرين<br>الشعور بالحرية و التلقائية<br>تأثير وسائل الضبط الرسمية | الأب – بابنه<br>المدرس- بالتلميذ | القرية أو جماعة الجوار<br>فريق العمل |

**المصدر** : عالية حبيب و آخرون :مرجع سابق ص 143 .

**جدول رقم16 : العلاقات الثانوية**

| الظروف المادية | السمات الاجتماعية | نماذج العلاقات | نماذج الجماعات |
|---|---|---|---|
| الاتساع المكاني | تباين الغايات | البائع- و العميل | الأمة |
| العدد الكبير | التقويم الخارجي للعلاقة | المذيع – و المستمع | الأكليريكية |
| الاستمرار القصير | التقويم الخارجي للأشخاص الآخرين<br>المعرفة الخاصة والمحدودة بالآخرين<br>الشعور بالقيود الخارجية<br>تأثير وسائل الضبط الرسمية | الممثل – و المتفرج<br>الضابط – و جنوده<br>المؤلف – و القارئ | الإتحاد المهني<br>الشركة |

**المصدر** : عالية حبيب و آخرون :مرجع سابق ،ص 143 .

كما جاء تصنيف **فرنالد تونيز Frenald Tonis** الكلاسيكي الشهير أعطى نموذجين في الدراسات الحضرية الريفية الذي يمثل احد قطبيه المجتمع المحلي الذي تسوده علاقات القرابة والعلاقات الأولية و القطب الآخر المجتمع (المدينة) الذي تشيع فيه العلاقات الثانوية والتعاقدية

و حسب **تونيز** فإن جميع العلاقات الاجتماعية تتبع من الإرادة الإنسانية و لتوضيح التفرقة بين المجتمعين نسوق الثنائيات التالية:[1]

| المجتمع المحلي (الريفي) | المجتمع التعاقدي ( الحضري) |
|---|---|
| – إرادة طبيعية | – إرادة عاقلة |
| – الذاتي | – الشخصي |
| – الأرض | – المال |
| – أفراد مترابطون | – أفراد منعزلون |

كما يرى **تونيز** أن النمط الاقتصادي للمجتمع الريفي قائم على الزراعة ، أما المجتمع الحضري فالتجارة فيها محل الصدارة [2]

و قد ميز **روبرت ردفيلد** بين المجتمع الشعبي الذي يعتبر نموذجا للمجتمع الريفي ، في مقابل المجتمع المتحضر الذي هو مجتمع المدينة ، حيث أن المجتمع الشعبي يركز على المشاعر الجمعية و مجتمع المدينة يركز على المشاعر الفردية ، "و في ضوئها حدد خصائص و سمات كل من الريف و الحضر على أساس أن المجتمع الريفي صغير، منعزل، متجانس، أمي يسود بين أعضائه إحساس دائم بالتضامن ، و أنماط سلوكية تتميز بالتلقائية و التقليدية وعدم الطموح ، أما خصائص المجتمع الحضري عنده فهي كل ما يشير إلى نمو و تطور وتعقد تلك الخصائص السابقة"[3]

بالرغم من الأهمية النظرية التي تنطوي عليها الثنائيات إلا أنه وجهت لمثل هذا المدخل العديد من الانتقادات منها أن استخدام الثنائيات كان قاصر على استيعاب مختلف أنماط المجتمعات الإنسانية ، فإذا سلمنا بأن المجتمع يتغير فهذا التغير لا يسير وفق خط واحد ينتقل من السمات الأولى إلى الثانية بشكل مباشر و بالتالي ليس هناك خط فاصل بين ما هو ريفي وحضري .

---

[1] رشيد زوزو: **الهجرة الريفية في ظل التحولات الاجتماعية الجديدة في الجزائر 1988-2008**، دكتوراه دولة علم اجتماع التنمية ، أطروحة غير منشورة ، جامعة منتوري ، قسنطينة ، 2008، ص 53.

[2] عبد الحميد بوقصاص : مرجع سابق ،ص29.

[3] محمد عباس ابراهيم : مرجع سابق، ص 50.

**2- مدخل استخدام المحك الواحد ( فكرة التركز السكاني ):**

يقوم هذا الاتجاه بالاعتماد على محك (معيار) واحد للتفريق بين المجتمعين الريفي والحضري و ينطلق هذا المدخل من اعتبار التركز الكثيف للسكان يساوي المدن ومن هذا مثلا ما يراه **تيزديل Tezdale** من أن التحضر هو عملية التركيز السكاني و هي عملية تجري بطريقتين تتمثل إحداهما في تعدد نقاط التركز أما الثانية فتتمثل في نمو التركيز القروي، و مما يتسق مع هذا الاتجاه انه يمكن تعريف المدن بأنها مناطق التركيز السكاني [1] و قد ساعد هذا المدخل الكثير من العلماء و خاصة الديمغرافيين في تصنيف المدن ، و قد شاع استخدامه بدرجة واسعة في التمييز بين الريف و المدينة ، وقد اعتمدت عليه الحكومات و الدول للتصنيف الإداري "و قد أشار **جيرتزGertz** إلى أن **جوليان ستيوارد Julian Steward** اعتبر المهنة أساسا وحيدا للتصنيف و التمييز بين الريف و الحضر ، وأن **وتفوجل Wittfogel** قد استخدم القوة والسلطة كأساس لهذا التمييز ، و مع ذلك فأن حجم المجتمع هو المحك الوحيد الذي يشيع استخدامه بدرجة واسعة في التمييز بين الريف و الحضر"[2]

"إن الكم غير كاف للتمييز في المجتمعات التي تقع في الفئة السكانية من 5 آلاف إلى 10 آلاف نسمة ، قد تختلف و تتباين فيما بينها بالنظر إلى الإطار الاجتماعي الذي بلغته ، فالقرية بهذا الحجم في إفريقيا مثلا تختلف اختلافا بينا عنها في أوربا و أمريكا بالرغم من الحجم الواحد لكليهما " [3]هذا ما جعل المدخل لم يسلم من الانتقادات بل أنه كان يتميز بالعديد من النقائص إذ أن مستخدميه قد لجئوا إلى الاعتماد على سمات أخرى لتصنيفهم إضافة إلى حجم المجتمع، إذ من الممكن أن تكون منطقة جغرافية فيها عدد كبير من السكان ،و لكنها لا تتميز بأي ميزة حضرية خاصة تلك المناطق التي لم تعرف التصنيع ،و لا يخفى أن التقدم الصناعي والتكنولوجي من العوامل الهامة في زيادة التحضر .

---

[1] عالية حبيب و آخرون : **علم الاجتماع الريفي** ، دار المسيرة ، عمان ، الأردن ، الطبعة الأولى ،2009،ص 147.

[2] المرجع السابق ، ص 147

[3] رشيد زوزو : مرجع سابق ، ص 55

**3-استخدام مدخل تعدد السمات :**

استخدم العديد من العلماء من أمثال **ورث** Worth ، **رودفيلد Redfield**، **زيمرمان Zemmerman**و **سوروكينSorokin** مدخلا اعتمد المحكات المتعددة للتمييز بين المجتمعات الريفية و الحضرية ، نستطيع أن نحددها في عناصر أساسية ، ولعل أبرزها التي وضعها كل من **سوروكين** و **زيمرمان** اللذان ميزا بين الريف و الحضر وفقا للأسس التالية :[1]

1-الفروق المهنية 5- تجانس السكان أو تباينهم من حيث اللغة و المعتقدات والدين وأنماط السلوك

2- الفروق البيئية 6 – فروق في شدة الحراك الاجتماعي

3 – حجم المجتمع 7 – اختلاف في اتجاه الهجرة

4 – كثافة السكان 8 – أشكال التباين الاجتماعي

9 – انساق التفاعل

و نرى أن **سوروكين** و **زيمرمان** قد أضافا إلى حجم المجتمع التجانس و التباين و التفاعل ، حيث يتميز المجتمع الحضري بدرجة عالية من اللاتجانس و التباين الاجتماعي بين أفراده ، عكس المجتمع الريفي ، و يكون التفاعل سطحيا بينما يكون في المجتمع الريفي عميقا ، وقد رأى **ورث** أن الحضرية أسلوب حياة ، و أن المدنية تتميز [2] بما يلي :

1 –الحجم الكبير

2 –شدة الكثافة

3 –النمو المصحوب بظهور نظام علماني و تقهقر النسيج المعياري و الأخلاقي

4 – اللاتجانس

5 – شيوع الضوابط الاجتماعية الرسمية

6 – سيادة الضوابط الاجتماعية الرسمية

---

[1] عالية حبيب و آخرون : مرجع سابق، ص 148

[2] محمد الجوهري و علياء شكري : مرجع سابق ، ص257.

على الرغم من الجهود الفكرية التي حاول علماء الاجتماع القدماء والمعاصرين لتحديد سمات الريفية والحضرية ، إلا أنهم قد وجهت لهم انتقادات مهمة تصب في إطار تصنيفهم وفق السمات الخاصة بكل من المجتمعين ، قد تتغير بتغير المنطقة الجغرافية والزمنية وهي ليست نفسها ، وبالشكل المطلق الذي حددوه " فالانتقادات التي وجهت إلى أصحاب هذا المدخل هو أنه كان جهدا وصفيا و ليس تحليليا ، من الملاحظ أن الكثير من الفروق التي يفترض علماء الاجتماع و جودها بين مجتمع القرية و مجتمع المدينة ، ليست عامة أو عالمية كما يتصورون[1]

**4-المتصل الريفي-الحضري :**

من منطلق أن الريفية والحضرية لا يمكن أن تحدد وفق سمات محددة أو نقاط لا يمكن الخروج عنها ، وباعتبار أن المجتمع الحضري كما هو الريفي قد يتميزان بصفات متداخلة ، نمت نظرية المتصل الريفي الحضري "و يقصد بمتصل ريفي حضري أو بلفظ أدق "ريفي – حضري" على أن يكون مفهوما أن هذا لا يعني ثنائية يتقابل طرفاها و إنما مقياس متدرج متصل "ريفي –حضري"[2]

وكما سبقت الإشارة فإن النظرية جاءت لتسد النقص في نظرية السمات ، أو لنقل أتت بطرح أكثر واقعية وتطبيقا ، نظرا للتدرج أو الامتزاج بين ما هو ريفي وحضري في نفس المكان والوقت " و تستند فكرة المتصل ريفي – حضري من الناحية النظرية على افتراضين أساسين ، الأول هو أن المجتمعات المحلية تتدرج بشكل مستمر و منتظم من الريفية إلى الحضرية، وفقا لعدد الخصائصContinuousGradient و الثاني أن هذا التدريج يصاحب بالضرورة ، اختلافات أو فروق متسقة Consistent Variation في أنماط السلوك "[3]

لقد أثبتت الوقائع بالنسبة لأصحاب هذه النظرية أن السمات الخالصة لا يمكن أبدا أن تتحقق بل يمكن الاستعانة بمصطلح أقرب إلى – الريفي أو الحضري حيث " أن المتصل الريفي –الحضري

---

[1] عالية حبيب و آخرون : مرجع سابق ، ص 159.

[2] حسن عبد الرزاق منصور :**الحضارة الحديثة و العلاقات الإنسانية في مجتمع الريف (دراسة ميدانية في ريف عربي)** سلسلة الحضارة و الفكر (2) ، فضاءات للنشر و التوزيع ،مصر ، ص 104

[3] عالية حبيب و آخرون : مرجع سابق ، ص 160

يراه البعض أن ليس هناك ما يسمى بالمجتمع الريفي البحت و لا الحضري البحت أيضا ، بل هناك علاقات تبادلية على أكثر مستوى و في أكثر من خاصية ، لأن من خلال ذلك يمكن القول ، أن هذا المجتمع أقرب إلى الريف منه إلى الحضر ، و من هذه النظرة أو وجهة النظر، فإنه يصبح بالإمكان اكتشاف العلاقات بين الريف و الحضر ، و يمكن العثور عليه في أكثر من نقطة أو درجة من متدرج الخصائص للمجتمع المدروس "[1]

إن نقاط كثيرة في العالم عرفت تطورا غير متباين وبشكل يستحيل معها الجزم والتصنيف ، ليس هذا بالنظر إلى الحيز الجغرافي الكبير(مدينة أو قرية) ، بل وعلى مستوى الأحياء الصغيرة المتلاصقة ، هناك سمات للحضرية والريفية " و قد عبر **بوكوك Pocok** عن هذه النقطة بعد دارسة ميدانية أجراها في الهند بقوله : إن المدينة التي أدرسها مدينة هندية ، و القرية قرية هندية و لقد حاولت في هذا المقال ، أن أسير في طريق يمكن أن تبرز فيه الفروق بين هذين الشكلين من الاستيطان البشري ، فانتهيت إلى أن علم الاجتماع في الهند لا يمكن تقسيمه إلى علم اجتماع ريفي و علم اجتماع حضري"[2] وهذا أيضا ما عبر عنه **لويس ورث** الذي في قوله "أن الحياة الشعبية لا يمكنها أن تمحى نهائيا من سماتها الثقافية بأبعادها المختلفة و هذا بمجرد الانتقال أو التحول إلى الحضر، بل تبقى آثارها في سلوك الإنسان و على مستوى النسيج الاجتماعي أو الحياة الاجتماعية الحضرية " [3] و إذ يقول دعما لتلك الفكرة" إن حياتنا الاجتماعية تحمل إلى حد ما ، بصمات تراث المجتمع الشعبي القديم التي لا يمكن إزالتها ... إن المجتمع المحلي و المجتمع الكبير، يجب اعتبارهما قطبان مرجعيان تتلاءم مع أحدهما أو الآخر جميع الموحدات العمرانية الإنسانية " [4]

وهذه النظرية أيضا رغم ما قدمته لعم الاجتماع من إسهامات لفهم وتفسير الظواهر الحضرية إلا أنها لم تسلم من النقد هي الأخرى، باعتبارها بالغت في تقدير العلمانية والتفكك

---

[1] عبد الحميد بوقصاص : مرجع سابق ، ص 152

[2] عالية حبيب و آخرون : مرجع سابق ،ص 161

[3] عبد الحميد بوقصاص : مرجع سابق ، ص 153

[4] نفس المرجع والصفحة .

الاجتماعي داخل المدينة حتى في المجتمع الأمريكي نفسه ، وأنها لا تتوافق مع ما يحدث في المجتمعات النامية والعربية والإسلامية.[1]

**5- نظريات الاتجاه الحتمي :**

ترى نظريات الاتجاه الحتمية بأن انتقال المجتمعات من الريفية والحضرية ، يكون نتيجة حتمية أو جبر عامل من العوامل سواء الطبيعية أو الاقتصادية أو بفعل الضغط السكاني وظاهرة الهجرة ، وبالتالي فإن مصير الريفية زائل بفعلها سواء كان الانتقال تدريجيا أو مفاجئا ونأتي على ذكر بعض النظريات في إطار الاتجاه الحتمي كالتالي :

**أ-النظرية الايكولوجية**

أدخلت مفاهيم الطبيعة والبيئة في بناء نظرية خاصة بالمجال الريفي والحضري ، نظرا لأنها هي من تعمل على تشكيلها وتحديد ملامحها ، سميت بالنظرية الايكولوجية "يتمثل هذا الاتجاه بوضوح في أعمال مدرسة شيكاغو و بخاصة عند **روبيرت بارك Robert Park** و **ايرنست برجس Ernst Burgess** و **رودريك ماكينز Roderick Mackenzie** و **لويس ويرث** و**روبيرت ريدفيلد**، لقد انطوت محاولات هذه المدرسة على الاعتماد الواضح على المفاهيم الإيكولوجية، والتأكيد المستمر لقوى البيئة الطبيعية والمنافسة غير الشخصية مستعينا بجملة من المفاهيم مثل: الصراع من أجل البقاء، التوازن الحيوي، البقاء للأصلح، المنافسة، الموارد النادرة متأثرا **بالداروينية** الاجتماعية والاقتصادية الكلاسيكية"[2]

لقد حاولت النظرية أن تلفت النظر إلى أهمية البيئة في تحديد المجال الجغرافي ، ويرى رواد هذه النظرية أن الخطاب المجتمعي العام قد تحول إلى الاهتمام المتزايد بقضايا البيئة ، وهو ما يمكن أن يكون ناتجا عن الأثر الذي تركته النظم الايكولوجية في رسم أسلوب الحياة الاجتماعية " و في مقال نشره **توم براس Tom Brass** بعنوان مجلة الدراسات القروية العقد الثالث ، حاول فيها الوقوف على أهم القضايا الريفية التي طرحت في المجلة في 1993 وحتى 2004، وجد إن من بين القضايا التي طرحت في فترة التسعينات و التي أصبحت مثار اهتمام كانت قضايا النوع و

---

[1]- السيد عبد العاطي السيد ، مرجع سابق ،ص 78.

[2] المرجع السابق ،ص 307.

البيئة ، و قد تم التركيز في الحديث عن موضوع البيئة حول الاقتصاد السياسي للخطاب الإيكولوجي " وقد يعود هذا التركيز الذي انتبه إليه **توم براس** ما هو في الحقيقة إلا رد فعل طبيعي لقوة تأثير الإيكولوجيا على السلوك الاجتماعي والمجال الجغرافي وبالتالي السياسة والاقتصاد وكل مظاهر التفاعل الأخرى [1]" حيث " أن البيئة تمارس على الجماعة والأفراد تأثيرات واضحة على حياتهم ، مثل نوع السكن ظروف العمل في الحضر ، كل ذلك ولا شك يؤثر على السلوك و العلاقات الاجتماعية ، و ربما من خلال هذه العلاقة يشرع الباحث الاجتماعي في دراسة العناصر المختلفة التي تتشكل منها المدينة ، من ذلك نجد أن العديد من الدراسات السوسيولوجية ، ربطت في فهم موضوع الحضر ، بين الإيكولوجيا ومعدلات الجريمة و التفكك الاجتماعي و الأسري "[2]

وقد توصلت النظرية الايكولوجية إلي صياغة مجموعة من القضايا و المقولات و نذكر منها :[3]

المدينة مخبر اجتماعي: فيها يتم رصد جميع التفاعلات والعمليات الاجتماعية.

الحي الطبيعي: أي أنّ الأحياء تنمو نموا طبيعيا دون تصميم مسبق

علاقات مصلحة: باعتبار الناس يعيشون مع بعضهم البعض، وكل ضروري للآخر

التقسيم الاجتماعي للمجال الحضري: وذلك حسب الدخل الاقتصادي للأفراد مثلما يتوزع المتفرجون في قاعة السينما.

المدينة من إنتاج الطبيعة البشرية: ففي المدينة تظهر المنافسة الفردية وعلاقات المنفعة والعقلانية واختفاء السلوك العاطفي والتقليدي.

---

[1] عالية حبيب و آخرون : مرجع سابق ،ص 90

[2] عبد الحميد بوقصاص : مرجع سابق ، ص 114,

[3] محمد بومخلوف: **التوطن الصناعي وقضاياه المعاصرة – التحضر**، دار الأمة للطباعة والنشر والتوزيع، الجزائر، ط1، 2001، ص76.

**ب-النظرية الاقتصادية :**

لقد حاولت النظرية الاقتصادية أن تربط بين النمو الاقتصادي وما بين التحول من الريفية إلى الحضرية حيث "ينطلق هذا الاتجاه من نفس التوجه النظري للحتمية الاقتصادية ، التي مالت إلى تفسير الظواهر الاجتماعية في ضوء العوامل الاقتصادية وحدها والتي مثلتها أعمال "**كارل ماكس**Karl Marx وقد تمثل هذا الاتجاه في مجال الدراسات الحضرية في أعمال كل من **شيفكي** Sheffkeو**بل** Belle و**لاكوست** Lacoste، وحسبهم فإن المدينة لم تكن بسبب عوامل الحجم والكثافة والتمايز، بل إن التفسير الأكثر معقولية و اتفاقا مع الواقع لهذا التحول يكمن في التوسع الاقتصادي، فانتقال المجتمع من نمط الإنتاج الاقتصادي إلى نمط آخر يؤدي في نهاية المطاف إلى اتساع نطاق المجتمع في مجال التفاعل، ويصاحبه بعدد من التغيرات البنائية الهامة في المهارات وبناء النشاط الإنتاجي وفي التركيب السكاني للمجتمع ككل".[1]

وقد تحدثت النظرية عن عملية الهجرة والنزوح من الريف إلى المدينة ، بسبب الانتقال من العمل الزراعي إلى الصناعي، ومن ثم الخدمات "فقد بينت النظريات في تحليلها لعملية التحضر اتجاهين أساسين ، يشير إحداهما إلى التغيرات التي طرأت في البناء الوظيفي ، حيث انتقلت أعداد ضخمة من القوى العاملة من العمل في الزراعة و الفلاحة إلى العمل في الصناعة و الخدمات ، و يشير الثاني إلى اتساع عملية التحضر من خلال الحركة السكانية من المناطق الريفية إلى المناطق الحضرية [2]

**ج- النظرية الديمغرافية :**

تعتبر النظرية الديمغرافية أحد نظريات الاتجاه الحتمي ، والتي ترجع الفروق بين الريفية والحضرية إلى التحولات السكانية من حيث الحجم والحركة السكانية "فهذا المدخل يفسر التحضر بناءا على

---

[1]- السيد عبد العاطي السيد: **مرجع سابق** ، ص. ص: 344 . 345.

[2] عباس فاضل السعدي : **جغرافية السكان** ، الوراق للنشر و التوزيع ، عمان، الأردن، الجزء الثاني، الطبعة الأولى،2014،ص 150.

التحولات السكانية سواء بسبب النمو الطبيعي أو بسبب حركة الهجرة ، التي تؤدي إلى تحول مناطق معينة من مجرد مستوطنات ريفية إلى تجمعات حضرية نتيجة لذلك" [1]

ولعل النظرية الديمغرافية هنا تعبر عن تصنيف إداري بالأساس فحسب النظرية الديمغرافية "أن وصف المناطق "بالحضر و الريف" غالبا ما يستند إلى اعتبارات سياسية ، إدارية، حضارية ، إلى جانب المعايير الديمغرافية كما جاء في كتاب الديمغرافية السنوي للأمم المتحدة، يضم تعريف الحضر الأشكال التالية :[2]

تصنيف الأقسام المدنية الصغرى على أسس معينة تشمل (أ) نوع الحكومة المحلية ، (ب) عدد السكان المقيمين في المستوطنة ،(ج) نسبة العاملين على المهن غير زراعية .

تصنيف المراكز الإدارية للأقسام الريفية الثانوية إلى حضر و ما عدا ذلك ريف .

تصنيف المراكز ذات الحجم المعين(المدن و ضواحيها)إلى حضر، بغض النظر عن الحدود الإداري.

وقد يكون التحول الديمغرافي الذي حدث في دول العالم المتقدم وزيادة معادلات النمو السكاني وبالتالي نمو المدن،هو ما جعل كثيرا من العلماء من أمثال **كينكيزلي ديفيز Kenkinsley Davis** ،ينظرون إلى أن العامل الديمغرافي هو العامل الحاسم في تشكل المستوطنات الحضرية والتحول من الريفية إلى الحضرية و"يفسر **كينكيزلي ديفنز** النمو الحضري، ضمن الإطار الديمغرافي ، على أنه ناجم من الزيادة الطبيعية المتواصلة للسكان و التي أسفرت عن زيادة حجم المدن، و بسبب استمرار ارتفاع معدلات المواليد والانخفاض التدريجي للوفيات، وكذلك بسبب الحركة السكانية من الريف و البادية إلى المدن الممتدة إلى الأطراف ، لتضم الأرياف المجاورة إليها لتصبح ضمن الإطار الحضري ، بالإضافة إلى الهجرة الدولية إلى مناطق الجذب و فرص العمل و الدخل العالمي ."[3]

---

[1] محمد بومخلوف : مرجع سابق ، ص 64

[2] يونس حمادي علي: **مبادئ علم الديمغرافية (دراسة السكان )** دار وائل للنشر و التوزيع ، عمان ، الأردن ، الطبعة الأولى، 2010،ص 243.

[3] عباس فاضل السعدي : مرجع سابق ،ص 148.

**ثانيا : معايير التمييز بين الريف و الحضر :**

في الحقيقة إن تحدي معايير الريفية والحضرية ، ليس أمر بالسهولة على الإطلاق ، وقد فشلت قبل ذلك النظريات التي اعتمدت على تقسيم الوسطين بتحديد نقاط معينة إلى حد ما ، " فعملية المقارنة بين هذين المجتمعين (ريف–حضر) اعترضتها صعوبات كبيرة ، لأن هناك الكثير من المدن تجمع بين السمات الريفية و خصائص الحياة الحضرية ، و في المقابل وجود قرى لا تختلف في سماتها و نشاطها عن الحواضر" [1] لكن لا بد في النهاية إلى الوصول إلى حدود تقريبية إلى حد معين ، دون الادعاء أن ذلك سيكون قاطعا ولا يقبل التداخل أبدا .

**1 – المهنة** : إن جل الدراسات ترى اختلاف طبيعة المهن و التي تعد أساسا للتمييز بين الريف و الحضر ، حيث تسود الريف المهن الزراعية بالرغم من أن هذه الأخيرة تختلف من منطقة إلى أخرى و من مجتمع إلى آخر، كحجم الزراعة و نوعها و طرقها فالمنطقة القريبة من الأسواق مثلا تتميز بتعقد معين ، في هذه المهنة عن منطقة تمارس الزراعة البسيطة فقط دون التسويق بالإضافة إلى تربية المواشي ، بينما تتنوع المهن في المجتمع الحضري عدا الزراعة فمنها الصناعة ، التجارة و التبادل و الوظائف المتخصصة و الإدارية (سلعية و خدماتية )، يعمل الحضريون في المدينة ذاتها و في المباني مغلقة و مكيفة عادة ، بينما يعمل الريفيون في العراء لينتجوا منتجات مادية ، بينما ينتج الحضريون منتجات مادية و غير مادية على شكل خدمات تزداد و يزداد عدد العاملين بها مع تضخم المدينة [2]

**2 – حجم السكان:** يعد من بين المعايير الكثيرة الاستخدام في التمييز بين الريف والحضر لدى الكثير من الدول ، فكلما زاد حجم التجمعات السكانية عددا يعتبر المجتمع حضري و كلما قل العدد السكاني فهو مجتمع ريفي فلذلك توضع أرقام قياسية لحجم السكان لتحديد طبيعة المنطقة ، وتختلف قيمته من دولة إلى أخرى حسب عدد السكان ، و ليس هناك رقما معينا تأخذ به جميع الدول في التفرقة بين الريف و الحضر ، وضعت **هيئة الأمم المتحدة (ONU)** معيارا كميا للتمييز بين الريف و الحضر على أساس الحجم السكاني حيث اعتبرت إن التجمعات

---

[1] رشيد زوزو : مرجع سابق ، ص 44.

[2] فؤاد محمد الشريف بن غضبان :مرجع سابق ، ص ص 26،27

السكانية تكون ريفية إذا قل عدد سكانها عن 2000 نسمة ، إضافة إلى أنها لا تبعد عن جاراتها بمسافة 200 متر – أي بين تجمعين سكانيين مسافة 2000متر– و إذا زاد عدد السكان عن 2000نسمة فهو مجتمع حضري .[1]

**3 – الكثافة السكانية** : حيث يتميز المجتمع الريفي بتركز قليل للسكان بالنسبة للمجتمع الحضري، حيث أن كبر حجم المجتمع و زيادة عدد سكانه يرتبط عادة بقيام العديد من المنظمات الاجتماعية و الاقتصادية و المرافق و الخدمات العامة المختلفة، ووجود الكثير من أوجه النشاط الاجتماعي و الاقتصادي و السياسي و التعليمي و الترويحي ، مما يصبغ المنطقة بصفات و خواص حضرية[2] و غالبا ما تكون المناطق الحضرية مناطق جذب للسكان (الهجرة من الريف إلى المدينة) حيث " تستقطب المراكز الحضرية في الوطن العربي 52% من سكانه ...أما سكان الأرياف فيه فإنهم يتوزعون في عدد كبير من التجمعات و المواقع السكانية الصغيرة "[3]و يعبر على الكثافة عدد السكان في الكيلومتر مربع و تحسب بالطريقة التالية :

الكثافة الريفية و هي نسبة سكان الريف (أو السكان الزراعيون ) إلى المساحة المزروعة فعلا .

الكثافة الحضرية و هي نسبة السكان في الحضر (سكان المدن) إلى مساحة الأرض المعمورة.[4]

**4–التصنيف الإداري** : يتم التمييز بين الريف و الحضر بمدى خضوع المنطقة للإدارة المحلية، إذ تعد كل منطقة ليس بها مقرا لمركز إداري منطقة ريفية .

**5 – البيئة الطبيعية** : حيث أنها في الريف أكثر تجليا ووضوحا ، حيث الهواء النقي و الشمس و النبات و المساحات الخضراء الواسعة...الخ بالإضافة إلى الهدوء و تربط الريفيون علاقة وطيدة بالطبيعة و ظواهرها التي تأثر بشكل واضح على الحياة الاجتماعية ، عكس المدينة التي تتصف بالاكتضاض و كثرة المباني و الشوارع و يسودها الضجيج و الحركة وغالبا ما تعاني المدن من

---

[1] هاشمي الطيب:**التوجه الجديد لسياسة التنمية في الجزائر** ،أطروحة مقدمة للحصول على شهادة الدكتوراه في العلوم الاقتصادية (غير منشورة ) إشراف عيب بغداد، جامعة أبو بكر بلقايد ، تلمسان ، الجزائر ، 2014، ص 16

[2] محمد عباس إبراهيم :مرجع سابق ، ص 57.

[3] عباس فاضل سعدي : مرجع سابق، ص142.

[4] محمد عباس إبراهيم : مرجع سابق ، ص 164.

التلوث بأنواعه فسكان الحضر منعزلون بشكل كبير عن البيئة الطبيعة لأنها لا تأثر بشكل مباشر في حياتهم اليومية بقدر ما تأثر البيئة من صنع الإنسان الإنسان .

**شكل رقم 8:يوضح علاقة الإنسان بالبيئة الحضرية** **شكل رقم 9:يوضح علاقة البيئة بالإنسان الريفي**

**6 – التباين الاجتماعي و الطبقي :** أي التفاوت في الأوساط و البيئات حيث تضم المدينة العديد من الثقافات على مستوى المحلي و العالمي ، وقد نجد حدا كبيرا من التفاوت في اللون و الجنس و الدين و المعتقد و بالرغم هذا التفاوت إلا أن التكامل و التفاعل بين الأفراد في مجتمع المدينة يزداد بشكل كبير نظرا لارتباطهم ارتباطا عضويا وثيقا يرجع إلى تقسيم العمل وإلى انتمائهم إلى جهاز تنظيمي واحد ، على العكس من ذلك نجد أن المجتمع الريفي يحمل تفاوتا أقل بكثير ويسود التشابه بين أفراد المجتمع في أفكارهم و لغاتهم و عاداتهم و تفاعلهم ، ولا يصل إلى مستوى التفاعل و الاندماج في الوسط الحضري بالرغم من قوة العلاقات و عمقها .تقل الطبقات الاجتماعية في المجتمع الريفي مقارنة بالمجتمع الحضري كما تضيق المسافة بين الهرم الطبقي و قاعدته ، كما تسود الطبقات المتوسطة في المجتمع الريفي فلا تتركز عند الهرم أو تبقى القاعدة كما نجد في "المجتمعات الحضرية المتقدمة تظهر نظما و بنى اجتماعية بالغة التعقيد خصوصا فيمل يتعلق بأنساقها الطبقية و أنماط تدرجها الاجتماعي "[1] واهم ما يميز هذا التدرج هو العامل الاقتصادي و العامل الثقافي و التعليمي .. .

[1] قيس حمد النوري :مرجع سابق ، ص112

7- **الحراك الاجتماعي** : و ينقسم إلى الحراك الأفقي من جماعة إلى جماعة و الحراك الرئيسي من طبقة إلى طبقة أخرى ، الحراك المكاني من منطقة جغرافية إلى أخرى ، و الحراك الأفقي هو أكثر ما يهمنا هنا إذ أنه يتعلق بظاهرة هامة هي ظاهرة الطلاق في المجتمع الحضري ، و بما أن الحراك الاجتماعي يتميز بكونه أكثر في المجتمع الحضري فقد كانت نسب الطلاق مرتفعة فيه ، ومنخفضة في الوسط الريفي ، بغض النظر عن عوامل أخرى ، وهذا يدل على أن الطلاق ظاهرة حضرية ، و يحدث هذا الحراك بانتقال الأفراد من أسرهم الأولى إلى تكوين أسر أخرى بعد طلاقهم و هذا ما ذهب إليه **وليام اجبرن William Agbaran** في تقدير أهمية نسب الطلاق في توضيح الحراك الأفقي .

8 - **التفاعل الاجتماعي** : تعتبر الصلات الاجتماعية في الريف ضعيفة نظرا لكون المدينة توفر صلات متعددة نظرا لطبيعة المهن و كثافة السكان ، و العزلة في مجتمع المدينة مستحيلة إضافة إلى وسائل الإعلام و الاتصال التي توفر صلات ثانوية أخرى قد نجدها في الريف بالرغم من التطور الحاصل .

**جدول رقم 17: التمييز بين الريف و الحضر من خلال مقارنة عدد من المتغيرات في كلا البيئتين**

| المتغير | الريف | الحضر |
|---|---|---|
| **المهنة** | غالبية السكان يعملون في الزراعة و الأقلية في حرف تخدم الزراعة | يعمل السكان في مهن مختلفة تشمل الخدمات و الإنتاج غير الزراعي كالصناعة و التجارة و الأعمال الحكومية |
| **البيئة** | يرتبط بها الإنسان ارتباطا وظيفيا و يخضع في الغالب للعوامل البيئية و المناخية | الارتباط ثانوي من اجل الاستمتاع بها و يمكنه التغيير في خصائصها بما يتفق مع قدراته و رغباته |
| **حجم التجمع و الكثافة السكانية** | صغير و كثافته السكانية صغيرة | كبيرو كثافته السكانية كبيرة |

| | | |
|---|---|---|
| **التجانس** | يتميز بالتجانس السكاني | يكاد ينعدم التجانس السكاني |
| **التدرج الاجتماعي و التباين** | ينخفض التباين و التدرج في الريف وفي حال وجوده يرتبط بالملكية الزراعية | وضوح وتباين فعلي في التدرج الاجتماعي كنتيجة حتمية لعدم التجانس السكاني |
| **التفاعل الاجتماعي** | يقوم التفاعل الاجتماعي على أساس المواجهة و العلاقة المباشرة بين شرائح و طبقات المجتمع المختلفة و المتباينة | ينحصر التفاعل الاجتماعي في غالبيته بالعلاقات الغير مباشرة |

**المصدر** :طارق بركات : **تطوير البيئة الريفية و أثرها في حل مشكلة الإسكان** ، مجلة جامعة تشرين للبحوث و الدراسات العلمية ، سلسلة العلوم الهندسية المجلد 36، العدد 5، 2014، ص 52، 53.

كما يمكننا تمييز مجموعة من الفوارق بين الريف و الحضر من الناحية الديمغرافية ، و تركيبة السكان "فتتعلق بالتوزيع العمري والجنسي للسكان والدخل و الموارد الاقتصادية ، و الحالة الزواجية ، الخصائص التعليمية ، بالإضافة إلى الصحة و الوفاة و السلوك الإنجابي "[1]

و الجزائر كغيرها من الدول فهي تعتمد مجموعة من المحكات في تحديد المناطق الحضرية من الريفية ، ومنها حجم السكان و الكثافة السكانية و الطبيعة المهنة ، فحسب الديوان الوطني للإحصائيات يعتبر كل بلدية حضرية إذا توفرت فيها .

**ثالثا–مشكلات الوسط الريفي و الحضري :**

قد يعيش الفرد في الوسط الريفي متنعما بالهدوء والسكينة ، والمناظر الطبيعية والكثير من الميزات التي يوفرها الوسط الريفي ، ولكنه رغم ذلك قد يبحث عن الحياة في الحضر وينزح إليه متى توفرت له الفرصة المناسبة ، ويكون التمدن والحضارة هو الغاية التي يريد أن ينتهي إليها المجتمع في سيرورة تطوره ، في حين أن العيش في المدينة موفر لعدد من الفرص الاقتصادية و الخدماتية والصحية ، ما لا يوجد بسهولة في الريف ، لكن هذا الوسط الحضري قد لا يكون بتلك الصورة المثالية ، فالمدينة لا تخلو من المشكلات من الضجيج و الاكتضاض... ما تجعل الإنسان يرغب

[1] يونس حمادي علي : **مبادئ علم الديمغرافية (علم السكان)**، دار وائل للنشر و التوزيع ، عمان ، الأردن،2010، ص 242

في النزوح من جديد إلى مكانه الهادئ الأول ، لولا ارتباطاته العملية وعلاقته الاجتماعية والتزاماته نحوها .

## 1- مشكلات الوسط الريفي :

تكاد المشكلات العديدة في الوسط الريفي أن تكون السبب الرئيس من وراء النزوح الريفي نحو الحضر ، وبالتالي إفقار الأرض من خادميها بالدرجة الأولى وهو ما يعد مشكلة ذات أبعاد اقتصادية ، واجتماعية ، وقد يكون النزوح الريفي نحو المدن ، إحدى أهم واكبر المشكلات التي تواجه كلا الوسطين بوفود أعداد جديدة وكبيرة في أغلب الأحيان إلى المدن مما يشكل ضغطا وتركزا سكانيا في المناطق الحضرية و تراجع نسبة سكان الريف إلى مجمل عدد السكان ، "وطالما بقيت الفروق قائمة بين المناطق الريفية و الحضرية ، سيهاجر الناس لغرض الاستفادة من فرص العمل و التعليم و الصحة و الخدمات الاجتماعية الأفضل ، و من فرص الدخل الأعلى ، و من أشكال النظم الثقافية و أنماط الحياة الجديدة ، و الأفكار المبدعة ، و المهارات والابتكارات التكنولوجية والانفتاح على العالم الخارجي"[1] ويوضح الجدول التالي التراجع التدريجي لسكان الريف مقابل السكان الحضر

**جدول رقم 18: تطور عدد السكان في الجزائر و تراجع نسبة سكان الريف خلال الفترة 1960-2010**

| السنة | 1960 | 1970 | 1987 | 1998 | 2008 | 2010 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| مجموع السكان ( ألف سمة) | 10800 | 13746 | 23051 | 29113 | 34080 | 35635 |
| سكان الحضر ( ألف نسمة) | 3288 | 5430 | 11420 | 16964 | 22471 | 22515 |
| سكان الريف ( ألف نسمة) | 7512 | 8316 | 11631 | 12149 | 11609 | 13120 |
| نسبة سكان الريف % | 70 | 60 | 50.46 | 41.73 | 34.06 | 32 |

المصدر : الهاشمي الطيب : مرجع سابق ، ص 257.

[1] يونس حمادي علي : مرجع سابق ، ص252

ويعتبر انعدام التوازن ما بين الريفية والحضرية في جميع أقطار العالم مظهرا من مظاهر الحداثة وما بعدها ، وكنتيجة للسياسات الاقتصادية الداعمة للصناعة واعتبار التنمية قائمة أساس على التطور الصناعي على حساب الزراعة ، " و في عام 2000عاشت 47% من سكان العالم في مناطق حضرية و في عام 2005، و لأول مرة في التاريخ ، سيفوق عدد السكان الحضر نظيره في الريف ، حيث ينمو سكان الحضر ثلاث مرات أسرع من نظيره الريفي "[1] ويبين الجدولان الموالیان درجة النمو السريع لسكان المدن مابين الدول المتقدمة والمتخلفة .

**جدول رقم 19: النسبة المئوية للسكان المقيمين في مناطق حضرية في العالم ،الأقاليم المتقدمة و النامية 1950-2030**

| السنوات / المنطقة | 1950 | 1975 | 2000 | 2030 |
|---|---|---|---|---|
| **العالم** | 29.7 | 37.8 | 47.4 | 61.1 |
| **الأقاليم المتقدمة** | 54.9 | 69.9 | 76.1 | 83.7 |
| **الأقاليم النامية** | 17.8 | 26.7 | 40.5 | 57.3 |
| **البلدان الأقل نموا** | 7.1 | 14.3 | 25.4 | 44.0 |
| **إفريقيا** | 14.6 | 25.2 | 37.8 | 54.3 |
| **آسيا** | 17.4 | 24.6 | 37.6 | 55.2 |
| **أمريكا اللاتينية** | 41.4 | 61.2 | 75.4 | 83.2 |
| **أمريكا الشمالية** | 63.6 | 73.8 | 77.2 | 84.4 |
| **الأوقانيوس** | 61.6 | 71.8 | 70.0 | 74.5 |
| **أوروبا** | 52.4 | 67.2 | 74.9 | 82.9 |

Source: U.N (2000) World population prospect as Assessed in ,1999

نقلا عن يونس حمادي: مرجع سابق , ص 245

[1] يونس حمادي علي :مرجع سابق ، ص 272

**جدول رقم 20: سكان الريف ، معدل النمو في العالم 1960-2030**

| المجموعات الإنمائية | السكان بالملايين | | | النسبة المئوية | | | معدل النمو السنوي | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| المناطق الرئيسية | 1960 | 2000 | 2030 | 1960 | 2000 | 2030 | 2000-1960 | 2030-2000 |
| العالم | 2.005 | 3.210 | 3.223 | 66.4 | 53.0 | 39.7 | 1.18 | // |
| الأقاليم المتقدمة | 353 | 285 | 200 | 38.6 | 24.0 | 16.5 | 0.54 - | // |
| الأقاليم النامية | 1.652 | 2.925 | 3.023 | 78.4 | 60.1 | 43.8 | 1.43 | 0.11 |
| إفريقيا | 225 | 487 | 640 | 81.5 | 62.1 | 45.5 | 1.93 | // |
| آسيا | 1.348 | 2.331 | 2,272 | 79.2 | 63.3 | 46.6 | 1.37 | 0.09 - |
| أمريكا اللاتينية | 111 | 128 | 122 | 50.7 | 24.7 | 16.8 | 0.32 | 0.8 - |
| أمريكا الشمالية | 61 | 71 | 58 | 30.1 | 22.8 | 15.6 | 0.35 | // |
| الأوقيانوس | 5 | 9 | 11 | 33.6 | 29.8 | 25.6 | 1.35 | 0.51 |
| أوروبا | 254 | 184 | 120 | 42.0 | 25.2 | 17.4 | 0.81 - | // |

Source :United Nations ,World Urbanization Prospects,1999(2000)

نقلا عن يونس حمادي علي ، ص 272. // معطيات غير متوفرة

و الهجرة من الريف إلى المدينة بإعداد معتبرة أثر سلبا عل كل من المدينة و الريف ، و من الآثار السلبية التي تخلفها الهجرة من الريف إلى الحضر [1]

تفكك الروابط الأسرية

نقل الممارسات السيئة للريف إلى المدينة مثل انخفاض مستوى النظافة و سوء استخدام الطرق و شغل الأرصفة و عدم الالتزام و الانضباط

تفشي البطالة المقنعة نظرا لاحتراف الريفيين لمهارات غير ذات فائدة في المجتمع

ظهور الصور المختلفة للسلوكيات المنحرفة

[1] طارق بركات : مرجع سابق ، ص 66

ازدياد حدة أزمة السكن حيث يقوم المهاجرين من الريف إلى المدينة بتشييد مبان لا تتماشى مع تخطيط المدينة ، مع إهمال المرافق و الشروط الصحية مما أنتج ما يسمى بالسكن العشوائي.

وعلى العموم توجد مشكلات خاصة بالوسط الريفي وأخرى خاصة بالوسط الحضري ، وقد حدد **حسن علي حسن** في دراسته المجتمع الريفي و الحضري المشكلات الريفية و صنفها إلى[1] :

– مشكلات اقتصادية تتمثل في قلة الدخل ،أثر البناء الإقطاعي في الريف، ندرة رأس المال ، ضعف الإنتاج ، الاعتماد على محاصيل معينة، فرص العمل المحدود و نقص الحرف ، قلة الاهتمام بنشر الصناعات الريفية و المنزلية .

– مشكلات اجتماعية أن هناك من العادات و التقاليد ما يحد من التطور و يعتبر معوقا للتنمية، سيطرة الأسرة و شدة المراقبة الاجتماعية ، سوء فهم بعض تعاليم الدين خصوصا فيما يتصل بتنظيم الأسرة و الزواج بأكثر من واحدة و الزواج المبكر و الطلاق ، قلة الإقبال على العمل الجماعي المشترك لحل المشكلات العامة ،نقص وسائل الترويح في الريف و عدم الاستفادة من وقت الفراغ، عدم الاعتراف بدور المرأة الريفية .

– مشكلات ثقافية تتمثل في الجهل و انتشار الأمية ، تسرب الأطفال من المدارس للعمل في الحقول، ضعف الإلمام بجوانب الحياة في المجتمع و مشاكله ،قلة مصادر الثقافة و المعرفة في القرية مثل الجرائد و المجلات و الكتب .

– المشكلات الصحية هي انتشار الأمراض ، قلة التهوية بالمساكن ، الجهل بالأمراض المختلفة و طرق الوقاية منها ، سوء التغذية ،عدم توفر الخدمات الصحية و العيادات الطبية بالقرى أو قلة الأطباء .

– المشكلات العمرانية عدم وجود تخطيط عام للقرية ، ضيق الطرق و رداءة المواصلات ،عدم توفر الكهرباء و افتقار مياه الشرب .

– **مشكلة الفقر** : يتفشى الفقر في أغلب دول العالم في الريف أكثر مما هو في الحضر ، قد يعود الأمر إلى ندرة الفرص الخاصة بالعمل والاستثمار إذ يكون مصدر الدخل الوحيد تقريبا هو

---

[1] حسن علي حسن : **المجتمع الريفي و الحضري(دراسة مقارنة مبسطة )** ، المكتب الجامعي الحديث ، الإسكندرية ، مصر ، 1991،ص ص 139،141.

الزراعة ، وما يشتق منها من تربية الحيوانات وغيرها ، وحيث يتفاقم بشكل ملفت في الدول النامية حيث لا وجود لاقتصاديات الزراعة أو أن الاستثمار فيها يعتبر استثمارا هامشيا جدا ، وهو ما نجده متجليا في الريف الجزائري على سبيل المثال ، وعلى غرار باقي دول العالم الثالث وهذا ما ينعكس مباشرة على نقص التشغيل حيث "إن نقص التشغيل على مستوى المناطق الريفية ، هو معطى حقيقي رغم صعوبة تقديره كميا ، و تتغير شدته من منطقة إلى أخرى وتتوقف على الفرص التي يوفرها الاقتصاد المحلي ، و الوضعية الجغرافية للمنطقة المعنية.... و تبين بنية التشغيل الوطنية على مستوى البلديات الريفية أن معدل التشغيل في الوسط الريفي هو 11% بالنسبة للخدمات و 14%بالنسبة للبناء و الأشغال العمومية و الصناعية و 21% بالنسبة للإدارة و 16% بالنسبة للقطاعات الأخرى و 38% بالنسبة للفلاحة "[1]

**جدول رقم 21: الوجه المتغير للفقر الريفي في العالم 1993-2002**

| البيان | أعداد الفقراء (مليون نسمة) | | | سكان العالم النامي تحت خط الفقر % | | | فقراء الحضر |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | حضر | ريف | المجموع | حضر | ريف | المجموع | % |
| 1دولاريوميا 1993 | 236 | 1.036 | 1.272 | 13.5 | 36.6 | 27.8 | 18.5 |
| 1دولاريوميا 2002 | 283 | 883 | 1.166 | 12.8 | 29.3 | 22.3 | 24.2 |
| 2دولاريوميا 1993 | 683 | 2.215 | 2.898 | 39.1 | 78.2 | 63.3 | 23.6 |
| 2دولاريوميا 2002 | 746 | 2.097 | 2.843 | 33.7 | 69.7 | 54.4 | 26.2 |

**المصدر**: مارتين رافايون :الفقر الحضري –هل ينجذب الفقراء إلى المراكز والمدن؟ نعم و لكن ربما ليس بالسرعة الكافية– مجلة التمويل و التنمية ، مسيرة المدن ، المجلد 45،العدد 3،سبتمبر 2007،واشنطن،ص16.

وكما هو ملاحظ من خلال الجدول فإن معدل الفقر بالنسبة للريف أكبر دوما من الحضر، وهذا عند دولار واحد يوميا أو عند دولارين يوميا و بالنسبة للسنتين 1993و 2002 ،كما نلاحظ بلوغ معدل الفقر أكثر من70% من سكان الريف ، يعيشون على أقل من دولار واحد يوميا في سنة

[1] MADR- CNDR: La politique de Renouveau Rural–Impriemerie officielle , Alger ,Aout 2006 , p60.

2002، في مقابل أقل من نصف النسبة بالنسبة للحضر أي بنسبة 33.7% ، ارتفاع فقراء الحضر عند مستوى المعيشة دولار واحد يوميا من 19% إلى 24% .

وقد حاول الدكتور عبد الحميد بوقصاص أن يعطي مجموعة من المشكلات التي تميز ريف العالم الثالث هي النقاط التالية [1]:

- نسبة العاملين تشكل أغلبية إذ تستوعب أكثر من 50% من القوة العاملة في هذه المجتمعات.
- ارتفاع نسبة سكان الريف بالنظر إلى مجموع السكان .
- لم يتجاوز الريف بهذه المجتمعات مرحلة التقليدية الزراعية إلى مرحلة التحديث .
- تخلف واضح في المستوى الثقافي .
- الضعف الواضح في الخدمات بكل أنواعها و خاصة منها العزلة و عدم الاهتمام بالمواصلات و الطرق و الكهرباء الريفية .

ومن المشكلات الموجودة في الريف وغير بعيد عن مجال التشغيل ، تبرز مشكلة أخرى من حيث التشغيل وهي تراجع اليد العاملة في الزراعة ، والتوجه كذلك إلى مهن قد تبدو أقل صعوبة من خدم الأرض ، وأحسن من حيث التحصيل المالي ويوضح الجدول الموالي انخفاض العمالة في قطاع الفلاحة في الجزائر كمثال على ذلك ، ونلاحظ فيه أيضا نمو في التشغيل في قطاع الخدمات – وإن بوتيرة غير سريعة–

[1] عبد الحميد بوقصاص : مرجع سابق ، ص213.

**جدول رقم 22: انخفاض العمالة الريفية في القطاع الفلاحي مقارنة بالقطاعات الأخرى في الفترة 2007-2013،الوحدة : ألف عامل**

| القطاعات / السنة | 2007 | 2010 | 2011 | 2012 | 2013 |
|---|---|---|---|---|---|
| الفلاحة | 905.367 | 849.000 | 763.000 | 678.000 | 822.000 |
| الصناعة | 303.441 | 363.000 | 354.000 | 347.000 | 342.000 |
| البناء والأشغال العمومية | 708.644 | 754.000 | 673.000 | 672.000 | 730.000 |
| الخدمات والتجارة | 1.388.202 | 1.409.000 | 1.512.000 | 1606.000 | 1.6043.000 |

**المصدر : الديوان الوطني للإحصاء** www.ons.dz

## 2- مشكلات الوسط الحضري :

لم تعرف المدينة مشكلات كالتي تعرفها اليوم كنتيجة للسرعة النمو السكاني وتركزه ، وكمحصلة عن النزوح الريفي –المفاجئ بعبارة ما –في فترات الهجرات الكبرى المتلاحقة ، والمتزامنة مع ثورات الصناعة في كل من بلدان العالم ،المتقدم منها و النامي ، إلا أن تنظيم المجال الحضري في الدول الأولى ، قلص من حجم المشكلات الحضرية ، بينما تتفاقم يوميا في الدول الثانية " و يتلخص بعض هذه المشاكل في انتشار الفقر و سوء حالة المسكن ، و العزلة الاجتماعية و تفشي الجرائم و انحراف الأحداث ، و الازدحام ، فضلا عن ضعف المستوى الاجتماعي و الصحي و التعليمي ، و زيادة عدد طالبي المساعدات و الرعاية الاجتماعية "[1]

[1] حسن علي حسن : **المجتمع الريفي و الحضري** ، المكتب الجامعي الحديث ، الإسكندرية ، مصر ، 1991 ، ص324.

**أ- الفقر و البطالة :**

ويعتبر الفقر علامة من علامات العشوائيات والبيوت القصديرية والأحياء المتخلفة ، حيث الفقر لا يتعلق بالفرد و إنما بمجموعة سكانية كاملة ، لها مظاهر متشابهة ، من نوع المسكن ، المرافق ، وحتى الثقافة ، وهي من جعلت بعضا من علماء الاجتماع يطلقون مصطلح ثقافة الفقر"و يمكن تمييز فقراء المجتمع ، من نوع بيوتهم غير المناسبة و تغذيتهم الناقصة و لباسهم الشحيح و الرث ، و تعليمهم الواطئ و تعرضهم للبطالة "[1] وهي تعبر عن قيمة متدنية للفرد في بعض السياقات "فالكلمة في السياقات الحضرية الغربية ، لها أكثر دلالة فهي قد تعني افتقاد النفوذ و القوة ، و هذا ما يرتبط بتصور الناس عن الفقراء ، و قد يكون معناه عدم الجدارة وفقدان الاعتبار، حيث أن الفقير هو الإنسان الذي لا يلقى تقديرا اجتماعيا يذكر "[2] ذلك أن الفقر بالمعنى العام لا يلقى نفس التجاوب أو ردة الفعل نفسها من قبل المحيطين في كل المجتمعات ، حيث أن المجتمعات المتدينة والتقليدية في غالب الأحيان فهي تتضامن بشكل إيجابي وإلى حد ما مع المعوزين ، وقد يكون ذلك هو سبب اختفاء الطبقات بشكل واضح كما تعرفه الدول الغربية "فإن افتقاد النفوذ و التفرقة القانونية بين الناس ، و ضعف الاعتبار الاجتماعي و الاستلاب الأخلاقي ، إلى جانب العوز المادي هي من أهم سمات الفقر في الغرب "[3] ويعد الفقر في المدن مؤشر على عدد من الظواهر الأخرى التابعة له " فالفقر آثار سلبية للفقر أخرى على مجالات الصحة و المسكن المناسب و الترابط العائلي و انتشار كثير من العادات السيئة عل مستوى الأفراد و الجماعات "[4] أما البطالة فهي مشكلة خاصة بالعالم النامي أكثر بكثير من العالم المتقدم ، الذي أوجد بعض الآليات للسيطرة والتحكم في ظاهرة البطالة ، فالتقدم الصناعي و الخدماتي و أيضا الاستثمار الزراعي الواسع أخذ في الطلب المتزايد على اليد العاملة ، وفي الحقيقة فإن بوادر التنمية في دول

---

[1] قيس النوري : نفس المرجع ، ص 203

[2] المرجع السابق ، ص 200

[3] عبد الحميد دليمي: نفس المرجع ، ص 201

[4] احمد عبد الكريم السنهوري : **أصول خدمة الفرد** ، المكتب المصري الحديث ، الإسكندرية ، ط 4، 1970، ص 150.

العالم الثالث لها نفس الأثر في طلب اليد العاملة إلا أن ما حدث أن عجلة التنمية لم تسر بنفس السرعة التي سارت بها في الدول المتقدمة وبالتالي فاقت الطلبات على العمل حجم التصنيع الناشئ ، ومنها الدول العربية التي عرفت تجارب متفاوتة في مجال التنمية في سنوات السبعينيات لكن النتيجة كانت مزيدا من النزوح الريفي وتراكم لليد العاملة "و تعد البطالة أو العطالة من المشكلات العويصة في المدن العربية ، لأن الإنسان يحتاج إلى مصدر رزق دائم و كاف ، بينما هناك إعداد كبيرة من سكان المدن العربية يعانون من البطالة الجزئية أو الكاملة أو الدخل الغير كافي " [1]

وتترابط مشكلة البطالة والفقر بشكل وثيق ، حيث أن الخروج من حالة الفقر يتطلب البحث عن مصدر للرزق ، وهو ما يعد صعبا جدا في ظل الضغط السكاني ، خاصة مع ما تعرفه البلدان النامية والعربية بشكل خاص من نسب مرتفعة للخصوبة ، ومن مظاهر الفقر الواضحة كذلك هو أزمة السكن ، وإن كانت تلك المشكلة تتعلق بل من الوسط الريفي والحضري ، إلا أن مجال إنشاء مسكن خاص في الريف أقرب للتحقيق في الأرياف "و تشير الدراسات أن العجز المسجل في عدد المساكن سنة 1995 قد بلغ على المستوى العربي ريفيا و حضريا ،ما يقارب 6.5 مليون وحدة أو 29 وحدة لكل 1000 ساكن اغلبها في المدن العربية "[2]

ومن المشكلات المصاحبة للفقر والبطالة في المدن ، ونتيجة بعض القيم الحضرية كتبادل الرجل و المرأة أدوار الإعالة ، وحيث أن الإعالة دور خاص تقريبا بالرجل رب الأسرة في الوسط الريفي ، نجد أن المرأة في الوسط الحضري قد تكون هي المسؤولة عن عدد من الأبناء، حتى وإن لم تتوفر على عمل مناسب أو مورد اقتصادي معين "و في العقد الماضي تزايد عدد النساء الفقيرات بنسبة تفوق تزايد عدد الرجال الفقراء و لاسيما في البلدان النامية ، و منذ عهد قريب صار تأنيث الفقر مشكلة لها خطرها في البلدان التي يمر اقتصادها بمرحلة انتقالية ، بوصف ذلك من النتائج

---

[1] فؤاد محمد الشريف بن غضبان : مرجع سابق ، ص 41

[2] المرجع السابق ، ص37.

القصيرة الأجل لعمليات التحول في الميادين السياسية و الاقتصادية والاجتماعية " [1] " إضافة إلى أن نسبة من الأسر الفقيرة تكون تحت رعاية نساء لا يستطعن قبول التوظف، بسبب اضطرارهن للبقاء في البيت من أجل الاهتمام بالأطفال و هذا بالطبع يكون سببا لفقر هذه الأسر " [2] وهذا يعني أن المرأة في الوسط الحضري قد تجد نفسها بأعباء إضافية اجتماعية واقتصادية "و لقد زادت معدلات الفقر من حيث أرقامها المطلقة و النسبية ، و زاد عدد النساء اللائي يعشن في حالة فقر في معظم المناطق ، و ثمة نساء فقيرات كثيرات يعشن في الحضر " [3]

**ب- أزمة السكن و انتشار الأحياء المتخلفة و القصديرية :**

يتماشى الطلب على السكن مع مكونات النمو السكاني :الزيادة الطبيعية وصافي الهجرة ، ويزداد الطلب بشكل قياسي بزيادة هذين المكونين بسرعة مشكلين الانفجار السكاني وهو ما يعتبر سمة أساسية للعصر الحديث ، وحيث" أن النمو الديمغرافي غير المنظم و النزوح الريفي غير المراقب ، و التوزيع الجغرافي للسكان غير المتوازن ، و استيطان الصناعات بالمدن ، تعتبر المؤشرات الرئيسية في زيادة عدد السكان بالحواضر الكبرى ، و هي العملية التي دفعت أعداد الطلب على السكن و التجهيزات الجماعية و زادت من تعقيد و خطورة أزمة السكن "[4]

وبالحديث عن النمو الديمغرافي غير المنظم ، مع سوء الإدارة والتخطيط ، نجد أن مثل هذه المشكلة لا تعني بالضرورة انتماء المدن إلى بلدان فقيرة ، بل العكس قد تعرف هذه المشكلة بلدان غنية جدا مثل دول الخليج العربي ، حيث أن " أزمة الإسكان و ارتفاع الإيجارات في المدن الخليجية نتيجة للهجرة العمالية ، والتفاوت الاجتماعي –الاقتصادي بين فئات السكان المحليين ، انتشار المناطق و الأحياء الفقيرة المزدحمة حول هذه المدن و داخلها و يطلق عليها اسم مدن

---

[1] عباس فاضل الدليمي : **الموسوعة الميسرة في حقوق الإنسان حقوق المرأة** ، الجزء الحادي عشر ، الطبعة الأولى، دار الصفاء ، عمان ، الأردن ، 2017، ص 103

[2] قيس النوري : مرجع سابق، ص 207

[3] عباس فاضل : مرجع سابق ، ص 87

[4] عبد الحميد دليمي : **دراسة لواقع الأحياء القصديرية** ، دار الهدى للطباعة و النشر و التوزيع ، عين مليلة ، الجزائر، 2007، ص 98.

الأكواخ – العشيش– الكرتون– الصفيح"[1] ونلاحظ في مثل هذه البلدان أن النمو الديمغرافي غير المنظم ، كان نتيجة مباشرة للهجرة الخارجية وتوافد العمالة الأجنبية .

في دول أخرى كالجزائر مشكلة السكن تضافرت فيها عوامل الهجرة والنزوح الريفي وبوتيرة سريعة ، مع نمو سكاني وخصوبة قياسية ، فاقت حتى الحضيرة السكنية الكبيرة التي خلفها الاستعمار الفرنسي ، و ما هي إلا سنوات قليلة حتى بدأت الجزائر تعرف مظاهر جديدة من نقص السكن كظهور البيوت القصديرية ، وإن كان هذا النوع من المساكن قد ظهر لأول مرة في العهد الاستعماري "ففي الجزائر ليست الأحياء القصديرية وليدة التصنيع فقط ، لأنها أول ما ظهرت في عهد الاستعمار تحت ضغطه بالتهديد سنة 1929 و هي السنة التي عرفت فيها فرنسا أزمة كبيرة ، و تتميز هذه الأحياء بطابعها الشبه ريفي و بفقر سكانها و تفشي الأوبئة والآفات و الانحرافات و التسكع [2] و في دراسة **عبد الحميد دليمي** دراسة لواقع الأحياء القصديرية بمدينة **قسنطينة** أظهرت النتائج "أن نسبة الأسر التي انتقلت من عمارات المدينة إلى هذا الحي القصديري قد بلغت 40% من مجموع أسر العينة و ترجع هذه المظاهر الجديدة و الخطيرة إلى اكتظاظ مساكن المدينة بالسكان و ارتفاع كثافة السكان بالغرف الواحدة ،و إلى إقبال الشباب على الزواج الأمر الذي أدى إلى مساكنة عدة اسر نووية و من عائلة واحدة في مسكن واحد، لا يتجاوز الغرفتين أو الثلاث "[3]

وجدير بالذكر أن ظاهرة البيوت القصدرية في الجزائر ليست ظاهرة متغلغة بل هي حيلة يلجأ إليها بعض المتضررين من أزمة السكن لتسوية وضعياتهم حيث "يعتبر بناء منزل قصديري على أطراف المدينة، عمل يمتلك الشرعية رغم عدم قانونيته، إذ أنه يمثل مرحلة أولية للحصول على

---

[1] جلال عبد الله معوض : **التحضر و الهجرة العمالية في الأقطار العربية الخليجية** ، مجلة دراسات الخليج و الجزيرة العربية ، العدد الحادي و الخمسون ، السنة الثالثة ، يوليو 1987، ص 200.

[2] عبد الحميد دليمي : **دراسة لواقع الأحياء القصديرية** ، دار الهدى ، عين مليلة ، الجزائر ، 2007، ص 143

[3] نفس المرجع ، ص 96.

مسكن داخل المدينة، فالبيت القصديري يعتبر مكان عبور من وضعية اجتماعية معينة (فقيرة) إلى وضعية اجتماعية أخرى داخل المدينة"[1]

**ج- مشاكل اجتماعية :**

**- مشكلة الجريمة و الجنوح و الإدمان :**

تعتبر المدينة مرتعا خصبا لنمو الجريمة بسبب تدهور الوضعية الاقتصادية لبعض سكانها ، والذين لم يستطيعوا الالتحاق بالركب " فسوء الظروف الاقتصادية و الاجتماعية تفرض على أصحابها و منهم المهاجرين من الريف إلى المدينة و خاصة من لا يحملون مؤهلات دراسية أو خبرات مهنية ، القيام بأعمال هامشية ذات دخول ضعيفة لا تفي بضرورات الحياة ، و يعيشون على أطراف المدينة و في المناطق العشوائية مع أقاربهم من نفس المحافظة ، في حالة من البؤس و الشقاء تدفعهم للسلوكيات العنيفة و ارتكاب الجرائم كحلول لمشاكلهم المختلفة من جيرانهم و المحيطين بهم "[2]

وبشكل استثنائي ، تعد مشكلة العنف في الأوساط الحضرية منتشرة في المدن الصناعية في العالم المتقدم أكثر مما هي موجودة في العالم المتخلف ، وقد تكون صور من صور الانهيار الأخلاقي الذي تميزت به فترة ما بعد الحداثة ، كما و أن المجتمعات الريفية تعرف روابط إجتماعية عميقة بينما هي في الحضر أقل تماسكا وهو السبب في تفشي العنف والجرائم بدرجة معينة " فمع انتشار الجرائم في معظم أنحاء العالم ، إلا أن أعلى معدلاتها تكون في المدن الصناعية أكبر خصوصا في الولايات المتحدة الأمريكية ، حيث تتضمن الجرائم الرئيسية : القتل و الاغتصاب القسري و السطو و الاعتداء الجسدي ، و أعمال التخريب و سرقة السيارات " [3]

وليس العنف هو المظهر الوحيد للجرائم المنتشرة في الوسط الحضري ، إذ أن إدمان المخدرات والمسكرات والدعارة يشكل وجها من أوجه الانحراف البارزة " و لا شك أن بحث الواقع الحضري

---

[1]Mohammed (M)" Ville Algérienne ; Entre on pane de Projets et Urbanisme Défait: In: Naqd, N°16, 2002, p.p: 15.16.

[2]فاتن محمد شريف : مرجع سابق ، ص 244

[3] قيس النوري : مرجع سابق ، ص 220

يكون شديد النقص و غير متوازن ، ما لم يتضمن نبذة عن مشكلة الإدمان على الكحول والمخدرات التي تعد من أخطر الظواهر التي تهدد كيان المجتمع الحديث "[1] "و يضاف إلى هذا انتشار ظاهرة الدعارة و معاكسة الفتيات و التفوه بالكلام الفاحش ذو الدلالة الجنسية ، والارتباط العاطفي بين الشبان ( Les couples) و الممارسات المخلة للآداب العامة في الأماكن العمومية ، و التي تعكس انتشار ظاهرة العزوبة في أوساط الشباب و الناتجة عن أزمة السكن، التي حرمت هؤلاء المتورطين في تلك العلاقات من الزواج و إشباع حاجياتهم بطرق شرعية "[2]

**د- مشكلات خدمية و نقلية :**

تعتبر مشكلة النقل والازدحام كما التزود غير المتوازن بالمياه الشروب ، وكثير من المشكلات الخدمية الأخرى ، نابعة في الأساس من سوء التخطيط وتعاظم النمو السكاني في الأوساط الحضرية ، وهي مشكلة خاصة بالعالم المتخلف دون عن المتقدم حيث " تعاني أغلب المدن وبالأخص العربية منها من مشاكل أهمها نقص الموارد لمائية "حيث تبلغ نسبة المحرومين من مياه الشرب التي تنقلها الشبكات 26% من العرب ، بسبب قلة الأمطار و التبخر المرتفع و قلة الموارد المائية المتجددة من الأنهار ، و تشكو مدن عديدة من الانقطاع المتكرر للمياه ، مثل عمان، الجزائر ، قسنطينة ، وهران، بيروت ، نواكشوط ، دمشق ..."[3]

**رابعا- مظاهر التغير الاجتماعي في ظل التحضر السريع :**

**1-التغير الاجتماعي في المجتمع العربي :**

بالإضافة إلى المميزات التي تم ذكرها في متن الفصل ، إلا انه وجب التنويه بمجموعة من التغيرات الحاصلة في المجتمعات العربية ومن ثم المجتمع الجزائري كنتيجة لعملية التحضر السريع ، إذ أن عملية الانتقال من مجتمع ريفي إلى مجتمع حضري هي واقع شبه حتمي ، يتأتى أساسا من الزيادة السكانية وتقسيم العمل ومجموعة عوامل أخرى، ويكون ذلك طبيعيا متدرجا

---

[1] المرجع السابق ، ص 238

[2] فروق يعلى : **التحضر و الاندماج الاجتماعي للأسر النازحة –الدراسة الميدانية بمدينة سطيف** – أطروحة دكتوراه علوم ، تخصص علم الاجتماع الحضري، الإشراف محمد بومخلوف ،جامعة الجزائر 2، 2013، ص 116.

[3] فؤاد محمد الشريف بن غضبان : مرجع سابق ، ص 43.

وسلسا ، بينما يأتي التغير الرديكالي المفاجئ ، بتغيرات بنائية على مستوى الأسرة والأدوار المنوط القيام بها من قبل كل فرد ، والتغير في القيم والعادات بطريقة قد لا يكون المجتمع جاهزا لتقبلها أو التكيف معها " فالمجتمعات التي تتغير ببطء كالمجتمعات البدوية أو البدائية أو القروية ، لا تفكك فيها الأسرة بسرعة كما هو محتمل أن يحدث في المجتمعات سريعة التغير، كالمجتمعات الحضرية و الصناعية ، ويرجع ذلك إلى أن الأسرة و العلاقات القرابية و الوظائف التي تحدد أدوار الأعضاء و مراكزهم يظل ثابتا ، إلا من تغيرات طفيفة جدا ، لا تمتد إلى طبيعة البناء الأسري "[1].

ونجد أن التغير يظهر بجلاء في نظام الأسرة باعتبارها الوحدة الأساسية في المجتمع وبداية بتقسيم الأدوار بين أفرادها " و المعروف على الأسرة التقليدية في الريف ، أنها كانت تتبع نظاما صارما من تقسيم العمل بين الزوجين على أساس الجنس ، الذي يجعل أدوار كل منهما مختلفة ، إلا أنها مختلفة في نطاق التقليد الريفي ، لكن المدينة خلقت ظروفا كثيرة أوجدت مجالات جديدة أمام المرأة ، عززت من استقلالها حيث لم تعد قواعد تقسيم العمل المنزلي التقليدي حاسمة في تنظيم الأسرة "[2]

فالتغيير في دور المرأة قد خلق نوعا من الصراع المتعلق بمن يتحمل مسؤولية ما تخلت المرأة عن القيام به، أو أنه أضاف للمرأة أعباء غير قادرة على تحملها ، أو أن تحملها وتتعرض لكافة أنواع الضغوطات الاقتصادية والاجتماعية والجسمانية كذلك ، و من جهة ثانية فقدان الرجل لدوره الأساسي في الإعالة والقوامة المادية ، أثر كذلك على القوامة المعنوية وما يمثله من رمز للسلطة في المجتمع التقليدي .

ومن الأمور التي تعبر عن تغير شكلي في نموذج الأسرة السائد في المجتمع الحضري ، هو التغير من الأسرة النووية إلى الممتدة ، والتي تعتبر في الحقيقة من الميزات الأساسية للمجتمع الريفي ، ولكن الضغط السكاني قد خلق مشكلة متمثلة في اللاتوازن بين مميزات المسكن وشكل

---

[1] محمد عاطف غيث، إسماعيل علي سعد: **المشكلات الاجتماعية – بحوث نظرية و ميدانية –** دار المعرفة الجامعية ، الإسكندرية ، مصر ، 2016، ص 145

[2] قيس النوري : مرجع سابق ص 94.

الأسرة " فعلى الرغم من تأكد غالبية العلماء بأن الأسرة الزواجية هي النمط السائد في المجتمعات الصناعية ، وهي أكثر الأشكال ملائمة لنمط الإنتاج الصناعي ، إلا أن هناك ظاهرة ملفتة للنظر ظهرت في المجتمع المصري –كنموذج عن المجتمعات العربية– في السبعينيات ، وهي عودة الأسرة الممتدة إلى قلب الحضر ، و لا شك أن هذه الظاهرة هي نتيجة ظروف اجتماعية و اقتصادية "[1]

إن التغيرات التي حصلت في المجتمعات العربية لم تمس فقط الوسط الحضري بل هناك مجموعة كبيرة منها مست الوسط الريفي كذلك ، وقد توصلت دراسة **سمير سيد أحمد الشاذلي** إلى حدوث حزمة تغيرات في الريف منها [2]:

اجتماعية و دل على ذلك مجموعة من المظاهر و الظواهر منها على سبيل المثال ، شروط الزواج في الريف و التي قاربت – إن لم تكن تساوت – مع الحضر من حيث مشتملات جهاز العروسة من أجهزة كهربائية حديثة فيما عدا شريحة صغيرة من فقراء الريف ، و كذلك تيار الهجرة المؤقتة للعمالة في الخارج ، و ما يترتب عليه من نقل كثيرا من الثقافات الخارجية .

اقتصادية ، و التي اشتملت على الأنماط الاستهلاكية الحضرية مثل الخبز و السلع الكمالية والترفيهية ... و القضاء التام على المساكن ذات الطوب اللين .

ثقافية ، إن كل التغيرات الاجتماعية السابقة و اللاحقة كان لها آثارها على الثقافة الريفية ، وذلك بسبب الانفتاح على العالم الخارجي ليس إلى خارج القرية إلى المدينة فقط بل تعداه إلى كل دول العالم من خلال انتشار أجهزة التلفزيون ، بالإضافة إلى انتشار وصلات القنوات الفضائية و أجهزة الاستقبال ،فضلا عن انتشار وسائل الاتصال و المواصلات ، حتى الأزياء و الملابس أصبحت مستخدمة إلى درجة كبيرة في الريف و الحضر إلى حد سواء .

---

[1] سامية مصطفى الخشاب : **النظرية الاجتماعية و دراسة الأسرة** ، الدار الدولية للاستثمارات الثقافية ، القاهرة ، مصر ، الطبعة الأولى ، 2007، ص 182.

[2] Elshazly ,S: **Toward an ideal modelof rural** – Urban Differences by Using Human Development Indicators ,J. Econom .and Social Sci ,Mansoura Univ , Vol , 3(8) 2012 , p 1210

بالإضافة إلى التكنولوجية ، الأنماط الغذائية ، النفسية و السلوكية ، الهجرة المرتدة (من الحضر إلى الريف).

ومن جهة أخرى فقد أدرج الدكتور عبد القادر قصير مجموعة من التغيرات التي حدثت في تركيب الأسرة من طريق الانتقال من الريفية إلى الحضرية –منها الأسرة العربية – نختصرها في التالي[1]

–الأسرة الحديثة الآن هي تحول مستمر من أسرة ممتدة إلى أسرة نووية أو زواجية ، حتى أصبحت الأسرة الممتدة الآن لا توجد إلا نادر في الدول المتقدمة .

– لقد أدى تحول الأسرة من أسرة ممتدة إلى أسرة نووية إلى حدوث انفصال كامل بين أسرتي التوجيه والإنجاب

– تزايدت حرية الفرد في انتقاء شريك حياته خاصة الإناث

–ارتفاع سن الزواج عند الجنسين

–ميل نظام كثرة الزوجات إلى الانقراض ، وشيوع النظام الأحادي

–ميل الأسرة الحديثة نحو استعمال وسائل تحديد النسل رغبة في تقليل عدد الأطفال

–تغيرات في تعليم المرأة وتحريرها ، وتشغيلها في مختلف الأعمال والوظائف التي كانت وقفا على الرجل

–التحول الذي حدث في بناء الأسرة إلى تحرر الشباب من كثير من الضوابط والضغوط التقليدية

–تغير كبير في المراكز التي يشغلها كبار السن فمن المعروف أن كبار السن يحتلون مكانا أساسيا في المجتمعات التقليدية ، غير أن ذلك يتغير بتحول المجتمع نحو التقدم الاقتصادي والثقافي

كما و أنه لاحظ مجموعة من التغيرات الأخرى منها ما تعلق بالوظائف الخاصة بكل فرد من أفراد الأسرة، في مقدمتها وظيفة كل من الرجل والمرأة ، وتغير على مستوى الوضع الاقتصادي والمهني بسبب اختلاف المهنة والعمل بين أفراد الأسرة الواحدة وترك العمل المشترك العائلي ، وكذلك التغير الحاصل في الاستقلال بالمسكن بعيد عن الأهل ، وضعف الروابط القرابية ، ومن

---

[1] عبد القادر قصير ، مرجع سابق ، ص ص ، 83،84

ثم أيضا تغير العلاقات التي كانت قائمة على الدكتاتورية والتسلط ، وبفعل التعليم والاتصال داخل المجتمع ، وتحديث الاقتصاد ظهر النموذج التحرري الديمقراطي لدى الأبناء–الجيل الجديد– ، كما ظهر التغير في إتباع أساليب حديثة في التربية ، وأخيرا طرق قضاء أوقات الفراغ والتي أصبحت أكثر توفرا وتنوعا من ذي قبل .

## 2– التغير الاجتماعي بين الريف و الحضر في المجتمع الجزائري:

تتجلى كثير من مظاهر التغير في المجتمع الجزائري في الوسط الريفي والحضري ، ليس فقط بسبب التصنيع ، بل لما خلفه الاستعمار الفرنسي من قيم وعادات ولغة ، بالإضافة إلى المعدلات المرتفعة لنمو السكان والهجرة الجماعية من الريف نحو المدينة ، وقد " ارتبط النزوح الريفي في الجزائر بفترة الاحتلال الفرنسي ، الذي اتخذ سياسة الاستيطان ، التي تقوم أساسا على انتزاع أراضي الفلاحين الجزائريين ، ونقل ملكيتها إلى الأوربيين ، ومن ثم أصبح الريفي الجزائري أمام أمرين : إما أن يتجه إلى المدينة أو إلى خارج البلاد ، وإما أن يمكث في الريف ليعمل في مزارع المعمرين بأجر قليل [1]

تعتبر الهجرة من الريف إلى المدينة الجزائرية تجربة فريدة من نوعها وقد أفرزت مجموعة من الأثار التي نعتبرها عوامل إضافية في سرعة التغير الاجتماعي الحاصل اليوم إن التوغل في مظاهر التغير الاجتماعي في الجزائر، وقد " قسم المهتمون بالدراسات السكانية ظاهرة النزوح الريفي في الجزائر ذات الاتجاه الواحد إلى فترتين : تمتد الأولى من سنة 1962 وحتى 1966 أي من الاستقلال وحتى بداية تطبيق الثورة الصناعية ، وتمتد المرحلة الثانية من 1966 وحتى سنة 1973 وهي الفترة التي تركزت فيها بوضوح الصناعة في المدن " [2] هذا ما يدفعنا إلى القول أن تلك التغيرات كانت نتيجة خصوصية ظاهرة النزوح الريفي ، ثم تأتي مرحلة التصنيع وما يتبعها لتعمق من مظاهر ذلك التغير وتعطيه ميزته الخاصة بالإضافة " أن النمو السريع في الجزائر لا يعتبر نموا طبيعيا ، إنما هو نتيجة لتحرك السكان بين المدن نفسها ، ومن الريف إلى

---

[1] محمد السويدي : **مقدمة في دراسة المجتمع الجزائري –تحليل سوسيولوجي لأهم مظاهر التغيير في المجتمع الجزائري المعاصر–** ، ديوان المطبوعات الجزائرية ، بن عكنون ، الجزائر ، 1990 ، ص86 :

[2] نفس المرجع ، ص 87 .

المدن ، وإن كانت الجزائر كبلد نام ، استقل حديثا ، بعد تخريب لإقتصاده وأجهزته القاعدية، لم يكن بإمكانه خلال العشرية الأولى ، أن يوفر السكن الملائم وتقديم الخدمات الضرورية لجميع المواطنين على المستويين الريفي والحضري ، بل وعلى المستوى الحضري نفسه ، إذ بقيت ضواحي مدن كثيرة تعاني من نقص الخدمات والمرافق الأساسية الضرورية وفي مقدمتها توفر السكن المناسب "[1]

بعض التغيرات الاجتماعية كانت إيجابية، كارتفاع معدل التعليم والسير نحو محو الأمية ، وزيادة العمالة المتخصصة ، ومنها كذلك مناخ الاختلاف والتعبير بتعدد الشرائح السكانية والأطياف في مكان واحد يجمعهم بعلاقات رفيعة مدنية ، وبتقسيم أكبر للأدوار وتنامي محمود لمشاركة فعالة للمرأة وبوضوح غير مسبوق ، بغض النظر كونها عاملة أو ماكثة في البيت، وفي نفس الوقت فقد أحدث ذلك التغير السريع مشكلات على الصعيد الاجتماعي والثقافي، كما على الصعيد الاقتصادي والتنموي والسياسي أيضا .

ومن ملامح التغير الواضحة على المجتمع الجزائري ما نلاحظه في التعليم "فقد كان لإجبارية التعليم و مجانيته في الجزائر، آثارا إيجابية في عمليات التغير الاجتماعي ، حيث كان و مازال واحد من المتغيرات الأساسية ، و تجلى ذلك في شكل تحسن المستوى الصحي و الثقافي والمظهر الحياتي للسكان و النهوض بعالم الريف "[2]

والجدول الموالي يوضح نسب التمدرس للذكور والإناث موقوفة بسنة 1999 ، وهذا يجعلنا نقف على ملامح التغير الاجتماعي في مؤشر التعليم ، والذي أبان على نسبة عالية من المتمدرسين ، بالإضافة إلى ملاحظة تفوق في نسب الفتيات مقارنة بالذكور حتى في المدن الثانوية ، وهو ما يدل على أنه حتى المرأة في المدن التي لم تعرف نفس درجة التحضر فقد نلمس هذا المؤشر فيها بوضوح .

---

[1] نفس المرجع ، ص 88 .

[2] رشيد زوزو : مرجع سابق ، ص 97.

**جدول رقم 23: يبين نسب التمدرس لفئات 6-14 سنة**

| الفئات | الذكور % | البنات % | المجموع% |
|---|---|---|---|
| **المعدل الوطني** | 80 | 85 | 83 |
| **مقر الولاية** | 87 | 88 | 88 |
| **المدن الثانوية** | 80 | 84 | 83 |
| **الأرياف** | 60 | 74 | 67 |

المصدر : الديوان الوطني للإحصاء 102،1999.

أما عن التشغيل فهو بدوره يشير إلى درجة ما من التغير حيث أن الانتقال السريع من الريف إلى الحضر، غير بدوره النشاط الذي كان في أغلبه نشاطا فلاحيا ليتحول إلى مهن الصناعة والخدمات " فالملاحظ أنه بعد الاستقلال ، اتجه الاهتمام ، سواء بالنسبة لتقديم الخدمات إلى المركز الحضرية الكبيرة والمتوسطة ، و أهملت التجمعات السكانية الصغيرة ، خصوصا تلك التي تعتمد على الزراعة والثروة الحيوانية "[1] ، ومن جهة ثانية نلاحظ أن نسبة مرتفعة من جنس الإناث في المناطق الحضرية –خاصة– يصنفون على أنهم مشتغلون ، وبعد أن كان ذلك مقتصرا على جنس الذكور في سنوات ما قبل الاستقلال ، نجدهم الن يمثلون ربع المشتغلين ، وقد يبدو ذلك أنه مشاركة ضعيفة لعمل المرأة الجزائرية لكن بالنظر للخصوصية الثقافية للمجتمع الجزائري فإن هذه القيمة تعتبر مرتفعة جدا .

**جدول رقم 24: توزيع المشتغلون* و البطالون حسب الجنس و الطبقة –سبتمبر 2011-**

| نوع السكان | السكان المشتغلون | | | السكان البطالون | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| الطبقة / الجنس | حضرية | ريفية | مجموع | حضرية | ريفية | مجموع |
| **ذكور** | 5062 | 2976 | 8038 | 489 | 249 | 738 |
| **اناث** | 1235 | 326 | 1561 | 257 | 67 | 324 |
| **مجموع** | 6297 | 3302 | 9599 | 746 | 316 | 1062 |
| **%** | 65.60 | 34.40 | 100 | 70.24 | 29.76 | 100 |

المصدر : التشغيل–حويصلة إحصائية 1961–2011 ص68.

[1] محمد السويدي ، مرجع سابق ، ص 87

http://www.ons.dz/IMG/pdf/CH2-EMPLOI_Arabe.pdf

وكتتمة للجدول السابق و إضافة عليه ، نرى في الجدول الموالي نسب مشاركة المرأة في الشغل بين الريفية والحضرية و حيث نلاحظ أن المرأة الحضرية لديها فرص أكبر في التشغيل ، وهي في زيادة وتطور مع مرور السنوات كما نلاحظ .

**جدول رقم 25: نسبة الفئة النسوية النشيطة حسب الإقامة 2007-2013**

**الوحدة : ألف نسمة**

| البيان | 2007 | | 2010 | | 2012 | | 2013 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | حضر | ريف | حضر | ريف | حضر | ريف | حضر | ريف |
| الذكور | 4244 | 3003 | 5234 | 3027 | 5500 | 2893 | 5789 | 3096 |
| الإناث | 1044 | 302 | 1126 | 348 | 1368 | 410 | 1464 | 440 |
| نسبة الإناث % | 12.14 | 3.5 | 11.56 | 3.57 | 13.45 | 4.3 | 13.57 | 4.0 |
| المجموع | 8594 | | 9735 | | 10170 | | 10788 | |

المصدر : الديوان الوطني للإحصاء ، ***www.ons.dz***

ويعطينا الجدول الموالي مزيدا من التفصيل وفي جزئية مهمة متعلقة بالتشغيل وفقا للشهادة المحصل عليها ، وهل هناك فرص متساوية بالنسبة للمرأة في الريف و الحضر ، وقد أجاب الجدول بوجود أفضلية للمرأة الحضرية الحاملة للشهادة ، وهو ما يبين على أن التغير الاجتماعي لوضعية المرأة يظهر وصولها في إطار التحضر إلى تحقيق الاستقلال الاقتصادي، مع أنه من الجدير بالذكر أنه حتى تلك النسبة المحصلة في الريف وله معنى هام دال على تغير إيجابي لاستقلال المرأة اقتصاديا ، " للشابات الحاملات للشهادات اللواتي يقطن في وسط حضري فرص أفضل للدخول في عالم الشغل منه عند النساء الريفيات : نسبة نشاطهن أعلي ونسبة البطالة عندهن اقل ، لهذه الوضعية علاقة مع قلة تنقل 3/2 يتنازلن عن العمل البعيد عن مقر إقامتهن و 88%يتنازلن عن شغل يقع في ولاية أخرى غير ولاية إقامتهن "[1]

[1] file:///C:/Users/HP%20840/Desktop/%D8%A7%D8%AD%D8%B5%D8%A7%D8%A6%D9%8A%D8%A7%D8%AA%20%D9%87%D8%A7%D9%85%D8%A9%20(1).pdf

**جدول رقم 26: يمثل نسبة نشاط شغل و بطالة الشابات الحاملات للشهادات سنة 2013**

| | الشابات الحضريات الحاملات للشهادات | الشابات الريفيات الحاملات للشهادات | معا |
|---|---|---|---|
| **نسبة النشاط** | 74.3 | 67.7 | 72.9 |
| **نسبة الشغل** | 60.5 | 50.9 | 58.4 |
| **نسبة البطالة** | 18.6 | 24.9 | 19.8 |

المصدر : الديوان الوطني للإحصائيات ، تحقيق الشغل لدى الأسر 2013 .

**خلاصة**

ما تم عرضه في الفصل يمكننا من القول أن لا أتجاهًا نظريًا من النظريات المفسرة للفروق بين الريف والحضر كافية لفهم وتحديد الواقع الذي تمثله الظاهرتين ، على الأقل في إطار التسارع الذي شهده العالم في الأحداث المتعلقة بالنمو السكاني ، وتزايد الهجرات الكبرى كنتيجة للتصنيع ، ولا يمكن كذلك تقبل بصورته الراهنة المنفصلة ، بالإضافة إلى ابتعاده نوعا ما عن فهم وتفسير حالة التحضر الناشئة في البلدان العربية ومنها الجزائر بل وبخاصة هذا البلد الذي تظافرت فيه عوامل مختلفة تماما عما يمكن أن يكون نموذجا خالصا يقتدى به ويحلل ويفسر على أساسه ، مع العلم أن تلك النظريات لم تحاول إلا فهم الإطار المكاني الذي نشأت فيه وهو العالم الغربي ،

لكن من المهم القول أن التفسيرات النظرية مفيدة بحق في حالة المزج بينها وتكييفها بما يتوافق مع تحليلنا للواقع الجزائري ، وفي المحصلة ما يهمنا من هذه العروض و المداخل هو فهم العلاقات بين الأفراد ، و كيفية تفاعلهم في الوسط الريفي و الحضري ، و بالتالي فهم تطور ظاهرة ما في إحدى الوسطين ، و بالرغم من اختلاف النظريات و المداخل فهي على العموم ، لا تختلف في نظرنا في إعطاء تبريرات و تفسيرات هامة ، حول ما يتصل بموضوعنا الدائر حول الزواج و الطلاق و المرأة والوسط الحضري الجزائري ، ونستطيع أن نوضح هذا المنطق من خلال فهم المجتمع الحضري الجزائري بناءا على ما سبق ، وبناءا على التغيرات الديمغرافية و الاجتماعية الحاصلة فيه ، ومن جهة ثانية فإن الخروج بحوصلة عن معنى الريف – الحضر من خلال النظريات المفسرة ، قد أعطى أفقا لتحديد المعايير التي ستميز كل من الوسطين .

# الفصل الخامس

# الإجراءات المنهجية

أولا – المجال الجغرافي و الزمني للدراسة

ثانيا – مجتمع البحث و العينة

ثالثا – المنهج الستخدم في الدراسة

رابعا – أدوات جمع البيانات

**أولا : المجال الجغرافي و الزمني للدراسة :**

**1- المجال الجغرافي للدراسة :**

إن اختيار مجال البحث المناسب من شأنه أن يسهل على الباحث العمل الميداني ، من حيث القرب من مجتمع البحث والتمكن من رصد المستجدات الحاصلة عن كثب ، وقد كانت المجال الجغرافي المطبق فيه الدراسة هو ولاية سطيف ، بما تحتويه من مراكز حضرية وريفية وقد ساعدنا التواجد في المكان الجغرافي بحكم الإقامة في الولاية ، من فهم أعمق للظاهرة كما هي موجودة في مكانها .

ونستطيع أن نحدد مجموعة من النقاط الخاصة التي جعلتنا نختار الولاية كمجال للدراسة :

* ولاية سطيف من الولايات الشمالية (شمال الجزائر) التي عرفت نموا ديمغرافيا ملحوظا وتغيرا حضريا سريعا بسبب الدخول في تجربة الصنيع في فترة السبعينيات وهذا ما أثر بدوره في تغير اجتماعي وقيمي لا تزال أثاره مستمرة حتى الوقت الراهن .

* ولاية سطيف أيضا من الولايات الجاذبة للسكان لعدة عوامل في مقدمتها استتباب الأمن – نسبيا– فترة التسعينيات ، وقدوم هجرة خارجية من الولايات المحاذية ، والتي تأثرت بشكل سلبي في العشرية السوداء ، وهذا ما رفع بدوره من النمو الديمغرافي ووصول عدد السكان به إلى احتلال المرتبة الثانية بعد العاصمة ، هذا بدوره ما سرع في موجة التغير الاجتماعي ، وشكل تنوعا ما بين ما هو ريفي وما هو حضري وما بين ما هو موجود وأصيل في الولاية ، وما هو منتقل إليها بفعل تلك الهجرات .

* تغير النشاط الاقتصادي في ولاية سطيف من الفلاحة إلى الصناعة أدى بمزيد من الطلب لليد العاملة ومنها دخول المرأة بقوة لمجال العمل خارج المنزل ومن ثم الوصول إلى مراكز قيادية ومجالات كانت حكرا على الرجل .

**- التعريف بالمجال الجغرافي :**

يحد ولاية سطيف من الشمال ولايتي جيجل و بجاية من الشرق ولاية ميلة من الغرب ولاية برج بوعراريج من الجنوب ولايتي باتنة و المسيلة . ونبين حدود الولاية الإدارية وسميت بلدياتها الستون (60) ودوائرها الإدارية العشرون(20) و نبينها بالخريطة التالية :

**شكل رقم 10: حدود ولاية سطيف و التقسيم الإيداري**

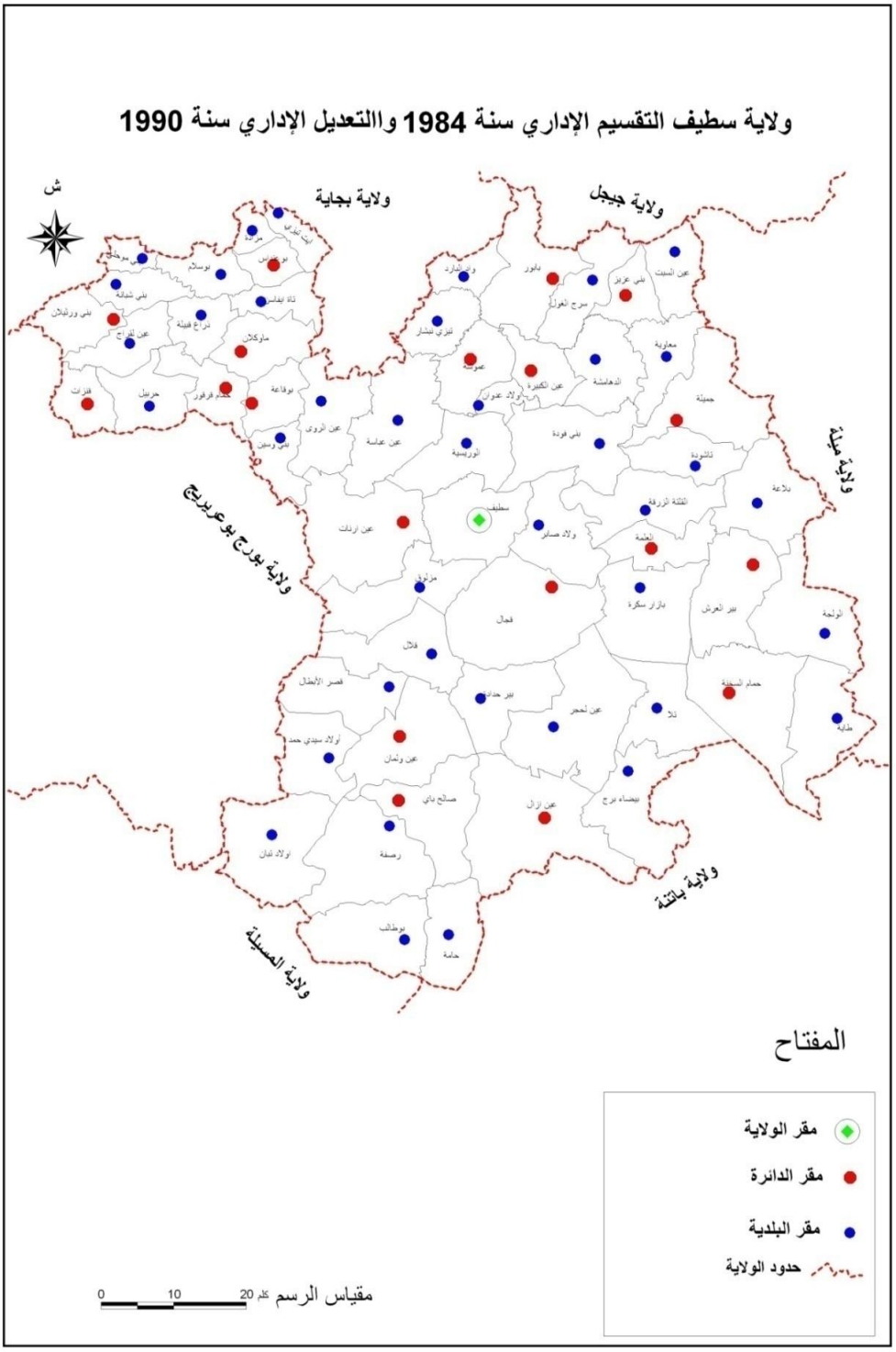

**شكل رقم 11: يمثل موقع ولاية سطيف**

تتربع ولاية سطيف على مساحة قدرها 6.549,64 كلم2 أي ما يمثل 1,7 % من مساحة الهضاب الشرقية و 0,27 % من المساحة الإجمالية للوطن .

وعلى أساس التصنيف الإداري المحدد وفقا لمجموع المؤشرات المحددة لتصنيف الوسط الحضري –انظر مفهوم الوسط الحضري – تم تقسيم سكان الولاية كما هو مبين في الجدول أسفله. وعليه فإن نسبة الحضر للولاية وصلت إلى 46,80% و 10,48% نصف حضريون و42.72% ريفيون [1].

**جدول رقم 27: يوضح توزيع السكان حسب المناطق لولاية سطيف سنة 2016**

| البلدية | توزيع السكان حسب المنا طق | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | حضري ممتاز | حضري | % الحضر | نصف حضري | %نصف حضري | نصف ريفي | ريفي | %سكان- الريف | المجموع |
| مجموع الولاية | 318229 | 535260 | 46.80 | 191147 | 10.48 | 10560 | 768607 | 42,72 | 1823802 |

أما الشكل الموالي يوضح توزيع سكان و لاية سطيف حسب المناطق الحضرية و الريفية لسنة 2016 .

[1] ولاية سطيف: الحولية الإحصائية 2016 ، مديرية البرمجة و متابعة الميزانية ، مصلحة الإحصائيات ، 2016، ص ص 25،26.

**شكل رقم 12: توزيع السكان حسب المناطق لولاية سطيف**

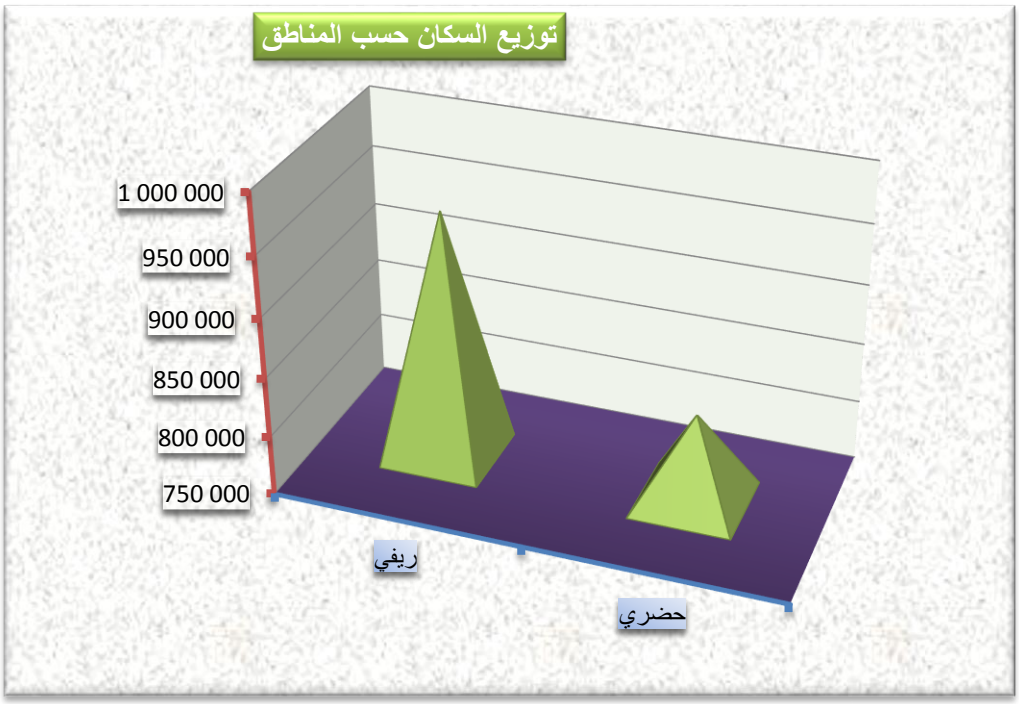


## 2 – المجال الزمني:

قسم المجال الزمني للدراسة إلى مرحلتين أساسيتين ، الأولى كانت للتأصيل النظري منذ سنة 2012 وبداية جمع المعلومات عن طريق المكتبات الجامعية و المكتبات الخاصة و المواقع الالكترونية لتغطية مختلف جوانب البحث و بناء خطة دقيقة لموضوع الدراسة ، كما تم رصد معلومات خاصة بمجتمع البحث وبلورته لتحديده بشكل نهائي إلى غاية أوت 2016 أين تمت تغطية جزء كبير من الفصول النظرية للدراسة ، أما المرحلة الثانية انطلقت من شهر ديسمبر 2016 فهي مرحلة الدراسة الميدانية بعد تحديدنا للمجالات بدقة والمجتمع والعينة وباقي الإجراءات المنهجية وتم تطبيق أدوات الدراسة بداية بدراسة الحالة التي انطلق تطبيقها مع بداية المرحلة الثانية واستمرت إلى غاية فيفري 2018 ، وذلك بتطبيق المقابلة المعمقة على عدة حصص وزيارات وكذلك لاستيفاء الملاحظة ، وحتى تتمكن المبحوثات من الاسترجاع مع كسبنا لثقتهن في كل لقاء ومقابلة .

**ثانيا- مجتمع البحث و العينة:**

**1- مجتمع البحث :** يعرف على أنه "مجموع كل الحالات التي تتطابق في مجموعة من المحددات "[1] و بالنسبة للدراسة الحالية يتمثل مجتمع البحث في مجموع النساء المطلقات حديثات الزواج (طلاق مبكر) اللاتي لم تتعد مدة زواجهن الخمس سنوات و لقد تم تحديد هذه الفترة لمحاولة حصر العينة من جهة و لأنها تمثل فترة حساسة بالنسبة للزوجين قد تكثر فيها حالات الطلاق ، و قد اثبت إحصائيا إن معدلات الطلاق ترتفع في الفترة الأولى من الزواج كما تم تحديد مجتمع البحث على أساس الفئتين الأساسيتين فيها و هما النساء المطلقات من وسط ريفي و نساء مطلقات من وسط حضري مع العلم أن تحديد هتين الفئتين لم يتم على أساس مقر السكن فقط بل و أكثر من ذلك الوسط الذي ولدت فيه المبحوثة و نشأت في كما أنه يعتبر الأصل الجغرافي لأسرتها ، كما تم زواجها و طلاقها في نفس الوسط .

**2- العينة :** نظرا لعدم توفر قاعدة إحصائية عن حجم هذه الفئة من المطلقات و بالأخص حديثات الزواج إذ لا يمكننا الاعتماد على مختلف العينات الاحتمالية ما يحتم علينا الاعتماد على العينة القصدية أين نتمكن " من تكوين عينة بواسطة اختيار الحالات التي يعتقد أنها تمثل مجتمع البحث و تصبح العينة المقصودة بديلا ضروريا لأي نموذج من نماذج العينات الاحتمالية إذا كانت حدود مجتمع الدراسة غير معروف أو في حالة يتعذر تحديد تلك الحدود"[2] و أن العينة القصدية هي تلك العينة التي تعتمد على إرادة الباحث و رغبته للتحكم في عينة مقصودة و مضبوطة بغية استجماع معلومات صحيحة و دقيقة و موثوقة علميا [3]

وقد اختيرت مجموعة من النساء المطلقات بطريقة قصدية ، حيث كانت لنا معرفة قبلية ببعض النساء المطلقات ، أما البعض الآخر فكان عن طريق المعارف والزملاء و الطلبة ، وفي الحقيقة

---

[1] حمدي أبو الفتوح عطية : **منهجيات البحث العلمي في التربية و علم النفس** ، دار النشر للجامعات ، القاهرة ، مصر ، ط 1، 2012، ص 273.

[2] عبد الله عامر الهمالي : **أسلوب البحث الاجتماعي و تقنياته**، منشورات جامعة فيرونس ، بنغازي ، 1988، ص172.

[3] جويدة عميرة : **إحصاءات السكان في الجزائر** ،عالم الأفكار ، الجزائر ، الطبعة الأولى ، 2017، ص 144.

كان العدد أكبر في بداية جمع العينة إلا أنه لظروف البحث التي ركزت على التعمق في إجراء دراسة الحالات والوقت الطويل الذي كنا نقضيه في كل مرة مع الحالات ، كل هذا قلص من حجم العينة ولكنه في نفس الوقت سمح لنا بالتعرف والتدقيق في تفاصيل حياة المبحوثات، وعلى كل فإن المنهج المستخدم والمتمثل في دراسة الحالة ، لا يمكن فيها الإحاطة بوحدات كثيرة ، وترجع حالة الاكتفاء أو الشعور بأن العدد المختار كاف حين يبدأ الباحث في الحصول على إجابات متكررة حيث إنه في حالة تطبيق منهج –دراسة الحالة– و منه استعمال وسيلة أو أسلوب دراسة – تاريخ الحالة– (Récit de vie) "لهذا نتطلع أن يكون التعمق في دراسة الحالة منيرا لمختلف جوانب المشكلة موضوع الدراسة ، كما نأمل أن يكون العدد القليل من الناحية التمثيلية معوضا بشمولية الدراسة و مؤديا إلى خلاصات نموذجية و قابلة للتعميم على حالات أخرى "[1] و "يتأكد الباحث من و صوله إلى التشبع (Saturation)عندما يبدأ في الحصول على نفس المعلومات يعني التكرار " [2]

لقد حرصنا عند اختيارنا لعينات المطلقات المدروسة أن تكون ممثلة لمختلف شرائح المجتمع الذين يتميزون في الخصائص الاجتماعية و الاقتصادية و الثقافية و الأصل الجغرافي كما يرى إحسان محمد الحسن العينة انه " يجب أن تكون العينة المختارة ممثلة لمجتمع البحث في مزاياه الديمغرافية و الاجتماعية و الحضارية و الفكرية..."[3]

– و قد اشتملت عينة الدراسة على 100 مطلقة حديثة الزواج مقيمة في المناطق الحضرية بولاية سطيف و 100 مطلقة حديثة الزواج مقيمة بالمناطق الريفية بولاية سطيف كذلك طبقنا معهم صفيحة الاستمارة .

---

[1] موريس أنجرس : **منهجية البحث العلمي في العلوم الإنسانية** ، ترجمة بوزيد صحراوي و آخرون ، الطبعة الأولى ، دار القصبة للنشر و التوزيع ، الجزائر ،2006، ص 76

[2]– Bertaut (D) : **L´Approche biographique** ,cahiersintrenationaux de sociologie . Revue **3** publié avec le concours du CNRS paris £d ,PUF ,1980 ,P 207 نقلا عن سعدو حورية ، المرجع السابق، ص 103 .

[3] إحسان محمد الحسن:**الأسس العلمية لمناهج البحث الاجتماعي**، دار الطليعة، بيروت، لبنان، 198،ص 112.

– كما اشتملت على 10 مطلقات توزع العدد 5 منهن من الوسط الريفي و 5 من الوسط الحضري لتطبيق أداة المقابلة الحرة المعمقة .

**ثالثا– المنهج المستخدم في الدراسة:**

**1–منهج دراسة الحالة :**

و تعتبر طبيعة البحث هي المحدد الأساسي للمنهج المستعمل و لقد اعتمدنا في بحثنا هذا على دراسة الحالة حيث يعتبر منهجا ملائما لهذه الدراسة ويعتبر منهج دراسة الحالة من المناهج المناسبة لموضوعات المشكلات الأسرية حيث يتطلب من البحث التعمق في سير الحياة ومعرفة ماضي و حاضر الحالة ، ليس فقط من خلال وجهة نظر المبحوث و ما يعبر به عن نفسه ، بل و حتى من خلال نظرة المحيطين و الذين يكونون عنصرا فاعلا و متداخلا في تشكيل الصورة النهائية للحالة المدروسة .

و من ثم فإن الوضعية التي تكون عليها المرأة المطلقة باختلاف الوسط الذي تعيش فيه ، أو ولدت فيه لا يكفي بأي حال من الأحوال الاعتماد على الوصف دون التعمق في سرد أحداث الحالة " حيث تشكل سيرة الحياة أداة كثيرة الاستعمال في البحث الميداني ، لأنها تسمح بمتابعة المسيرات الفردية من خلال مناطق جغرافية و فئات اجتماعية [1]

ولقد أثبتت طريقة دراسة الحالة "فائدتها في استطلاع قيم الأفراد و اتجاهاتهم،و تعريفاتهم للمواقف المحيطة بهم، و تعكس طبيعة البيانات و الإجراءات المستخدمة في هذه الطريقة هذا الاهتمام بالسلوك الفردي و الإطار الاجتماعي الأوسع ،حين يعني الباحث بالحصول على وثائق شخصية ، خطابات، و سجلات والهيئات الاجتماعية ، وتواريخ الحياة ، و السير الذاتية ، و كذلك الاعتماد على المقابلة المعمقة ." [2]

وتعتمد دراسة الحالة باعتبارها منهجا مستقلا على الوصف ، حيث تجمع البيانات التي على ضوئها يتم وصف ما هو كائن ، و تحليله ، و الإجابة على الأسئلة المطروحة ، باختبار الفرضيات

---

[1] بياربونيت ، ميشال ايزار :**معجم الاثنولوجيا و الانثروبولوجيا** ، ترجمة مصباح الصمد ،المؤسسة الجامعية للدراسات و النشر و التوزيع "مجد"، بيروت ، لبنان ، الطبعة الثانية ، 2011، ص 837.

[2] محمد عبد الرحمن و آخرون : **المعجم الشامل لترجمة مصطلحات علم الاجتماع و علم النفس** ، دار الوفاء لدنيا الطباعة و النشر ،الإسكندرية ، الطبعة الأولى ، 2013 ، ص 64.

والتأكد من مدى صحتها ، أو العكس خاصة إذا كان الموضوع مرتبطا ارتباطا مباشرا بالحالة السوسيوثقافية (التي تضمن كافة جوانب الحياة لدى المرأة من العادات ، والتقاليد ،التعليم ، العمل ...) والديمغرافية للمجتمع (إذ تعد ظاهرة الطلاق و الزواج ، كسائر الظواهر الديمغرافية التي تستلزم الوصف و التحليل نظرا لضرورتها وانتشارها داخل أي مجتمع) ، و التي تؤثر تأثيرا مباشرا على تقدمه أو تخلفه بشكل عام ، و على الأفراد بشكل خاص، نذكر هذا لأن الموضوع يتطرق لوضعية النساء المطلقات من الوسطين الريفي والحضري ، و اللاتي يمثلن فئة أو شريحة ضمن المجتمع ، تؤثر في حالاته (السوسيولوجية ، و الثقافية ، و الديمغرافية ...) و بالمقابل تتأثر حياة المرأة المطلقة بحالة المجتمع و المحيط الاجتماعي الذي تتواجد فيه.

و استعمال الوصف في إطار دراسة الحالة في هذا البحث ، يمكننا من التعرف على الاختلاف بين الوضعية النفسية والاجتماعية والاقتصادية للنساء المطلقات من الوسطين ، و ما يمنحه أو يفتقر إليه كل وسط للمرأة المطلقة ، من محفزات أو عراقيل للعيش ضمنه كامرأة مطلقة ، خاصة أن فئة النساء المطلقات حديثات الزواج أصبحت بارزة في المجتمع الجزائري.

و كذلك نظرا لانتشار ظاهرة الطلاق و بالأخص الطلاق المبكر، على مر السنوات ، واختلاف معدلاته بين الوسط الحضري و الريفي ، و كذلك تغير نظرة المجتمع للمرأة المطلقة عموما ، و المطلقة حديثة الزواج خصوصا .

2- **المنهج التاريخي** :الذي "يصف الحوادث بطريقة موضوعية و يحاول أن يربطها في سياق زمني من أجل تقديم قصة مستمرة من الماضي إلى الحاضر و المستقبل " [1] فالمنهج التاريخي يتعلق بأن دراسة الحالة ، لا تتكلم عن الوضعية الحالية لدى النساء المطلقات من الوسط الريفي والوسط الحضري فقط ، بل كذلك تتطرق إلى ما عاشته المبحوثة و التي تؤثر بدورها على مجريات الأحداث بعد ذلك ، مثل طريقة التعارف و الزواج ، و التي من الممكن أن تكون سببا للطلاق ثم سببا للتقبل أو عدم التقبل لأثر الطلاق ، كما أن المواقف المختلفة و ردات الأفعال

[1] مناهج البحث في العلوم الاجتماعية http://www.mygsio.gsio-iraq.org/neshat/_3.pdf

الفصل الخامس ـــــــ

البحث "[1].و محاولة طرحها بوضوح أكبر ، و ذلك بربط مختلف العناصر(الفرضيات) ببعضها البعض .

ودراسة وضعية النساء المطلقات بين الوسط الريفي والحضري ، تحتاج إلى تعمق بالغ واستخلاص وجهة نظر الأفراد موضع البحث، و يجب على الباحث أن يكون مستمعا جيدا للمبحوث ، و يلاحظ بدقة كل التصرفات و الايماءات التي تسمح بالتعمق في دراسة الحالة وذلك بكل موضوعية و دون انحياز من طرف الباحث .

4- **المنهج المقارن** : يتناسب هذا مع طبيعة الموضوع إذ يقصد به "دراسة توزيع الظواهر الاجتماعية في مجتمعات مختلفة أو أنماط محددة من المجتمعات ، أو حتى مقارنة مجتمعات كلية بعضها ببعض ، أو مقارنة النظم الاجتماعية الرئيسية من حيث استقرارها و تطورها والتطور الذي يطرأ عليها "[2] فتعد المقارنة في العلوم الاجتماعية ذات أهمية بالغة خاصة عند علماء الاجتماع ، فنجد أن **دوركايم** قد استخدم المنهج المقارن في عدة دراسات له من أهم "أن يفسر فرضه الشهير، بأن زيادة تقسيم العمل يصحبه تغير في طبيعة التكامل الاجتماعي و في دراسته للانتحار قارن بين معدلات الانتحار في مجتمعات مختلفة ، و في جماعات متباينة من نفس المجتمع ، ليوضح أن هذه المعدلات تختلف باختلاف درجة التماسك الاجتماعي " [3].

و كون دراستنا تتمحور حول النساء المطلقات حديثات الزواج بأسلوب مقارن بين الوسطين الريفي و الحضري ، ومن خلال جمع و عرض و تحليل المعطيات المتعلقة بالبحث ومقارنتها مع بعضها البعض، من ثم تحديد التباين و الاختلاف و التشابه بين مختلف العوامل الظروف المؤثرة في وضعية المرأة المطلقة من مختلف النواحي الاجتماعية و الاقتصادية النفسية والثقافية

---

[1] روبرت ايمرسون واخرون ، ترجمة هناء الجوهري ، مراجعة وتقديم محمد الجوهري : **البحث الميداني الاثنوجرافي في العلوم الاجتماعية** ، المركز القومي للترجمة ، القاهرة ، سلسلة العلوم الاجتماعية للباحثين ، الطبعة الأولى 2010 ، ص 339.

[2] محمد علي محمد:**علم الاجتماع و المنهج العلمي** ،دراسة في طرائق البحث و أساليبه ،دار المعرفة الجامعية ،الإسكندرية ،1983، ط 3، ص 151.

[3] محمد عبد الرحمن و آخرون : **مرجع سابق** ،ص 115.

، باختلاف طبيعة المجتمع المتواجدة فيه ، كل هذا يحتم علينا استخدام المقارنة ، فالمنهج المقارن يعرف بأنه" الإجراءات التي يستعين بها الباحث للكشف على أوجه الشبه

و الاختلاف بين الظواهر، وفقا لبعض المجالات التي تجعل الظواهر قابلة للمقارنة بهدف اكتشاف العوامل السببية الخاصة بظهورها وتطورها، وصور الارتباط و التداخل بين كل منها "[1]

و قد أشار بعض علماء الاجتماع إلى أن هناك طرقا مختلفة للمقارنة ، أكثر ملائمة لمشكلات معينة ، مثلما فعل كل من **ليبست S.M Lipset** و **بندكس R.Bendix** عندما قارنا معدلات الحراك الاجتماعي في مجتمعات صناعية مختلفة ، ليوضحا أن هذه المعدلات تصاحب وبصورة حتمية مرحلة أو درجة معينة من التصنيع [2]

هو "مجهود يهدف إلى مقارنة أكثر من جماعة، تنتمي إلى مجتمع واحد أو أكثر فالبحث المقارن هو الطريق السليم لتطوير فهم أفضل للظاهرة روعيت الشروط الموضوعية "[3] كما أن المنهج المقارن يتشرط :أولا وجود مجتمعين فأكثر (لكي يمكن المقارنة )، و ثانيا وجود صفة مشتركة (أو أكثر) حتى يكون مجال المقارنة واحدا، فلا يجوز مثلا المقارنة بين مجتمعين في صفة ليست مشتركة [4].

و تم استخدام المنهج المقارن بين فئتين من المطلقات حديثات الزواج ، الأولى تنتمي إلى مناطق ريفية و الأخرى لمناطق حضرية ، للكشف عن انعكاس تأثير البيئة الريفية و الحضرية على وضعية المرأة المطلقة في ولاية سطيف .

**رابعا- أدوات جمع البيانات:**

إن اختيار الأداة المناسبة من شأنه أن يأتي بنتائج بحثية هامة، و قد تم في هذه الدراسة الاعتماد على أدوات تتوافق مع طبيعة المناهج المسخدمة .

---

[1] نخبة من أساتذة قسم الاجتماع : **مصطلحات العلوم الاجتماعية** ، القاهرة ، دار المعرفة ، د ت ،ص 90 .

[2] محمد عبد الرحمن و آخرون : مرجع سابق ، ص116.

[3] عمر التير (مصطفى):**الدراسات الاجتماعية مساهمات في أسس البحث الاجتماعي** ، معهد الإنماء العربي ، ليبيا ،ط1،1989،ص298.

[4] حسن عبد الرزاق منصور : **الحضارة الحديثة و العلاقات الإنسانية في مجتمع الريف** ،دار فضاءات ،عمان ، الأردن ، الطبعة الثانية ، 2013 ، ص ص 161،160.

**1_ المقابلة الحرة المعمقة :**

تعد المقابلة من الأدوات الهامة في الدراسات الاجتماعية حيث أنها تساعد في جمع البيانات عن طريق التعامل المباشر مع الأفراد المبحوثين ،و كما يعرفها ماكوبي بأنها " تفاعل لفظي يتم بين شخصين في موقف مواجهة حيث يحاول أحدهما و هو القائم بالمقابلة أن يستثير بعض المعلومات أو التعبيرات لدي المبحوث و التي تدور حول آرائه و معتقداته "[1] استعملت في الدراسة تقنية المقابلة المعمقة حيث يمكننا التواصل اللفظي من فهم أعماق المبحوثة والتدرج في الأسئلة بما يناسب الموقف الذي تكون عليه ،ما بين التخفيف من وطأة السؤال إلى التوغل في الأحداث الخاصة والتي قد يكون من الصعب طرحها في الاسئلة المباشرة ،فميزة المقابلة أنها حيث يقول العالم **كرلينجر Kerlinger** "عندما يصعب الحصول على المعلومة بطريقة أخرى غير المقابلة و عندما تكون هناك حاجة للتعمق في المعلومة تصبح المقابلة أنسب الأدوات ، كذلك عندما يكون مجال البحث جديدا ، يصبح تطبيق المقابلة أمرا لا بد منه للوصول إلى فروض و متغيرات و بنود قد تخفى على الباحث "[2] ، إن تقنية المقابلة المعمقة من شأنها أحداث التوافق اللازم ما بين الباحث والمبحوث، من حيث فهم الباحث أين يتوقف وأين يستمر في طرح الأسئلة مع خلق جو الثقة ،بما يبدو وكأنه جلسة للفضفضة و راحة للنفس، وقد يكون الطلاق من أكثر المواضيع التي تشكل وضعا خاصا ومحرجا في أغلب الأحيان للمرأة المطلقة وتتماشى المقابلة المعمقة مع تقنية الملاحظة.

**2- الملاحظة:**

"إن أداة الملاحظة هي أهم أداة من الأدوات الرئيسية التي تستخدم في البحث العلمي، ومصدرا أساسيا للحصول على البيانات والمعلومات اللازمة لموضوع الدراسة، وتعتمد أساسا على حواس

---

[1] نبيل حميدشة : **المقابلة في البحث الاجتماعي** ، مجلة العلوم النسانية و الاجتماعية ، العدد الثامن ، الجزائر ، جوان 2012، ص 98.

[2] المرجع السابق ، ص 101

الباحث، وقدرته الفائقة على ترجمة ما لاحظه ، وتلمسه إلى عبارات ذات معاني ودلالات، تنبثق عنها وضع فروض مبدئية يمكن التحقق من صدقها أو عدم صدقها. "[1]

وتم استعمال الملاحظة إلى جانب المقابلة لاستكمال الفراغات في التعبير اللفظي من خلال ما توحي به المبحوثة، من الامتعاض أو الحزن أو السرور أو حالة الافتخار والتي يحتاج فيها الباحث إلى التأكيد الجسدي من خلال الاماءات والابتسامات أو الغضب و غيرها من الانفعلات التي لا تحتاج شرحا بقدر ما تتطلب انتباها من الباحث و تركيزا على المبحوث، حتى أن الملاحظة قد تمكن الباحث من معرفة مدى صدق القصة المروية وتقربه من المقارنة ما بين ما يقال وما بين مايبدو،ثم يكون على الباحث الموازنة العلمية باتخاذه أقصى درجات الموضوعية لينتهي إلى تحليل منظم وصادق وواقعي على كل حالة بحث يترصدها .

**3- استمارة بالمقابلة :**

تعتبر من بين الأدوات الأكثر استخداما في الدراسات الاجتماعية و الديمغرافية يعتمد عليها الباحث و تعتبر **مادلين قرافيتز** أن التقنية "مثل المنهج إجابة لكيف ؟ و هي وسيلة بلوغ الهدف لكن الذي يحدد على مستوى الأفعال و المراحل الميدانية "[2]

تعرف الاستمارة بأنها "أداة علمية تبنى وفق مراحل علمية تكتسب غيرها صدقها و ثباتها ، وتشتمل بنودها على إمكانية قياس فرضيات البحث، و تحديد العلاقات بين المتغيرات "[3] كما تم إجراء استمارة بالمقابلة و التي تعرف "أنها قائمة الاسئلة أو الاستمارة التي يقوم الباحث باستيفاء بياناتها من خلال مقابلة تتم بينه و بين المبحوث "[4] و ذلك لاختلاف المستوى الثقافي والتعليمي للمبحوثات بين من تحصلن على شهادات عليا و بين اللواتي اللاتي لم ينلن اي قسط من التعليم ، و بين اولئك اللواتي لا يستطعن فهم بعض المصطلحات المتداولة في الوسط العلمي مثل

---

[1] مسعود كنونة ، فضيل دليو ، علي غربي و آخرون : المرجع السابق ، ص187

[2] Madline Grawitz:**Méthode des sciences sociales**.Edition.Dalloz.Paris.10 Edition ,1996.p318.

[3] صالح بن نوار : **منهجية البحث في العلوم الاجتماعية و الإنسانية** ، منشورات مخبر علم اجتماع للاتصال للبحث و الترجمة ، جامعة منتوري ، قسنطينة الجزائر ، 2012، ص 198.

[4] خالد حامد : **منهج البحث العلمي** ، دار ريحانة للطبع و التوزيع ، القبة ، الجزائر ، ط 1، 2003 ،ص 131.

طبيعة الأسرة نووية و ممتدة ، العمل المنزلي المربح ، الوظيفة الثابية و المؤقتة ..... عند السؤل عن بعض صيغ السكن و بعض المصطلحات التي تبدو متشابهة مثل ضغوطات نفسية و مشكلات نفسية و أمراض و عقد نفسية .

لقد حاولنا من خلال الاستمارة الجمع بين البيانات الكمية لدلالات أكثر دقة و التحليل الكيفي أكثر عمقا و ذلك من خلال أسئلة الاستمارة التي جاء عددها 77، و توزعت على مجموعة أربعة محاور، منها المحور الأول المعبر عن المعلومات الشخصية المتعلقة بالسن ومدة الزواج ومدة الطلاق وعدد الأبناء والمستوى الاقتصادي للأهل ، وغيرها من الأسئلة التي تحيطنا بالمعلومات الضرورية عن المبحوثة والتي من شأنها أن تسلط الضوء على نتائج المحاور اللاحقة و تضمن هذا المحور عدد الأسئلة من 1 إلى 12.

ومن ثم أيضا المحور الثاني المعبر عن الاختلاف بين وضعية المرأة المطلقة في الوسط الريفي والمرأة المطلقة في الوسط الحضري ، من حيث تجاوز الأزمة من عدمها بالنسبة للعينتين ، مجموعة الضغوطات المتعرض إليها بعد الطلاق ، الرضا أو عدم التقبل بوضعية الطلاق ، الإصابة بالأمراض النفسية والجسدية وطرق العلاج وتوفرها ، وغيرها من الأسئلة الدالة على الفرضية الأولى و تضمن هذا المحور عدد الأسئلة من 13 إلى29.

ثم محورا ثالثا يدور حول الإجابة عن مؤشرات خاصة بكشف الاختلاف بين وضعية المرأة المطلقة الريفية ونظيرتها الحضرية في الجانب الاجتماعي ، من خلال معرفة ردة فعل المحيطين وتقبلهم للطلاق وأثر ذلك على المطلقة من الوسطين ، وما هي أشكال الدعم المقدمة أو حالات التخلي ، كذلك وضعيتها الاجتماعية بوجود أبناء ، أيضا علاقاتها الاجتماعية وحدوث التغير من عدمه في تلك العلاقات من حيث التوسع أو الضيق ..إلخ، و تضمن هذا المحور عدد الأسئلة من 30 إلى 56.

ثم محورا رابعا متعلقا بكشف الاختلاف بين العينتين من المطلقات من الوسط الريفي والوسط الحضري فيما يتعلق بالوضعية الاقتصادية ، وتدور الأسئلة حول مؤشرات متنوعة كعمل المرأة المطلقة وتحصلها على مداخيل توفر لها الاستقلال الاقتصادي ، وإلقاء الضوء في هذا المحور كذلك على حصول المطلقة من عدمه على بعض الدعم المالي من المحيطين أو الجمعيات

الخاصة ، ومن ثم كذلك التعرف على ممتلكاتها واكتسابها لمسكن خاص وقدرتها على استعماله واستقلالها به ، و تضمن هذا المحور عدد الأسئلة من 57 إلى 77.

وتم عرض الاستمارة على مجموعة من المحكمين من الأساتذة بدرجة الأستاذية بغرض تصويبها وتنقيحها لتكون جاهزة للتطبيق في الميدان، وتم على أساس ذلك إضافة بعض الأسئلة والتخلص من البعض الآخر، ومنها تغير ترتيب المحاور بعد أن كانت المحور الاجتماعي سابقا لمحاور الاستمارة- بعد محور البيانات الشخصية طبعا – ليسبق المحور النفسي ثم الاجتماعي وخاتمين بالمحور الاقتصادي، و من الأساتذة المحكمين من رأى أن عدد الاسئلة كبير لذلك تم التقليل منها و الاستغناء عن بعض الاسئلة التي فيها نوع من التكرار أو التشابه .

و قد تم تجريب الاستمارة و وجهت الى عشريتن امرأة مطلقة ينتمون إلى ولاية سطيف موزعين بين الوسطين الريفي و الحضري ، و ذلك بهدف التأكد من وضوح الاسئلة و طريقة صياغتها ، و معرفة مدى قابليتها للتنفيذ ، فقد تم حذف بعض الاسئلة التي عبرت المبحوثات عن انزعاجها من طرحها مثل السؤال هل تعرضت الى مضايقات (التحرش الجنسي ) في محيط العمل ؟ و السؤال : ماهي علاقتك الآن بطليقك ؟.... و بعد حذف اسئلة و تعديل أخرى تم صياغة الاستمارة في شكلها النهائي .

**4- البرامج والأساليب و المقاييس الاحصائية المستخدمة** : لقد تمت المعالجة الاحصائية للبيانات المجمعة عن طريق الاستمارة اعتمادا على عدة برامج و اساليب احصائية عبر مختلف المراحل من تفريغ وتبويب... من أجلالتحكم في البيانات الخاصة بالمبحوثات (المطلقات) الكثيرة و المتنوعة ، و من بين البرامج الاحصائية التالية :

أ- **استخدام الحزمة الاحصائية CSPRO** : يعرف على أنه " حزمة متكاملة لإدخال و تدقيق و جدولة و نشر بإستخدام الخرائط لبيانات المسوح الاحصائية و التعدادت " [1] اعتمدنا على برنامج **CSPRO** الاصدار السادس لتفريغ الاجابات بعد مراجعة الاستمارات و ترميز المتغيرات (الاسئلة) ، و ذلك لكون عدد الاسئلة بإستمارة البحث كبير-82سؤال- و لوجود علاقات بين

[1] سفيان أبو حرب : **مقدمة في الحزمة الاحصائية CSPRO 2,4 لمعالجة بيانات المسوح و التعدادات** ، المعهد العربي للتدريب و البحوث الاحصائية ،الجهاز المركزي للاحصاء الفلسطيني ، سبتمبر 2003، ص 2.

الاسئلة عموما و وجود علاقة بين الاسئلة الجزئية لسؤال رئيسي (علاقات شرطية أي هناك اسئلة يجاوب عنها فئة أو جزء من أفراد العينة مثل سؤال ماهي مخاوفك اتجاه الأبناء فالفئة المعنية بالإجابة المطلقات اللاتي لديهن ابناء فقط ) .

يتم ادخال البيانات الخاصة بكل مبحوثة (فرد) الى البرنامج ، حيث "يمكن لمشرف معالجة البيانات حفظ نسخة احياطية من ملف البيانات المدققة ، و تعتبر هذه البيانات الآن نظيفة ويمكن استخدامها لانشاء ملفات تحليل و المعالج الاولية للبيانات و ادخال جميع الاستمارات في ملف البيانات النهائي مع حفظ كل نسخة مدققة "[1]، و من خلال هذا البرنامج يمكننا من تبويب الاستمارات بأكبر دقة ممكنة حيث تبلغ نسبة الخطأ فيه بالتقريب 0%لأن المعالجة الاولية تتم بدقة كبيرة و فقا للمخطط التالي :

[1] معالجة البيانات *http://mics.unicef.org/files*

**شكل رقم 13: المعالجة الأولية للبيانات**

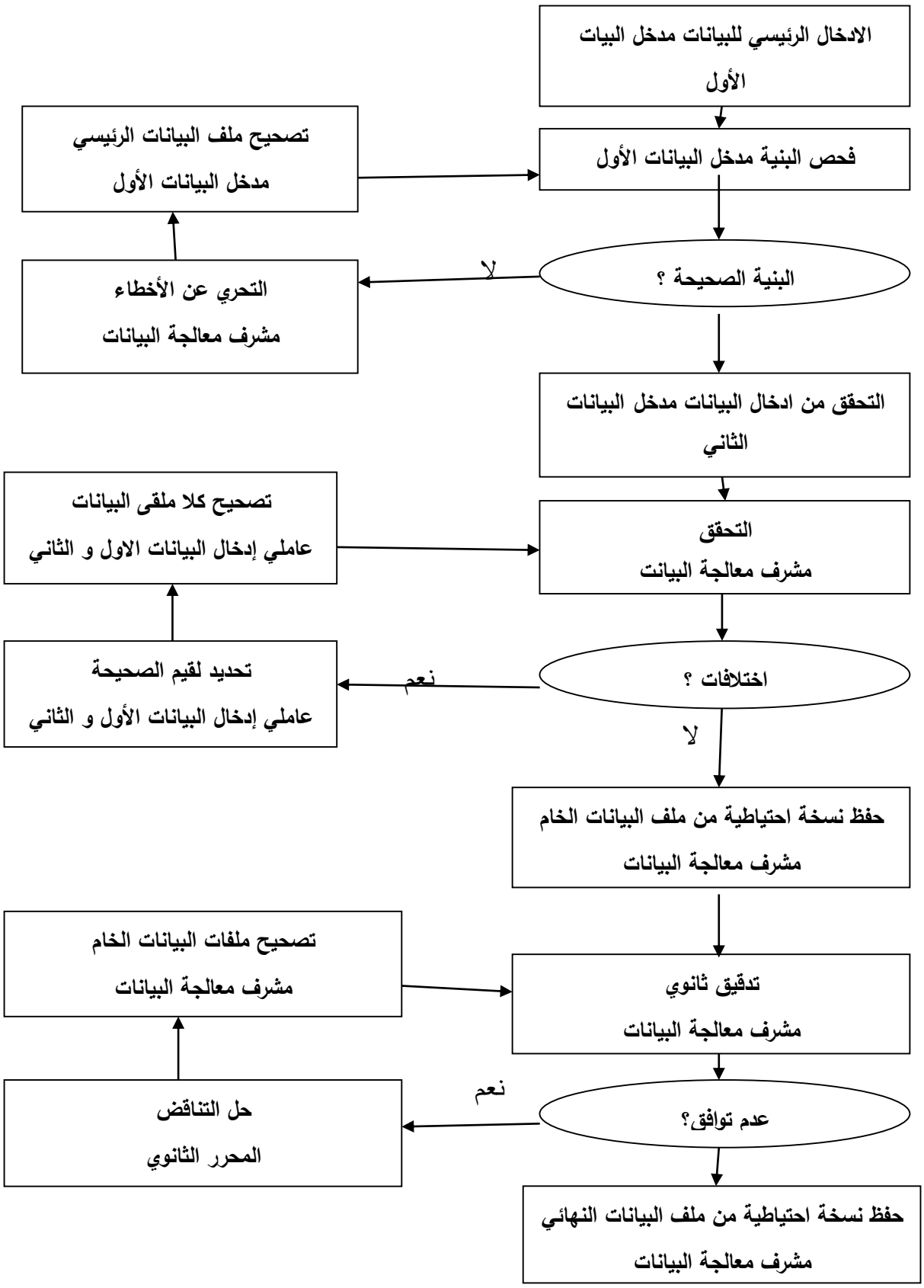

المصدر : معالجة البيانات *http://mics.unicef.org/files*

**ب- برنامج الحزم الاحصائية للعلوم الاجتماعية SPSS:** بعدما تحصلنا على ملف البيانات مدقق عن طريق المعالجة الاولية لـ **CSPRO** قمنا بالتحليل البيانات باستخدام برنامج الحزم الاحصائية للعلوم الاجتماعية الاصدار 22 حيث "يستطيع SPSS قراءة البيانات من معظم أنواع الملفات ليستخدمها لاستخراج النتائج على هيئة تقارير إحصائية أو أشكال, وتستطيع الحزم جعل التحليل الإحصائي مناسبًا للباحث المبتدئ والخبير على حد سواء"[1] و من ثمة انشاء الجداول التكرارية البسيطة و المركبة ، و من بين المقاييس التي تتطلبها الدراسة :

- **التكرارات و النسب المئوية** : وذلك لمعرفة عدد ونسبة أفراد العينة الذين اختاروا كل بديل من بدائل أسئلة الأداة يمكن من خلالها تحديد الاتجاه العام لأفراد العينة .

-**مقاييس النزعة المركزية:** من المتوسط الحسابي و الوسيط و المنوال التي استعملت في تحليل الجداول .

**ج - برنامج الايكسال EXCEL** : يستخدم هذا البرنامج لمعالجة الجداول و استعمل في اخراج الروسومات البيانية لأنه اكثر البرامج مرونة في ذلك .

[1] ماهو برنامج الحزم الاحصائية SPSS ؟ http://abdelwahabgouda.ahlamontada.com/t11-topic

# الفصل السادس

# عرض و تحليل النتائج

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

**جدول رقم47: النقاط التي شكلت ضغطا للمطلقة**

| الأصل الجغرافي | | حضري | | ريفي | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | التكرار N | النسبة % | التكرار N | النسبة % |
| نقاط الضغط | ظروف المحاكمة و الإجراءات القانونية للطلاق | 65 | 65,0% | 58 | 58,0% |
| | مضايقات من الزوج السابق و أهله | 39 | 39,0% | 30 | 30,0% |
| | اللمزات من المحيطين | 21 | 21,0% | 34 | 34,0% |
| | إعادة زوجك السابق للزواج | 23 | 23,0% | 30 | 30,0% |
| | تجنب المحطين لك بعد الطلاق | 12 | 12,0% | 14 | 14,0% |
| | أخرى حددي | 4 | 4,0% | 4 | 4,0% |

ظروف المحاكمة كانت الأعلى تكرار بالنسبة للعينتين مع ارتفاع للعينة من الوسط الحضري، ثم يأتي مضايقات من الزوج السابق مقابل 30% فقط مقارنة بالوسط الريفي ، وفي هذا إشارة واضحة على الحماية التي تتلقاها المرأة الريفية من قبل الأهل و الأقرباء بينما تعمل الفردانية على بقاء المرأة في الوسط الحضري وحيدة في الغالب مع الصراع الدائر.

**جدول رقم 48: الوسيلة المتبعة للتخفيف من الضغوطات النفسية**

| الأصل الجغرافي | | حضري | | ريفي | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | التكرار N | النسبة % | التكرار N | النسبة % |
| الوسيلة المتبعة | الاستعانة بالأصدقاء | 30 | 30,0% | 28 | 28,0% |
| | اللجوء إلى الأقربين من الأهل | 30 | 30,0% | 23 | 23,0% |
| | اللجوء إلى مواقع التواصل الاجتماعي | 22 | 22,0% | 12 | 12,0% |
| | متابعة الحصص التلفزيونية | 20 | 20,0% | 24 | 24,0% |
| | المطالعة | 8 | 8,0% | 7 | 7,0% |
| | تمارسين هواياتك المفضلة | 12 | 12,0% | 16 | 16,0% |
| | تضاعفين العمل و الجهد | 28 | 28,0% | 35 | 35,0% |
| | الأكل و النوم | 19 | 19,0% | 21 | 21,0% |
| | الاستعانة بالصبر و الصلاة | 76 | 76,0% | 71 | 71,0% |
| | أخرى | 6 | 6,0% | 9 | 9,0% |

تظهر نتائج الجدول والتي بنيت أساسا على الإجابة بأكثر من جواب أن الاستعانة بالصبر والصلاة هي أكثر الاحتمالات الواردة في الإجابات ، وهو ما يدل على خلفية ثقافية متدينة وبنسبة

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

## المحور الثالث : الوضعية الاجتماعية للمرأة المطلقة حديثة الزواج

**جدول رقم58 : سبب الطلاق**

| الأصل الجغرافي | | حضري | | ريفي | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | التكرار N | النسبة % | التكرار N | النسبة % |
| سبب الطلاق | سوء معاملة الزوج | 50 | 50,0% | 56 | 56,0% |
| | إدمان الزوج | 15 | 15,0% | 15 | 15,0% |
| | الخيانة الزوجية | 22 | 22,0% | 26 | 26,0% |
| | عدم الإنجاب (العقم) | 7 | 7,0% | 8 | 8,0% |
| | المشكلات الجنسية | 6 | 6,0% | 8 | 8,0% |
| | الوضعية الاقتصادية للزوج | 8 | 8,0% | 7 | 7,0% |
| | كثرة الخلافات مع أهل الزوج أو الزوج | 41 | 41,0% | 49 | 49,0% |
| | الغيرة | 12 | 12,0% | 2 | 2,0% |
| | قلة الخبرة و الدراية لتسيير الزواج | 16 | 16,0% | 17 | 17,0% |
| | عملك خارج البيت | 8 | 8,0% | 5 | 5,0% |
| | التفاوت في المستوى الثقافي | 16 | 16,0% | 6 | 6,0% |
| | أخرى حددي | 29 | 29,0% | 21 | 21,0% |

أظهرت نتائج الجدول أن كثير من أسباب الطلاق بين العينتين ، من الوسط الحضري أو الريفي تتقاربان مع اختلافات بسيطة ، وعلى الرغم من ذلك هناك مجموعة من الملاحظات التي يمكن التقاطها هنا أيضا ، فالبنسبة لسوء المعاملة من قبل الزوج كسبب للطلاق وجدنا أنه يرتفع بستة حالات أكثر في العينة من الوسط الريفي أي ب 56 حالة وهو ما يدل على خضوع أكبر للمرأة في الوسط الريفي للرجل مقارنة بالمرأة الحضرية ، أيضا وجدنا النتيجة نفسها فيما يتعلق بالإدمان والأدهى أنها نسبة معتبرة تمثل 15 % في كل حالة وبمجموع 30 حالة كاملة لأسباب الطلاق ، وهو ما يجعلنا نستشعر خطورة هذه الظاهرة على البناء الأسري ومن ثم البناء الاجتماعي ، وكذلك ما تعلق الأمر بالخيانة الزوجية مع ارتفاع نسبتها في العينة من الوسط الريفي على الرغم من التقاليد المحافظة نظريا للمجتمع الريفي ، وقد يعود سبب وجود مثل هذه النتيجة في العينة الأخيرة ، إلى نظرة الرجل لمسألة الخيانة الزوجية والشرف على أنها مسألة تتعلق بالنساء وليس

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

**جدول رقم75 : نظرة المطلقة لزواج جديد**

| الأصل الجغرافي | | حضري | | ريفي | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | التكرار | النسبة % | التكرار | النسبة % |
| الرأي | الرغبة الملحة | 10 | 10,0 | 18 | 18,0 |
| | الرفض التام | 36 | 36,0 | 38 | 38,0 |
| | عدم الاعتراض | 33 | 33,0 | 32 | 32,0 |
| | التريث في الحكم | 19 | 19,0 | 10 | 10,0 |
| | أخرى حددي | 2 | 2,0 | 2 | 2,0 |
| | Total | 100 | 100,0 | 100 | 100,0 |

تؤثر تجربة الطلاق وسوئها وتبعاتها النفسية والاجتماعية على المرأة على رأيها في عرض زواج جديد ، وقد وجدنا من خلال نتائج الجدول أن هناك رفضا تاما للزواج بنسبة معتبرة ، سواء في عينة الوسط الحضري أو في عينة الوسط الريفي ب 36% في الأولى و 38 % في الثانية ، كما أن الإجابة بالرغبة الملحة في الزواج كانت أعلى لدى النساء المطلقات في الوسط الريفي ، وهو ما يرجع في رأينا إلى رغبة المرأة الريفية في السند والمعين ، فيما تتمتع المرأة في الوسط الحضري بنوع من الحرية بل والرغبة في التحرر، وهو ما يدعمه أيضا عدد الإجابات المعبرة عن التريث في الحكم أو التقرير في مصير زواج ثاني ، وحيث كانت إجابات النساء المطلقات من الوسط الحضري 19 % مقارنة ب 10% النساء المطلقات من الوسط الريفي .

**جدول رقم 76: الغاية من الزواج الثاني بالنسبة للمطلقة**

| الأصل الجغرافي | | حضري | | ريفي | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | التكرار N | النسبة % | التكرار N | النسبة % |
| الغاية | من أجل تكوين أسرة و إنجاب أبناء | 40 | 40,0% | 43 | 43,0% |
| | هروب من المشاكل التي تعشينها | 22 | 22,0% | 32 | 32,0% |
| | تحقيق مكانة اجتماعية | 25 | 25,0% | 34 | 34,0% |
| | ضرورة دينية | 28 | 28,0% | 23 | 23,0% |
| | ضرورة عاطفية | 18 | 18,0% | 15 | 15,0% |
| | ضرورة اقتصادية | 9 | 9,0% | 9 | 9,0% |
| | أخرى | 27 | 27,0% | 19 | 19,0% |

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

سنوات زواج جميلة كانت هادئة و سعيدة لأن زوجها كان يقدرها و يحبها ، كما أنه مهتم لشؤون زوجته و أبنائه ، ورغم أنها تشترك السكن مع أهل زوجها إلا أنها لم تعاني من مشاكل و مضايقات من قبلهم بل كانوا يحترمونها هي و أبنائها ، و كانت الأجواء هادئة إلى أن نشبت خلافات بين والد جميلة و حماها و كان أساس الخلاف هو الإرث و تقسيم الأراضي.

تفاقمت الخلافات بين الأسرتين و اشتد الصراع بين والد جميلة و حماها و شاع هذا الخلاف بين الأهل و الجيران فزاد هذا من تأزم الوضع لكثرة القيل و القال و تضخيم الأحداث، إلا أن جميلة حاولت كثيرا أن تتجنب الاحتكاك بأسرة زوجها و مواجهتهم ، لكن كثرة الكلام السيئ عن والدها و بالأخص عند مشاركة زوجها لهم كان يثير غضبها ، إلا أن دخلت في مشاحنات كلامية مع حماتها و زوجها فخرجت من بيت زوجها رفقة أبنائها إلى بيت أهلها و هي في حالة بكاء، و عند رؤية والدها لها أصيب بنوبة غضب شديد ، و شعر بأن ابنته أهينت من طرف زوجها و أهله ، مما دفعه إلى الطلب من زوجها أن يطلقها دون اللجوء إلى المحكمة وقال له " أنا احتفظ بابنتي عندي معززة مكرمة و أنت خذ أبناءك " لكن جميلة نظرا لصرامة والدها و مكانتة في الأسرة لم تستطع مواجهة والدها و تعبر عن رفضها لما طلبه من زوجها .

كان طلاق جميلة ضربة قاسية جدا عليها خاصة و أنها لم تقصر في أداء مهامها كربة أسرة و زوجة ، و ما زاد من معاناتها هو فراق أبنائها و بقائهم مع أبيهم حيث كان الولد يبلغ من العمر أربع سنوات و البنت عامين و نصف و البنت الثانية عمرها عام و نصف ما جعلها لم تتقبل حدث الطلاق إلى الآن رغم مرور مدة طويلة من زواجها .

أما بالنسبة لردة فعل أهلها و المحيطون لم يرضوا اغلبهم بهذا الطلاق لأن الكل يعلم بأن جميلة لم يكن لها يد في الطلاق بل كان انتهاكا لحقها و حق أبنائها وكانت مجبرة على طلب الطلاق ارضاءا لوالدها ، بالأخص والدتها التي رفضت طلاقها بشدة وتشفق على ابنتها لطلاقها و فراق أبنائها و أصبحت ترى أن زوجها ظلم ابنته باتخاذ هذا القرار .

أما بالنسبة لإخوة جميلة فحاولوا أن يساندوها و الوقوف بجانبها لتخطي هذه الأزمة و كانت أخت جميلة الكبرى أكثرهم قربا منها ، أما الأهل و الجيران يشفقون على جميلة و يرونها أنها كانت ضحية خلاف عائلي هي و زوجها و أبنائها وخاصة أنها كانت على علاقة جيدة بالجميع

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

أما عن الضغوط النفسية فقد أظهرت الدراسة كذلك تعرض المرأة المطلقة الريفية لضغوط نفسية اكبر من نظيرتها الحضرية وهو ما تدل عليه النسبة 65 % للمطلقات الريفيات و54% للمطلقات من الوسط الحضري ، إلا أن الضغوطات الاجتماعية كانت أشد على العينة من الوسط الحضري وهو ما رجح في رأينا إلى علاقات الصداقة المتشعبة وعلاقات العمل ، وهو نفس الشيء بالنسبة للضغوطات الاقتصادية حيث أن الوسط الحضري يفرز نمطا معيشيا متطلبا ماديا وهو ما يؤدي في النهاية إلى مزيد من الضغط على المرأة المطلقة .

وقد أشارت إجابات النساء المطلقات من حيث شعورهن بالمهانة بسبب وضعهن ، أن الريفيات أيضا أكثر شعورا بذلك وهو ما دلت عليه نسبة 24 % للمطلقات الحضريات اللواتي شعرن بذلك مقابل 49 %، ونفس الشيء تقريبا بالنسبة لشعورهن بأن ذواتهن ملغاة وبنسبة 22 %من المطلقات الحضريات مقابل 36 % للنساء الريفيات .

وفيما يخص الأمراض النفسية فقد تبين أن النساء المطلقات من الوسط الحضري أقل تعرضا لهذا النوع وذلك بنسبة 37 % للمطلقات الحضريات مقابل 53 % للمطلقات من الوسط الريفي، بينما تكون المطلقات الحضريات أكثر عرضة للأمراض الجسدية وذلك راجع في رأينا إلى تحمل المسؤولية المادية والأعمال البيتية بالإضافة إلى أعباء العمل بالخارج ، بالإضافة إلى تحمل ضغوط العلاقات ومشكلات المدينة على العموم من حيث الاكتظاظ والضجيج وانعدام سبل الراحة.

وقد وجدنا أن المطلقات من العينتين يلجأن إلى استخدام وسائل غير طبية للعلاج في مقدمتها الرقية وهو ما يؤشر على تقارب الثقافة واعتبار القيم الدينية عاملا مشتركا في الوسطين ، لكن فيما يخص اللجوء إلى الروحانيات فقد كانت النساء المطلقات الريفيات أكثر لجوءا إلى ذلك بنسبة 8.2 % مقابل 1.3% في العينة المقابلة ، وهو في رأينا يرجع إلى فرص التعليم الأعلى الأقل ، بالإضافة إلى اللجوء أثناء العلاج للوسيلة الأوفر ، فيما قد يستلزم العلاج الطبي تنقلا وهو ما لا يمكن في أغلب الحالات أن يكون .

أما ما أفرزت عنه النتائج من خلال دراسة الحالة للتأكد من صحة الفرضية الأولى ، فقد دعمت ما جاء في تحليل نتائج الاستمارة بمزيد من الوضوح ، حيث بينت أن المطلقات الريفيات قد كن

الفصل السادس ـــــــ

وبداية أبانت الدراسة عن عدد معتبر من حالات الخلع وهو ما يؤشر على تغير اجتماعي خاصة فيما يتعلق بقضايا المرأة ووضعيتها ومكانتها في المجتمع ، مع ميل أكبر لحالات الخلع في الوسط الحضري ب 18 حالة مقابل 10 حالات في الوسط الريفي

و أظهرت الدراسة أن معاملة الزوج السيئة هي السبب الأول المؤدي للطلاق بالرغم من أن هناك تفاوتا طفيفا للمعاملة السيئة من قبل الزوج في عينة النساء المطلقات من الوسط الريفي 56 % مقابل 50% ، وهو ما يرجع في رأينا إلى تقاليد وقيم المرأة الريفية والتي تتميز بنزع من الخضوع للرجل مقارنة بالمرأة الحضرية ، وبالعكس فيما يتعلق بالغيرة كسبب ثاني كان ذلك لدى النساء المطلقات الحضريات أكبر منه لدى المطلقات الريفيات وهو أيضا يدل على نوع من التحرر لدى الحضريات في المطالبة بالوفاء والتزام الزوج بينما قد تتسامح المرأة الريفية أو لا تستطيع في كثير من الأحيان محاسبة الزوج على علاقاته بدليل 12 % للغيرة كسبب للطلاق في عينة النساء الحضريات ، مقابل 2 % فقط في العينة من النساء المطلقات الريفيات، كما أنه من الملفت أن التفاوت في المستوى الثقافي قد شكل 16 % من أسباب الطلاق في عينة الحضريات ، و 6 % في عينة الريفيات وهو أيضا ما يدل على اهتمام زائد بالمظاهر الشكلية في العلاقة لدى النساء الحضريات .

تقبل الأهل للطلاق أظهر تفاوتا وميلا فيه للعينة من النساء المطلقات الحضريات بـ 52 % مقابل 46 % وقد يعود إلى اعتبار الطلاق قرارا شخصيا في الوسط الحضري ، بينما هو قرار عائلي ويتأثر به الأهل ككل وقد يتعرضون للهمز واللمز من المحيطين مثلهم مثل ابنتهم المطلقة .

وعن العلاقات الجيدة للمطلقة أظهرت الدارسة ميلا واضحا للمطلقات من الوسط الحضري بـ 30 % مقابل 13 % و هو ما يعني تعدد الشركاء و الأصدقاء ، وهذا ما يشكل دعما معنويا للمطلقة ويساعدها على التكيف والتقبل والاستمرار .

أما رغبة المرأة المطلقة في الزواج فقد أظهرت الدراسة أن الريفية أكثر رغبة في زواج ثاني ، وقد يكون ذلك من واقع أن الزواج الثاني هو فرصتها الوحيدة تقريبا لاستمرار حياتها بشكل طبيعي ، بينما تتوفر للمرأة المطلقة الحضرية مزيدا من الفرص للتكوين الشخصي والنجاح على أصعدة أخرى تجعلها في غنى عن الزواج الثاني خاصة بعد الخروج بتجربة فاشلة .

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

الفصل السادس ـــــــ

# خاتمـــة

لم يبتعد تصورنا عن الإجابة عن سؤال الدراسة وما وجدناه محققا في الميدان ، إذ أبانت الدراسة عن وضعية مختلفة ما بين المطلقات الريفيات ونظيراتهن الحضريات ، وقد كانت النساء الحضريات محظوظات إن صح التعبير في في إيجاد فرص لتعويض الحالة الصعبة أو الانتكاسة التي وجدن أنفسهن فيها –و إن ظل الطلاق سلبيا دائما وأبدا– وما نتحدث عنه هو طرق المواجهة ، كيف كان التكيف وتقبل الأمر الوضعية ؟ حتى لا يفهم أن مفهوم الوضعية الأحسن ، هو الأحسن على الإطلاق حتى وهي " المرأة " متزوجة ، وإنما مدى الاستمرار في الحياة بشكل طبيعي ، خاصة مع الارتفاع الملفت لظاهرة الطلاق ، وظاهرة الطلاق المبكر بالتحديد .

ونستطيع أن نستنتج أن التغير الاجتماعي الحاصل في المجتمع الجزائري قد كان له ثمارا ايجابية في وضعية المرأة ككل ، وحيث أن مظهر " فقر المرأة " والذي كان علامة فارقة من علامات المجتمع الصناعي ، بتخلي الرجل عن مسؤولية الإعالة وتحمل أعباء الأسرة والمرأة كفرد فيها ، قد تواجهها المرأة خاصة الجزائرية بإثبات نفسها في مجال التعليم وامتلاك سلاح قد تشهره وقت الحاجة وقد يكون مأساة الطلاق أحد تلك المواقف التي تحتاج فيها إلى ذلك ، والتي نأمل لو أن الفتاة الريفية تكون لها نفس الفرص وحتى تتلاشى الفوارق السلبية ما بين الريف والحضر .

إن الدراسة التي بين أيدينا تكشفت لنا عن أوجه للمقارنة لابد منها في بحوث لاحقة ، ومنها المقارنة بين وضعية النساء المطلقات حديثات الزواج كما هو في دراستنا وبين الأخريات اللواتي مضى على زواجهن فترة معتبرة ، إذ أن تركيز الدراسة على تحديد فئة حديثات الزواج كان من باب التركيز والتعمق في تلك الفئة دون غيرها ، لكن الفضول العلمي ، والتعمق مع الحالات و المبحوثات المجري معهن الاستمارة ، جعلنا في شغف لمعرفة ماهو وضعهن لو كنا مكثن متزوجات مدة أطول ؟ هل ساعد طلاقهن المبكر في تقبل الوضع أم أنه زاد من تأزمه ؟ هل تنعدم فرص الزواج أو تقل وتندر بعد زواج طائل ؟ وأسئلة أخرى انتهينا إليها بعد إجابتنا على سؤال الدراسة :هل هناك اختلاف بين وضعية النساء المطلقات بين الوسط الريفي والحضري ؟

# قائمة المراجع

**أولا-المصادر**

-القرآن الكريم

-السنة النبوية

-الإنجيل

**ثانيا-المراجع باللغة العربية :**

**- الكتب :**

1- ابن منظور محمد بن مكرم .**لسان العرب** ،دار صادر، بيروت ،ج10،ط1

2-ابن خلدون: **المقدمة** ، الدار التونسية للنشر ، تونس ، 1984.

3-أبو القاسم سعد الله: **تاريخ الجزائر الثقافي** ، دار غريب الإسلامية ،بيروت ، لبنان، الجزء الأول ، 1998.

4-إجلال إسماعيل حلمي : **علم اجتماع الزواج و الأسرة** ، رؤية نقدية للواقع و المستقبل ، مكتبة الأنجلو المصرية ، القاهرة ، مصر، 2016 .

5- إحسان محمد الحسن :**علم اجتماع المرأة –دراسة تحليلية عن دور المرأة في المجتمع المعاصر** – الطبعة الثانية ،دار وائل للنشر ، عمان ، الأردن ،2014.

6-أحمد عبد الكريم السنهوري : **أصول خدمة الفرد** ، المكتب المصري الحديث ، الإسكندرية، ط 4، 1970.

7-أسماء المرابط : **الإسلام والمرأة الطريق الثالث** ، دار أبي رقراق للطباعة والنشر ، منشورات مرسم الرباط ، المغرب ، 2014 .

8-أحمد الكبيسي : **فلسفة نظام الأسرة في الإسلام** ، دار الكتاب الجامعي ،العين –الإمارات العربية المتحدة ، الطبعة الأولى 2003 .

9-السيد عبد العاطي السيد: **علم الاجتماع الحضري مدخل نظري**، الجزء الأول، دار المعرفة الجامعية، مصر، 2001.

10-المقدم محمد احمد إسماعيل : **عودة الحجاب** ، دار طيبة للنشر و التوزيع ، الرياض ، المملكة العربية السعودية ، الطبعة الحادية عشر ، سنة 1417هج

11-أنيسة بركات : **نضال المرأة الجزائرية خلال الثورة التحررية** ،المؤسسة الوطنية للكتاب ، الجزائر، 1985.

12-إسماعيل القباني :**مشكلات التخلف الدراسي** ،مكتبة الانجلو المصرية ،ط الثالثة ،1986.

13-إمام عبد الفتاح إمام : **أفلاطون والمرأة** ، مكتبة مدبولي ، مصر ، طبعة مزيدة ومنقحة ، 1995.

14-إليزابيث كريميو : **وضعية المرأة في العالم** ، ترجمة حنان قصيبي ومحمد الهلالي ، دار توبقال للنشر ، الدار البيضاء ، المغرب ،2015 .

15-باسمة كيال :**تطور المرأة عبر التاريخ** ، مؤسسة عز الدين للطباعة والنشر، بيروت ، 1981 .

16- بدوي أحمد زكي : **معجم مصطلحات العلوم الاجتماعية** ، مكتبة لبنان ، بيروت ، لبنان ، 1977.

17- بلقاسم شتوان : **ظاهرة الطلاق في المجتمع** الجزائري –أسبابها و آثارها النفسية والاجتماعية دراسة فقهية اجتماعية – دار النشر مطبعة المنار –سطيف، الجزائر ،2010 .

18-بهاء الدين خليل تركية : **علم الاجتماع العائلي** ، دار المسيرة للنشر و التوزيع ، عمان ، الأردن ، الطبعة الأولى ، 2015 .

19-بياربونت و ميشال ايزار : **معجم الاثنولوجيا و الانثروبولوجيا** ، ترجمة مصباح الصمد ، المؤسسة الجامعية للدراسات و النشر و التوزيع مجد ،بيروت ، لبنان ، الطبعة الثانية ، 2011.

20- جان فرنسوا دورتيه : **معجم العلوم الإنسانية** ،ترجمة جورج كتورة ، المؤسسة الجامعية للدراسات و النشر و التوزيع ، الطبعة 2،2011ابو ظبي الإمارات العربية المتحدة .

21-جوردون مارشال : **موسوعة علم الاجتماع** ، ترجمة محمد الجوهري و آخرون ، المجلس الأعلى للثقافة –المشروع القومي للترجمة ، مصر ، المجلد الأول ، الطبعة الثانية ، 2008.

22-حسن عبد الرازق منصور : **الحضارة الحديثة و العلاقات الإنسانية في مجتمع الريف (دراسة ميدانية في ريف عربي )** ،دار فضاءات للنشر و التوزيع ،عمان ، الأردن،2013،

23 -حليم بركات : **المجتمع العربي المعاصر** ، مركز دراسات الوحدة العربية ، بيروت ، 1984.

24- حميد خروف ، بلقاسم سلاطنية ، إسماعيل قيرة : **الإشكاليات النظرية و الواقع –مجتمع المدينة نموذجا –** سلسلة علم الاجتماع ، قسنطينة ، منشورات جامعة منتوري، الجزائر ، 1999.

25-حسين عبد الحميد رشوان : **علم إجتماع المرأة** ، المكتب الجامعي الحديث ، مصر 1998.

26-حسين عبد الحميد احمد رشوان : **الأسرة و المجتمع- دراسة في علم اجتماع الأسرة –** مؤسسة شباب الجامعية ، الإسكندرية ، مصر ، 2012 .

27-حسين عبد الحميد رشوان ، **المرأة والمجتمع – دراسة في علم اجتماع المرأة –**، دار الوفاء لدنيا الطباعة والنشر ، الطبعة الثانية ، 2011 .

28-حبيب الزيات : **المرأة في الجاهلية** ، مؤسسة هنداوي للتعليم والثقافة ، مدينة نصر ، 2014

29-حسن علي حسن : **المجتمع الريفي و الحضري(دراسة مقارنة مبسطة )** ، المكتب الجامعي الحديث ، الإسكندرية ، مصر ، 1991.

30- حمدي أبوالفتوح عطية : **منهجيات البحث العلمي في التربية و علم النفس** ، دار النشر للجامعات ، القاهرة ، مصر ، ط 1، 2012.

31 - خالد حامد : **منهج البحث العلمي** ، دار ريحانة للطبع و التوزيع ، القبة ، الجزائر ، ط 1، 2003 .

32-خديجة زتيلي : **أفلاطون السياسة، المعرفة، المرأة** ، دار الامان ، الرباط ، المغرب، 2011.

33-رشيدة سبتي : **ظاهرة العقم (دراسة نفسية اجتماعية )**، دار التنوير،الجزائر ،الطبعة الأولى ، 2013.

34-رشيدة فؤاد : **الحياة الأسرية و الاجتماعية للمرأة اليهودية في نصوص اليهود الدينية المقدسة** ، كلية الآداب و العلوم الإنسانية بنمسيك ، الدار البيضاء ، المغرب، الطبعة الأولى ،2013 .

35- رولان برسا : **الديمغرافيا الاحصائية** ، ترجمة حلا نوفل رزق الله ، المؤسسة الجامعية للدراسات و النشر و التوزيع ، بيروت ، لبنان ، الطبعة الأولى ، 1993.

36-رويدا السيد أبو العلا : **الطلاق المبكر بين حديثي الزواج** ،دار الآفاق العربية ،القاهرة ، مصر ،الطبعة الأولى ، 2013.

37-رابح التركي: **أصول التربية و التعليم** ،ديوان المطبوعات الجامعية و المؤسسة الوطنية للكتاب، الجزائر ،الطبعة الأولى.

38-روبرت ايمرسون وآخرون : **البحث الميداني الاثنوجرافي في العلوم الاجتماعية** ، ترجمة هناء الجوهري ، مراجعة وتقديم محمد الجوهري ، المركز القومي للترجمة ، القاهرة ، سلسلة العلوم الاجتماعية للباحثين ، الطبعة الأولى، 2010 .

39- زهير حطب : **تطور بنى الأسرة العربية** ، معهد الإنماء العربي بيروت، 1985.

40-زينب منصور حبيب : **الإعلام وقضايا المرأة** ، دار أسامة ، الأردن ، الطبعة الأولى ، 2011.

41-سامية مصطفي الخشاب : **النظرية الاجتماعية و دراسة الأسرة** ، الدار الدولية للاستثمارات الثقافية ، القاهرة ، مصر ، الطبعة الأولى ، 2008.

42-سامية حسن الساعاتي : **علم إجتماع المرأة، رؤية معاصرة لأهم قضاياها** ، دار الفكر العربي القاهرة ، الطبعة الأولى ، 1999 .

43- سلميان العقيل : **ظاهرة الطلاق في المجتمع السعودي – دراسة وصفية لظاهرة الطلاق مع التعرض للزواج من الخارج و في المجتمع العربي السعودي**- قسم الدراسات الاجتماعية ، كلية الآداب ، جامعة الملك سعود ، السعودية ، 2005 .

45- سليم شاكر مصطفى :**قاموس الانثروبولوجيا** ،جامعة الكويت ،بدون دار نشر ، 1981.

46-سناء الخولي : **الأسرة و الحياة العائلية** ، دار المسيرة ، عمان ، الأردن ، 2011 .

47- سناء الخولي :**الزواج و العلاقات الأسرية** ،بيروت ، دار النهضة العربية ،1983.

48- سفيان أبو حرب : **مقدمة في الحزمة الاحصائية CSPRO 2,4 لمعالجة بيانات المسوح و التعدادات** ،المعهد العربي للتدريب و البحوث الاحصائية ،الجهاز المركزي للاحصاء الفلسطيني ، سبتمبر 2003.

49-صالح بن حمد العساف : **المدخل إلى البحث في العلوم السلوكية** ، مكتبة العبيكان ، الرياض السعودية ، الطبعة الأولى ،1995 .

50-صالح بن نوار : **منهجية البحث في العلوم الاجتماعية و الإنسانية** ، منشورات مخبر علم اجتماع للاتصال للبحث و الترجمة ، جامعة منتوري ، قسنطينة الجزائر ، 2012.

51-صالح عوض : **معركة الإسلام في الجزائر** ، الزيتونة للنشر والإعلام ، الجزائر ، سنة 1989

52-عالية حبيب و آخرون : **علم الاجتماع الريفي** ، دار المسيرة ، عمان ، الأردن، 2009.

53-عباس عبد الهادي:**المرأة و الأسرة في حضارات الشعوب و أنظمتها** ، طلاس للدراسات و الترجمة و النشر ، دمشق ، سوريا ، الجزء الأول .

54-عباس فاضل الدليمي : **الموسوعة الميسرة في حقوق الإنسان حقوق المرأة** ، الجزء الحادي عشر ، الطبعة الأولى ، دار الصفاء ، عمان ، الأردن ، 2017.

55-عباس فاضل سعدي : **المفصل في جغرافية السكان** ، مؤسسة الوراق ، عمان ، الأردن ، الجزء الأول ،2014.

56- عباس فاضل السعدي : **المفصل في جغرافية السكان** ، الوراق للنشر و التوزيع ، عمان، الأردن، الجزء الثاني ، الطبعة الأولى ، 2015 .

57-عبد اللطيف بن اشنهو: **عصرنة الجزائر حصيلة وأفاق 2009.1999** ، الجزائر،

58-عبد الحليم نور الدين : **دور المرأة في المجتمع المصري القديم** ، مطابع المجلس الأعلى للآثار , 1995 .

59-عبد الرحمان إبراهيم : **الطلاق -قراءة تحليلية نفسية في خلل الوظيفة الأسرية و أثرها على الأطفال** ، شعاع للنشر و العلوم ، الطبعة الأولى ،حلب ، سوريا ،2010.

60-عبد الوهاب أحمد : **تعدد النساء و مكانة المرأة في اليهودية وبالمسيحية و الإسلام** ، مكتبة وهبة، القاهرة ، مصر ، الطبعة الأولى ، سنة 1989 .

61-عبد القادر عرابي :**المرأة العربية بين التقليد و التجديد** ، في المرأة بين ثقل الواقع و تطلعات التحرر، سلسلة كتب المستقبل العربي ، مركز الدراسات الوحدة العربية ، بيروت ، لبنان ، الطبعة الثانية ، سنة 2004.

62- عبد الحميد احمد رشوان :**علم الاجتماع الريفي** ،الإسكندرية ،المكتب العربي الحديث ، 2003.

63-عبد الحميد إسماعيل الأنصاري : **قضايا المرأة بين تعاليم الإسلام وتقاليد المجتمع** ، دار الفكر العربي ، القاهرة ،الطبعة الأولى 2000.

64-عبد الحميد دليمي : **دراسة لواقع الأحياء القصديرية** ، دار الهدى للطباعة و النشر والتوزيع ، عين مليلة ، الجزائر ، 2007.

65- عبد الحميد دليمي ، **دراسة في العمران ــ السكن و الإسكان ــ** ، دار الهدى للطباعة و النشر و التوزيع ،عين مليلة ، 2007.

66-عبد الحميد بوقصاص : **النماذج الريفية الحضرية لمجتمعات العالم الثالث في ضوء المتصل الريفي –الحضري** ، مخبر التنمية و التحولات الكبرى في المجتمع الجزائري –جامعة عنابة – ديوان المطبوعات الجامعية ، قسنطينة، دون تاريخ .

67-عبد الرؤوف الضبع : **العنف و البناء الاجتماعي للأسرة** ، الدار العالمية للنشر و التوزيع ، مصر .2017

68-عبد القادر القصير : **الاسرة المتغيرة في مجتمع المدينة** ، دار النهضة ، بيروت ، 1999.

69- عبد القادر بن حرز الله : **أحكام الزواج و الطلاق** ،دار الخلدونية ، الجزائر ، 2005،

70-عبد الهادي الجوهري : **قاموس علم الاجتماع** ، المكتبة الجامعية الحديثة ،الإسكندرية ، ط،1998.

71-علي غربي : **أبجديات المنهجية في كتابة الرسائل الجامعية** ، مطبعة Cirta Copy ، قسنطينة، الجزائر، 2006.

72-علياء شكري و آخرون :**المرأة و المجتمع من وجهة نظر علم الاجتماع** ، دار المعرفة الجامعية ، دون طبعة، سنة 1998.

73-غندور أحمد : **الطلاق في الشريعة الإسلامية والقانون** ،دار المعارف ، مصر، 1967 .

74-غنيم أسمت : **المرأة في الغرب الأوربي في العصور الوسطى** ،دار المعارف ، الإسكندرية مصر، دون طبعة ، سنة 1983 .

75-فؤاد محمد الشريف بن غضبان :**التحضر و الحضرية في ظل عالم متغير** ، دار اليازوري العلمية، عمان ، الأردن ، 2015.

76-فيليب ستيل : **المدينة** ،ترجمة عواطف علاء الدين عمر ، دار نهضة مصر للنشر ، مصر ، الطبعة الأولى ، 2013.

77-قيس النوري:**الانثروبولوجيا الحضرية بين التقليد و العولمة** ،مؤسسة حمادة للدراسات الجامعية و النشر و التوزيع ،اربد ،الأردن ،ط 1 ،2011 .

78-كلتوم بلميهوب : **الاستقرار الزواجي** ، سلسلة الدراسات المنشورات الحبر، بني مسوس، الجزائر،2006 .

79-مالك بن نبي : **شروط النهضة** ، ترجمة عمر كامل منتوري و عبد الصبور شهيد ، دار الفكر، الطبعة الرابعة ، دمشق ، سنة 1987 .

80- مازن مطبقاني : **صور من حياة المرأة في الغرب** ، مركز المدينة المنورة لدراسات وبحوث، المملكة العربية السعودية ، الطبعة الأولى ، 2005 .

81-محمد السيد الإمام : **مقدمة في علم الاجتماع الريفي** ، مصر ،المكتبة العصرية للنشر والتوزيع ،الطبعة الأولى ، 2012، ص37.

82- محمد بن أبى بكر الرازي : **مختار الصحاح** ، المكتبة الأموية بيروت ، دمشق ، 1971.

83-محمد بيومي وآخرون : **علم الاجتماع العائلي دراسة التغيرات في الأسرة العربية** ، دار المعرفة الجامعية ، الازريطة، مصر ، 2003.

84- محمد رضا .**معجم متن اللغة** ، مكتبة الحياة بيروت ،المجلد 3 ،1959.

85-محمد سيد فهمي :**العنف الأسري** ،دار الكتب و الوثائق القومية ،الطبعة الأولى ،الإسكندرية، مصر ،2012 .

86-محمد عاطف غيث : **دراسات في تاريخ التفكير و اتجاهات النظرية في علم الاجتماع** ،دار النهضة العربية ، بيروت ، لبنان، 1975 .

87-محمد عاطف غيث : **تطبيقات في علم الاجتماع** ،دار الكتب الجامعية ، الاسكندرية ، مصر.

88- محمد عاطف غيث، إسماعيل علي سعد: **المشكلات الاجتماعية – بحوث نظرية و ميدانية** دار المعرفة الجامعية ، الإسكندرية ، مصر ، 2016.

89-محمد عباس إبراهيم :**التحديث و التغير في المجتمع القروي** ،دار المعرفة الجامعية ،مصر، 2006 .

90-محمد بومخلوف: **التوطن الصناعي وقضاياه المعاصرة – التحضر**، دار الأمة للطباعة والنشر والتوزيع، الجزائر، ط1، 2001.

91-محمد الجوهري :**طرق البحث الاجتماعي** ، الدار الدولية للاستثمارات الثقافية ، مصر ، الطبعة الأولى ، 2008 .

92-محمد الجوهري ، علياء شكري : **علم الاجتماع الريفي و الحضري** – سلسلة علم الاجتماع المعاصر، الكتاب الرابع عشر ، الطبعة الثانية ،دار المعارف القاهرة ،1983.

93-محمد عباس ابراهيم : **التحديث و التغير في المجتمع القروي** ، دار المعرفة الجامعية ، مصر ، 2006.

94-محمد عمارة: **تحرير المراة بين الغرب والأسلام** ، مكتبة الإمام البخاري للنشر ولتوزيع ، مصر الطبعة الأولى ،2009 .

95-محمد السويدي : **مقدمة في دراسة المجتمع الجزائري –تحليل سوسيولوجي لأهم مظاهر التغيير في المجتمع الجزائري المعاصر**– ، ديوان المطبوعات الجزائرية ، بن عكنون ، الجزائر، 1990 ،

96- محمد عبد الرحمان و آخرون : **المعجم الشامل لترجمة مصطلحات علم الاجتماع و علم النفس الاجتماعي** ، دار الوفاء لدنيا الطباعة و النشر ، الإسكندرية ، مصر ، ط2، 2013.

97-محمود حسن . **الأسرة و مشكلاتها**، دار النهضة العربية للطباعة و النشر،بيروت 1981

98-مريم سليم:**أوضاع المرأة العربية في المرأة العربية بين ثقل الواقع و تطلعات التحرر** ، مركز دراسات الوحدة العربية ،الطبعة الثانية ، ، بيروت لبنان.2004.

99-موريس أنجرس: **منهجية البحث في العلوم الإنسانية**، ترجمة بوزيد صحراوي وآخرون، دار القصبة للنشر والتوزيع، الجزائر ، الطبعة الأولى .2006,

100-مسعودة كسال :**مشكلة الطلاق في المجمع الجزائري** ، ديوان المطبوعات الجامعية ، الجزائر ، دون سنة.

101-مصطفى بن العدوي : **أحكام الطلاق في الشريعة الإسلامية** ، مكتبة ابن تيمية القاهرة ، الطبعة الأولى ، 1988 .

102-مصطفى شلبي : **أحكام الأسرة في الإسلام** .ط4 ، الدار الجامعية ،1403هـ ،1983.

91- مصطفى الخشاب: **دراسات في علم الاجتماع العائلي** ،دار النهضة، بيروت ،لبنان ، 1985 .

103-مصطفى النشار : **مكانة المراة في فلسفة أفلاطون –قراءة في محاورتي الجمهورية والقوانين**، دار قباء ، مصر ، 1998 .

104- معن خليل عمر : **علم اجتماع الأسرة** ،دار الشروق للنشر و التوزيع ،عمان ، الأردن ، 1994.

105-منصور عبد الحكيم : **العلاقات الزوجية في الإسلام والمسيحية واليهودية** ، دار الكتاب العربي للنشر، سوريا ، الطبعة الأولى ، 2006 .

106 – مولود ديدان : **قانون الأسرة** ، دار النجاح للكتاب، الجزائر ، 2005 .

107-ميشيل مان : **موسوعة العلوم الاجتماعية** ، ترجمة : عادل مختار الهواري ، سعد عبد العزيز مصلوح، دار المعرفة الجامعية ، الإسكندرية ، مصر، 1999 .

108-مليكة يوسف زرار : **موسوعة الزواج والعلاقة الزوجية في الإسلام والشرائع الأخرى المقارنة**، القاهرة الجزء الأول ، دار الفتح للإعلام العربي ، الطبعة الأولى، 2000 .

109-نور الدين عتة : **ماذا عن المرأة** ، دار اليمامة ، لبنان ، الطبعة الأولى ،2003 .

110-ناجي بلقاسم علالي : **الطلاق في المجتمع الجزائري** ، دار هومه ، الجزائر ، 2013 .

111-نبيل صبحي حنا : **المجتمعات الصحراوية في الوطن العربي** دراسة ميدانية و نظرية ، دار المعارف ، القاهرة ، دط، 1984 .

112-ندى ذبيان :**الطلاق و مشكلات الزواج** ،دار رسلان ،دمشق ،سوريا،الطبعة الأولى ، 2009 .

113-نجمان ياسين : **الزواج في الإسلام في القرن الأول الهجري – دراسة في الأبعاد الاجتماعية و الاقتصادية و السياسية** –الدار العربية للموسوعات ، الطبعة الأولى ، بيروت ، لبنان ،2011 .

114-نعيمة شومان : **المرأة منذ العصر الحجري و المرأة في الإسلام** ، دار الفرابي ، بيروت، الطبعة الأولى 2011 .

115-نهى القطارجي : **المرأة في منظومة الأمم المتحدة** . رؤية إسلامية ، المؤسسة الجامعية للدراسات والنشر و التوزيع ، الطبعة الأولى ،بيروت ،لبنان .2006.

116-ويل ديورانت: **قصة الحضارة** ، ترجمة زكي نجيب محمود ومحمد بدران ، الجزء الثالث من المجلد الأول ، دار الجيل بيروت ، 1998 .

117- وهبة الزحيلي .**الفقه الإسلامي و أدلته** ،الجزائر، دار الفكر ،ط1992،1،ج7.

118-يونس حمادي علي : **مبادئ علم الديمغرافية (علم السكان)**، دار وائل للنشر و التوزيع، عمان، الأردن، الطبعة الأولى ، 2010.

119-يامبيترو جوبو : **إجراء البحث الاثنوجرافي** ، ترجمة محمد رشدي ، مراجعة احمد زايد ، المركز القومي للترجمة ، المركز القومي للترجمة ، القاهرة ، الطبعة الأولى 2014 .

**الرسائل و الأطروحات الجامعية :**

120- أحمد تحفة حندوسة : **الزواج و الطلاق في مصر القديمة** ، رسالة دكتوراه ، المجلس الأعلى للآثار ، وزارة الثقافة ، مصر ، 1973

121-رشيد زوزو: **الهجرة الريفية في ظل التحولات الاجتماعية الجديدة في الجزائر 1988-2008**، دكتوراه دولة علم اجتماع التنمية ، أطروحة غير منشورة ، جامعة منتوري ، قسنطينة ، 2008.

122-صباح عياشي : **الاستقرار الأسري و علاقته بمقاييس التكافؤ و التكامل بين الزوجين في ظل مختلف التغيرات التي عرفها المجتمع الجزائري** ، أطروحة دكتوراه دولة في علم الاجتماع الثقافي ، إشراف عبد الغني مغربي ، جامعة الجزائر ، 2008.

123-عبد الحميد دليمي : **أزمة الإسكان في الجزائر** ،أطروحة دكتوراه دولة ،علم اجتماع التنمية، جامعة قسنطينة ، 2001 .

124-فاصولي زينب :**عوامل الاستقرار الزوجي (دراسة لعينة من النساء في الولايات الجزائر ،بومرداس،تيزي وزو)**،إشراف جويدة عميرة ،أطروحة دكتوراه في علم الاجتماع العائلة و السكان ، قسم علم الاجتماع و الديمغرافيا ، جامعة الجزائر ،2013.

125-فروق يعلى : **التحضر و الاندماج الاجتماعي للأسر النازحة –الدراسة الميدانية بمدينة سطيف** ، أطروحة دكتوراه علوم تخصص علم الاجتماع الحضري، الإشراف محمد بومخلوف ، جامعة الجزائر 2، 2013 .

126- لخضر بن ساهل : **الابعاد النفسية و الاجتماعية لتفكك الاسرة الجزائرية** ، اطروحة دكتوراه علوم تخصص علم اجتماع التنمية ، الاشراف بلقاسم سلاطنية ، جامعة محمد خيضر ، بسكرة ، 2012.

127-مسعودة كسال : **نظام الزواج و علاقته بالطلاق في المجتمع الجزائري – دراسة ميدانية على عينة من المطلقين و المطلقات –** أطروحة دكتوراه في علم الاجتماع العائلي ، إشراف محمد بومخلوف ، جامعة الجزائر 2، 2013 .

128-هاشمي الطيب:**التوجه الجديد لسياسة التنمية في الجزائر** ،أطروحة مقدمة للحصول على شهادة الدكتوراه في العلوم الاقتصادية (غير منشورة ) إشراف عيب بغداد، جامعة أبو بكر بلقايد ، تلمسان ، الجزائر ، 2014.

**-المجلات :**

129-أيمن الشبول :**المتغيرات الاجتماعية و الثقافية لظاهرة الطلاق (دراسة انثروبولوجية في بلدة الطرة )** ، مجلة جامعة دمشق ،المجلد 26،العدد الثالث و الرابع ،2010 .

130-إحسان محمد الحسن : **نقد ماكس فيبر عن الدين الإسلامي** ، مجلة الرسالة الإسلامية العراقية، العدد 180، بغداد ، العراق، 1985

131-بلحاج العربي:**طرق الطلاق في قانون الأسرة الجزائري** ، المجلة الجزائرية للعلوم القانونية و الاقتصادية و السياسية ، رقم 3 سبتمبر 1990، جامعة الجزائر.

132-بوبيدي لامية :**الطلاق "دراسة سوسيولوجية للعوامل و الآثار** " مجلة البحوث و الدراسات ،العدد 5،جويلية 2007، المركز الجامعي بالوادي الجزائر.

133-جلال عبد الله معوض : **التحضر و الهجرة العمالية في الأقطار العربية الخليجية** ، مجلة دراسات الخليج و الجزيرة العربية ، العدد الحادي و الخمسون ، السنة الثالثة ، يوليو 1987 .

134- حميد بن سالم : **الثقافة الإسلامية و مكانة اللغة العربية في الجزائر قبل الاستقلال** ، مجلة اللسان العربي ، المكتب الدائم للتنسيق و التعريب التابع لجامعة الدول العربية ، الرباط ، المغرب 1964، العدد الأول

135-درويش و آخرون :**أثر بعض المتغيرات الاجتماعية في مكانة المرأة المطلقة –دراسة استطلاعية على عينة من المطلقات في مدينة عمان** – مجلة دراسات العلوم الإنسانية، السلسلة أ،الجامعة الأردنية ،عمان ، 2005.

136-سلمى روينة : **الإرشاد النفسي للنساء المطلقات** ، مجلة آفاق علمية ، العدد 5، يناير 2012.

137-طارق بركات : **تطوير البيئة الريفية و أثرها في حل مشكلة الإسكان** ، مجلة جامعة تشرين للبحوث و الدراسات العلمية ، سلسلة العلوم الهندسية المجلد 36، العدد5. 2014.

138-فريد بكيس:**ظاهرة الطلاق و أثرها على المرأة-تحليل نفسي اجتماعي** –مجلة معارف كلية العلوم الاجتماعية و الإنسانية ،العدد 14، السنة الثامنة،أكتوبر 2013.

139-فهد ثاقب الثاقب : **أسباب الطلاق في المجتمع الكويتي** ، مجلة العلوم الإجتماعية ، المجلد 24، العدد3، 1996.

140-فهد ثاقب الثاقب : **اتجاهات المطلقة نحو المطلق و الابناء في المجتمع الكويتي**، المجلة العربية للعلوم الانسانية ،الكويت ، 1999.

141-فهمي سليم غزوي :**الأسباب الاجتماعية و الاقتصادية للطلاق في شمال الأردن –دراسة ميدانية في محافظة اربد**- دراسات العلوم الإنسانية و الاجتماعية ، الجامعة الأردنية ،المجلد 34،العدد 1، 2007.

142-محمد عيسى برهوم : **مكانة المرأة الاجتماعية و الطلاق في الأردن** ، مجلة العلوم الإجتماعية ، العدد الأول ،السنة الخامسة، أبرل، 1977.

143- مارتين رافايون :**الفقر الحضري –هل ينجذب الفقراء إلى المراكز والمدن؟ نعم و لكن ربما ليس بالسرعة الكافية**-مجلة التمويل و التنمية ، مسيرة المدن ، المجلد 45،العدد 3،سبتمبر 2007، واشنطن .

144- موزة بنت ناصر الكعبي:**استخدام المدخل الواقعي في خدمة الفرد للتخفيف من حدة المشكلات الاجتماعية لدى المرأة المطلقة** ،مجلة دراسات في الخدمة الاجتماعية و العلوم الانسانية ،العدد 34، مصر،2008.

145-نوال بورحلة : **مكانة المرأة في الحضارات** ، مجلة العلوم الإنسانية والاجتماعية ، العدد13 31 ديسمبر 2017 .

146- نبيل حميدشة : **المقابلة في البحث الاجتماعي** ، مجلة العلوم النسانية و الاجتماعية ، العدد الثامن ، الجزائر ، جوان 2012

147- هاني جرجيس عياد و أيمن أحمد فرج : **التكيف الاجتماعي للمرأة المطلقة في المجتمع المصري –دراسة في محافظة الغربية**- مجلة الخدمة الاجتماعية ، الجمعية المصرية للأخصائيين الاجتماعيين ، العدد 54، يونيو 2015، مصر .

**-الجرائد :**

148- الخبر اليومي :**الحركة النسوية في الجزائر** ، تستعيد بريقها ،السنة العشرون ، العدد 5920، 27 فيفري 2010 .

149- الشروق الجزائرية اليومية ، الأربعاء10فيفري 2010، العدد 2846.

150-حمزواي خضرة : **المرأة في المخيال الافلطوني** ، الملتقى الوطني حول المرأة والفلاسفة، جامعة العقيد أكلي محند ولحاج .

151-بابكر رحمة الله أحمد علي : **مكانة المرأة وواقعها قبل الإسلام مقارنة بواقعها ومكانتها في الإسلام** ، أعمال المؤتمر الدولي للسيرة النبوية ، جامعة أفريقيا العالمية ، الكتاب السادس ، جانفي 2013 .

**المواقع الالكترونية :**

152-عميرة أيسر : المرأة المطلقة في الجزائر ،
http://www.almayadeen.net/articles/blog/843621

153-محمد خير الشعال : **دورة حل عقد الزواج** ، مسجد أنس بن مالك ، 2016 www.Dr Shaal.com

154-الطلاق عبر الأديان و المعتقدات التي سبقت ظهور الإسلام
http://mrx540.blogspot.com/2015/03/3-9.html

155-نشأت الزهري:الطلاق في مصر القديمة،
http://massai.ahram.org.eg/Archive/Inner.aspx?ContentID=89301

156 –ماهو برنامج الحزم الاحصائية SPSS ؟
http://abdelwahabgouda.ahlamontada.com/t11-topic
157–معالجة البيانات http://mics.unicef.org/files
158-كتاب مناهج الأنثروبولوجيا - المنتدى العربي للعلوم الاجتماعية والانسانية
http://socio.montadarabi.com/t346-topic
159–ديمغرافيا الجزائر 2016 http://www.ons.dz/IMG/pdf/Demog16ar.pdf
file:///C:/Users/HP%20840/Desktop/%D8%A7%D8%AD%D8%B5%D8%A7%D8%A6%D9%8A%D8%A7%D8%AA%20%D9%87%D8%A7%D9%85%D8%A9%20(1).pdf
160– ولاية سطيف،الحولية الإحصائية 2016 ، مديرية البرمجة و متابعة الميزانية ، مصلحة الإحصائيات ، 2016.
161–مجلس قضاء سطيف ، المديرية الفرعية للإحصائيات و التحاليل
162–الديوان الوطني للإحصائيات – التحقيق حول التشغيل و المداخيل 2003.
163–الديوان الوطني للإحصائيات ، التحقيق الوطني حول الجدول الزمني في الجزائر 2012
164–الديوان الوطني للاحصائيات ، تحقيق الشغل 2013.
165–التعدادات العامة للسكان و السكن لسنوات 1966، 1977، 1987، 1998.الجزائر
166–التقرير الوطني للسكان و التنمية ، سنة 1998، الجزائر .

**المراجع باللغة الاجنبية :**

167-Bertaut (D) : **L´Approche biographique** ,cahiers intrenationaux de sociologie . Revue publié avec le concours du CNRS paris,PUF ,1980.
168-Bulletin on Population and Vital **Statistics in the Arab Region** ;Sixteenth Issue ; UNITED NATIONS .New York ;2013.
169-COMMAIllE(J) **: le divorce en France en 1975 a la sociologie de divorce ,** paris ,.Docunontation française 1978 .
170–Dude .S .C : **Indiam Village** , Routledge & Kegan Paul , London , 1995 .
171-El Hadi Makboul **:Femme Rural Et Développement**,In Revue Du CENEAP, N°23 , Alger ,2001

172- Elshazly ,S: **Toward an ideal modelof rural** – Urban Differences by Using Human Development Indicators ,J. Econom .and Social Sci , Mansoura Univ , Vol , 3(8) 2012.

173- Simon de Beauvoir **:LE Deuxiéme Sexe .Les Faits et Les Mythes** ;Gallimard NRF .Paris ,France,1949

174-Gardner les enfants et le divorce Paris Edition ransey janage 1980

175-Madline Grawitz**:Méthode des sciences sociales**.Edition.Dalloz.Paris.10 Edition ,1996.

176-Mohammed (M)" Ville Algérienne ; Entre on pane de Projets et Urbanisme Défait: In: Naqd, N°16, 2002

177-MuriceBornens**:Statut personnel et famille au Maghreb de 1940 à nos jours** .Paris .la Haye edition.1977

178-Thibaut .T. and H. Kelley: **The social psychology of grourps** . Newyork 1959

179-Zimme man ,Tonsella ,ChristinaDonine : **Life Event social Problems and Physical Health status as prediction of Emotional Pistress in Men Woman in Commuting setting** ,Verson, Traly,vol ,21 ,(2) 1991

180- MADR- CNDR: La politique de Renouveau Rural–Impriemerie officielle , Alger ,Aout 2006

# الملاحـــق

وزارة التعليم العالي و البحث العلمي

جامعة محمد لمين دباغين سطيف -2-

كلية العلوم الإنسانية و الاجتماعية

قسم علم الاجتماع

# الاستمارة

## موضوع البحث : النساء المطلقات حديثات الزواج بين الوسط الريفي و الحضري -دراسة مقارنة-

في إطار انجاز أطروحة الدكتوراه في علم الاجتماع تخصص ديمغرافيا حضرية ،و نرجو منكن المساعدة في إثراء هذا العمل و نحيطكم علما أن البيانات المتحصل عليها من قبلكن لا تستخدم إلا لغرض علمي و نحافظ عل السرية التامة لذا نرجو منكن اخذ هذه الاستمارة على محمل الجد و الإجابة على الأسئلة بكل صدق و موضوعية .

تقبلوا مني كل الاحترام و شكرا

## المحور الأول : البيانات الشخصية

1- **السن الحالي** : : اقل من 19 ☐ 20 -24 ☐ 25-29 ☐ 30-34 ☐

35-39 ☐ 40 -45 ☐ 45 فأكثر ☐

2- **الأصل الجغرافي** : حضري ☐ ريفي ☐

3- **المستوى التعليمي** : دون مستوى ☐ ابتدائي ☐ متوسط ☐ ثانوي ☐ جامعي ☐

4- **السن عند الزواج** : اقل من 19 ☐ 20 -24 ☐ 25-29 ☐ 30-34 ☐

35-39 ☐ 40 -45 ☐ 45 فأكثر ☐

5- **السن عند الطلاق** : اقل من 19 ☐ 20 -24 ☐ 25-29 ☐ 30-34 ☐

35-39 ☐ 40 -45 ☐ 45 فأكثر ☐

6- **مدة الزواج** : ..... 7- **مدة الطلاق** : .....

8- **ما نوع الطلاق** : من طرف الزوج ☐ بالتراضي بين الزوجين ☐

بطلب من الزوجة ☐ من طرف المحكمة ☐ خلع ☐

9 - **عدد الأبناء:**

10- **عدد الإخوة** :

11-**هل الوالدين** ؟ الأب متوفى ☐ الأم متوفاة ☐ كلاهما ☐ منفصلان ☐

12- **ما هي طبيعة الأسرة** : نووية ☐ ممتدة ☐

## المحور الثاني : الوضعية النفسية للمرأة المطلقة حديثة الزواج

13- **بماذا تصفين شخصيتك** : قوية ☐ ضعيفة ☐ عادية ☐

14- **هل تشعرين أنك تجاوزت أزمة الطلاق** :

-ليس بعد ☐ -تجاوزتها ☐

-أتذكر بحزن بعض الأحداث ☐ -أظن أنها مسألة وقت ☐ -أخرى حددي .....

**15- من النقاط التالية ما هي التي تعبر عن شعورك اتجاه وضعك (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

التحسر عدم الاستيعاب( الحيرة)

الندم الرضا

الحزن السعادة

القهر الانتصار

أخرى حددي .....

**16- في رأيك هل الطلاق بالنسبة لأبنائك أحسن لهم(إذا كان لديك أبناء):** نعم ☐ لا ☐

**17-مما تخافين على أبناءك كونك امرأة مطلقة- إذا كان لديك أبناء-(يمكن اختيار أكثر من إجابة)**

الخوف من معاملة اهلك لهم ☐ الخوف من شعورهم بالنقص ☐

الخوف من زوجة أبيهم ☐ الخوف من إلقاء الأبناء باللوم عليك في المستقبل ☐

الخوف من زوج الأم ☐ الخوف من انحرافهم ☐

الخوف من مسؤولية تنشئتهم ☐ الخوف على مستقبلهم ☐

الخوف من غياب احد الوالدين ☐ أخري حددي .....

**18- هل تشعرين بالشفقة على أبناءك :** نعم ☐ لا ☐

**19- ما طبيعة الضغوطات التي تتعرضين لها أكثر ؟ (رتبيها من الأكثر إلى الأقل )**

ضغوطات نفسية ☐ ضغوطات اجتماعية ☐ ضغوطات مادية ☐

**20- من بين النقاط التالية ما هي التي شكلت لك ضغطا :**

-ظروف المحاكمة و الإجراءات القانونية للطلاق -إعادة زوجك السابق للزواج ☐

-مضايقات من الزوج السابق و أهله - تجنب المحطين لك بعد الطلاق ☐

-اللمزات من المحيطين ☐ ☐ -أخرى حددي .....

**21- عندما تشعرين بالضغوطات النفسية ما هي الوسيلة للتخفيف منها (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

الاستعانة بالأصدقاء ☐ تمارسين هواياتك المفضلة ☐

اللجوء إلى الأقربين من الأهل ☐ تضاعفين العمل و الجهد ☐

اللجوء إلى مواقع التواصل الاجتماعي ☐ الأكل و النوم ☐

متابعة الحصص التلفزيونية ☐ الاستعانة بالصبر و الصلاة ☐

المطالعة ☐ أخرى حددي .....

**22- هل تنتابك هذه المخاوف ( يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ) :**

الخوف من تكرار تجربة الزواج ☐ الخوف من الوحدة ☐

الخوف من تكرار الفشل في الزواج ☐ الخوف من تخلي الأهل عن مساندتك ☐

الخوف من عدم ارتباطك مرة أخرى ☐ الخوف على المستقبل ☐

أخرى حددي .....

**23- بعد طلاقك تشعرين بأنك أصبحت (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة )؟**

أكثر قلقا ☐ حساسة ☐

سريعة الغضب ☐ أكثر رزانة ☐

سريعة البكاء ☐ أكثر حكمة ☐

تضخيم الأمور ☐ تقزيم (تفاهة) الأمور ☐

أخرى حددي .....

**24- هل تشعرين بعد طلاقك أن ذاتك ملغاة :** نعم ☐ لا ☐

25- **هل ترين أن مشكلة الطلاق كانت سببا في كونك (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

إحساسك بالفشل ☐ امرأة ناجحة ☐

مزعزعة المشاعر معبرة عن ذاتك ☐

امرأة محطمة محققة لأحلامك ☐

خاضعة للغير مدافعة عن حقوقك ☐

أما عاجزة أما مثالية ☐

أخرى حددي .....

26- **هل شعرت بعد الطلاق بالمهانة و الذل :** نعم ☐ لا ☐

**26. 1- إذا كانت الإجابة بنعم ما هو سبب هذا الشعور :**

عدم تقبل الأهل للطلاق ☐ السبب الذي أدى إلى طلاقك ☐

وضعية أبناءك ☐ نظرة المحطين لك ☐

أخرى حددي .....

27- **بعد الطلاق هل أصبت بـ (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

أمراض جسدية ☐ أمراض نفسية ☐ أمراض عقلية ☐

28- في **حالة إصابتك بأمراض نفسية أو عصبية بعد الطلاق هل حاولت المعالجة :** نعم ☐ لا ☐

29- **هل تلجئين إلى (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

الرقية الشرعية ☐ الروحانيات ☐ طبيب نفسي ☐ طبيب مختص ☐

أخرى حددي .....

## المحور الثالث : الوضعية الاجتماعية للمرأة المطلقة حديثة الزواج

30- **ما هو سبب الطلاق (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ) :**

سوء معاملة الزوج ☐ كثرة الخلافات مع أهل الزوج أو الزوجة ☐

إدمان الزوج ☐ الغيرة ☐

الخيانة الزوجية ☐ قلة الخبرة و الدراية لتسيير الزواج ☐

عدم الإنجاب (العقم) ☐ عملك خارج البيت ☐

المشكلات الجنسية ☐ التفاوت في المستوى الثقافي ☐

الوضعية الاقتصادية للزوج ☐ أخرى حددي .....

31- **هل تقبلت حدث طلاقك :** نعم ☐ لا ☐

**31. 1- إذا كانت الإجابة بلا هل يرجع ذلك إلى (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

سبب الطلاق ☐ نوع الطلاق ☐ عجزك عن منع الطلاق ☐

أخرى حددي .....

32- **بعد الطلاق هل تنظرين للزواج على انه ؟ (يمكنك الإجابة أكثر من إجابة)**

كبت للحرية ☐ استكمال مراحل الحياة ☐

معاناة للمرأة ☐ مشاركة في مسؤولية ☐

مسؤولية شاقة ☐ راحة نفسية ☐

تحطيم لكيان للمرأة ☐ تعزيز لمكانة المرأة ☐

أخرى حددي .....

33 - **ما هي ردة فعل اهلك بعد الطلاق :**

التقبل ☐ الترحيب ☐ الرفض ☐ عدم التعليق ☐ أخرى حددي .....

34- **ما هي طريقة معاملتك بعد الطلاق من طرف المحيطين :**

عدم التغير ☐ الاحتقار ☐ التعاطف ☐ التدليل ☐ الشك ☐ الحذر ☐

أخرى حددي .....

35- **علاقتك بعد الطلاق مع المحيطين :** متشعبة ☐ محدودة جدا ☐ على حسب الظروف ☐

أخرى حددي .....

36- **علاقتك بالمحيطين في الغالب :** جيدة ☐ عادية ☐ متوترة ☐ حذرة ☐

أخرى حددي .....

37-**هل أنت في الأساس من النوع :** الاجتماعي ☐ الكتوم ☐ الانطوائي ☐

أخرى حددي .....

38- **هل تؤثر عائلتك على علاقاتك الخارجية :** نعم ☐ لا ☐

**38. 1- إذا كانت الإجابة بنعم فما هي طريقة التأثير (يمكن الإجابة بأكثر من خانة ):**

تحديد الأشخاص الذين تكونين معهم علاقة ☐ تحديد ساعات لقاءك بهم ☐

تحديد المواضيع التي تتحدثين فيها معهم ☐ تحديد مكان لقاءك بهم ☐

أخرى حددي .....

39- **كيف تصفين علاقتك بأسرتك :** جيدة ☐ عادية ☐ سيئة ☐ متوترة ☐

أخرى حددي .....

40- **من هم الأشخاص أكثر قربا إليك :**

والديك ☐ الإخوة ☐ الأخوات ☐ زوجات الأخ ☐ صديقات ☐ الأقارب ☐

أخرى حددي .....

41- **هل تعرضت لخيبة أمل بعد طلاقك من قبل(يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

الأسرة ☐ الأهل ☐ الأصدقاء ☐ الجيران ☐ أخرى حددي .....

41. 1- **ما هي الخيبة هذه(يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ) :**

تكلموا عن طلاقك بالسوء ☐ انسحبوا من حياتك ☐

لم يدعموك عندما احتجت لهم ☐ الإساءة لأبنائك ☐

أخرى حددي .....

42- **هل وجدت صعوبات في ربط علاقات جديدة بعد الطلاق :** نعم ☐ لا ☐

43- **هل هناك عروض زواج جديدة :** نعم ☐ لا ☐

44- **ما هي نظرتك لزواج جديد :** الرغبة الملحة ☐ الرفض التام ☐ عدم الاعتراض ☐

التريث في الحكم على الأمر ☐ أخرى حددي .....

45- **هل ترين الزواج الثاني من أجل(يمكن اختار أكثر من إجابة ):**

من أجل تكوين أسرة و إنجاب أبناء ☐ ضرورة دينية ☐

هروب من المشاكل التي تعشينها ☐ ضرورة عاطفية ☐

تحقيق مكانة اجتماعية ☐ ضرورة اقتصادية ☐

أخرى حددي .....

46-**في حالة وجود أبناء من زواجك الأول و رغبتك في إعادة الزواج أين يبقى أبناءك :**

معك و مع زوجك الجديد ☐ تتركيهم عند اهلك ☐ تتخلين عن حضانتهم لأبيهم ☐

أخرى حددي .....

47- **في حالة تخليك عن حضانتهم لأهلك هل يشعرك ذلك بالراحة:** نعم ☐ لا ☐

48- **في حالة تخليك عن حضانتهم لوالدهم هل يشعرك ذلك بالراحة:** نعم ☐ لا ☐

☐

49- **طريقة تعامل أسرتك معك :** يسودها الاحترام التدليل ☐ فرض السيطرة

الإهمال العنف ☐ أخرى حددي .....

50- **هل تشعرين بدعم أسرتك :** نعم ☐ لا

50. 1- **هل هذا الدعم هو :** مادي☐ معنوي ☐ معا ☐

51- **هل تتمتعين بنوع من الحرية مع أفراد أسرتك :** نعم ☐ لا

52- **هل تعتبر أسرتك رأيك :** رأيا محوريا ☐ رأيا هامشيا ☐ على نفس القدر من الأهل ☐

أخرى حددي.....

53- **هل شعرت بتهميش أقاربك لك بعد الطلاق :** نعم لا

54- **ما هو دورك في المنزل(يمكنك اختيار أكثر من إجابة):**

إعداد الطعام التسوق و توفير حاجيات البيت

التنظيف تدبير شؤون المنزل ☐

رعاية الأطفال تقع عليك كل أعباء العمل ☐

أخرى حددي .....

55- **هل تشعرين أنه يتم استغلالك بإسناد الأعمال الشاقة لك :** نعم ☐ لا ☐

55. 1- إذا كانت الإجابة بنعم هل يعود ذلك كونك مطلقة : نعم ☐ لا ☐

56- **إذا كنت طرفا في مشكلة أسرية هل أنت :**

المظلومة دائما ☐ تقتصين ممن ظلمك ☐ تفضلين السكوت ☐

لديك دائما من يدافع عنك ☐ أخرى حددي .....

## المحور الرابع : الوضعية الاقتصادية للمرأة المطلقة حديثة الزواج

57- **من هو المسؤول المادي في الأسرة :** أنت ☐ الأب ☐ الأم ☐ الأخ ☐

أخرى حددي.....

58- **كيف هو المستوى الاقتصادي لأسرتك:** جيد ☐ متوسط ☐ ضعيف

59- **هل مساهمتك المادية في الأسرة تكون :** إجباريا ☐ اختياريا ☐

لأجل أن لا تكوني عالة ☐ لتقبل اهلك لوضعك ☐

أخرى حددي .....

60- **طبيعة السكن :** فيلا ☐ شقة ☐ بيت قصديري ☐ بيت بسيط ☐

61- **هل لديك وظيفة :** ثابتة ☐ مؤقتة ☐ ليس لك أي وظيفة

62- **إذا كانت لديك وظيفة ثابتة أو مؤقتة هل كانت :** قبل الطلاق بعد الطلاق ☐

63- **إذا كانت قبل الطلاق و استمررت فيها هل سبب لك (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

مضايقة من قبل الأهل حول استمرارك بالعمل ☐ مضايقة من قبل زوجك السابق

أصبحت تخجلين من الخروج للعمل مشكلات في محيط العمل ☐

سمعت كلاما سلبيا حول عملك من المقربين ☐ أخرى حددي .....

64- **إذا كنت موظفة هل هذا بسبب (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

وضعية اهلك الاقتصادية الضعيفة لان العمل يكسبك مكانة مميزة ☐

لا تردين أن تكوني عالة على أحد للترفيه عن نفسك ☐

لا تردين أن يكون أبناؤك عالة على اهلك أخرى حددي .....

65- **إذا كنت موظفة هل يحقق لك الراتب الكفاية المادية :** نعم ☐ لا

66- **إذا لم تكوني موظفة هل لديك عمل منزلي مربح :** نعم ☐ لا ☐

55.1- إذا كانت الإجابة بنعم فما هو هذا العمل ؟.....

67- **هل تحصلت على دعم مادي من اجل مشروع العمل المنزلي المربح :** نعم ☐ لا ☐

**67. 1-إذا كانت الإجابة بنعم فيما تمثل هذا الدعم :**

1-مساعدة مالية من الأهل ☐ 4- بيع المصاغ ☐

2- تحصلت على قرض ☐ 5-مدخرات ☐

3- مساعدة من بعض الجمعيات ☐ 6- أخرى حددي .....

68- **ما هي الصعوبات التي تواجه المطلقة التي تعمل بالمنزل(يمكن الإجابة بأكثر من خانة ) :**

عدم القدرة على التوزيع ☐ التعب و الإرهاق ☐

احتياجات للخروج و هذا صعب ☐ الإصابة بالأمراض ☐

قلة المردود المالي المحقق ☐ تخوف الناس من التعامل معك ☐

أخرى حددي .....

69- **هل لديك مداخيل مادية أخرى :** نعم ☐ لا ☐

**69. 1-إذا كانت الإجابة بنعم فيما تتمثل (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ):**

نفقة من قبل الزوج السابق ☐ مساعدات من قبل المحيطين ☐

المنح التي البلدية (النشاط الاجتماعي) ☐ الجمعيات الخيرية ☐

الجمعيات النسائية ☐ أخرى حددي .....

69. 2- **هل هي كافية :** نعم ☐ لا ☐

70- **هل تم اقتراح عروض حول مشروع ربحي من قبل المحيطين :** نعم ☐ لا ☐

71- **هل كان اقتراح المشاريع عليك من اجل( يمكنك اختيار أكثر من إجابة) :**

تجاوز أزمة الطلاق ☐ تحسين ظروفك المادية ☐

لتحسيسك بأنك فعالة في الأسرة و المجتمع ☐ للترفيه عن نفسك ☐

أخرى حددي .....

72- **هل لديك مؤهلات :** علمية ☐ تكوين مهني ☐ مواهب ☐ أخرى حددي.....

73- **هل لديك مسكن خاص :** نعم ☐ لا ☐

74- **هل استفدت من أي صيغ سكنية من النوع :**

1- سكن تساهمي ☐ 2- سكن البيع بالإيجار☐ 3-سكن ريفي☐

4-سكن العمومي بالإيجار☐ 5-سكن عدل ☐ 6-أخرى حددي .....

75- **هل تسكنين في الوقت الحاضر مع اهلك :** نعم ☐ لا ☐

76- **هل لديك أي نوع من هذه الممتلكات ( مكنك اختيار أكثر من جواب):**

قطعة ارض للبناء ☐ مؤسسة استثمارية ☐

قطعة ارض زراعية ☐ مصاغ ☐

مستثمرة فلاحية ☐ مدخرات مالية ☐

مواشي ☐ أخرى حددي .....

77- **هل لديك (يمكن الإجابة بأكثر من إجابة ) :** سيارة ☐ أجهزة الكترونية ☐ أثاث☐

أخرى حددي.....

## ملحق الجداول:

**جدول رقم 01:يبين الوضعية السكانية حسب الوضعية الزواجية التعداد العام للسكان سنة 1966.**

| فئات السن و الجنس | الوضعية الزواجية | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | عازب | متزوج | أرمل | مطلق | منفصل | غير مصرح | مجموع |
| ذكور المجموع | 3.813.092 | 2.161.772 | 62.047 | 22.192 | 9.792 | 4.312 | 6.073.207 |
| أقل من 15 سنة | 3.045.999 | 845 | 31 | 9 | 7 | 11 | 3.046.902 |
| 19.16 سنة | 398.726 | 25.191 | 176 | 336 | 219 | 136 | 424.784 |
| 64.20 سنة | 360.186 | 1.916.184 | 30.958 | 19.782 | 8.400 | 2.669 | 2.338.179 |
| 65 فما فوق | 3.709 | 215.191 | 30.727 | 2.000 | 1.129 | 294 | 253.050 |
| غير مصرح | 4.472 | 4.361 | 155 | 65 | 37 | 1.202 | 10.292 |
| إناث المجموع | 3.165.494 | 2.197.140 | 564.709 | 63.575 | 29.517 | 2.705 | 6.023.140 |
| أقل من 15 سنة | 2.879.444 | 17.571 | 179 | 539 | 349 | 28 | 2.898.110 |
| 19.16 سنة | 191.532 | 225.441 | 2.105 | 6.781 | 4.046 | 115 | 430.020 |
| 64.20 سنة | 87.604 | 1.889.494 | 352.359 | 52.433 | 23.349 | 1.608 | 2.406.847 |
| 65 فما فوق | 4.040 | 58.886 | 208.654 | 3.667 | 1.687 | 429 | 277.363 |
| غير مصرح | 2874 | 5.748 | 1.412 | 155 | 86 | 525 | 10.800 |

**Source** : directions des statistiques, annuaire statique de l'Algerie,1970,p19

**جدول رقم 02 :يوضح توزيع السكان حسب الحالة الزواجية و الجنس لتعداد 1977.**

| فئات السن | عازب(ة) | | متزوج(ة) | | أرمل(ة) | | منفصل(ة) | | مطلقَ(ة) | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| 14.10 | . | 99.8 | . | 0.2 | . | . | . | . | . | . |
| 19.15 | 97.5 | 76.41 | 2.5 | 22.5 | . | 0.2 | | 0.3 | . | 0.6 |
| 24.20 | 71.0 | 31.0 | 28.3 | 64.9 | 0.2 | 0.7 | 0.1 | 0.9 | 0.4 | 2.5 |
| 29.25 | 29.7 | 10.9 | 68.7 | 83.3 | 0.3 | 1.7 | 0.4 | 0.8 | 0.9 | 3.3 |
| 34.30 | 8.5 | 3.6 | 89.9 | 89.9 | 0.5 | 3.1 | 0.3 | 0.8 | 0.9 | 2.3 |
| 39.35 | 3.7 | 1.8 | 94.7 | 88.8 | 0.7 | 6.4 | 0.2 | 0.6 | 0.8 | 2.4 |
| 44.40 | 2.5 | 1.3 | 95.8 | 84.1 | 0.9 | 12.0 | 0.2 | 0.7 | 0.6 | 2.0 |
| 49.45 | 1.9 | 1.0 | 96.1 | 77.2 | 1.2 | 19.3 | 0.2 | 0.8 | 0.6 | 1.8 |
| 54.50 | 1.4 | 0.8 | 96.2 | 69.5 | 1.6 | 27.1 | 0.2 | 0.8 | 0.6 | 1.7 |
| 59.55 | 1.5 | 1.0 | 95.0 | 58.4 | 2.7 | 38.0 | 0.2 | 0.9 | 0.7 | 1.7 |
| 64.60 | 1.2 | 0.7 | 94.1 | 49.2 | 3.8 | 47.4 | 0.3 | 1.0 | 0.7 | 1.7 |
| 69.65 | 1.2 | 0.7 | 91.3 | 37.8 | 6.2 | 59.1 | 0.3 | 0.7 | 0.8 | 1.6 |
| 74.70 | 1.1 | 0.9 | 88.9 | 26.6 | 8.8 | 70.1 | 0.5 | 0.8 | 0.7 | 1.6 |
| 70+ | 1.2 | 0.9 | 86.3 | 13.8 | 16.9 | 83.4 | 0.5 | 0.6 | 1.1 | 1.3 |

**Source**:derection des statistiques et de la comptabilité nationales**, annuaire statistiques de l'Algerie** 1979,pp 30-31

**جدول رقم 03: يوضح بنية المجتمع من 10 سنوات فما فوق حسب الجنس و الوضعية الزواجية و الوسط (الإقامة) التعداد العام للسكان سنة 1987.**

| الوسط و الجنس الوضعية الزواجية | ريفي | | | حضري | | | المجموع | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | المجموع | ذكور | إناث | المجموع | ذكور | إناث | المجموع |
| عازب | 55.2 | 43.6 | 49.4 | 57.2 | 46.1 | 51.7 | 52.8 | 40.8 | 46.9 |
| متزوج | 43.7 | 46.4 | 45.1 | 41.7 | 43.5 | 42.6 | 46.0 | 49.8 | 47.9 |
| مطلق | 0.3 | 1.6 | 0.9 | 0.3 | 1.9 | 1.1 | 0.3 | 1.2 | 0.7 |
| أرمل | 0.7 | 7.9 | 4.2 | 0.6 | 8.0 | 4.3 | 0.7 | 7.7 | 4.2 |
| منفصل | 0.1 | 0.4 | 0.2 | 0.1 | 0.4 | 0.2 | 0.1 | 0.4 | 0.2 |
| غير مصرح | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 |
| المجموع | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 |

**Source** :Brahimi MR et Ouadah Z, La nuptialité algérienne a travers l'état matrimonial, IN collection statistiques, N° 50,1987,p6.

**جدول رقم 04: يوضح الوضعية الزواجية حسب السن التعداد السكاني 1998**

| السن/الوضعية | عزاب | متزوجون | مطلقون | أرامل | بدون تصريح | المجموع |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 19.15 | 3.453.507 | 44.177 | 1.180 | 355 | 73 | 3.499.292 |
| 24.20 | 2.534.752 | 367.742 | 10.134 | 2.129 | 84 | 2.914.837 |
| 29.25 | 1.534.752 | 924.008 | 28.634 | 8.052 | 167 | 2.502.613 |
| 34.30 | 634.186 | 1.409.446 | 41.102 | 15.854 | 203 | 2.100.791 |
| 39.35 | 199.572 | 1.406.298 | 37.640 | 23.699 | 161 | 1.667.370 |
| 44.40 | 68.152 | 1.246.921 | 27.742 | 33.311 | 142 | 1.378.268 |
| 49.45 | 29.853 | 1.013.025 | 21.958 | 43.888 | 145 | 1.108.869 |
| 54.50 | 12.433 | 638.882 | 14.418 | 51.799 | 127 | 762.659 |
| 59.55 | 7.851 | 601.656 | 11.431 | 77.380 | 182 | 698.500 |
| 64.60 | 6.568 | 499.436 | 11.431 | 106.816 | 215 | 622.160 |
| 69.65 | 5.217 | 376.212 | 9.125 | 122.519 | 264 | 510.618 |
| 74.70 | 3.394 | 220.251 | 6.406 | 104.551 | 230 | 332.163 |
| 80.75 | 2.391 | 127.870 | 3.737 | 85.096 | 214 | 217.975 |
| 80 فأكثر | 7.542 | 113.920 | 2.404 | 113.460 | 216 | 237.821 |
| غير مصرح | 8.8.06 | 10.331 | 2.483 | 3.413 | 1.274 | 24.277 |
| المجموع | 8.515.972 | 9.045.175 | 220.847 | 792.322 | 3.897 | 18.578.213 |

Source : O.N.S, Annuaire statistiques de l'Algerie, N° 23,R.P.H, 1998, p35

**جدول رقم 05: يوضح بنية السكان من 15 سنة فما فوق حسب الوضعية الزواجية السن و الجنس لتعداد 2008**

| فئات السن | الذكور | | | | | الإناث | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | عازب | متزوج | مطلق | أرمل | غير مصرح | عازبة | متزوجة | مطلقة | أرملة | غير مصرح |
| 19.15 | 99.9 | 0.1 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 97.3 | 2.7 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 24.20 | 98.1 | 1.9 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 77.7 | 21.8 | 0.4 | 0.1 | 0.0 |
| 29.25 | 82.4 | 17.4 | 0.2 | 0.0 | 0.0 | 51.6 | 46.9 | 1.2 | 0.3 | 0.0 |
| 34.30 | 50.5 | 49.5 | 0.5 | 0.1 | 0.0 | 34.7 | 62.4 | 2.1 | 0.8 | 0.0 |
| 39.35 | 24.3 | 74.8 | 0.7 | 0.2 | 0.0 | 23.3 | 71.9 | 3.0 | 1.7 | 0.0 |
| 44.40 | 10.3 | 88.7 | 0.8 | 0.2 | 0.0 | 12.8 | 80.1 | 3.7 | 3.4 | 0.0 |
| 49.45 | 4.8 | 93.9 | 0.9 | 0.4 | 0.0 | 6.7 | 82.9 | 4.0 | 6.3 | 0.0 |
| 54.50 | 2.3 | 96.5 | 0.6 | 0.6 | 0.0 | 4.1 | 81.8 | 3.6 | 10.4 | 0.0 |
| 59.55 | 1.4 | 97.0 | 0.6 | 0.9 | 0.0 | 2.6 | 77.4 | 3.4 | 16.5 | 0.1 |
| 64.60 | 1.0 | 96.9 | 0.5 | 1.6 | 0.0 | 1.7 | 70.6 | 2.8 | 24.8 | 0.1 |
| 69.65 | 0.8 | 96.1 | 0.5 | 2.7 | 0.0 | 1.2 | 60.0 | 2.3 | 36.2 | 0.2 |
| 74.70 | 0.8 | 94.4 | 0.5 | 4.3 | 0.0 | 1.2 | 47.3 | 1.8 | 49.5 | 0.2 |
| 79.75 | 0.8 | 91.3 | 0.5 | 7.4 | 0.0 | 1.4 | 33.6 | 1.6 | 63.0 | 0.3 |
| 84.80 | 1.0 | 86.6 | 0.4 | 11.9 | 0.1 | 1.5 | 20.9 | 1.4 | 75.7 | 0.5 |
| +85 | 1.0 | 78.4 | 0.8 | 19.8 | 0.1 | 1.5 | 12.2 | 1.3 | 84.5 | 0.5 |
| المجموع | 51.1 | 47.9 | 0.4 | 0.6 | 0.0 | 41.6 | 49.4 | 1.9 | 7.0 | 0.1 |

**Source :** O.N.S, les principeaux résultat de sondage au 1/10 eme, R.G.P.H 2008 IN collection statistique N°142,2008

**جدول رقم 06: يوضح توزيع السكان حسب السن و الوضعية الزواجية 1970.1969**

| فئات السن | عزاب | | متزوج | | أرمل | | مطلق أو منفصل | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| 19.15 | 96.7 | 67.6 | 3.2 | 30.7 | - | 1.1 | 0.1 | 1.6 |
| 24.20 | 66.8 | 18.3 | 32.0 | 75.3 | - | 0.6 | 1.2 | 5.8 |
| 29.25 | 19.3 | 4.0 | 78.0 | 88.7 | 0.3 | 2.1 | 2.4 | 5.2 |
| 34.30 | 05.8 | 1.9 | 91.7 | 88.3 | 0.5 | 5.3 | 2.0 | 4.5 |
| 39.35 | 03.0 | 1.2 | 94.8 | 85.9 | 0.5 | 9.5 | 1.7 | 3.4 |
| 44.40 | 02.0 | 1.0 | 96.2 | 79.7 | 0.7 | 15.3 | 1.1 | 3.8 |
| 49.45 | 1.3 | 1.2 | 96.6 | 75.8 | 1.0 | 19.5 | 1.1 | 3.5 |
| 54.50 | 1.4 | 0.8 | 95.8 | 65.1 | 1.7 | 27.9 | 1.1 | 4.4 |
| 59.55 | 1.2 | 0.9 | 95.5 | 55.9 | 2.2 | 39.0 | 1.1 | 4.2 |
| 64.60 | 1.4 | 0.8 | 93.3 | 43.6 | 3.8 | 51.6 | 1.5 | 4.0 |
| +65 | 0.7 | 0.8 | 86.4 | 20.2 | 11.0 | 76.0 | 1.9 | 3.0 |
| المجموع | 33.7 | 16.5 | 63.6 | 63.8 | 1.5 | 15.9 | 1.2 | 3.8 |

Source : Direction des statistiques ,étude statistique nationale de la population ,résulatat de 4 avril 1974,110. °l'enquête démographique série 2 volume n

**جدول رقم 07: يبين الوضعية الزواجية للعينة المدروسة حسب السن و الجنس. الدراسة الوطنية حول الخصوبة 1986**

| السن | عازب | | متزوج | | أرمل | | مطلق أو منفصل | | معا | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| 19.15 | 99.0 | 91.0 | 1.0 | 8.5 | - | - | - | 0.4 | (2090) | 2014 |
| 24.20 | 88.3 | 51.4 | 11.1 | 47.0 | - | 0.1 | 0.5 | 1.5 | 1879 | 1737 |
| 29.25 | 46.1 | 20.6 | 52.7 | 75.3 | - | 0.6 | 1.2 | 3.5 | 1378 | 1357 |
| 34.30 | 13.2 | 08.5 | 85.2 | 86.5 | 0.2 | 1.4 | 1.4 | 3.6 | 1203 | 1107 |
| 39.35 | 3.2 | 05.6 | 95.1 | 88.1 | 0.6 | 3.7 | 1.1 | 2.6 | 817 | 810 |
| 44.40 | 2.3 | 01.5 | 97.2 | 89.9 | 0.2 | 4.9 | 0.3 | 3.7 | 799 | 593 |
| 49.45 | 1.5 | 0.8 | 97.3 | 85.0 | 0.5 | 10.2 | 0.7 | 3.9 | 553 | 608 |
| 54.50 | 1.6 | 0.3 | 97.0 | 76.5 | 0.7 | 20.4 | 0.7 | 2.8 | 556 | 612 |
| 59.55 | 1.0 | 0.9 | 96.9 | 67.6 | 1.4 | 29.4 | 0.7 | 2.2 | 422 | 463 |
| 64.60 | 1.7 | 1.9 | 94.6 | 54.5 | 3.7 | 39.7 | 1.3 | 4.0 | 353 | 378 |
| +65 | 1.0 | 0.9 | 89.0 | 34.0 | 8.7 | 61.7 | 0.7 | 3.5 | 803 | 801 |
| المجموع | 1.43 | 30.3 | 55.2 | 57.2 | 1.0 | 10.0 | 0.7 | 2.5 | 10660 | 10480 |

**Source :** Centre nationale d'étude et d'analyses pour la planification, opcit, p91.

**جدول رقم 08: يبين توزيع السكان حسب الحالة الزواجية و العمر. المسح الجزائري حول صحة الأم و الطفل 1992**

| الحالة الزوجية / العمر | عازب | | متزوج | | مطلق | | أرمل | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| 19.15 | 99.8 | 96.4 | 0.2 | 3.5 | 00 | 00 | 00 | 00 |
| 24.20 | 95.7 | 70.4 | 4.3 | 28.5 | 00 | 1.0 | 00 | 0.2 |
| 29.25 | 71.6 | 34.8 | 27.8 | 61.5 | 0.6 | 3.2 | 00 | 0.5 |
| 34.30 | 28.6 | 13.2 | 70.5 | 81.7 | 0.8 | 3.9 | 0.2 | 1.3 |
| 39.35 | 6.8 | 06.4 | 92.1 | 88.0 | 1.2 | 4.1 | 00 | 1.5 |
| 44.40 | 2.3 | 03.1 | 96.1 | 88.7 | 0.7 | 3.9 | 00 | 4.4 |
| 49.45 | 2.2 | 01.9 | 96.6 | 86.5 | 0.9 | 3.6 | 0.3 | 8.1 |
| 54.50 | 0.7 | 01.9 | 97.9 | 82.2 | 0.7 | 2.7 | 0.7 | 13.2 |
| 59.55 | 1.4 | 0.6 | 97.4 | 72.9 | 0.4 | 3.0 | 0.9 | 23.6 |
| 64.60 | 0.4 | 0.4 | 98.9 | 63.1 | 0.2 | 3.2 | 0.4 | 33.3 |
| 69.65 | 0.3 | 0.8 | 95.7 | 49.0 | 0.6 | 4.0 | 3.4 | 48.2 |
| +70 | 0.2 | 0.9 | 86.3 | 22.6 | 0.9 | 0.8 | 12.7 | 75.7 |
| غير مبين | 18.6 | 13.6 | 73.3 | 13.6 | 00 | 4.6 | 8.1 | 68.2 |
| الإجمالي | 59.0 | 48.1 | 40.0 | 42.3 | 0.4 | 1.9 | 0.6 | 7.8 |

**المصدر**: الديوان الوطني للإحصاء المسح الجزائري حول صحة الأم و الطفل، التقرير الرئيسي 1994، ص **2.**

**جدول رقم 09: يبين الحالة الزواجية للسكلن حسب السن و الجنس.**

| فئات العمر | عازب | | متزوج | | مطلق | | أرمل | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث | ذكور | إناث |
| 19.15 | 99.8 | 98.1 | 0.2 | 1.8 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 24.20 | 98.4 | 83.4 | 1.6 | 16.1 | 0.0 | 0.4 | 0.0 | 0.1 |
| 29.25 | 85.3 | 57.5 | 14.4 | 40.8 | 0.2 | 1.3 | 0.0 | 0.3 |
| 34.30 | 53.6 | 33.7 | 45.7 | 62.7 | 0.5 | 2.5 | 0.1 | 1.0 |
| 39.35 | 18.9 | 16.6 | 80.0 | 77.0 | 1.0 | 4.0 | 0.1 | 2.4 |
| 44.40 | 7.3 | 9.1 | 91.7 | 83 | 1.0 | 4.0 | 0.0 | 3.8 |
| 49.45 | 2.3 | 3.8 | 96.8 | 84.9 | 0.6 | 4.2 | 0.2 | 7.1 |
| 54.50 | 1.3 | 2.6 | 97.6 | 81.4 | 0.5 | 3.8 | 0.6 | 12.2 |
| 59.55 | 0.9 | 1.5 | 97.2 | 80.4 | 0.7 | 3.1 | 1.2 | 15.0 |
| 64.60 | 0.3 | 0.6 | 97.3 | 66.1 | 0.4 | 3.1 | 2.1 | 30.2 |
| 69.65 | 0.2 | 0.9 | 96.4 | 57.4 | 0.1 | 1.9 | 3.3 | 39.6 |
| +70 | 0.5 | 0.2 | 89.1 | 34.4 | 0.7 | 1.8 | 9.7 | 63.1 |
| غير مصحح | 0.0 | 0.0 | 62.1 | 41.8 | 0.0 | 0.0 | 11.3 | 58.2 |
| الإجمال | 53.6 | 44.7 | 45.2 | 46.1 | 0.4 | 2.0 | 0.8 | 7.2 |

**المصدر** : الديوان الوطني للإحصاء، المسح الجزائري حول صحة الأسرة 2002

**جدول رقم 10: يبين الخصائص العامة للنساء من 49.15 سنة حسب الدراسة 2006 MICS3**

| | | حضري | ريفي | المجموع |
|---|---|---|---|---|
| سن النساء | 19.15 | 18.3 | 20.3 | 19.2 |
| | 24.20 | 19.1 | 20.3 | 19.6 |
| | 29.25 | 15.7 | 17.3 | 16.4 |
| | 34.30 | 14.1 | 14.0 | 14.0 |
| | 39.35 | 12.6 | 11.4 | 12.1 |
| | 44.40 | 11.4 | 9.5 | 10.5 |
| | 49.45 | 8.9 | 7.3 | 8.2 |
| | المجموع | 100 | 100 | 100 |
| الوضعية الزواجية | عازبة | 52.1 | 53.1 | 52.6 |
| | متزوجة | 44.2 | 44.6 | 44.3 |
| | أرملة | 2.3 | 1.2 | 1.8 |
| | مطلقة | 1.4 | 1.2 | 1.3 |
| | المجموع | 100 | 100 | 100 |
| المستوى التعليمي | أمية | 13.2 | 34.0 | 22.4 |
| | ابتدائي | 15.5 | 22.2 | 18.4 |
| | متوسط | 29.4 | 24.2 | 27.1 |
| | ثانوي | 29.1 | 15.6 | 23.1 |
| | جامعي | 12.8 | 4.0 | 28.9 |
| | مجموع | 100 | 100 | 100 |

**Source :** ONS, suivi de la situation des enfants et des femmes, nquête nationale a indicateur.

**جدول رقم11:يبين احصائيات عن الطلاق خلال الفترة الممتدة من سنة 2000 الى سنة 2008.**

| السنوات | حالات الطلاق | | | |
|---|---|---|---|---|
| | الطلاق بالتراضي | الطلاق بالإرادة المنفردة | التطليق | الخلع |
| 2000 | 9586 | 13476 | 2295 | 378 |
| 2001 | 9360 | 12835 | 2314 | 405 |
| 2002 | 9990 | 12242 | 2656 | 740 |
| 2003 | 10213 | 14559 | 2499 | 650 |
| 2004 | 9912 | 16542 | 2464 | 813 |
| 2005 | 10009 | 17175 | 2667 | 1170 |
| 2006 | 10598 | 19280 | 3025 | 1720 |
| 2007 | 10704 | 17768 | 2782 | 2467 |
| 2008 | 14319 | 19737 | 4063 | 4983 |

**المصدر**: الديوان الوطني للإحصاء 2008 .

**مجلس قضاء سطيف**

# جدول سنوي خاص بمتابعة القضايا المتعلقة بشؤون الأسرة لسنة 2014

| النشاط القضائي / الجهة القضائية | القضايا المجدولة | | القضايا المفصول فيها | القضايا التي تم فيها الصلح | القضايا الباقية | حالات الطلاق | | | | بعض القضايا الأخرى المتنوعة |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | الباقية | المسجلة | | | | الطلاق بالتراضي | الطلاق بالإرادة المنفردة | التطليق | الخلع | |
| محكمة سطيف | 981 | 3161 | 3495 | 29 | 647 | 294 | 707 | 199 | 177 | 2118 |

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

# إحصائيات حول فك الرابطة الزوجية

## من 1 جانفي 2015 إلى 31 ديسمبر 2015

| الجهة القضائية | عدد قضايا فك الرابطة الزوجية | | | | | عدد الحالات التي تم فيها الصلح | عدد حالات فك الرابطة الزوجية | | | | | عدد حالات رفض فك الرابطة الزوجية |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | الباقية | المسجلة | المجموع | المفصولة | الباقية | | الطلاق بالتراضي | الطلاق بالإرادة المنفردة | التطليق | الخلع | مجموع حالات فك الرابطة الزوجية | |
| محكمة سطيف | 300 | 996 | 1296 | 1036 | 260 | 54 | 288 | 463 | 61 | 107 | 919 | 63 |
| محكمة العلمة | 173 | | 173 | 0 | 173 | | | | | | 0 | |
| محكمة عين الكبيرة | 0 | | 0 | 0 | 0 | | | | | | 0 | |
| فرع بني عزيز ( م. عين الكبيرة ) | 0 | | 0 | 0 | 0 | | | | | | 0 | |
| محكمة بوقاعة | 16 | | 16 | 0 | 16 | | | | | | 0 | |
| محكمة بني ورثيلان | 13 | | 13 | 0 | 13 | | | | | | 0 | |
| محكمة عين ولمان | 41 | | 41 | 0 | 41 | | | | | | 0 | |
| فرع عين أزال ( م. عين ولمان ) | 33 | | 33 | 0 | 33 | | | | | | 0 | |
| مجموع المحاكم | 576 | 996 | 1572 | 1036 | 536 | 54 | 288 | 463 | 61 | 107 | 919 | 63 |

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

القضايا الباقية + القضايا المسجلة = القضايا المفصولة + القضايا الباقية.

الحرص على تجانس القضايا الباقية من فترة لفترة.

ملاحظات تروها ضرورية:

# إحصائيات الأحكام النهائية المتعلقة بإسناد الحضانة

## من 1 جانفي 2015 إلى 31 ديسمبر 2015

| الجهة القضائية | عدد الأحكام النهائية المتعلقة بإسناد الحضانة | إلى من اسندت الحضانة من خلال هذه الأحكام | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | الأم | الأب | الجدة لأم | الجدة لأب | الخالة | العمة | أخرى |
| المجلس | 38 | 24 | 11 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| محكمة سطيف | 0 | | | | | | | |
| محكمة العلمة | 0 | | | | | | | |
| محكمة عين الكبيرة | 0 | | | | | | | |
| فرع بني عزيز ( م. عين الكبيرة ) | 0 | | | | | | | |
| محكمة بوقاعة | 0 | | | | | | | |
| محكمة بني ورثيلان | 0 | | | | | | | |
| محكمة عين ولمان | 0 | | | | | | | |
| فرع عين أزال ( م. عين ولمان ) | 0 | | | | | | | |
| مجموع المحاكم | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| المجموع العام | 38 | 24 | 11 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 |

عدد الأحكام النهائية المتعلقة بإسناد الحضانة = مجموع إلى من اسندت الحضانة من خلال هذه الأحكام (الأم + الأب + الجدة لأم + الجدة لأب + الخالة + العمة + أخرى)،

ملاحظات ترونها ضرورية:

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

# إحصائيات الأحكام و القرارات النهائية المتعلقة بإسقاط الحضانة

(طبقا للمادتين 66 و 67 من قانون الأسرة المعدل والمتمم)

## من 1 جانفي 2015 إلى 31 ديسمبر 2015

| الجهة القضائية | عدد الأحكام و القرارات النهائية المتعلقة بإسقاط الحضانة (طبقا للمادتين 66 و67 من قانون الأسرة المعدل و المتمم) | | عدد الأحكام و القرارات النهائية المتعلقة بإسقاط الحضانة حسب نوعية السبب | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | عدد الأحكام والقرارات النهائية القاضية بقبول إسقاط الحضانة | عدد الأحكام و القرارات النهائية القاضية برفض إسقاط الحضانة | تزوج الحاضنة بغير قريب محرم (المادة 66) | | تنازل الحاضنة عن حق الحضانة (المادة 66) | | إختلال أحد الشروط المنصوص عليها في المادة 62 (المتعلقة بالرعاية والتربية و التعليم و الحماية وحفظ الصحة و الخلق)، (المادة 67) | | أسباب أخرى أذكرها | | | | | |
| | | | قبول إسقاط الحضانة | رفض إسقاط الحضانة | قبول إسقاط الحضانة | رفض إسقاط الحضانة | قبول إسقاط الحضانة | رفض إسقاط الحضانة | قبول إسقاط الحضانة | رفض إسقاط الحضانة | السبب | | | |
| المجلس | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| محكمة سطيف | 10 | 3 | 5 | 3 | 5 | 0 | 0 | 0 | 28 | 6 | 0 | | | |
| محكمة العلمة | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| محكمة عين الكبيرة | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| فرع بني عزيز ( م. عين الكبيرة ) | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| محكمة بوقاعة | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| محكمة بني ورثيلان | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| محكمة عين ولمان | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| فرع عين أزال ( م. عين ولمان ) | 0 | 0 | | | | | | | | | | | | |
| مجموع المحاكم | 10 | 3 | 5 | 3 | 5 | 0 | 0 | 0 | 28 | 6 | / | | | |
| المجموع العام | 10 | 3 | 5 | 3 | 5 | 0 | 0 | 0 | 28 | 6 | / | | | |

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

عدد الأحكام والقرارات النهائية القاضية بقبول إسقاط الحضانة أقل أو يساوي (< أو=) مجموع عدد الأحكام و القرارات النهائية المتعلقة بإسقاط الحضانة حسب نوعية السبب (القبول)،

عدد الأحكام والقرارات النهائية القاضية برفض إسقاط الحضانة أقل أو يساوي (< أو=) مجموع عدد الأحكام و القرارات النهائية المتعلقة بإسقاط الحضانة حسب نوعية السبب (الرفض).

ملاحظات تروها ضرورية:

مجلس قضاء سطيف

# النشاط القضائي في المواد المدنية على مستوى محكمة سطيف

## من 1 جانفي 2015 إلى 31 ديسمبر 2015

| نوع المواد | عدد الأقسام | عدد القضاة | القضايا المجدولة | | | | | القضايا المفصولة | | | القضايا الباقية | الوصف القانوني للأحكام الصادرة | | | | الأحكام الصادرة قبل الفصل في الموضوع | | | عدد القضايا التي تزيد عن سنة 6 أشهر ولم يتم الفصل فيها من أول جلسة | أقدم قضية تزيد عن 6 أشهر و لم يتم الفصل فيها من تاريخ أول جلسة | | | تاريخ آخر جلسة مطبوعة، موقعة ومسجلة |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | الباقية | المسجلة | القضايا المحالة إلى القسم | القضايا المحالة من القسم | المجموع | في الشكل | في الموضوع | المجموع | | حضورية | غيابية | إعتبارية حضورية | شطب | تعين خبير | إجراء تحقيق | تدبير مؤقت | | تاريخ التسجيل (أي تاريخ رفع الدعوى) | تاريخ أول جلسة | أخر إجراء متخذ | |
| الإستعجالي | 1 | 2 | 20 | 435 | 0 | 0 | 455 | 124 | 290 | 414 | 41 | 65 | 30 | 296 | 23 | 8 | 0 | 0 | 0 | - | | - | 2015-12-28 |
| المدني | 2 | 3 | 814 | 1947 | 7 | 7 | 2761 | 450 | 1799 | 2249 | 512 | 866 | 632 | 455 | 296 | 57 | 520 | 0 | 0 | - | | - | 2015-12-08 |
| العقاري | 4 | 5 | 339 | 1100 | 2 | 2 | 1439 | 209 | 933 | 1142 | 297 | 533 | 211 | 340 | 58 | 135 | 18 | 0 | 0 | - | | - | 2015-12-22 |
| الإجتماعي | 2 | 3 | 292 | 983 | 1 | 1 | 1275 | 178 | 840 | 1018 | 257 | 882 | 22 | 73 | 41 | 51 | 18 | 2 | 0 | - | | - | 2015-12-28 |
| شؤون الأسرة | 5 | 5 | 647 | 3345 | 1 | 1 | 3992 | 358 | 3020 | 3378 | 614 | 1940 | 727 | 339 | 372 | 54 | 27 | 0 | 0 | - | | - | 2015-12-17 |
| التجاري والبحري | 1 | 1 | 118 | 442 | 2 | 2 | 560 | 115 | 304 | 419 | 141 | 245 | 88 | 59 | 27 | 14 | 5 | 0 | 0 | - | | - | 2015-12-28 |
| المجموع | 15 | / | 2230 | 8252 | 13 | 13 | 10482 | 1434 | 7186 | 8620 | 1862 | 4531 | 1710 | 1562 | 817 | 319 | 588 | 2 | 0 | N/A# | 1900-01-00 | N/A# | 2015-12-08 |

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

القضايا المجدولة = القضايا الباقية + القضايا المسجلة + القضايا المحالة إلى القسم – القضايا المحالة من القسم.
القضايا المجدولة = القضايا المفصولة + القضايا الباقية.
القضايا المفصول فيها= الوصف القانوني للأحكام الصادرة.
مجموع القضايا المحالة إلى القسم في جميع المواد = مجموع القضايا المحالة من القسم في جميع المواد.
الحكم الصادر حضوريا و حضوريا إعتباريا و غيابيا يحسب مع القرارات الحضورية.
الحكم الصادر حضوريا و غيابيا – او حضوريا و حضوريا إعتباريا يحسب مع الأحكام الحضورية.
الحكم الصادر حضوريا إعتباريا و غيابيا يحسب مع الأحكام الحضورية الإعتبارية.
الأحكام الغيابية هي التي صدرت غيابيا في مواجهة جميع الأطراف.
الأحكام الصادرة بالشطب لا يعطى لها أي وصف و تدرج في خانة الأحكام الصادرة بالشطب.
الحرص على تجانس القضايا الباقية من فترة لفترة.
ملاحظات ترونها ضرورية:

# إحصائيات حول فك الرابطة الزوجية

## من 1 جانفي 2015 إلى 31 ديسمبر 2015

| الجهة القضائية | عدد قضايا فك الرابطة الزوجية | | | | | عدد الحالات التي تم فيها الصلح | عدد حالات فك الرابطة الزوجية | | | | | عدد حالات رفض فك الرابطة الزوجية |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | الباقية | المسجلة | المجموع | المفصولة | الباقية | | الطلاق بالتراضي | الطلاق بالإرادة المنفردة | التطليق | الخلع | مجموع حالات فك الرابطة الزوجية | |
| محكمة سطيف | 300 | 996 | 1296 | 1036 | 260 | 54 | 288 | 463 | 61 | 107 | 919 | 63 |
| محكمة العلمة | 173 | | 173 | 0 | 173 | | | | | | 0 | |
| محكمة عين الكبيرة | 0 | | 0 | 0 | 0 | | | | | | 0 | |
| فرع بني عزيز ( م. عين الكبيرة ) | 0 | | 0 | 0 | 0 | | | | | | 0 | |
| محكمة بوقاعة | 16 | | 16 | 0 | 16 | | | | | | 0 | |
| محكمة بني ورثيلان | 13 | | 13 | 0 | 13 | | | | | | 0 | |
| محكمة عين ولمان | 41 | | 41 | 0 | 41 | | | | | | 0 | |
| فرع عين أزال ( م. عين ولمان ) | 33 | | 33 | 0 | 33 | | | | | | 0 | |
| مجموع المحاكم | 576 | 996 | 1572 | 1036 | 536 | 54 | 288 | 463 | 61 | 107 | 919 | 63 |

المديرية الفرعية للاحصائيات و التحاليل

القضايا الباقية + القضايا المسجلة = القضايا المفصولة + القضايا الباقية.

الحرص على تجانس القضايا الباقية من فترة لفترة.

ملاحظات ترونها ضرورية:

UNIVERSITE SETIF2

**RECENSEMENT GENERAL DE LA POPULATION ET DE L'HABITAT-[redacted]**

**RECENSEMENT GENERAL DE LA POPULATION ET DE L'HABITAT-2008**

**RESULTATS DES LISTES D'IDENTIFICATION DES CONSTRUCTIONS**

**RESULTATS PROVISOIRES DES LISTES D'IDENTIFICATION DES CONSTRUCTIONS**

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| 19 | 1901 | Urbaine | Setif | A.C.L | 275 | 286715 |
| 19 | 1901 | | Ain Trick | A.S | 6 | 12651 |
| 19 | 1901 | | Abidali | A.S | 1 | 1269 |
| 19 | 1901 | | Chouf Lekdad | A.S | 8 | 8701 |
| 19 | 1901 | | El Hassi | A.S | 2 | 2296 |
| 19 | 1901 | | Fermatou | A.S | 6 | 6877 |
| 19 | 1901 | | Gaoua | A.S | 1 | 1022 |
| 19 | 1901 | | **Zone Eparse** | ZE | 7 | 4176 |
| 19 | | | **TOT 1901** | | **306** | 323707 |
| 19 | 1902 | Urbaine | Ain El Kebira | A.C.L | 20 | 23813 |
| 19 | 1902 | | Ain Touila | A.S | 5 | 5841 |
| 19 | 1902 | | **Zone Eparse** | ZE | 14 | 6686 |
| 19 | | | **TOT 1902** | | **39** | 36340 |
| 19 | 1903 | Urbaine | Beni Aziz | A.C.L | 8 | 7845 |
| 19 | 1903 | | Akrif Bourdim Vsa | A.S | 2 | 1463 |
| 19 | 1903 | | Bahbaha | A.S | 2 | 3342 |
| 19 | 1903 | | **Zone Eparse** | ZE | 15 | 6317 |
| 19 | | | **TOT 1903** | | **27** | 18967 |
| 19 | 1904 | Rurale | Grarsa | A.C.L | 2 | 2414 |
| 19 | 1904 | | Ouled Si Yahia | A.S | 2 | 2027 |
| 19 | 1904 | | Ouled Aicha | A.S | 2 | 1798 |
| 19 | 1904 | | **Zone Eparse** | ZE | 7 | 3627 |
| 19 | | | **TOT 1904** | | **13** | 9866 |
| 19 | 1905 | Rurale | Berdaa | A.C.L | 6 | 5280 |
| 19 | 1905 | | Boudjelikh | A.S | 1 | 352 |
| 19 | 1905 | | Guennifa | A.S | 1 | 744 |
| 19 | 1905 | | **Zone Eparse** | ZE | 8 | 3164 |
| 19 | | | **TOT 1905** | | **16** | 9540 |
| 19 | 1906 | Rurale | Ain Roua | A.C.L | 7 | 6609 |
| 19 | 1906 | | Sidi Ali | A.S | 2 | 1826 |
| 19 | 1906 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 3333 |
| 19 | | | **TOT 1906** | | **18** | 11768 |
| 19 | 1907 | Rurale | Ouled Ali B.Athmane | A.C.L | 3 | 2734 |
| 19 | 1907 | | Krima | A.S | 1 | 662 |
| 19 | 1907 | | Lemroudj | A.S | 4 | 2955 |
| 19 | 1907 | | Ouled Khabila | A.S | 1 | 1100 |
| 19 | 1907 | | Tazougart | A.S | 2 | 2419 |
| 19 | 1907 | | Tizi Oughaled | A.S | 1 | 1246 |
| 19 | 1907 | | **Zone Eparse** | ZE | 14 | 4761 |
| 19 | | | **TOT 1907** | | **26** | 15877 |
| 19 | 1908 | Rurale | Bir El Arch | A.C.L | 7 | 11266 |
| 19 | 1908 | | Bourzem | A.S | 2 | 1588 |
| 19 | 1908 | | Belhaouchet | A.S | 1 | 1097 |
| 19 | 1908 | | Ouled Dif Allah | A.S | 1 | 614 |
| 19 | 1908 | | **Zone Eparse** | ZE | 18 | 9218 |
| 19 | | | **TOT 1908** | | **29** | 23783 |
| | | | | | | |

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| 19 | 1909 | Rurale | Tarfet | A.C.L | 5 | 4294 |
| 19 | 1909 | | Agradou | A.S | 1 | 1007 |
| 19 | 1909 | | Boundih Taghma | A.S | 2 | 2392 |
| 19 | 1909 | | Helal Ait Chiba | A.S | 1 | 2269 |
| 19 | 1909 | | Taourirt Iarassene | A.S | 2 | 1246 |
| 19 | 1909 | | Tizi Froukh | A.S | 1 | 897 |
| 19 | 1909 | | Lekhmis Taarkoubet | A.S | / | 0 |
| 19 | 1909 | | **Zone Eparse** | ZE | 5 | 1358 |
| 19 | | | **TOT 1909** | | **19** | 13463 |
| 19 | 1910 | Rurale | Bouzelafene | A.C.L | 5 | 5078 |
| 19 | 1910 | | **Zone Eparse** | ZE | 10 | 5079 |
| 19 | | | **TOT 1910** | | **15** | 10157 |
| 19 | 1911 | Rurale | Addaoua | A.C.L | 8 | 8369 |
| 19 | 1911 | | Badjrou | A.S | 1 | 1123 |
| | | | Hamma El hammam | A.S | 2 | 2263 |
| 19 | 1911 | | Oum Laadam | / | 0 | 1072 |
| 19 | 1911 | | **Zone Eparse** | ZE | 5 | 207 |
| 19 | | | **TOT 1911** | | **16** | 13034 |
| 19 | 1912 | Rurale | Maaouia | A.C.L | 3 | 4009 |
| 19 | 1912 | | Chadi | A.S | / | |
| 19 | 1912 | | **Zone Eparse** | ZE | 12 | 3154 |
| 19 | | | **TOT 1912** | | **16** | 7163 |
| 19 | 1913 | Rurale | Beni Brahim | A.C.L | 5 | 4793 |
| 19 | 1913 | | Akhrib | A.S | 2 | 1753 |
| 19 | 1913 | | Beni Hafedh | A.S | 2 | 1370 |
| 19 | 1913 | | Beni Achache | A.S | 2 | 1199 |
| 19 | 1913 | | Iri El Kef | A.S | 2 | 1318 |
| 19 | 1913 | | Laazib | A.S | 1 | 883 |
| 19 | 1913 | | Menades | A.S | 1 | 864 |
| 19 | 1913 | | Tighit Imraane | A.S | 1 | 570 |
| 19 | 1913 | | Zakou | A.S | 1 | 717 |
| | | | chorfa oufella | / | / | 437 |
| 19 | 1913 | | **Zone Eparse** | ZE | 5 | 1505 |
| 19 | | | **TOT 1913** | | **22** | 15409 |
| 19 | 1914 | Rurale | Ain Abessa | A.C.L | 8 | 8610 |
| 19 | 1914 | | Botha | A.S | 2 | 1434 |
| 19 | 1914 | | Kharba | A.S | 2 | 1434 |
| 19 | 1914 | | Takouka | A.S | 1 | 987 |
| 19 | 1914 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 3205 |
| 19 | | | **TOT 1914** | | **22** | 16183 |
| 19 | 1915 | Rurale | Ain Rebie | A.C.L | 2 | 2972 |
| 19 | 1915 | | Ouled Maiza | A.S | 1 | 978 |
| 19 | 1915 | | Zadia | A.S | 1 | 1134 |
| 19 | 1915 | | **Zone Eparse** | ZE | 10 | 4257 |
| 19 | | | **TOT 1915** | | **14** | 9341 |
| 19 | 1916 | Rurale | Souk El Djemaa | A.C.L | 5 | 6056 |
| 19 | 1916 | | Cheurfa | A.S | 2 | 1772 |
| 19 | 1916 | | **Zone Eparse** | ZE | 31 | 8708 |
| 19 | | | **TOT 1916** | | **38** | 16536 |
| 19 | 1917 | Urbaine | Ras El Ma | A.C.L | 6 | 7538 |
| 19 | 1917 | | Bir Labiadh | A.S | 3 | 2452 |
| 19 | 1917 | | Bouaouadja | A.S | 2 | 3330 |
| 19 | 1917 | | Guedjel | A.S | 3 | 3409 |
| 19 | 1917 | | **Zone Eparse** | ZE | 26 | 16334 |
| 19 | | | **TOT 1917** | | **40** | 33063 |

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| | | | | | | |
| 19 | 1918 | Urbaine | Ain El Hadjar | A.C.L | 6 | 10003 |
| | | | Remada | A.S | 1 | 681 |
| 19 | 1918 | | Mzaret Zidane | / | / | 1700 |
| 19 | 1918 | | **Zone Eparse** | ZE | 36 | 21827 |
| 19 | | | **TOT 1918** | | **43** | 34211 |
| 19 | 1919 | Rurale | Ain Dokkar | A.C.L | 5 | 4592 |
| 19 | 1919 | | Ait Sidi Nacer | A.S | 2 | 1382 |
| 19 | 1919 | | Aguemoune | A.S | 1 | 709 |
| 19 | 1919 | | Bouzekout | A.S | 2 | 2008 |
| 19 | 1919 | | El Kseur | A.S | 1 | 568 |
| 19 | 1919 | | Hella | A.S | 2 | 1699 |
| 19 | 1919 | | Ouled Amara | A.S | 5 | 4659 |
| 19 | 1919 | | **Zone Eparse** | ZE | 5 | 2763 |
| 19 | | | **TOT 1919** | | **23** | 18380 |
| 19 | 1920 | Urbaine | El Eulma | A.C.L | 118 | 144937 |
| 19 | 1920 | | Djermane Talhi Zidene | A.S | 2 | 1920 |
| 19 | 1920 | | Samai Boukhabla | A.S | 7 | 0 |
| | | | Mekaoui | / | / | 694 |
| | | | Oued Saregue | / | / | 682 |
| 19 | 1920 | | **Zone Eparse** | ZE | 13 | 5014 |
| 19 | | | **TOT 1920** | | **140** | 153247 |
| 19 | 1921 | Urbaine | Djemila | A.C.L | 7 | 9038 |
| 19 | 1921 | | El Ferd | A.S | 3 | 3226 |
| 19 | 1921 | | El Djebbas | A.S | 1 | 1102 |
| 19 | 1921 | | El Merdja | A.S | 1 | 1031 |
| 19 | 1921 | | Mehidjiba | A.S | 2 | 1884 |
| 19 | 1921 | | **Zone Eparse** | ZE | 20 | 7893 |
| 19 | | | **TOT 1921** | | **34** | 24174 |
| 19 | 1922 | Rurale | Beni Ourtilane | A.C.L | 3 | 4436 |
| 19 | 1922 | | Akarou Aoukli | A.S | 1 | 750 |
| 19 | 1922 | | Aguemoune | A.S | 1 | 930 |
| 19 | 1922 | | Arrassa | A.S | 1 | 771 |
| 19 | 1922 | | Abad Cherif | A.S | 1 | 652 |
| 19 | 1922 | | Aourir Igheldene | A.S | 1 | 558 |
| 19 | 1922 | | Ait Moussa | A.S | 1 | 144 |
| 19 | 1922 | | Freha | A.S | 1 | 900 |
| 19 | 1922 | | Oulmouthene | A.S | 1 | 190 |
| 19 | 1922 | | Ighil Nait Malek | A.S | 1 | 360 |
| 19 | 1922 | | Tahlmat | A.S | 1 | 715 |
| 19 | 1922 | | **Zone Eparse** | ZE | 2 | 657 |
| 19 | | | **TOT 1922** | | **15** | 11063 |
| 19 | 1923 | Rurale | Rosfa | A.C.L | 1 | 1270 |
| 19 | 1923 | | Ras Isly | A.S | 3 | 3759 |
| 19 | 1923 | | Ras El Ain | A.S | 1 | 953 |
| 19 | 1923 | | Saillal | A.S | 2 | 1478 |
| 19 | 1923 | | **Zone Eparse** | ZE | 19 | 8167 |
| 19 | | | **TOT 1923** | | **26** | 15627 |
| | | Rurale | Ouled Yaich | A.C.L | 4 | 5176 |
| | | | Cité 17 Octobre 1961 | A.S | 3 | 2517 |
| 19 | 1924 | | Ouled Ali | / | 0 | 859 |
| 19 | 1924 | | Lemnasra | / | 0 | 500 |
| 19 | 1924 | | **Zone Eparse** | ZE | 3 | 500 |
| 19 | | | **TOT 1924** | | **10** | 9552 |
| 19 | 1925 | Rurale | Belaa | A.C.L | 5 | 5684 |
| | | | Bir Semara | AS | 0 | 1071 |
| 19 | 1925 | | **Zone Eparse** | ZE | 18 | 8127 |
| 19 | | | **TOT 1925** | | **23** | 14882 |

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| 19 | 1926 | Urbaine | Ain Messaoud | A.S | 3 | 3515 |
| 19 | 1926 | | Ain Zada | A.S | 1 | 1128 |
| 19 | 1926 | | Bouhira | A.S | 3 | 3306 |
| 19 | 1926 | | El Anasser | A.S | 1 | 1468 |
| 19 | 1926 | | Mahdia | A.S | 5 | 6618 |
| 19 | 1926 | | **Zone Eparse** | ZE | 6 | 2708 |
| 19 | | | **TOT 1926** | | **35** | 43490 |
| 19 | 1927 | Rurale | Amoucha | A.C.L | 9 | 12500 |
| 19 | 1927 | | Bouamrane | A.S | 1 | 1172 |
| 19 | 1927 | | Louameur | A.S | 2 | 1508 |
| 19 | 1927 | | Tandja | A.S | 1 | 878 |
| 19 | 1927 | | **Zone Eparse** | ZE | 13 | 6049 |
| 19 | | | **TOT 1927** | | **26** | 22107 |
| 19 | 1928 | Urbaine | Ain Oulmene | A.C.L | 45 | 50698 |
| 19 | 1928 | | Bir Guessaia | A.S | 2 | 1384 |
| 19 | 1928 | | Draa El Miad | A.S | 8 | 7481 |
| 19 | 1928 | | Chott El Farech | A.S | 1 | 1077 |
| | | | Lefrikate | / | / | 724 |
| 19 | 1928 | | **Zone Eparse** | ZE | 25 | 11698 |
| 19 | | | **TOT 1928** | | **81** | 73062 |
| 19 | 1929 | Urbaine | Beida Bordj | A.C.L | 5 | 9133 |
| 19 | 1929 | | Zeraia | A.S | 2 | 3008 |
| 19 | 1929 | | **Zone Eparse** | ZE | 42 | 23662 |
| 19 | | | **TOT 1929** | | **49** | 35803 |
| 19 | 1930 | Urbaine | Bouandas | A.C.L | 4 | 4920 |
| 19 | 1930 | | Beni Bourmane | A.S | 2 | 1525 |
| 19 | 1930 | | Cheriha | A.S | 3 | 2454 |
| 19 | 1930 | | Iherakene | A.S | 2 | 2149 |
| | | | Tala oulili | / | / | 943 |
| 19 | 1930 | | **Zone Eparse** | ZE | 12 | 5152 |
| 19 | | | **TOT 1930** | | **23** | 17143 |
| 19 | 1931 | Rurale | Bazar Sakhra | A.C.L | 6 | 6360 |
| 19 | 1931 | | Cité Bazer | A.S | 4 | 4200 |
| 19 | 1931 | | Louazga | A.S | 1 | 1630 |
| 19 | 1931 | | **Zone Eparse** | ZE | 30 | 15293 |
| 19 | | | **TOT 1931** | | **41** | 27483 |
| 19 | 1932 | Urbaine | Hammam Soukhna | A.C.L | 4 | 6381 |
| | | | Ouled Azzem | / | / | 569 |
| 19 | 1932 | | **Zone Eparse** | ZE | 13 | 6435 |
| 19 | | | **TOT 1932** | | **17** | 13385 |
| 19 | 1933 | Rurale | Mezloug | A.C.L | 5 | 6193 |
| 19 | 1933 | | El Hachichia | A.S | 2 | 2983 |
| 19 | 1933 | | Hammam Gare | A.S | 1 | 1131 |
| | | | Hammam ouled yellès | / | / | 550 |
| 19 | 1933 | | **Zone Eparse** | ZE | 13 | 5602 |
| 19 | | | **TOT 1933** | | **21** | 16459 |
| 19 | 1934 | Rurale | Bir Haddada | A.C.L | 3 | 4391 |
| | | | Douaouga | AS | / | 1128 |
| 19 | 1934 | | **Zone Eparse** | ZE | 29 | 14897 |
| 19 | | | **TOT 1934** | | **32** | 20416 |
| 19 | 1935 | Rurale | Beida | A.C.L | 1 | 1161 |
| 19 | 1935 | | **Zone Eparse** | ZE | 21 | 8428 |
| 19 | | | **TOT 1935** | | **22** | 9589 |
| 19 | 1936 | Rurale | Tittest | A.C.L | 2 | 1541 |
| 19 | 1936 | | Dar El Hadj | A.S | 1 | 317 |
| 19 | 1936 | | Khordjana | A.S | 1 | 843 |
| 19 | 1936 | | Laazib | A.S | 1 | 454 |
| 19 | 1936 | | **Zone Eparse** | ZE | 7 | 519 |
| 19 | | | **TOT 1936** | | **12** | 3674 |

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| 19 | 1937 | Rurale | Mahouame | A.S | 3 | 2939 |
| 19 | 1937 | | **Zone Eparse** | ZE | 7 | 3075 |
| 19 | | | **TOT 1937** | | **18** | 16403 |
| 19 | 1938 | Rurale | Tizi N'Bechar | A.C.L | 2 | 5744 |
| 19 | 1938 | | Ader Ouzrem | A.S | 1 | 1029 |
| 19 | 1938 | | **Zone Eparse** | ZE | 26 | 12719 |
| 19 | | | **TOT 1938** | | **29** | 19492 |
| 19 | 1939 | Urbaine | Salah Bey | A.C.L | 16 | 18926 |
| 19 | 1939 | | Afret | A.S | 2 | 295 |
| 19 | 1939 | | Beida (Ex: Ain Hamra) | A.S | 2 | 1486 |
| 19 | 1939 | | Maafeur | A.S | 5 | 4037 |
| | | | Ain Ztout | / | / | 828 |
| 19 | 1939 | | **Zone Eparse** | ZE | 4 | 1138 |
| 19 | | | **TOT 1939** | | **29** | 26710 |
| 19 | 1940 | Urbaine | Ain Azel | A.C.L | 33 | 35901 |
| 19 | 1940 | | Merz Ghellal | A.S | 1 | 777 |
| 19 | 1940 | | Ouled Rached | A.S | 1 | 1248 |
| 19 | 1940 | | **Zone Eparse** | ZE | 17 | 8354 |
| 19 | | | **TOT 1940** | | **52** | 46280 |
| 19 | 1941 | Rurale | Guenzet | A.C.L | 4 | 1970 |
| 19 | 1941 | | Aourir | A.S | 1 | 234 |
| 19 | 1941 | | Aghladh N'Salah | A.S | 1 | 264 |
| 19 | 1941 | | Taouarirt Tamellalt | A.S | 2 | 333 |
| 19 | 1941 | | Tamest | A.S | 1 | 90 |
| 19 | 1941 | | Timengache | A.S | 1 | 125 |
| 19 | 1941 | | **Zone Eparse** | ZE | 4 | 773 |
| 19 | | | **TOT 1941** | | **14** | 3789 |
| 19 | 1942 | | Tizi N'Braham | A.C.L | 6 | 6674 |
| 19 | 1942 | | Ouled Saadi | A.S | 3 | 2909 |
| | | | Belghazi | / | / | 709 |
| 19 | 1942 | | **Zone Eparse** | ZE | 16 | 9353 |
| 19 | | | **TOT 1942** | | **25** | 19649 |
| 19 | 1943 | Urbaine | Bougaa | A.C.L | 25 | 23325 |
| 19 | 1943 | | Oum Lahlou | A.S | 1 | 908 |
| 19 | 1943 | | Tala Tromit | A.S | 3 | 4130 |
| 19 | 1943 | | **Zone Eparse** | ZE | 7 | 3720 |
| 19 | | | **TOT 1943** | | **36** | 32083 |
| 19 | 1944 | Rurale | Beni Fouda | A.C.L | 6 | 7616 |
| 19 | 1944 | | Bellouta | A.S | 1 | / |
| 19 | 1944 | | Chirhoum | A.S | 2 | 2064 |
| 19 | 1944 | | **Zone Eparse** | ZE | 16 | 7843 |
| 19 | | | **TOT 1944** | | **25** | 17543 |
| 19 | 1945 | Rurale | Djellaoua | A.C.L | 2 | 1810 |
| 19 | 1945 | | **Zone Eparse** | ZE | 13 | 620 |
| 19 | | | **TOT 1945** | | **15** | 8019 |
| 19 | 1946 | Rurale | Agueni Foughal | A.C.L | 6 | 6009 |
| 19 | 1946 | | Amzoug | A.S | 1 | 1294 |
| 19 | 1946 | | Tichy | A.S | 1 | 734 |
| 19 | 1946 | | **Zone Eparse** | ZE | 1 | 659 |
| 19 | | | **TOT 1946** | | **9** | 8696 |
| 19 | 1947 | Rurale | Bir Souici | A.C.L | 1 | 2363 |
| 19 | 1947 | | Boudjemline | A.S | 1 | 963 |
| 19 | 1947 | | Boughandja | A.S | 1 | 848 |
| 19 | 1947 | | Bouras | A.S | 1 | 788 |
| 19 | 1947 | | Lahmalet | A.S | 1 | 875 |
| 19 | 1947 | | Tinar | A.S | 1 | 1778 |
| 19 | 1947 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 4728 |
| 19 | | | **TOT 1947** | | **15** | 12343 |

| WIL | Code Géo | | SITUATION RGPH-2007 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Noms des agglomérations | Disp | Nbre dists | Population |
| 19 | 1948 | Rurale | Guellal Nouveau | A.S | 2 | 3056 |
| 19 | 1948 | | Melloul | A.S | 2 | 2262 |
| 19 | 1948 | | Ouled Gacem | A.S | 2 | 1620 |
| 19 | 1948 | | **Zone Eparse** | ZE | 21 | 11094 |
| 19 | | | **TOT 1948** | | **30** | 20553 |
| 19 | 1949 | Rurale | Ain Sebt | A.C.L | 5 | 6540 |
| 19 | 1949 | | **Zone Eparse** | ZE | 19 | 8393 |
| 19 | | | **TOT 1949** | | **24** | 14933 |
| 19 | 1950 | Rurale | Hammam Guergour | A.C.L | 7 | 9310 |
| 19 | 1950 | | Fouirat | A.S | 1 | |
| 19 | 1950 | | Ighil M'Bader+ Loutant Court | A.S | 1 | 510 |
| 19 | 1950 | | Ouled Ayad | A.S | 2 | 1973 |
| 19 | 1950 | | Oued Sebt | A.S | 2 | 1515 |
| 19 | 1950 | | Soualem+Ouled Mansour | A.S | 1 | 372 |
| 19 | 1950 | | **Zone Eparse** | ZE | 5 | 2270 |
| 19 | | | **TOT 1950** | | **19** | 15950 |
| 19 | 1951 | Rurale | M'Zada | A.C.L | 2 | 1895 |
| 19 | 1951 | | Beni Khellad | A.S | 3 | 1823 |
| 19 | 1951 | | **Zone Eparse** | ZE | 4 | 1978 |
| 19 | | | **TOT 1951** | | **9** | 5696 |
| 19 | 1952 | Rurale | Ksar El Abtal | A.C.L | 7 | 8784 |
| | | | Kherba | A.S | 2 | 1772 |
| 19 | 1952 | | Ouled Mehala | / | / | 856 |
| 19 | 1952 | | **Zone Eparse** | ZE | 25 | 12263 |
| 19 | | | **TOT 1952** | | **34** | 23675 |
| 19 | 1953 | Rurale | Beni Houcine | A.C.L | 4 | 4882 |
| 19 | 1953 | | El Hadra | A.S | 4 | 4573 |
| 19 | 1953 | | Ouled Sebaa | A.S | 1 | 892 |
| 19 | 1953 | | **Zone Eparse** | ZE | 4 | 1130 |
| 19 | | | **TOT 1953** | | **13** | 11477 |
| 19 | 1954 | Rurale | Tiizi N'Taga | A.C.L | 1 | 664 |
| 19 | 1954 | | Bouimene | A.S | 2 | 1217 |
| 19 | 1954 | | Ighil Izougaghen | A.S | 2 | 1480 |
| 19 | 1954 | | Tanarine | A.S | 1 | 508 |
| 19 | 1954 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 3382 |
| 19 | | | **TOT 1954** | | **15** | 7251 |
| 19 | 1955 | Rurale | Maoklane | A.C.L | 2 | 2946 |
| 19 | 1955 | | Ain Margoum | A.S | 1 | 1195 |
| 19 | 1955 | | Zouaoua | A.S | 1 | 1006 |
| | | | Mechta | / | / | 837 |
| 19 | 1955 | | **Zone Eparse** | ZE | 21 | 10076 |
| 19 | | | **TOT 1955** | | **25** | 16060 |
| 19 | 1956 | Rurale | Sidi Salah | A.C.L | 3 | 4525 |
| 19 | 1956 | | Oued Lateuch | A.S | 1 | 967 |
| 19 | 1956 | | **Zone Eparse** | ZE | 20 | 9703 |
| 19 | | | **TOT 1956** | | **24** | 15195 |
| 19 | 1957 | Rurale | Ifernounene | H.C.L | 1 | 241 |
| 19 | 1957 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 2250 |
| 19 | | | **TOT 1957** | | **10** | 2491 |
| 19 | 1958 | Rurale | Taya | A.C.L | 1 | 1956 |
| 19 | 1958 | | Oum Laadjoul | A.S | 1 | 1393 |
| 19 | 1958 | | Taya Banlieu | A.S | 3 | 2317 |
| 19 | 1958 | | **Zone Eparse** | ZE | 9 | 4790 |
| 19 | | | **TOT 1958** | | **14** | 10456 |
| 19 | 1959 | Rurale | El Ouldja | A.C.L | 2 | 2416 |
| 19 | 1959 | | Lahoua Abderahmane | A.S | 1 | 1008 |
| 19 | 1959 | | **Zone Eparse** | ZE | 12 | 5971 |
| 19 | | | **TOT 1959** | | **15** | 9396 |
| 19 | 1960 | Rurale | Bir Djedid | A.C.L | 1 | 1867 |
| | | | Ouled Abbes | / | / | 664 |
| 19 | 1960 | | **Zone Eparse** | ZE | 11 | 4933 |
| 19 | | | **TOT 1960** | | **12** | 7464 |
| | **WILAYA DE SETIF** | | | | **1859** | **1508956** |

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2016

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | معوقين ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | العدد | المبلغ |
| سطيف | 730 | 221 | 970 | 204 | 214 | 890 | 1190 | 94 | 4513 | 13,539,000.00 |
| مجموع الدائرة | 730 | 221 | 970 | 204 | 214 | 890 | 1190 | 94 | 4513 | 13 539 000,00 |
| عين أرنات | 44 | 55 | 134 | 22 | 71 | 111 | 181 | 7 | 625 | 1,875,000.00 |
| عين عباسة | 52 | 86 | 59 | 9 | 26 | 1 | 79 | 4 | 316 | 948,000.0 |
| الاوريسيا | 44 | 27 | 65 | 5 | 4 | 64 | 62 | 4 | 275 | 825,000.00 |
| مزلوق | 43 | 33 | 55 | 6 | 22 | 45 | 44 | 7 | 255 | 765,000.00 |
| مجموع الدائرة | 183 | 201 | 313 | 42 | 123 | 221 | 366 | 22 | 1449 | 4347000,00 |
| عين الكبيرة | 53 | 34 | 88 | 16 | 59 | 122 | 173 | 18 | 563 | 1,689,000.00 |
| أولاد عدوان | 19 | 7 | 37 | 1 | 8 | 40 | 50 | 4 | 166 | 498,000.00 |
| الدهامشة | 61 | 18 | 28 | 4 | 0 | 33 | 56 | 6 | 206 | 618,000.00 |
| مجموع الدائرة | 133 | 59 | 153 | 21 | 67 | 195 | 279 | 28 | 935 | 2 805 000,00 |
| بابور | 71 | 49 | 52 | 6 | 75 | 73 | 117 | 11 | 454 | 1,362,000.00 |
| سرج الغول | 89 | 21 | 29 | 8 | 43 | 34 | 61 | 5 | 290 | 870,000.00 |
| مجموع الدائرة | 160 | 70 | 81 | 14 | 118 | 107 | 178 | 16 | 744 | 2 232 000,00 |
| عموشة | 64 | 58 | 69 | 13 | 0 | 39 | 95 | 3 | 341 | 1,023,000.00 |
| تيزى نبشار | 78 | 32 | 57 | 6 | 1 | 89 | 68 | 6 | 337 | 1,011,000. |
| واد البارد | 14 | 17 | 10 | 1 | 8 | 29 | 32 | 0 | 111 | 333,000.00 |
| مجموع الدائرة | 156 | 107 | 136 | 20 | 9 | 157 | 195 | 9 | 789 | 2 367 000,00 |
| بني عزيز | 42 | 22 | 57 | 11 | 56 | 73 | 66 | 7 | 334 | 1,002,000.00 |
| عين السبت | 57 | 35 | 51 | 13 | 64 | 66 | 85 | 20 | 391 | 1,173,000.00 |
| معاوية | 67 | 7 | 21 | 4 | 29 | 35 | 42 | 10 | 215 | 645,000.00 |
| مجموع الدائرة | 166 | 64 | 129 | 28 | 149 | 174 | 193 | 37 | 940 | 2 820 000,00 |
| عين ولمان | 144 | 97 | 348 | 27 | 438 | 377 | 925 | 62 | 2418 | 7,254,000.00 |
| قلال | 0 | 24 | 67 | 6 | 118 | 77 | 127 | 8 | 427 | 1,281,000.00 |
| قصر الأبطال | 195 | 60 | 80 | 10 | 4 | 79 | 109 | 5 | 542 | 1,626,000.00 |
| أولاد سي احمد | 24 | 26 | 49 | 7 | 101 | 66 | 207 | 11 | 491 | 1,473,000.00 |
| مجموع الدائرة | 363 | 207 | 544 | 50 | 661 | 599 | 1368 | 86 | 3878 | 11 634 000,00 |
| قجال | 132 | 59 | 81 | 10 | 0 | 81 | 109 | 9 | 481 | 1,443,000.00 |
| أولاد صابر | 66 | 34 | 55 | 0 | 0 | 23 | 55 | 10 | 243 | 729,000.00 |
| مجموع الدائرة | 198 | 93 | 136 | 10 | 0 | 104 | 164 | 19 | 724 | 2 172 000,00 |
| صالح باي | 183 | 64 | 146 | 20 | 12 | 147 | 287 | 21 | 880 | 2,640,000.00 |
| الرصفة | 151 | 37 | 82 | 3 | 63 | 114 | 227 | 25 | 702 | 2,106,000.00 |
| اولاد تبان | 15 | 12 | 33 | 6 | 63 | 60 | 133 | 6 | 328 | 984,000.00 |
| الحامة | 132 | 17 | 53 | 8 | 12 | 40 | 106 | 3 | 371 | 1,113,000.00 |
| بوطالب | 41 | 22 | 28 | 4 | 48 | 25 | 44 | 6 | 218 | 654,000.00 |
| مجموع الدائرة | 339 | 88 | 196 | 21 | 186 | 239 | 510 | 40 | 1619 | 4 857 000,00 |
| عين أزال | 426 | 139 | 177 | 30 | 0 | 216 | 527 | 29 | 1544 | 4,632,000.00 |
| عين الحجر | 55 | 64 | 144 | 22 | 147 | 172 | 325 | 18 | 947 | 2,841,000.00 |
| بير حدادة | 101 | 53 | 80 | 12 | 7 | 83 | 166 | 19 | 521 | 1,563,000.00 |
| بيضاء برج | 362 | 78 | 174 | 25 | 134 | 205 | 475 | 41 | 1494 | 4,482,000.00 |
| مجموع الدائرة | 944 | 334 | 575 | 89 | 288 | 676 | 1493 | 107 | 4506 | 13 518 000,00 |

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2016 (تابع)

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | معوقين ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | العدد | المبلغ |
| بني ورثيلان | 32 | 10 | 33 | 6 | 58 | 40 | 26 | 2 | 207 | 621,000.00 |
| عين لقراج | 59 | 23 | 48 | 9 | 25 | 66 | 34 | 4 | 268 | 804,000.00 |
| بني شبانه | 12 | 33 | 50 | 15 | 68 | 43 | 45 | 3 | 269 | 807,000.00 |
| بني موحلى | 30 | 20 | 42 | 3 | 17 | 32 | 23 | 2 | 169 | 507,000.00 |
| مجموع الدائرة | 133 | 86 | 173 | 33 | 168 | 181 | 128 | 11 | 913 | 2 739 000,00 |
| بوعنداس | 47 | 37 | 59 | 1 | 20 | 71 | 122 | 0 | 357 | 1,071,000.00 |
| بوسلام | 94 | 31 | 58 | 2 | 16 | 63 | 82 | 4 | 350 | 1,050,000.00 |
| ايت تيزى | 56 | 18 | 28 | 2 | 20 | 37 | 42 | 1 | 204 | 612,000.00 |
| ايت نوال مزادة | 45 | 30 | 28 | 6 | 56 | 51 | 41 | 1 | 258 | 774,000.00 |
| مجموع الدائرة | 242 | 116 | 173 | 11 | 112 | 222 | 287 | 6 | 1169 | 3 507 000,00 |
| بوقاعة | 21 | 16 | 76 | 11 | 41 | 107 | 86 | 1 | 359 | 1,077,000. |
| عين الروى | 52 | 25 | 46 | 14 | 0 | 40 | 55 | 2 | 234 | 702,000.00 |
| بني وسين | 28 | 21 | 64 | 1 | 0 | 41 | 96 | 4 | 255 | 702,000.00 |
| مجموع الدائرة | 101 | 62 | 186 | 26 | 41 | 188 | 237 | 7 | 848 | 2 544 000,00 |
| حمام القرقور | 10 | 8 | 45 | 5 | 34 | 55 | 75 | 4 | 236 | 2,544,000.00 |
| ذراع قبيلة | 14 | 19 | 66 | 7 | 108 | 50 | 80 | 5 | 349 | 1,047,000.00 |
| مجموع الدائرة | 24 | 27 | 111 | 12 | 142 | 105 | 155 | 9 | 585 | 1 755 000,00 |
| قنزات | 36 | 1 | 13 | 6 | 3 | 28 | 10 | 0 | 97 | 291,000.00 |
| حربيل | 20 | 3 | 11 | 0 | 8 | 22 | 18 | 0 | 82 | 246,000.00 |
| مجموع الدائرة | 56 | 4 | 24 | 6 | 11 | 50 | 28 | 0 | 179 | 5 37000,00 |
| ماوكلان | 98 | 48 | 42 | 8 | 4 | 65 | 118 | 6 | 389 | 1,167,000.00 |
| تالة ايفا سن | 80 | 25 | 50 | 8 | 25 | 61 | 104 | 2 | 355 | 1,065,000.00 |
| مجموع الدائرة | 178 | 73 | 92 | 16 | 29 | 126 | 222 | 8 | 744 | 2 232 000,00 |
| العلمة | 501 | 181 | 415 | 73 | 0 | 499 | 356 | 43 | 2068 | 6,204,000.00 |
| القلتة الزرقاء | 92 | 37 | 79 | 4 | 0 | 51 | 136 | 16 | 415 | 1,245,000.00 |
| بازر سخرة | 84 | 46 | 91 | 17 | 26 | 76 | 153 | 11 | 504 | 1,512,000.00 |
| مجموع الدائرة | 677 | 264 | 585 | 94 | 26 | 626 | 645 | 70 | 2987 | 8 961 000,00 |
| حمام السخنة | 66 | 40 | 49 | 8 | 54 | 53 | 104 | 5 | 379 | 1,137,000.00 |
| الطاية | 128 | 19 | 44 | 4 | 30 | 90 | 165 | 11 | 491 | 1,473,000.00 |
| التلة | 36 | 22 | 45 | 1 | 22 | 36 | 89 | 2 | 253 | 759,000.00 |
| مجموع الدائرة | 230 | 81 | 138 | 13 | 106 | 179 | 358 | 18 | 1123 | 3 369 000,00 |
| بير العرش | 120 | 78 | 76 | 7 | 6 | 28 | 111 | 1 | 427 | 1,281,000.00 |
| البلاعة | 76 | 29 | 37 | 6 | 22 | 48 | 87 | 22 | 327 | 981,000.00 |
| الولجة | 20 | 13 | 49 | 0 | 76 | 51 | 130 | 3 | 342 | 1,026,000.00 |
| تاشودة | 28 | 28 | 48 | 0 | 39 | 39 | 104 | 1 | 287 | 861,000.00 |
| مجموع الدائرة | 244 | 148 | 210 | 13 | 143 | 166 | 432 | 27 | 1383 | 4 149 000,00 |
| جميلة | 154 | 33 | 79 | 9 | 43 | 80 | 146 | 16 | 560 | 1,680,000.00 |
| بني فودة | 70 | 17 | 46 | 3 | 0 | 95 | 60 | 2 | 293 | 879,000.00 |
| مجموع الدائرة | 224 | 50 | 125 | 12 | 43 | 175 | 206 | 18 | 853 | 2 559 000,00 |
| مجموع الولاية | 5481 | 2355 | 5050 | 735 | 2636 | 5380 | 8634 | 632 | 30881 | 92643000,00 |

**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2016،ص11.

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2015

| | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | معوقينارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | مجموع المستفدين | ptt | المبلغ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| سطيف | 739 | 220 | 951 | 216 | 219 | 898 | 1179 | 94 | 4516 | 532 | 340296 | 13952136 |
| عين ارنات | 45 | 55 | 133 | 22 | 71 | 112 | 179 | 7 | 624 | 280 | 47640 | 1953240 |
| عين عباسة | 51 | 87 | 59 | 9 | 26 | 1 | 79 | 4 | 316 | 180 | 24240 | 993840 |
| الاوريسيا | 43 | 27 | 62 | 6 | 4 | 68 | 60 | 5 | 275 | 100 | 20925 | 857925 |
| مزلوق | 41 | 35 | 55 | 6 | 22 | 45 | 44 | 7 | 255 | 80 | 19365 | 793965 |
| مجموع الدائرة | 180 | 204 | 309 | 43 | 123 | 226 | 362 | 23 | 1470 | 640 | 112170 | 4598970 |
| عين الكبيرة | 52 | 33 | 89 | 16 | 59 | 123 | 173 | 18 | 563 | 234 | 42927 | 1760007 |
| اولاد عدوان | 19 | 7 | 37 | 1 | 8 | 40 | 50 | 4 | 166 | 75 | 12675 | 519675 |
| الدهامشة | 61 | 19 | 28 | 4 | 0 | 32 | 57 | 5 | 206 | 114 | 15792 | 647472 |
| مجموع الدائرة | 132 | 59 | 154 | 21 | 67 | 195 | 280 | 27 | 935 | 423 | 71394 | 2927154 |
| بابور | 69 | 49 | 54 | 6 | 75 | 73 | 117 | 11 | 454 | 193 | 34629 | 1419789 |
| سرج الغول | 87 | 21 | 31 | 8 | 43 | 34 | 61 | 5 | 290 | 180 | 22290 | 913890 |
| مجموع الدائرة | 156 | 70 | 85 | 14 | 118 | 107 | 178 | 16 | 744 | 373 | 56919 | 2333679 |
| عموشة | 66 | 57 | 68 | 12 | 1 | 40 | 94 | 3 | 341 | 166 | 26073 | 1068993 |
| تيزى نبشار | 78 | 32 | 56 | 6 | 1 | 90 | 68 | 6 | 337 | 135 | 25680 | 1052880 |
| واد البارد | 14 | 17 | 10 | 1 | 8 | 29 | 32 | 0 | 111 | 50 | 8475 | 347475 |
| مجموع الدائرة | 158 | 106 | 134 | 19 | 10 | 159 | 194 | 9 | 789 | 351 | 60228 | 2469348 |
| بنى عزيز | 42 | 22 | 56 | 11 | 56 | 73 | 67 | 7 | 334 | 172 | 25566 | 1048206 |
| عين السبت | 56 | 35 | 53 | 13 | 64 | 66 | 84 | 20 | 391 | 220 | 29985 | 1229385 |
| معاوية | 66 | 7 | 22 | 4 | 29 | 35 | 42 | 10 | 215 | 194 | 16707 | 684987 |
| مجموع الدائرة | 164 | 64 | 131 | 28 | 149 | 174 | 193 | 37 | 940 | 586 | 72258 | 2962578 |
| عين ولمان | 142 | 96 | 348 | 27 | 438 | 379 | 927 | 61 | 2418 | 474 | 182772 | 7493652 |
| قلال | 0 | 24 | 67 | 6 | 118 | 77 | 127 | 8 | 427 | 96 | 32313 | 1324833 |
| قصر الابطال | 195 | 61 | 78 | 10 | 4 | 80 | 109 | 5 | 542 | 200 | 41250 | 1691250 |
| اولاد سي احمد | 24 | 26 | 49 | 7 | 101 | 66 | 207 | 11 | 491 | 174 | 37347 | 1531227 |
| مجموع الدائرة | 361 | 207 | 542 | 50 | 661 | 602 | 1370 | 85 | 3878 | 944 | 293682 | 12040962 |
| قجال | 131 | 59 | 82 | 10 | 0 | 81 | 109 | 9 | 481 | 120 | 36435 | 1493835 |
| اولاد صابر | 66 | 34 | 55 | 0 | 0 | 23 | 55 | 10 | 243 | 182 | 18771 | 769611 |
| مجموع الدائرة | 197 | 93 | 137 | 10 | 0 | 104 | 164 | 19 | 724 | 302 | 55206 | 2263446 |
| صالح باي | 182 | 64 | 148 | 20 | 12 | 147 | 285 | 22 | 880 | 330 | 66990 | 2746590 |
| اولاد تبان | 14 | 12 | 34 | 6 | 63 | 60 | 133 | 6 | 328 | 58 | 24774 | 1015734 |
| الرصفة | 151 | 37 | 82 | 3 | 63 | 115 | 226 | 25 | 702 | 180 | 53190 | 2180790 |
| الحامة | 133 | 17 | 53 | 8 | 12 | 40 | 105 | 3 | 371 | 180 | 28365 | 1162965 |
| بوطالب | 41 | 22 | 28 | 4 | 50 | 24 | 44 | 5 | 218 | 168 | 16854 | 691014 |
| مجموع الدائرة | 521 | 152 | 345 | 41 | 200 | 386 | 793 | 61 | 2499 | 916 | 190173 | 7797093 |
| عين ازال | 425 | 140 | 176 | 30 | 0 | 215 | 528 | 30 | 1544 | 470 | 117210 | 4805610 |
| عين الحجر | 52 | 65 | 144 | 22 | 148 | 175 | 323 | 18 | 947 | 419 | 72282 | 2963562 |
| بير حدادة | 101 | 53 | 81 | 12 | 7 | 84 | 164 | 19 | 521 | 246 | 39813 | 1632333 |
| بيضاء برج | 360 | 78 | 176 | 25 | 135 | 203 | 475 | 42 | 1494 | 218 | 112704 | 4620864 |
| مجموع الدائرة | 938 | 336 | 577 | 89 | 290 | 677 | 1490 | 109 | 4506 | 1353 | 342009 | 14022369 |

## المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2015 (تابع)

| | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | معوقينارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | مجموع المستفدين | ptt | المبلغ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| بني ورثيلان | 34 | 10 | 31 | 6 | 58 | 41 | 26 | 2 | 208 | 84 | 15852 | 649932 |
| عين لقراج | 59 | 23 | 48 | 9 | 25 | 66 | 34 | 4 | 268 | 64 | 20292 | 831972 |
| بني شبانة | 9 | 33 | 51 | 15 | 69 | 45 | 44 | 3 | 269 | 107 | 20496 | 840336 |
| بني موحلى | 31 | 18 | 43 | 3 | 16 | 33 | 23 | 2 | 169 | 93 | 12954 | 531114 |
| مجموع الدائرة | 133 | 84 | 173 | 33 | 168 | 185 | 127 | 11 | 914 | 348 | 69594 | 2853354 |
| بوعنداس | 47 | 37 | 59 | 1 | 20 | 72 | 121 | 0 | 357 | 186 | 27333 | 1120653 |
| بوسلام | 93 | 31 | 59 | 2 | 15 | 63 | 83 | 4 | 350 | 164 | 26742 | 1096422 |
| ايت تيزى | 56 | 18 | 28 | 2 | 20 | 37 | 42 | 1 | 204 | 137 | 15711 | 644151 |
| ايت نوال مزادة | 45 | 30 | 28 | 6 | 56 | 51 | 41 | 1 | 258 | 134 | 19752 | 809832 |
| مجموع الدائرة | 241 | 116 | 174 | 11 | 111 | 223 | 287 | 6 | 1169 | 621 | 89538 | 3671058 |
| بوقاعة | 21 | 17 | 75 | 11 | 41 | 107 | 86 | 1 | 359 | 102 | 27231 | 1116471 |
| عين الروى | 53 | 24 | 46 | 14 | 0 | 40 | 55 | 2 | 234 | 106 | 17868 | 732588 |
| بني وسين | 27 | 21 | 64 | 1 | 0 | 41 | 97 | 4 | 255 | 149 | 19572 | 802452 |
| مجموع الدائرة | 101 | 62 | 185 | 26 | 41 | 188 | 238 | 7 | 848 | 357 | 64671 | 2651511 |
| حمام القرقور | 9 | 8 | 46 | 5 | 34 | 55 | 75 | 4 | 236 | 56 | 17868 | 732588 |
| ذراع قبيلة | 14 | 19 | 66 | 7 | 109 | 50 | 79 | 5 | 349 | 162 | 26661 | 1093101 |
| مجموع الدائرة | 23 | 27 | 112 | 12 | 143 | 105 | 154 | 9 | 585 | 218 | 44529 | 1825689 |
| قنزات | 37 | 1 | 13 | 6 | 3 | 27 | 10 | 0 | 97 | 6 | 7293 | 299013 |
| حربيل | 20 | 3 | 11 | 0 | 8 | 22 | 18 | 0 | 82 | 15 | 6195 | 253995 |
| مجموع الدائرة | 57 | 4 | 24 | 6 | 11 | 49 | 28 | 0 | 179 | 21 | 13488 | 553008 |
| ماوكلان | 98 | 48 | 41 | 8 | 4 | 65 | 119 | 6 | 389 | 103 | 29484 | 1208844 |
| تالة ايفاسن | 80 | 24 | 49 | 8 | 25 | 61 | 105 | 3 | 355 | 97 | 26916 | 1103556 |
| مجموع الدائرة | 178 | 72 | 90 | 16 | 29 | 126 | 224 | 9 | 744 | 200 | 56400 | 2312400 |
| العلمة | 505 | 181 | 406 | 75 | 0 | 507 | 356 | 38 | 2068 | 428 | 156384 | 6411744 |
| القلتة الزرقاء | 92 | 37 | 79 | 4 | 0 | 52 | 135 | 16 | 415 | 171 | 31638 | 1297158 |
| بازر سخرة | 82 | 46 | 92 | 17 | 27 | 76 | 153 | 11 | 504 | 294 | 38682 | 1585962 |
| مجموع الدائرة | 679 | 264 | 577 | 96 | 27 | 635 | 644 | 65 | 2987 | 893 | 226704 | 9294864 |
| حمام السخنة | 66 | 41 | 49 | 7 | 56 | 53 | 102 | 5 | 379 | 169 | 28932 | 1186212 |
| الطاية | 128 | 19 | 44 | 4 | 30 | 90 | 165 | 11 | 491 | 130 | 37215 | 1525815 |
| التلة | 37 | 23 | 42 | 3 | 22 | 37 | 87 | 2 | 253 | 139 | 19392 | 795072 |
| مجموع الدائرة | 231 | 83 | 135 | 14 | 108 | 180 | 354 | 18 | 1123 | 438 | 85539 | 3507099 |
| بير العرش | 120 | 78 | 76 | 7 | 6 | 28 | 111 | 1 | 427 | 154 | 32487 | 1331967 |
| البلاعة | 75 | 29 | 38 | 6 | 22 | 48 | 87 | 22 | 327 | 106 | 24843 | 1018563 |
| الولجة | 20 | 13 | 49 | 0 | 76 | 51 | 130 | 3 | 342 | 110 | 25980 | 1065180 |
| تاشودة | 26 | 28 | 50 | 1 | 41 | 39 | 101 | 1 | 287 | 106 | 21843 | 895563 |
| مجموع الدائرة | 241 | 148 | 213 | 14 | 145 | 166 | 429 | 27 | 1383 | 476 | 105153 | 4311273 |
| جميلة | 151 | 34 | 77 | 9 | 43 | 89 | 141 | 16 | 560 | 403 | 43209 | 1771569 |
| بني فودة | 69 | 17 | 46 | 3 | 0 | 95 | 61 | 2 | 293 | 39 | 22092 | 905772 |
| مجموع الدائرة | 220 | 51 | 123 | 12 | 43 | 184 | 202 | 18 | 853 | 442 | 65301 | 2677341 |
| مجموع الولاية | 5 650 | 2 422 | 5 171 | 771 | 2 663 | 5 569 | 8 890 | 650 | 31 786 | 10 434 | 2 415 252 | 99 025 332 |

**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2015،ص185.

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2013

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | معوقينارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | العدد | المبلغ |
| سطيف | 754 | 835 | 248 | 290 | 272 | 1028 | 1000 | 100 | 4527 | 13581000 |
| عين أرنات | 28 | 131 | 50 | 22 | 74 | 113 | 158 | 6 | 582 | 1746000 |
| عين عباسة | 35 | 54 | 101 | 9 | 33 | 0 | 81 | 2 | 315 | 945000 |
| الاوريسيا | 43 | 51 | 19 | 5 | 6 | 93 | 50 | 3 | 270 | 810000 |
| مزلوق | 42 | 51 | 31 | 6 | 29 | 41 | 41 | 8 | 249 | 747000 |
| مجموع الدائرة | 148 | 287 | 201 | 42 | 142 | 247 | 330 | 19 | 1416 | 4248000 |
| عين الكبيرة | 47 | 87 | 48 | 17 | 60 | 142 | 134 | 21 | 556 | 1668000 |
| أولاد عدوان | 16 | 42 | 11 | 0 | 11 | 43 | 41 | 2 | 166 | 498000 |
| الدهامشة | 63 | 22 | 24 | 3 | 0 | 44 | 44 | 4 | 204 | 612000 |
| مجموع الدائرة | 126 | 151 | 83 | 20 | 71 | 229 | 219 | 27 | 926 | 2778000 |
| بابور | 53 | 54 | 35 | 7 | 102 | 90 | 100 | 8 | 449 | 1347000 |
| سرج الغول | 92 | 36 | 24 | 5 | 38 | 39 | 47 | 7 | 288 | 864000 |
| مجموع الدائرة | 145 | 90 | 59 | 12 | 140 | 129 | 147 | 15 | 737 | 2211000 |
| عموشة | 58 | 66 | 63 | 14 | 0 | 54 | 81 | 3 | 339 | 1017000 |
| تيزى نبشار | 79 | 52 | 40 | 6 | 1 | 104 | 52 | 4 | 339 | 1017000 |
| واد البارد | 12 | 8 | 22 | 1 | 8 | 28 | 29 | 2 | 110 | 330000 |
| مجموع الدائرة | 149 | 126 | 125 | 21 | 9 | 186 | 162 | 9 | 788 | 2364000 |
| بني عزيز | 36 | 49 | 29 | 8 | 64 | 90 | 47 | 9 | 332 | 996000 |
| عين السبت | 55 | 48 | 36 | 13 | 79 | 85 | 58 | 15 | 389 | 1167000 |
| معاوية | 63 | 30 | 7 | 4 | 36 | 33 | 34 | 6 | 213 | 639000 |
| مجموع الدائرة | 154 | 127 | 72 | 25 | 179 | 208 | 139 | 30 | 934 | 2802000 |
| عين ولمان | 105 | 362 | 228 | 36 | 435 | 301 | 849 | 70 | 2386 | 7158000 |
| قلال | 4 | 67 | 18 | 10 | 109 | 96 | 98 | 10 | 412 | 1236000 |
| قصر الأبطال | 201 | 81 | 49 | 10 | 5 | 96 | 83 | 1 | 526 | 1578000 |
| أولاد سي احمد | 23 | 45 | 34 | 6 | 104 | 78 | 184 | 11 | 485 | 1455000 |
| مجموع الدائرة | 333 | 555 | 329 | 62 | 653 | 571 | 1214 | 92 | 3809 | 11427000 |
| قجال | 125 | 87 | 62 | 9 | 0 | 90 | 85 | 10 | 468 | 1404000 |
| أولاد صابر | 68 | 52 | 32 | 0 | 0 | 28 | 39 | 7 | 226 | 678000 |
| مجموع الدائرة | 193 | 139 | 94 | 9 | 0 | 118 | 124 | 17 | 694 | 2082000 |
| صالح باي | 169 | 148 | 71 | 21 | 13 | 157 | 272 | 20 | 871 | 2613000 |
| الرصفة | 12 | 38 | 13 | 5 | 66 | 65 | 119 | 6 | 324 | 972000 |
| اولاد تبان | 128 | 88 | 28 | 9 | 63 | 153 | 208 | 20 | 697 | 20991000 |
| الحامة | 137 | 52 | 14 | 7 | 13 | 52 | 90 | 2 | 367 | 1101000 |
| بوطالب | 41 | 26 | 23 | 7 | 48 | 33 | 31 | 7 | 216 | 648000 |
| مجموع الدائرة | 487 | 352 | 149 | 49 | 203 | 460 | 689 | 55 | 2475 | 26325000 |
| عين أزال | 433 | 193 | 147 | 28 | 0 | 218 | 469 | 30 | 1518 | 4554000 |
| عين الحجر | 46 | 154 | 66 | 22 | 130 | 212 | 275 | 27 | 932 | 2796000 |
| بير حدادة | 109 | 71 | 58 | 12 | 10 | 86 | 145 | 17 | 508 | 1524000 |
| بيضاء برج | 349 | 181 | 100 | 26 | 138 | 236 | 370 | 46 | 1446 | 4338000 |
| مجموع الدائرة | 937 | 599 | 371 | 88 | 278 | 752 | 1259 | 120 | 4404 | 13212000 |

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات 2013 (تابع )

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | معوقينارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | مكفوفين | المسنين | معوقين اكبر من 18 سنة | الأمراض المزمنة اكبر من 18 سنة | عائلة يعيلها اب مكفوف | المجموع | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | العدد | المبلغ |
| بني ورثيلان | 41 | 35 | 15 | 5 | 47 | 54 | 17 | 3 | 217 | 651000 |
| عين لقراج | 52 | 49 | 28 | 9 | 31 | 69 | 27 | 2 | 267 | 801000 |
| بني شبانه | 6 | 52 | 49 | 13 | 65 | 52 | 26 | 3 | 266 | 798000 |
| بني موحلى | 29 | 39 | 26 | 1 | 11 | 45 | 12 | 2 | 165 | 495000 |
| مجموع الدائرة | 128 | 175 | 118 | 28 | 154 | 220 | 82 | 10 | 915 | 2745000 |
| بوعنداس | 42 | 47 | 38 | 1 | 26 | 86 | 105 | 3 | 348 | 1044000 |
| بوسلام | 91 | 57 | 26 | 3 | 27 | 70 | 69 | 2 | 345 | 1035000 |
| ايت تيزى | 55 | 30 | 17 | 2 | 20 | 39 | 38 | 1 | 202 | 606000 |
| ايت نوال مزادة | 45 | 32 | 31 | 7 | 50 | 52 | 37 | 1 | 255 | 765000 |
| مجموع الدائرة | 233 | 166 | 112 | 13 | 123 | 247 | 249 | 7 | 1150 | 3450000 |
| بوقاعة | 15 | 76 | 19 | 17 | 45 | 103 | 79 | 2 | 356 | 1068000 |
| عين الروى | 53 | 51 | 25 | 16 | 0 | 39 | 52 | 5 | 241 | 723000 |
| بني وسين | 32 | 59 | 24 | 1 | 0 | 38 | 98 | 7 | 259 | 777000 |
| مجموع الدائرة | 100 | 186 | 68 | 34 | 45 | 180 | 229 | 14 | 856 | 2568000 |
| حمام القرقور | 7 | 40 | 10 | 5 | 32 | 67 | 68 | 3 | 232 | 696000 |
| ذراع قبيلة | 45 | 65 | 26 | 8 | 67 | 59 | 71 | 3 | 344 | 1032000 |
| مجموع الدائرة | 52 | 105 | 36 | 13 | 99 | 126 | 139 | 6 | 576 | 1728000 |
| قنزات | 37 | 15 | 0 | 9 | 2 | 27 | 7 | 0 | 97 | 391000 |
| حربيل | 22 | 13 | 3 | 0 | 10 | 23 | 14 | 0 | 85 | 255000 |
| مجموع الدائرة | 59 | 28 | 3 | 9 | 12 | 50 | 21 | 0 | 182 | 646000 |
| ماوكلان | 88 | 43 | 55 | 7 | 6 | 70 | 107 | 6 | 382 | 1146000 |
| تالة ايفا سن | 69 | 44 | 31 | 10 | 24 | 73 | 92 | 1 | 344 | 1032000 |
| مجموع الدائرة | 157 | 87 | 86 | 17 | 30 | 143 | 199 | 7 | 726 | 2178000 |
| العلمة | 511 | 380 | 173 | 76 | 0 | 565 | 288 | 47 | 2040 | 6120000 |
| القلتة الزرقاء | 89 | 77 | 43 | 4 | 0 | 60 | 115 | 16 | 404 | 1212000 |
| بازر سخرة | 96 | 107 | 48 | 17 | 14 | 86 | 115 | 9 | 492 | 1476000 |
| مجموع الدائرة | 696 | 564 | 264 | 97 | 14 | 711 | 518 | 72 | 2936 | 8808000 |
| حمام السخنة | 52 | 52 | 48 | 8 | 62 | 61 | 80 | 6 | 369 | 1107000 |
| الطاية | 122 | 50 | 23 | 3 | 35 | 95 | 143 | 9 | 480 | 1440000 |
| التلة | 35 | 43 | 25 | 3 | 23 | 37 | 79 | 5 | 250 | 750000 |
| مجموع الدائرة | 209 | 145 | 96 | 14 | 120 | 193 | 302 | 20 | 1099 | 3297000 |
| بير العرش | 118 | 68 | 94 | 8 | 9 | 30 | 80 | 3 | 410 | 1230000 |
| البلاعة | 72 | 47 | 32 | 7 | 26 | 46 | 69 | 23 | 322 | 966000 |
| الولجة | 22 | 50 | 15 | 1 | 68 | 53 | 121 | 5 | 335 | 1005000 |
| تاشودة | 26 | 47 | 28 | 4 | 49 | 45 | 81 | 1 | 281 | 843000 |
| مجموع الدائرة | 238 | 212 | 169 | 20 | 152 | 174 | 351 | 32 | 1348 | 4044000 |
| جميلة | 140 | 92 | 37 | 8 | 49 | 92 | 119 | 15 | 552 | 1656000 |
| بني فودة | 69 | 42 | 20 | 3 | 0 | 109 | 38 | 5 | 286 | 858000 |
| مجموع الدائرة | 209 | 134 | 57 | 11 | 49 | 201 | 157 | 20 | 838 | 2514000 |
| مجموع الولاية | 5507 | 5063 | 2740 | 874 | 2745 | 6173 | 7530 | 672 | 31336 | 113008000 |

**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2013،ص195.

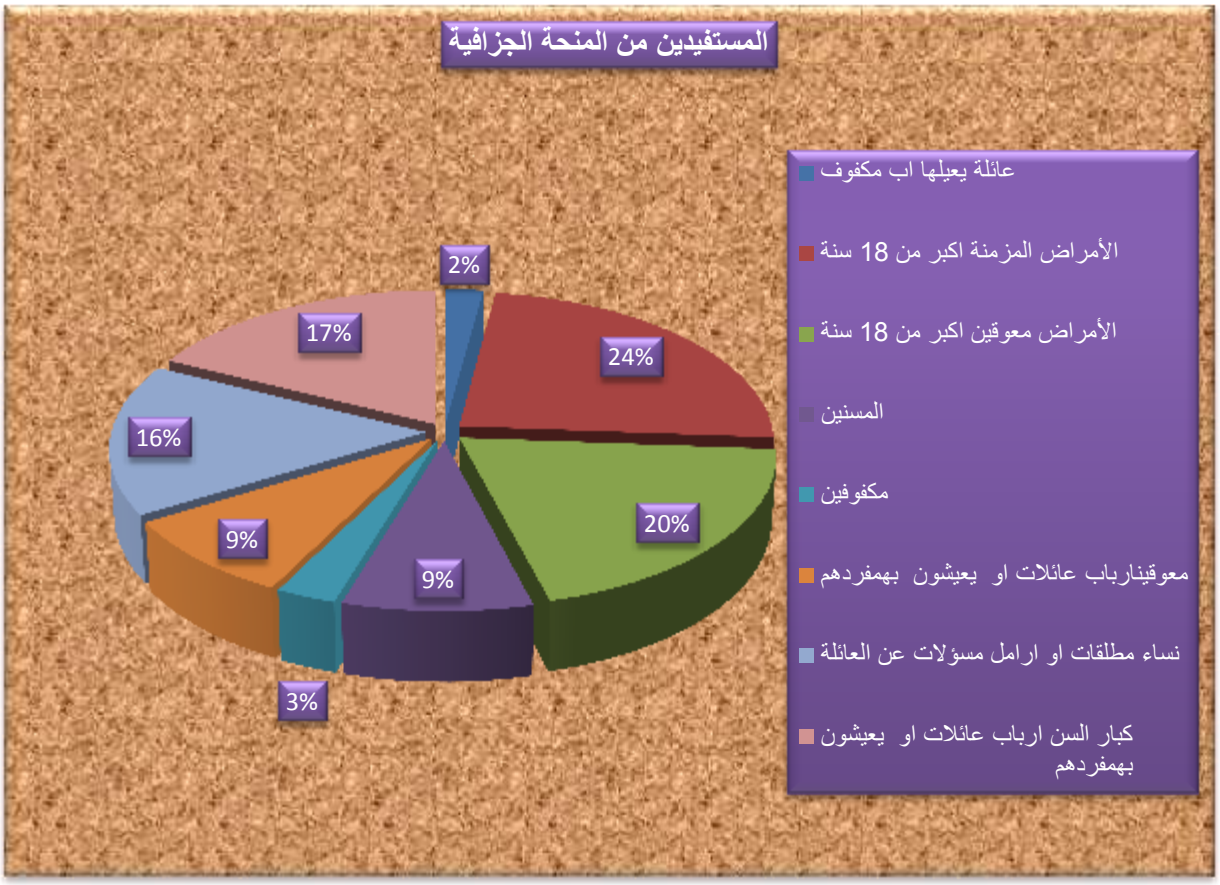


**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2013،ص196.

تم اعتماد مبلغ **113008000** لفائدة الفئات المعوزة والمعرفة والمحددة بالقانون والتي تظم الأنماط والأصناف المذكورة في الجدول أعلاه والمبين نسبها بالرسم البياني

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات لسنة 2012

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او يعيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | اشخاص مكفوفين | معاقين اكبر من 18 سنة | المسنين | الأمراض المزمنة | عائلة متكفلة بأشخاص معاقين | المجموع | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | العدد | PAC | المبلغ |
| سطيف | 754 | 836 | 329 | 1301 | 285 | 932 | 93 | 4530 | 650 | 14,009,700,00 |
| عين أرنات | 25 | 128 | 22 | 164 | 79 | 130 | 6 | 554 | 220 | 1,730,610,00 |
| عين عباسة | 36 | 53 | 9 | 106 | 38 | 70 | 2 | 314 | 181 | 987,813,00 |
| الاوريسيا | 44 | 47 | 6 | 116 | 7 | 46 | 4 | 270 | 79 | 839,967,00 |
| مزلوق | 42 | 49 | 5 | 75 | 30 | 38 | 8 | 247 | 75 | 768,750,00 |
| مجموع الدائرة | 147 | 277 | 42 | 461 | 154 | 284 | 20 | 1385 | 555 | 432714000 |
| عين الكبيرة | 47 | 84 | 16 | 199 | 66 | 118 | 22 | 552 | 289 | 1,732,947,00 |
| أولاد عدوان | 15 | 43 | 0 | 54 | 12 | 39 | 2 | 165 | 76 | 516,723,00 |
| الدهامشة | 65 | 23 | 3 | 69 | 0 | 41 | 3 | 204 | 111 | 640,953,00 |
| مجموع الدائرة | 127 | 150 | 19 | 322 | 78 | 198 | 27 | 921 | 476 | 0289062300 |
| بابور | 51 | 51 | 7 | 129 | 112 | 88 | 12 | 450 | 214 | 1,410,072,00 |
| سرج الغول | 92 | 35 | 6 | 64 | 38 | 44 | 7 | 286 | 175 | 900,975,00 |
| مجموع الدائرة | 143 | 86 | 13 | 193 | 150 | 132 | 19 | 736 | 389 | 231104700 |
| عموشة | 63 | 68 | 14 | 123 | 0 | 64 | 3 | 335 | 163 | 1,050,174,00 |
| تيزى نبشار | 82 | 50 | 6 | 146 | 1 | 48 | 4 | 337 | 137 | 1,053,126,00 |
| واد البارد | 12 | 7 | 0 | 52 | 9 | 28 | 2 | 110 | 44 | 343,662,00 |
| مجموع الدائرة | 157 | 125 | 20 | 321 | 10 | 140 | 9 | 782 | 344 | 244696200 |
| بني عزيز | 36 | 47 | 7 | 123 | 63 | 46 | 8 | 330 | 180 | 1,036,890,00 |
| عين السبت | 55 | 51 | 13 | 121 | 80 | 56 | 15 | 391 | 220 | 1,229,385,00 |
| معاوية | 69 | 29 | 4 | 44 | 36 | 29 | 4 | 215 | 201 | 685,848,00 |
| مجموع الدائرة | 160 | 127 | 24 | 288 | 179 | 131 | 27 | 936 | 601 | 295212300 |
| عين ولمان | 91 | 367 | 35 | 538 | 443 | 814 | 60 | 2348 | 500 | 7,281,600,00 |
| قلال | 2 | 69 | 10 | 112 | 110 | 91 | 10 | 404 | 86 | 1,252,878,00 |
| قصر الأبطال | 202 | 79 | 10 | 143 | 6 | 70 | 1 | 511 | 177 | 1,593,096,00 |
| أولاد سي احمد | 23 | 46 | 6 | 115 | 105 | 161 | 9 | 465 | 174 | 1,451,277,00 |
| مجموع الدائرة | 318 | 561 | 61 | 908 | 664 | 1136 | 80 | 3728 | 937 | 1157885100 |
| قجال | 122 | 92 | 9 | 152 | 0 | 72 | 10 | 457 | 114 | 1,419,297,00 |
| أولاد صابر | 69 | 51 | 0 | 60 | 0 | 36 | 7 | 223 | 177 | 707,496,00 |
| مجموع الدائرة | 191 | 143 | 9 | 212 | 0 | 108 | 17 | 680 | 291 | 212679300 |
| صالح باي | 166 | 146 | 21 | 231 | 12 | 255 | 19 | 850 | 290 | 2,649,420,00 |
| الرصفة | 10 | 38 | 5 | 75 | 70 | 110 | 7 | 315 | 63 | 976,374,00 |
| اولاد تبان | 123 | 83 | 9 | 185 | 64 | 196 | 24 | 684 | 181 | 2,125,563,00 |
| الحامة | 136 | 52 | 7 | 68 | 13 | 83 | 2 | 361 | 170 | 1,130,985,00 |
| بوطالب | 41 | 24 | 7 | 57 | 47 | 30 | 6 | 212 | 161 | 671,703,00 |
| مجموع الدائرة | 476 | 343 | 49 | 616 | 206 | 674 | 58 | 2422 | 865 | 755404500 |
| عين أزال | 439 | 191 | 36 | 394 | 0 | 422 | 30 | 1512 | 451 | 4,704,873,00 |
| عين الحجر | 37 | 149 | 22 | 276 | 133 | 267 | 30 | 914 | 381 | 2,857,413,00 |
| بير حدادة | 105 | 70 | 25 | 146 | 11 | 128 | 17 | 502 | 246 | 1,533,933,00 |
| بيضاء برج | 356 | 183 | | 337 | 132 | 321 | 52 | 1381 | 218 | 4,350,264,00 |
| مجموع الدائرة | 937 | 593 | 83 | 1153 | 276 | 1138 | 129 | 4309 | 1296 | 1344648300 |

# المنحة الجزافية وتوزيعها على البلديات لسنة 2012(تابع)

| البلدية | كبار السن ارباب عائلات او عيشون بهمفردهم | نساء مطلقات او ارامل مسؤلات عن العائلة | اشخاص مكفوفين | معاقين اكبر من 18 سنة | المسنين | الأمراض المزمنة | عائلة متكفلة بأشخاص معاقين | المجموع | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | العدد | PAC | المبلغ |
| بني ورثيلان | 38 | 28 | 9 | 82 | 51 | 14 | 1 | 223 | 136 | 702,453,00 |
| عين لقراج | 50 | 44 | 9 | 98 | 33 | 23 | 4 | 261 | 61 | 810,078,00 |
| بني شبانه | 4 | 55 | 13 | 103 | 64 | 24 | 3 | 266 | 126 | 833,448,00 |
| بني موحلى | 29 | 39 | 1 | 70 | 12 | 11 | 2 | 164 | 102 | 516,846,00 |
| مجموع الدائرة | 121 | 166 | 32 | 353 | 160 | 72 | 10 | 914 | 425 | 2.862.825.00 |
| بوعنداس | 36 | 49 | 1 | 122 | 26 | 99 | 3 | 336 | 170 | 1,054,110,00 |
| بوسلام | 89 | 54 | 3 | 95 | 19 | 68 | 1 | 329 | 161 | 1,031,478,00 |
| ايت تيزى | 55 | 29 | 2 | 55 | 21 | 36 | 1 | 199 | 137 | 628,776,00 |
| ايت نوال مزادة | 42 | 30 | 7 | 90 | 48 | 38 | 3 | 258 | 134 | 809,832,00 |
| مجموع الدائرة | 222 | 162 | 13 | 362 | 114 | 241 | 8 | 1122 | 602 | 3.524.196.00 |
| بوقاعة | 14 | 71 | 19 | 125 | 53 | 73 | 1 | 356 | 117 | 1,109,091,00 |
| عين الروى | 48 | 47 | 16 | 70 | 0 | 48 | 6 | 235 | 150 | 741,075,00 |
| بني وسين | 30 | 52 | 1 | 66 | 0 | 101 | 6 | 256 | 152 | 805,896,00 |
| مجموع الدائرة | 92 | 170 | 36 | 261 | 53 | 222 | 13 | 847 | 419 | 2.656.062.00 |
| حمام القرقور | 5 | 38 | 5 | 77 | 34 | 68 | 3 | 230 | 56 | 714,138,00 |
| ذراع قبيلة | 46 | 66 | 8 | 81 | 70 | 70 | 3 | 344 | 167 | 1,078,341,00 |
| مجموع الدائرة | 51 | 104 | 13 | 158 | 104 | 138 | 6 | 574 | 223 | 1.792.479.00 |
| قنزات | 39 | 15 | 9 | 25 | 2 | 6 | 0 | 96 | 12 | 296,676,00 |
| حربيل | 24 | 14 | 0 | 28 | 11 | 12 | 0 | 89 | 66 | 281,793,00 |
| مجموع الدائرة | 63 | 29 | 9 | 53 | 13 | 18 | 0 | 185 | 78 | 578.469.00 |
| ماوكلان | 85 | 44 | 7 | 121 | 7 | 101 | 6 | 371 | 103 | 1,153,494,00 |
| تالة ايفا سن | 68 | 46 | 10 | 105 | 25 | 88 | 1 | 343 | 98 | 1,066,779,00 |
| مجموع الدائرة | 153 | 90 | 17 | 226 | 32 | 189 | 7 | 714 | 201 | 2.220.273.00 |
| العلمة | 519 | 346 | 81 | 783 | 0 | 234 | 43 | 2006 | 428 | 6,221,094,00 |
| القلتة الزرقاء | 87 | 75 | 5 | 110 | 0 | 105 | 17 | 399 | 156 | 1,246,113,00 |
| بازر سخرة | 96 | 110 | 17 | 139 | 16 | 96 | 9 | 483 | 294 | 1,521,387,00 |
| مجموع الدائرة | 702 | 531 | 103 | 1032 | 16 | 435 | 69 | 2888 | 878 | 8.988.594.00 |
| حمام السخنة | 49 | 50 | 8 | 107 | 67 | 72 | 6 | 359 | 150 | 1,122,375,00 |
| الطاية | 120 | 54 | 3 | 119 | 37 | 135 | 8 | 476 | 130 | 1,479,690,00 |
| التلة | 37 | 42 | 3 | 65 | 25 | 70 | 5 | 247 | 150 | 777,975,00 |
| مجموع الدائرة | 206 | 146 | 14 | 291 | 129 | 277 | 19 | 1082 | 430 | 3.380.040.00 |
| بير العرش | 113 | 67 | 7 | 128 | 9 | 70 | 3 | 397 | 189 | 1,244,022,00 |
| البلاعة | 64 | 46 | 8 | 80 | 28 | 61 | 22 | 309 | 107 | 963,336,00 |
| الولجة | 19 | 47 | 1 | 65 | 70 | 119 | 6 | 327 | 86 | 1,016,103,00 |
| تاشودة | 19 | 47 | 3 | 75 | 52 | 73 | 1 | 270 | 106 | 843,288,00 |
| مجموع الدائرة | 215 | 207 | 19 | 348 | 159 | 323 | 32 | 1303 | 488 | 4.066.749.00 |
| جميلة | 139 | 94 | 9 | 139 | 53 | 97 | 14 | 545 | 395 | 1,724,460,00 |
| بني فودة | 68 | 37 | 3 | 126 | 0 | 29 | 4 | 267 | 26 | 824,223,00 |
| مجموع الدائرة | 207 | 131 | 12 | 265 | 53 | 126 | 18 | 812 | 421 | 2.548.683.00 |
| مجموع الولاية | 5442 | 4977 | 929 | 9124 | 2835 | 6914 | 661 | 30882 | 10569 | 96.262.137.00 |

**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2012،ص202.

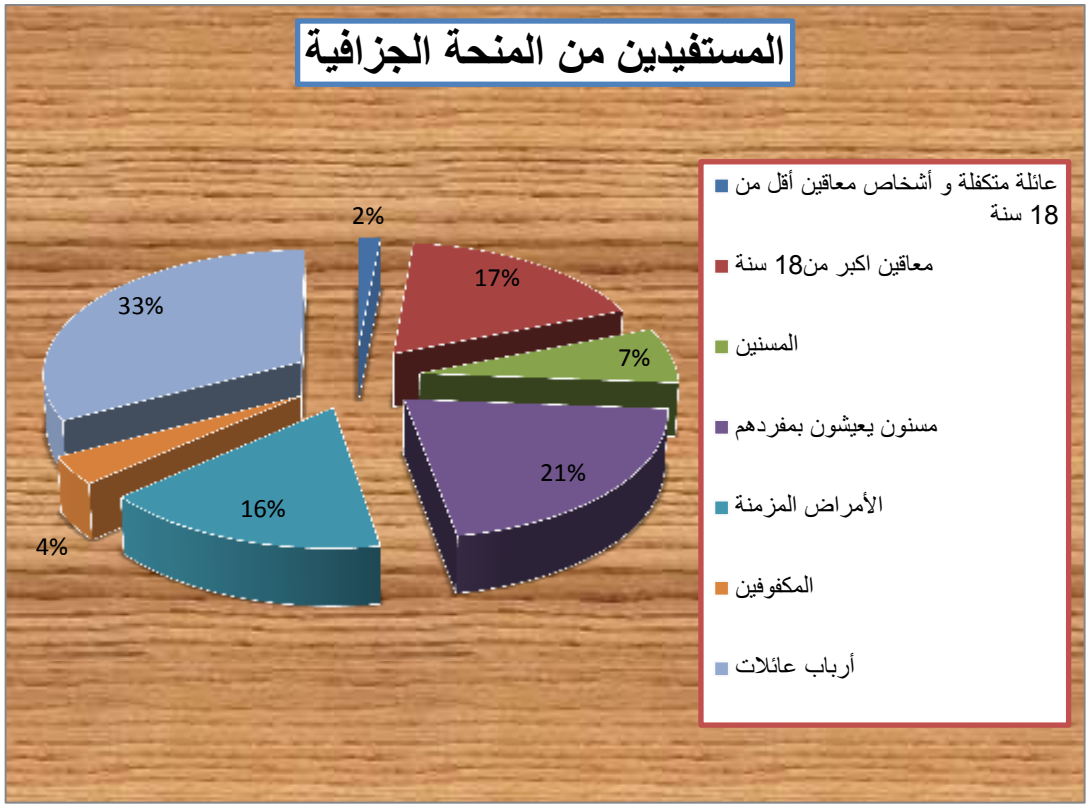


**المصدر**:مديرية البرمجة و متابعة الميزانية، مصلحة الإحصائيات،قطاع النشاط الاجتماعي،ولاية سطيف،2012،ص203.

تم اعتماد مبلغ **96.262.137.00** لفائدة الفئات المعوزة والمعرفة والمحددة بالقانون والتي تظم الأنماط والأصناف المذكورة في الجدول أعلاه والمبين نسبها بالرسم البياني